THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com
Vaartha Hindi
@Vaartha_Hindi
Vaartha official
www.hindi.vaartha.com

वर्ष-30 अंक : 36 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) वैशाख शु.6 2082 शनिवार, 3 मई-2025

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर ※ पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

केदारनाथ अखण्ड ज्योति के दर्शन

देहरादून, 2 मई (एजेंसियां)। केदारनाथ धाम के कपाट शुक्रवार को खोल दिए गए। कपाट खुलते ही भक्तों ने मंदिर के अंदर जलती अखंड ज्योति के दर्शन किए। इसके बाद रुद्राभिषेक, शिवाष्टक, शिव तांडव स्तोत्र और केदाराष्टक के मंत्रों का जाप किया गया।

मंदिर में सबसे पहले कर्नाटक के वीरशैव लिंगायत समुदाय के मुख्य रावल भीमशंकर पहुंचे। इसके बाद बाबा पर 6 महीने पहले चढ़ाया गया भीष्म श्रृंगार हटाया गया। मंदिर को 54 किस्म के 108 क्विंटल फूलों से सजाया गया है। इसमें नेपाल, थाईलैंड और श्रीलंका जैसे विभिन्न देशों से लाए गए गुलाब और गेंदा के फूल शामिल हैं। पहले दिन करीब 10 हजार लोग दर्शन के लिए पहुंचे।

आंध्र को 58000 करोड़ की सौगात

> डीआरडीओ का मिसाइल परीक्षण केंद्र > अमरावती में एक सपना सच होते दिख रहा है : मोदी

अमरावती, 2 मई (स्वतंत्र वार्ता)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को आंध्र प्रदेश की राजधानी अमरावती में 58,000 करोड़ रुपये की परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया, जिसमें ग्रीनफील्ड राजधानी अमरावती का निर्माण फिर से शुरू करना भी शामिल है, जो आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायुडू का 'ड्रीम प्रोजेक्ट' है।

प्रधानमंत्री ने 94 परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया, जिसमें राजधानी शहर के संस्थान, राष्ट्रीय राजमार्ग, रेलवे उन्नयन और रक्षा संबंधी प्रतिष्ठान शामिल हैं। अमरावती के निर्माण को फिर से शुरू करने के हिस्से के रूप में, पीएम ने 49,000 करोड़ रुपये की 74 परियोजनाओं की आधारशिला रखी, जिसमें विधानसभा, सचिवालय और उच्च न्यायालय भवनों और न्यायिक आवासीय क्वार्टरों के साथ-साथ 5,200 परिवारों के लिए आवास भवनों का निर्माण शामिल है। पीएम मोदी ने ग्रीनफील्ड राजधानी शहर में भूमिगत उपयोगिताओं और उन्नत बाढ़ प्रबंधन प्रणालियों के साथ 320 किलोमीटर लंबे विश्व स्तरीय परिवहन नेटवर्क की विशेषता वाले बुनियादी ढांचे और बाढ़ शमन परियोजनाओं की नींव रखी। भूमि पूलिंग योजना के बुनियादी ढांचे की परियोजनाओं में ग्रीनफील्ड राजधानी अमरावती में केंद्रीय मध्य, साइकिल ट्रैक और एकीकृत उपयोगिताओं से सुसज्जित 1,281 किलोमीटर सड़कें शामिल होंगी। इस दौरान पीएम मोदी ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा, आज जब मैं इस अमरावती की भूमि पर खड़ा हूं तो मुझे केवल ये एक शहर नहीं दिख रहा है बल्कि मुझे ये एक सपना सच होते हुए दिख रहा है। एक नया अमरावती और एक नया आंध्र, अमरावती वो धरती है जहां परंपरा और प्रगति दोनों साथ चलते हैं... आज यहां करीब 60,000 करोड़ रुपये की परियोजना का शिलान्यास और लोकार्पण किया गया है... ये परियोजना केवल कंक्रीट निर्माण नहीं है बल्कि आंध्र प्रदेश की आंकाक्षाओं की विकसित भारत की उम्मीदों की मजबूत नींव भी है। इसी तरह, पीएम ने 5,028 करोड़ रुपये की नौ केंद्रीय परियोजनाओं की नींव रखी, जैसे कि कृष्णा जिले के नागयालंका में डीआरडीओ का मिसाइल परीक्षण केंद्र (1,459 करोड़ रुपये), विजाग में यूनिटी मॉल (100 करोड़ रुपये), गुंटकल- मल्लप्पा गेट रेल ओवरब्रिज (293 करोड़ रुपये) और छह राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाएं (3,176 करोड़ रुपये)। मिसाइल परीक्षण केंद्र में एक प्रक्षेपण केंद्र, तकनीकी उपकरण सुविधाएं, स्वदेशी रडार, टेलीमेट्री और इलेक्ट्रो-ऑप्टिकल सिस्टम शामिल होंगे, जो देश की रक्षा तैयारियों को बढ़ाएंगे। विशाखापट्टनम के मधुरवाड़ा में पीएम एकता मॉल या यूनिटी मॉल की परिकल्पना राष्ट्रीय एकीकरण को बढ़ावा देने, मेक इन इंडिया पहल का समर्थन करने, 'एक जिला एक उत्पाद' पहल को बढ़ावा देने, रोजगार के अवसर पैदा करने, ग्रामीण कारीगरों को सशक्त बनाने और स्वदेशी उत्पादों की बाजार में उपस्थिति बढ़ाने के उद्देश्य से की गई है।

जिन छह राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं की उन्होंने आधारशिला रखी, उनमें एनएच के विभिन्न खंडों का चौड़ीकरण, एलिवेटेड कॉरिडोर, हाफ क्लोवर लीफ और रोड ओवर ब्रिज का निर्माण शामिल है।

'आज का कार्यक्रम कई लोगों की नींद में खलल डालने वाला'

> मंच पर विजयन-थरूर से बोले मोदी

तिरुवनंतपुरम, 2 मई (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शुक्रवार को केरल दौरे पर हैं। यहां उन्होंने मुख्यमंत्री पिनरई विजयन और कांग्रेस सांसद शशि थरूर के साथ मंच साझा किया। उन्होंने विझिनजाम बंदरगाह के उद्घाटन समारोह में कहा, मैं सीएम को बताना चाहता हूं कि आप इंडी गठबंधन के मजबूत स्तंभ हैं। शशि थरूर भी यहां बैठे हैं। आज का कार्यक्रम कई लोगों की नींद में खलल डालने वाला है। हालांकि, उनके भाषण को स्थानीय भाषा में दोहराने वाले व्यक्ति ने इसका ठीक से अनुवाद नहीं किया। इससे प्रधानमंत्री को यह कहना

पड़ा कि संदेश उन तक पहुंच गया है, जिन्हें यह संदेश पहुंचाना था। अब कांग्रेस पार्टी ने उस पर पलटवार किया है। कांग्रेस महासचिव केसी वेणुगोपाल ने कहा कि हम तो चैन से सोएंगे, लेकिन रातों की नींद प्रधानमंत्री की उड़ने वाली है। केसी वेणुगोपाल ने कहा कि हम प्रधानमंत्री और उनकी कैबिनेट पर जातीय जनगणना के मुद्दे पर ज्यादा से ज्यादा दबाव डालेंगे। खासकर आरक्षण की सीमा को 50 प्रतिशत से ज्यादा बढ़ाकर करने की भी मांग करेंगे। हम पीएम मोदी और उनकी कैबिनेट को महिला आरक्षण विधेयक की तरह जातीय जनगणना की तरह नहीं करने देंगे।

अब पाकिस्तान की खैर नहीं : जंगी जहाज आईएनएस सूरत हजीरा पोर्ट पर तैनात

नई दिल्ली, 2 मई (एजेंसियां)। पाकिस्तान के साथ तनाव के बीच नौसेना का जंगी जहाज आईएनएस सूरत पहली बार सूरत के हजीरा पोर्ट पर तैनात कर दिया गया। नौसेना के कमांड अधिकारी कैप्टन संदीप शोरे ने बताया कि आईएनएस सूरत देश के सबसे उन्नत और शक्तिशाली युद्धपोतों में से एक है। एएनआई के मुताबिक, नौसेना ने अपने सभी वॉरशिप को अलर्ट पर रखा है। भारतीय नौसेना ने स्वदेशी विमानवाहक पोत आईएनएस विक्रांत को अरब सागर में तैनात किया था। यह भारत-पाकिस्तान के बीच बढ़ते तनाव के बीच एक रणनीतिक संकेत माना जा रहा है। तैनाती 22 अप्रैल को जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद की गई थी। इससे पहले भारतीय नौसेना ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर एक पोस्ट किया था। इसमें लिखा गया, 'एकता में शक्ति, उद्देश्यपूर्ण उपस्थिति।' नौसेना ने पोस्ट के साथ कई हैशटैग भी लगाए थे।

26 लोगों की हुई थी मौत :

जम्मू-कश्मीर के पहलगाम शहर के निकट 'मिनी स्विटरलैंड' नाम से मशहूर पर्यटन स्थल पर 22 अप्रैल को हुए आतंकवादी हमले में 26 लोगों की मौत हो गई थी। इनमें ज्यादातर पर्यटक थे। यह 2019 में पुलवामा में हुए हमले के बाद घाटी में हुआ सबसे घातक हमला था।

आईएसआई के लिए जासूसी करने का आरोपी गिरफ्तार :

इस बीच राजस्थान इंटेलिजेंस ने जैसलमेर निवासी पठान खान को पाकिस्तान की आईएसआई के लिए जासूसी करने के आरोप में गिरफ्तार किया है। उसके खिलाफ सरकारी गोपनीयता अधिनियम, 1923 के तहत मामला दर्ज किया गया है। उसे करीब एक महीने पहले हिरासत में लिया गया था और तब से उससे पूछताछ की जा रही थी। उसे औपचारिक रूप से 1 मई 2025 को गिरफ्तार किया गया।

8900 करोड़ का विझिनजाम बंदरगाह देश को किया समर्पित

तिरुवनंतपुरम, 2 मई (एजेंसियां)। केरल की जनता को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को 8,900 करोड़ रुपये की सौगात दी। इस दौरान उन्होंने हजारों करोड़ की लागत से निर्मित 'विझिनजाम इंटरनेशनल डीपवाटर मल्टीपर्पज सीपोर्ट' को राष्ट्र को समर्पित किया। इस दौरान मुख्यमंत्री पिनराई विजयन भी मौजूद रहे। केरल सरकार की इस महत्वाकांक्षी परियोजना को अदाणी पोर्ट्स एंड स्पेशल इकोनॉमिक जोन लिमिटेड की ओर से सार्वजनिक-निजी भागीदारी के तहत विकसित किया गया है। पीएम मोदी ने लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि यहां दुनिया के बड़े मालवाहक जहाज आसानी से आ सकेंगे। अभी तक भारत का 75 प्रतिशत ट्रांसशिपमेंट देश के बाहर के पोर्ट्स पर होता था, इससे बहुत बड़ा नुकसान होता आया है। ये परिस्थिति अब बदलने जा रही है। अब देश का पैसा देश के काम आएगा। जो पैसा बाहर जाता था, अब वो केरल और विझिनजम के लोगों के लिए नए अवसर लेकर आएगा। इससे पहले उन्होंने कहा कि आज भगवान आदि शंकराचार्य की जयंती है। तीन वर्ष पूर्व सितंबर में मुझे उनके जन्मभूमि क्षेत्र में जाने का सौभाग्य मिला था। केरल से निकलकर देश के अलग-अलग कोनों में मठों की स्थापना करके आदि शंकराचार्य जी ने राष्ट्र की चेतना को जागृत किया। इस पुनीत अवसर पर मैं उन्हें नमन करता हूं।

बंगाल सरकार के 'जगन्नाथ धाम' को लेकर विवाद

भुवनेश्वर, 2 मई (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल के दीघा में बने जगन्नाथ मंदिर के नाम को लेकर ओडिशा में विरोध शुरू हो गया है। पुरी जगन्नाथ मंदिर के पंडितों, सेवकों, विद्वानों, कलाकारों और शोधकर्ता मंदिर का नाम 'जगन्नाथ धाम' रखने पर आपत्ति जता रहे हैं।

दरअसल, पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने 30 अप्रैल को पूर्वी मेदिनीपुर जिले के दीघा में बने जगन्नाथ मंदिर का उद्घाटन किया था। पूजा-अर्चना के बाद उन्होंने मंदिर को 'जगन्नाथ धाम' नाम दिया। ओडिशा के लोगों ने मंदिर बनाने का समर्थन किया, लेकिन नाम पर एतराज जताया। उनका कहना है कि जगन्नाथ धाम सिर्फ पुरी में है, अन्य मंदिर को यह नाम देना हिन्दू मान्यताओं-परंपराओं के खिलाफ है।

एयर मार्शल नर्मदेश्वर तिवारी बने नए उप वायु सेना प्रमुख

> वायु भवन में दिया गया गार्ड ऑफ ऑनर

नई दिल्ली, 2 मई (एजेंसियां)। एयर मार्शल नर्मदेश्वर तिवारी ने शुक्रवार को नए उप वायु सेना प्रमुख का कार्यभार संभाल लिया। उन्होंने एयर मार्शल एस.पी.धरकर का स्थान लिया है, जो 30 अप्रैल को सेवानिवृत्त हुए। कार्यभार संभालने से पहले एयर मार्शल तिवारी गांधीनगर स्थित दक्षिण-पश्चिमी वायु कमान (एसडब्ल्यूएसी) के एयर ऑफिसर कमांडिंग-इन-चीफ के रूप में तैनात थे। वायु सेना मुख्यालय 'वायु भवन' में उन्हें गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। भारतीय वायु सेना ने एक्स पर जानकारी देते हुए कहा, परम विशिष्ट सेवा मेडल (पीवीएसएम), अति विशिष्ट सेवा मेडल (एवीएसएम), और वायु सेना मेडल (वीएम) से सम्मानित एयर मार्शल नर्मदेश्वर तिवारी ने 2 मई 2025 को उप वायु सेना प्रमुख का पदभार संभाल लिया है। एयर मार्शल नर्मदेश्वर तिवारी आरआईएमसी, राष्ट्रीय रक्षा अकादमी (एनडीए) और यूएस एयर कमांड एंड स्टाफ कॉलेज के पूर्व छात्र हैं। जून 1986 में उन्हें लड़ाकू पायलट के रूप में कमीशन दिया गया था। एनडीए से पास आउट होते समय राष्ट्रपति ने उन्हें गोल्ड मेडल से सम्मानित किया गया था।

एयर मार्शल तिवारी एक अनुभवी लड़ाकू पायलट हैं। वह क्वालिफाइड फ्लाइंग इंस्ट्रक्टर और एक्सपेरिमेंटल टेस्ट पायलट भी हैं। उन्हें 3600 घंटे से अधिक की उड़ान का अनुभव है। उन्होंने विभिन्न प्रकार के विमानों को उड़ाया है और मिराज-2000 पर हथियारों और प्रणालियों के ऑपरेशनल परीक्षणों में भी भाग लिया है। कारगिल युद्ध के दौरान उन्होंने कई महत्वपूर्ण अभियानों में सक्रिय भूमिका निभाई थी।

राकेश टिकैत की रैली में धक्का-मुक्की, उतरी पगड़ी

मुजफ्फरनगर, 2 मई (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के मुजफ्फरनगर में जबर्दस्त बवाल की सूचना आ रही है। मुजफ्फरनगर में शुक्रवार को आयोजित जन आक्रोश रैली के दौरान भारी हंगामा हो गया। रैली में पहुंचे किसान नेता राकेश टिकैत के सिर पर किसी ने झंडा मार दिया, जिससे उनकी पगड़ी गिर गई। घटना के बाद रैली स्थल पर अफरा-तफरी मच गई। रैली में शामिल लोगों के बीच धक्का-मुक्की शुरू हो गई। वहां मौजूद सुरक्षाकर्मियों और समर्थकों ने राकेश टिकैत को तुरंत संभाला और सुरक्षित स्थान पर ले गए। दरअसल, राकेश टिकैत के पहलगाम आतंकी हमले को लेकर एक बड़ा बयान दिया था। इसको लेकर दावा किया गया कि उन्होंने पाकिस्तान के समर्थन वाले बयान दिए। इसको लेकर राकेश टिकैत के खिलाफ लोगों का गुस्सा भड़का हुआ था।

नेशनल हेराल्ड मामले में सोनिया और राहुल गांधी की मुश्किलें बढ़ीं

कोर्ट ने भेजा नोटिस

नई दिल्ली, 2 मई (एजेंसियां)। दिल्ली की एक अदालत ने नेशनल हेराल्ड मनी लॉन्ड्रिंग मामले में कांग्रेस नेताओं सोनिया गांधी और राहुल गांधी को नोटिस जारी किया है। दिल्ली के राऊज एवेन्यू कोर्ट में दूसरी सुनवाई हुई। इससे पहले 25 अप्रैल को कोर्ट ने सोनिया गांधी, राहुल गांधी को नोटिस जारी करने से इनकार कर दिया था। अदालत ने ईडी से और अधिक प्रासंगिक दस्तावेज लाने और खामियों को दूर करने को कहा था। अब इस मामले में अगली सुनवाई 8 मई को होगी।

कोर्ट ने कहा कि चार्जशीट पर संज्ञान लेने से पहले आरोपियों के पक्ष को सुनने का अधिकार छीना नहीं जा सकता है। मामले की अगली सुनवाई 8 मई को होगी। कोर्ट ने कहा कि प्रस्तावित आरोपियों को आरोपपत्र के संज्ञान के समय सुनवाई का अधिकार है। किसी भी स्तर पर सुनवाई का अधिकार निष्पक्ष सुनवाई सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक है।

इससे पहले नेशनल हेराल्ड मामले में ईडी ने पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी पर शिकंजा कसते हुए मनी लॉन्ड्रिंग मामले में आरोपपत्र दायर किया था। ईडी ने दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट में आरोपपत्र दाखिल किया था। ईडी ने सोनिया और राहुल नेताओं को मनी लॉन्ड्रिंग मामले में आरोपी बनाया है। आरोपपत्र में कांग्रेस के वरिष्ठ नेता सैम पित्रोदा, सुमन दुबे समेत कई नेताओं के नाम भी शामिल हैं।

क्या है नेशनल हेराल्ड मामला :

नेशनल हेराल्ड समाचार पत्र की स्थापना 1938 में पूर्व प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू ने की थी। यह स्वतंत्रता संग्राम का प्रतीक था, इसे एसोसिएटेड जर्नल्स लिमिटेड यानी एजेएल की तरफ से प्रकाशित किया जाता था। साल 2008 में वित्तीय संकट के बाद समाचार पत्र बंद हो गया और यहीं से इस विवाद की शुरूआत हुई। इसके बाद 2010 में यंग इंडिया प्राइवेट लिमिटेड (वाईआईएल) नाम की कंपनी बनीं, जिसमें सोनिया गांधी और राहुल गांधी की 38-38 प्रतिशत हिस्सेदारी है।

इस मामले में भाजपा नेता सुब्रमण्यम स्वामी ने 2012 में आरोप लगाया कि वाईआईएल ने एजेएल की 2000 करोड़ रुपये से अधिक की संपत्तियों को मात्र 50 लाख रुपये में हासिल कर लिया और यह धोखाधड़ी और मनी लॉन्ड्रिंग का मामला है।

पहलगाम हमले में लश्कर का पाकिस्तानी सेना ने भी दिया साथ : एनआईए

नई दिल्ली, 2 मई (एजेंसियां)। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले को लेकर राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) लगातार जांच में जुटी है। एजेंसी की शुरूआती रिपोर्ट में बड़ा खुलासा हुआ है। रिपोर्ट के अनुसार, 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए आतंकी हमले में आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा के साथ-साथ पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई और पाकिस्तान सेना का भी हाथ था। इस हमले में 26 लोगों की जान चली गई थी। एनआईए की लगातार इस हमले की जांच में जुटी है। एजेंसी ने कश्मीर घाटी से लगभग 20 ओवरग्राउंड वर्कर्स (ओजीडब्ल्यू) की पहचान की है। इन लोगों पर आरोप है कि इन्होंने हमलावरों को मदद पहुंचाई थी। फिलहाल, इन सभी से पूछताछ की जा रही है। एनआईए जल्द ही दो मुख्य ओवर ग्राउंड वर्कर्स निसार अहमद उर्फ हाजी और मुश्ताक हुसैन से भी पूछताछ करने की तैयारी में है। दोनों अभी जम्मू की कोट भलवाल जेल में बंद हैं।

कांग्रेस सीडब्ल्यूसी बैठक : पहलगाम हमले पर सरकार की नीति पर सवाल

'पूरा देश न्याय का इंतजार कर रहा'

नई दिल्ली, 2 मई (एजेंसियां)। कांग्रेस कार्य समिति की बैठक में पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने केंद्र की मोदी सरकार पर पहलगाम आतंकी हमले को लेकर स्पष्ट नीति की कमी को लेकर तीखा हमला बोला। खरगे ने कहा, 'पहलगाम हमले के कई दिन बाद भी सरकार की ओर से कोई स्पष्ट रणनीति सामने नहीं आई है।' सीडब्ल्यूसी की बैठक में पारित प्रस्ताव में कहा गया, 'पूरा देश पहलगाम आतंकी हमले पर जवाबदेही, उत्तर और न्याय की प्रतीक्षा कर रहा है।' पार्टी ने सरकार से इस मुद्दे पर तत्काल कार्रवाई और पारदर्शिता की मांग की।

जाति जनगणना पर राहुल गांधी को बधाई, सरकार के समय पर सवाल

खड़गे ने जाति जनगणना की मांग को स्वीकार करने के लिए सरकार के समय पर आश्चर्य और आशंका जताई। उन्होंने कहा, 'सरकार द्वारा हमारी जाति जनगणना की मांग को स्वीकार करने का समय हमें आश्चर्यचकित करता है और आशंकाएं पैदा करता है।' साथ ही, उन्होंने इस मुद्दे को जोरदार तरीके से उठाने के लिए कांग्रेस नेता राहुल गांधी को बधाई दी।

कांग्रेस कार्य समिति द्वारा पारित प्रस्ताव

कांग्रेस कार्यसमिति ने बैठक में प्रस्ताव पारित किया। इस प्रस्ताव में कहा गया है कि पहलगाम में हुए बर्बर आतंकी हमले में अपने प्रियजनों को खोने वाले 26 परिवारों के साथ एकजुटता और संवेदना के साथ खड़ी है। इन परिवारों का दर्द पूरे राष्ट्र का दर्द है। कांग्रेस कार्य समिति केवल शब्दों में ही नहीं, बल्कि स्थायी एकजुटता के साथ उनके साथ खड़ी है।

पूरा देश आज जवाबदेही, स्पष्टता और न्याय की प्रतीक्षा कर रहा है। इस अक्षम्य और उकसावे भरे हमले के मद्देनज़र, भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस मानती है कि यह राजनीति करने का समय नहीं है, यह वह क्षण है जब देश को एकजुटता, दृढ़ता और राष्ट्रीय संकल्प दिखाना चाहिए। हमें राजनीतिक मतभेदों से ऊपर उठकर यह स्पष्ट संदेश देना होगा कि भारत एकजुट है और किसी भी परिस्थिति में उसकी एकता को कमजोर नहीं किया जा सकता।

कांग्रेस कार्य समिति ने सरकार से मांग की है कि पीड़ित परिवारों को दीर्घकालिक नैतिक और संस्थागत सहायता दी जाए। केवल मुआवजा पर्याप्त नहीं है, दीर्घकालिक पुनर्वास, मानसिक स्वास्थ्य सहायता, और शहीदों की स्मृति को राष्ट्रीय स्तर पर सम्मान और नागरिक स्मरण के माध्यम से जीवित रखना भी उतना ही आवश्यक है।

जातीय जनगणना पर क्या बोली कांग्रेस?कांग्रेस ने जाति जनगणना को सामाजिक न्याय और समावेशी विकास की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया, लेकिन सरकार के इरादों पर सवाल उठाए। पार्टी ने कहा कि वह इस प्रक्रिया की निगरानी करेगी ताकि यह पारदर्शी और निष्पक्ष हो।

'उपनिवेशवाद ने बहुलवाद को दबाया, परंपराओं के लिए आवाज बुलंद करने की जरूरत'

नई दिल्ली, 2 मई (एजेंसियां)। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने शुक्रवार को कहा कि अतीत में उपनिवेशवाद और बड़ी शक्तियों के प्रभुत्व की वजह से बहुलवाद को दबाया गया। वैश्विक व्यवस्था को लोकतांत्रिक बनाने के प्रयासों के बीच परंपराओं, विरासत और विचारों के लिए आवाज बुलंद करना जरूरी है।

जयशंकर विश्व ऑडियो विजुअल और मनोरंजन शिखर सम्मेलन (वेव्स) में सूचना और प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव के साथ वैश्विक मीडिया संवाद को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने मजबूत रचनात्मकता में योगदान देने के लिए प्रतिभाशाली युवाओं के लिए सहज गतिशीलता की भी जोरदार वकालत की। कृत्रिम बुद्धिमत्ता के बढ़ते प्रभाव के बीच विदेश मंत्री ने आगाह किया कि उभरती प्रौद्योगिकियों का गैर-जिम्मेदाराना उपयोग एक बढ़ती हुई चिंता होगी। आज या आने वाले समय में जब भी इस पर विचार किया जाएगा तो पूर्वाग्रह को कम करना, लोकतंत्रीकरण करना और नैतिकता को प्राथमिकता देना सभी उसका हिस्सा होंगे।

पीएम शहबाज का यूट्यूब अकाउंट भारत में बंद कई क्रिकेटर्स के इंस्टाग्राम भी ब्लॉक

भारत की संप्रभुता को प्रभावित करने के लिए भ्रामक सामग्री फैला रहे थे

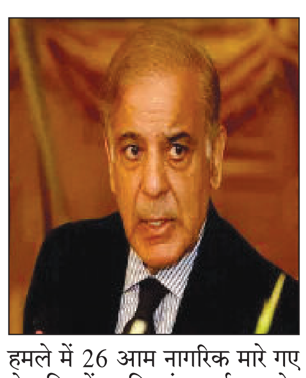

नई दिल्ली, 2 मई (एजेंसियां)। केंद्र सरकार ने शुक्रवार को पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ के आधिकारिक यूट्यूब चैनल को भारत में ब्लॉक कर दिया। चैनल पर अब यह संदेश दिख रहा है- 'यह सामग्री राष्ट्रीय सुरक्षा या सार्वजनिक व्यवस्था से जुड़े सरकारी आदेश के कारण इस देश में उपलब्ध नहीं है।'

शहबाज शरीफ का चैनल अब तक का सबसे हाई-प्रोफाइल खाता है, जिसे भारत सरकार ने ब्लॉक किया है। इससे पहले पाकिस्तान के वित्त मंत्री ख्वाजा आसिफ और सेना की मीडिया शाखा आईएसपीआर के खाते भी ब्लॉक किए जा चुके हैं। सरकार ने केवल राजनेताओं के खिलाफ ही नहीं, बल्कि पाकिस्तानी खिलाड़ियों, सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर्स और न्यूज चैनलों के खातों पर भी कार्रवाई की है। केंद्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में 22 अप्रैल को आतंकियों ने हमला किया था। इस हमले में 26 आम नागरिक मारे गए थे। जिनमें अधिकांश पर्यटक थे। इसके बाद भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव बढ़ा। भारत सरकार ने पाकिस्तान की ओर से फैलाए जा रही अफवाहों और दुष्प्रचार पर नकेल कसने के लिए यह कदम उठाए हैं।

सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय ने उन कई पाकिस्तानी यूट्यूब चैनलों और सोशल मीडिया खातों को ब्लॉक करने का आदेश दिया है, जो भारत की संप्रभुता और सार्वजनिक व्यवस्था को प्रभावित करने के लिए भ्रामक सामग्री फैला रहे हैं। पूर्व पाकिस्तानी क्रिकेटर शोएब अख्तर, पत्रकार आरजू काजमी, टिप्पणीकार सैयद मुजम्मिल शाह, ओलंपियन अर्शद नदीम का इंस्टाग्राम अकाउंट, शाहिद अफरीदी का यूट्यूब चैनल इसके अलावा, दुनिया मेरे आगे, गुलाम नबी मदनी, हकीकत टीवी और हकीकत टीवी 2.0 जैसे चैनल भी भारत में ब्लॉक कर दिए गए हैं।

साथ ही, 30 अप्रैल को पाकिस्तानी अभिनेत्रियों हनिया आमिर और माहिरा खान के इंस्टाग्राम प्रोफाइल भी भारत में ब्लॉक कर दिए गए। सरकार ने सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम के तहत आपातकालीन शक्तियों का इस्तेमाल कर यह कार्रवाई की है। इन चैनलों और खातों को पाकिस्तान से संचालित नेटवर्क का हिस्सा माना गया है, जो भारतीय सेना, कश्मीर और भारत की विदेश नीति जैसे संवेदनशील मुद्दों पर झूठ और अफवाहें फैलाने का काम कर रहे थे।

फार्महाउस के स्विमिंग पूल में डूबकर युवक की हुई मौत

नागपुर, 2 मई (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के नागपुर के वाठोडा इलाके में स्थित एक फार्महाउस में बुधवार रात स्विमिंग पूल में डूबने से एक युवक की मौत हो गई। युवक की पहचान 22 वर्षीय प्रांजल नितिन रावले के रूप में हुई है। यह घटना रात करीब 2.0 बजे पंढुर्ना गांव में स्थित एक फार्महाउस में हुई, जहां प्रांजल अपने दोस्त का जन्मदिन मना रहा था। पुलिस के मुताबिक, प्रांजल तैरना नहीं जानता था और पार्टी के दौरान वह अचानक स्विमिंग पूल में कूद गया। उसके दोस्तों ने शुरू में यह समझा कि वह मजाक कर रहा है, लेकिन कुछ ही देर बाद वह गहरे पानी में जाने लगा। जब दोस्तों ने देखा कि वह गंभीर स्थिति में है, तो उन्होंने उसे किसी तरह से बाहर निकाला। प्रांजल की हालत बहुत बिगड़ चुकी थी और उसे तुरंत अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

6 कथित पाकिस्तानी नागरिकों को वापस भेजने पर सुप्रीम कोर्ट ने लगाई रोक

नई दिल्ली, 2 मई (एजेंसियां)। पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत सरकार ने देश में मौजूद सभी पाकस्तानी नागरिकों का वीजा रद्द कर दिया है। पाकिस्तानी नागरिकों को भारत छोड़ने को कहा गया है। इस बीच भारत में रह रहे 6 कथित पाकिस्तानी नागरिकों को वापस भेजने पर सुप्रीम कोर्ट ने फिलहाल रोक लगा दी है। याचिकाकर्ताओं की दलील है कि उनके पास वैध इंडियन पासपोर्ट है। सुप्रीम कोर्ट ने याचिकाकर्ताओं को अपनी मांग उचित अथॉरिटी के पास रखने को कहा है। आइए जानते हैं इस मामले के बारे में सबकुछ

कोर्ट में क्या दलील दी गई?

याचिकाकर्ता के वकील नंद किशोर ने कहा कि यह एक चौंकाने वाला मामला है। हमें सीमा पर हिरासत में लिया गया है। हम भारतीय नागरिक हैं, हमारे पास भारतीय पासपोर्ट, आधार कार्ड हैं। मेरे परिवार को गाडी में बैठाकर वाघा सीमा पर ले जाया गया है। देश से बाहर निकाले जाने की कगार पर है, जबकि हम भारतीय नागरिक है। हमें नोटिस जारी कर कहा गया था कि हम यहां से चले जाएं। कुल 6 लोग हैं- दो बेटे बैंगलोर में काम करते हैं। माता, पिता, बहन, एक और भाई, हमारे पास विदेश मंत्रालय द्वारा जारी पासपोर्ट हैं। वहीं, सॉलिसिटर जनरल ने कहा कि इन लोगों को संबंधित अधिकारियों के पास जाना चाहिए।

कहां के रहने वाले हैं कथित पाक नागरिक?

याचिकाकर्ता अहमद तारिक बट्ट का पिता तारिक मशकूर बट्ट पाक अधिकृत कश्मीर के मीरपुर का निवासी है। उसकी मां नुसरत बट्ट श्रीनगर में जन्मी है। याचिका के मुताबिक तारिक बट्ट 1997 तक पाक अधिकृत कश्मीर के मीरपुर में रहा। फिर 2000 में पूरा परिवार सरहद पार कर श्रीनगर आ गया। वो कई सालों तक कश्मीर घाटी में रहा। फिलहाल वो बंगलुरू में रहता है। इस बीच उसने केरल के कोझिकोड में स्थित भारतीय प्रबंधन संस्थान यानी आईआईएम से स्नातक की डिग्री ली। कुछ वर्षों से वो बंगलुरू में एक आईटी कंपनी में कार्यरत है। उसने अपनी अर्जी में लिखा भी है कि उसके और उसके परिवार के पास भारतीय पासपोर्ट और आधार कार्ड है। परिवार में उसकी बहन आयशा तारिक, भाई अबुबकर तारिक और उमर तारिक बट्ट हैं। याचिका के मुताबिक तारिक बट्ट मीरपुर में रहते थे। लेकिन पासपोर्ट में जन्म स्थान श्रीनगर है।

महाराष्ट्र की मंत्री पंकजा मुंडे को अश्लील कॉल और मैसेज करने का आरोपी गिरफ्तार

मैसेज के पीछे मंशा क्या थी

मुंबई, 2 मई (एजेंसियां)। महाराष्ट्र की मंत्री पंकजा मुंडे ने पुलिस में शिकायत की थी कि उन्हें कोई अश्लील मैसेज और कॉल कर के बार-बार परेशान कर रहा है। बीजेपी नेता कि शिकायत पर साइबर पुलिस तुरंत एक्टिव हुई और गलत मेसेज भेजने वाले 25 वर्षीय आरोपी अमोल काले को पुणे से पकड़ लिया। पुलिस को पूछताछ में पता चला है कि आरोपी काले महाराष्ट्र के बीड जिले के परली का रहने वाला है। फिलहाल, पुणे में रह रहा है और पिछले कुछ दिनों से पंकजा मुंडे को कॉल और मैसेज के जरिए गंदी बातें कर रहा था। इस प्रकार के कॉल के बाद पंकजा मुंडे के ऑफिस ने नजदीकी साइबर पुलिस स्टेशन को संपर्क किया और शख्स के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई। इसके बाद साइबर पुलिस ने बीएनएस की धारा 78 और 79 के साथ साथ आईटी एक्ट के तहत भी मामला दर्ज किया और आगे की जांच में जुट गई। पुलिस ने जांच शुरू कर कॉल करने वाले आरोपी का लोकेशन ट्रेस किया, तो पुणे के भोसरी इलाके से उसकी लोकेशन का पता चला। इसके बाद साइबर पुलिस ने भोसरी पुलिस स्टेशन के अधिकारियों की मदद से आरोपी अमोल काले (25) को हिरासत में ले लिया। पूछताछ में अमोल काले ने पंकजा मुंडे को फोन करने की बात स्वीकार की। इसके बाद नोटिस देकर मुंबई पुलिस उसे पुणे से मुंबई लेकर पहुंची और गिरफ्तार कर लिया। अमोल काले को कोर्ट में पेश किया गया, जहां कोर्ट ने दो दिनों के लिए आरोपी को पुलिस कस्टडी में भेज दिया। साइबर क्राइम विंग के एक अधिकारी ने बताया कि आरोपी एक छात्र है और उसने अभद्र भाषा का इस्तेमाल करते हुए पंकजा मुंडे को मैसेज और कॉल किए थे। परेशान करने वाले व्यवहार के पीछे की मंशा क्या थी, फिलहाल इसपर जांच की जा रही है।

पहलगाम आतंकी हमले के बाद साइबर अपराधियों के निशाने पर भारत

मुंबई, 2 मई (एजेंसियां)। पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत को निशाना बनाकर 10 लाख से ज्यादा साइबर हमलों को अंजाम देने की साजिश रची गई। महाराष्ट्र साइबर सेल ने ऐसे कई ऑनलाइन हमले दर्ज किए। पहलगाम आतंकी हमले के बाद पाकिस्तान समेत कई देशों के हैकिंग समूहों ने भारतीय सिस्टम पर 10 लाख से ज्यादा साइबर हमले किए। महाराष्ट्र साइबर ने पाया है कि 22 अप्रैल को कश्मीर में हुए आतंकी हमले के बाद डिजिटल हमलों की घटनाओं में वृद्धि हुई है।

महाराष्ट्र साइबर विभाग के अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक यशस्वी यादव ने बताया, 'पहलगाम हमले के बाद भारत पर 10 लाख से ज्यादा साइबर हमले हुए।' उन्होंने बताया कि भारतीय वेबसाइट और पोर्टल को निशाना बनाकर किए गए ये हमले पाकिस्तान, मध्य पूर्व, इंडोनेशिया और मोरक्को से किए गए थे।

'मुझे भी धमकी भरे फोन आते हैं', सीएम सिद्धारमैया ने किया खुलासा, पुलिस को दिए जांच के निर्देश

मांड्या, 2 मई (एजेंसियां)। कर्नाटक के सीएम सिद्धारमैया को भी फोन पर धमकियां मिल रही हैं। विधानसभा अध्यक्ष यूटी खादर को धमकी भरे फोन आने का मामला सामने आने के बाद सीएम सिद्धारमैया ने यह खुलासा किया। उन्होंने कहा कि मुझे भी धमकी भरे कॉल आए हैं। मैंने पुलिस से इसके पीछे वालों का पता लगाने और उनके खिलाफ कार्रवाई करने को कहा है। विधानसभा अध्यक्ष यूटी खादर को कथित तौर पर धमकी भरे फोन आने के बारे में पूछे गए सवाल का जवाब देते हुए सिद्धारमैया ने कहा कि मुझे भी धमकी भरे फोन आते हैं, तो मैं क्या करूं? हमने पुलिस को सूचित कर दिया है। पुलिस से कहा है कि वे धमकी भरे फोन करने वालों का पता लगाएं और उनके खिलाफ कार्रवाई करें। हां, मुझे भी धमकी भरे फोन आए हैं।

मंगलूरू मामले के आरोपी जल्द पकड़े जाएंगे

सीएम ने कहा कि पुलिस को निर्देश दिया गया है कि मंगलूरु में राउडी शीटर सुहास शेट्टी की हत्या में शामिल अपराधियों का जल्द से जल्द पता लगाया जाए और उन्हें गिरफ्तार कर कार्रवाई की जाए। हमें अभी तक हत्या का कारण पता नहीं चला है। शेट्टी को गुंडा कहा जाता था। इसकी जांच होनी चाहिए। हत्या के बाद मैंने पुलिस से बात की और हमने एडीजीपी कानून एवं व्यवस्था को मंगलूरू भेजा है। सीएम सिद्धारमैया ने कहा कि यह पूर्वनियोजित है या नहीं, यह अभी पता नहीं चल पाया है। जांच पूरी होने के बाद ही इसका पता चल पाएगा। भाजपा हमेशा राजनीति करने के लिए ऐसी घटनाओं की तलाश में रहती है।

पहलगाम आतंकी हमले को लेकर उठाए सवाल

पहलगाम आतंकी हमले को लेकर सीएम ने भाजपा से सवाल किया कि क्या प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी वहां गए थे, क्या यह सुरक्षा चूक नहीं है? मुझे बताया गया कि जिस स्थान पर आतंकी हमला हुआ, वहां एक भी पुलिस या सुरक्षाकर्मी मौजूद नहीं था। अगर वहां कोई सुरक्षाकर्मी नहीं था, तो इसका क्या मतलब है? सैकड़ों पर्यटक वहां जाते हैं, क्या ऐसी जगह पर पुलिस मौजूद नहीं होनी चाहिए?

पाकिस्तान भेजे जा रहे अब्दुल वहीद को आया हार्ट अटैक, बॉर्डर पर बुजुर्ग की मौत

जम्मू, 2 मई (एजेंसियां)। श्रीनगर से पाकिस्तान डिपोर्ट करने के लिए अटारी बॉर्डर पर लाए गए 69 वर्षीय व्यक्ति की हार्ट अटैक से मौत हो गई। मृतक की पहचान अब्दुल वहीद के रूप में हुई है। वह पिछले काफी समय से श्रीनगर में रह रहा था। बताया जा रहा है कि अब्दुल वहीद दिल का मरीज था और उसका इलाज भी चल रहा था। भारत सरकार की ओर से जारी आदेशों के तहत बुधवार को उसे पुलिस की हिफाजत में श्रीनगर से अटारी बॉर्डर पर पाकिस्तान भेजे जाने के लिए लाया गया था। जब वह अटारी बॉर्डर पर पहुंचा और दस्तावेजों की जांच की जा रही थी तो इसी दौरान उसे हार्ट अटैक आ गया। इसके बाद तुरंत उसे अस्पताल ले जाया गया, लेकिन वहां उसकी मौत हो गई।

भाई ने तोड़ा भरोसा, दिल्ली की कोर्ट ने रेप के आरोपी को सुनाई 5 साल की सजा

नई दिल्ली, 2 मई (एजेंसियां)। दिल्ली में इंसानी रिश्तों को शर्मसार करने वाला मामला सामने आया है। मामला यह है कि दिल्ली की तीस हजारी कोर्ट ने एक युवक को अपनी 14 साल की नाबालिग बहन के साथ यौन शोषण का दोषी करार देते हुए 5 साल की कठोर कैद की सजा सुनाई है। एडिशनल सेशन जज बबीता पुनिया ने फैसला सुनाते हुए कहा दोषी ने पारिवारिक रिश्तों के सबसे पवित्र बंधन भाई-बहन के विश्वास को तोड़ने का जुर्म किया है। दिल्ली की तीस हजारी कोर्ट ने इस बात पर चिंता जताई कि पीड़िता को उसके ही परिवार ने कोर्ट में सच बताने से रोकने की कोशिश की। इसके बावजूद लड़की ने साहस दिखाया और पूरी घटना अदालत में बयां की, जिसे अदालत से पीड़ित का अन्याय के खिलाफ साहस का प्रतीक बताया। तीस हजारी कोर्ट ने पीड़िता को तीन लाख रुपये का मुआवजा देने का आदेश दिया है। अदालत ने कहा कि यह मुआवजा उनके शारीरिक और मानसिक दर्द की भरपाई नहीं कर सकता, लेकिन शिक्षा और आत्मनिर्भरता की दिशा में एक मदद हो सकता है। बाल कल्याण समिति (सीडब्ल्यूसी) की रिपोर्ट में बताया गया कि बच्ची भावनात्मक रूप से बेहद परेशान है और अपने भाई के जेल में होने को लेकर अपराधबोध महसूस कर रही है। कोर्ट ने सीडब्ल्यूसी को निर्देश दिया है कि जब तक जरूरत हो, बच्ची और उसके परिवार की नियमित काउंसलिंग करवाई जाए। तीस हजारी कोर्ट ने युवक को पॉक्सो एक्ट और भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 74, 75 और 76 के तहत भाई को दोषी माना है। इस मामले में पीड़िता की ओर से विशेष लोक अभियोजक निशांत कुमार और डीसीडब्ल्यू की वकील शिवानी गंभीर ने कोर्ट में दलील पेश की थी। अदालत ने गुरुवार को इस मामले में सुनवाई पूरी होने के बाद फैसला सुना दिया।

संजय राउत ने शिवसेना शिंदे पर किया कटाक्ष

कहा- गुंडों को नहीं बनाया जाए रायगढ़ का संरक्षक मंत्री

मुंबई, 2 मई (एजेंसियां)। महाराष्ट्र में संरक्षक मंत्री पद को लेकर छिड़े विवाद के बीच शिवसेना (यूबीटी) के नेता संजय राउत ने शिवसेना शिंदे पर कटाक्ष किया। संजय राउत ने कहा कि गुंडों को रायगढ़ का संरक्षक मंत्री नहीं बनाया जाना चाहिए। संजय राउत ने कहा कि रायगढ़ जैसे जिले का संरक्षक पद गुंडों के पास नहीं होना चाहिए, बल्कि ऐसे व्यक्ति के पास होना चाहिए जो संतुलित हो और भ्रष्टाचार से लड़ सके। अदिति तटकरे एक सक्षम मंत्री और राज्य का युवा चेहरा हैं। वह रायगढ़ जिला परिषद की अध्यक्ष रह चुकी हैं और जिले को अच्छी तरह जानती हैं। वह धैर्यवान हैं और भ्रष्ट नहीं हैं। महाराष्ट्र में सत्तारूढ़ महायुति गठबंधन के सहयोगी शिवसेना और एनसीपी के बीच रायगढ़ के संरक्षक मंत्री पद को लेकर खींचतान चल रही है। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने पहले महिला एवं बाल विकास मंत्री और एनसीपी नेता अदिति तटकरे को जिले का संरक्षक मंत्री नियुक्त किया था। इस कदम से शिवसेना नाराज हो गई, क्योंकि उसके पार्टी नेता और रोजगार गारंटी मंत्री भरत गोगावाले भी इस पद के लिए दावेदारी कर रहे थे। इसके बाद फडणवीस ने निर्णय स्थगित कर दिया। किसी भी जिले के प्रभारी मंत्री जिले में विकास के लिए फंड आवंटित करने और विभिन्न विकास कार्यों के लिए जिम्मेदार होते हैं। रायगढ़ में जल्द ही नए अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट का निर्माण होना है, साथ ही कई आवासीय योजनाएं भी प्रस्तावित हैं। ऐसे में रायगढ़ अहम जिला हो जाता है। हाल ही में रायगढ़ दौरे गए गृह मंत्री अमित शाह ने तटकरे के घर पर लंच किया था। मंत्री अदिति तटकरे के पिता एनसीपी के सुनील तटकरे रायगढ़ लोकसभा सीट से सांसद हैं। वहीं जिले के छह विधानसभा क्षेत्रों में से तीन शिवसेना के पास हैं,

वक्फ कानून के खिलाफ आई नई याचिकाओं को भी सुप्रीम कोर्ट ने की खारिज

नई दिल्ली, 2 मई (एजेंसियां)। पूरे देश में इस समय वक्फ (संशोधन) अधिनियम को लेकर चर्चा तेज है। इसी बीच एक तरफ इस अधिनियम का विरोध भी किया जा रहा है। वहीं, दूसरी तरफ अधिनियम को लेकर एक बार फिर सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया गया था, लेकिन कोर्ट ने शुक्रवार को वक्फ (संशोधन) अधिनियम, 2025 की संवैधानिक वैधता को चुनौती देने वाली एक नई याचिका पर विचार करने से इनकार कर दिया है। चीफ जस्टिस संजीव खन्ना, जस्टिस संजय कुमार और जस्टिस के वी विश्वनाथन की बेंच इस मुद्दे पर 5 मई को याचिकाओं पर सुनवाई करने वाली है। बेंच ने, जिसने पहले यह साफ कर दिया था कि वह 70 से ज्यादा वादियों में से सिर्फ पांच पर सुनवाई करेगी। उस ने एक बार फिर कहा कि इस मुद्दे पर कोई और नई याचिका पर विचार नहीं किया जाएगा।

सीजेआई ने क्या-क्या कहा?

सीजेआई ने याचिकाकर्ता मोहम्मद सुल्तान के वकील से कहा, अगर आपके पास कुछ अतिरिक्त आधार हैं, तो आप हस्तक्षेप आवेदन दायर कर सकते हैं। इससे पहले 29 अप्रैल को बेंच ने अधिनियम की संवैधानिक वैधता को चुनौती देने वाली 13 याचिकाओं पर विचार करने से इनकार कर दिया है। कोर्ट ने कहा, हम अब याचिकाओं की संख्या नहीं बढ़ाएंगे। अगर ऐसा किया गया तो यह संख्या बढ़ती रहेगी और इसे संभालना मुश्किल हो जाएगा। बेंच ने 17 अप्रैल को सिर्फ पांच याचिकाओं पर सुनवाई करने का फैसला किया था और मामले का शीर्षक दिया: "इन रे: वक्फ (संशोधन) अधिनियम, 2025"। केंद्र ने तब बेंच को आश्वासन दिया था कि वो 5 मई तक न तो "उपयोगकर्ता की तरफ से वक्फ" सहित वक्फ संपत्तियों को गैर-अधिसूचित करेगा, न ही केंद्रीय वक्फ परिषद और बोर्डों में कोई नियुक्ति करेगा।

72 याचिकाएं की गई दायर

वक्फ कानून के खिलाफ करीब 72 याचिकाएं दायर की गईं। इनमें एआईएमआईएम नेता असदुद्दीन ओवैसी, ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड (एआईएमपीएलबी), जमीयत उलमा-ए-हिंद, द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (डीएमके) और कांग्रेस सांसद इमरान प्रतापगढ़ी और मोहम्मद जावेद शामिल थे। बेंच ने तीन वकीलों को नोडल वकील नियुक्त करते हुए वकीलों से कहा कि वो आपस में तय कर लें कि कौन बहस करेगा। बेंच ने कहा, हम साफ करते हैं कि अगली सुनवाई (5 मई) प्रारंभिक आपत्तियों और अंतरिम आदेश के लिए होगी। केंद्र ने हाल ही में अधिनियम को अधिसूचित किया, जो दोनों सदनों में बहस के बाद संसद में पारित हुआ। इसी के बाद इसको 5 अप्रैल को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू की मंजूरी मिल गई। यह बिल राज्यसभा में 128 सदस्यों के पक्ष में और 95 सदस्यों के विरोध में मतदान के साथ पारित हुआ। लोकसभा में 288 सदस्यों ने इसका समर्थन किया और 232 सदस्यों ने इसके विरोध में इसे मंजूरी दी थी।

नशे में धुत बाप ने की बेटे की निर्मम हत्या

सिलबट्टे से कूंच डाला सिर; सामने आई वजह

गोंदिया, 2 मई (एजेंसियां)। जायदाद को लेकर बंटवारे के मामले और इससे जुड़े विवाद तो आमतौर पर होते रहते हैं, लेकिन संपत्ति विवाद में एक बाप ने अपने ही बेटे की हत्या कर दिया। पूरा मामला महाराष्ट्र के गोंदिया जिले के आमगांव तहसील का बताया जा रहा है। आमगांव पुलिस ने जानकारी देते बताया कि थाने से 5 किलोमीटर दूर ग्राम किड़गीपार में रहने वाले नामदेव दुर्गाजी बागड़े (55) का अपने बेटे रमेश नामदेव बागड़े (31) के साथ प्रॉपर्टी के बंटवारे को लेकर काफी दिनों से विवाद चल रहा था। पुलिस ने बताया 30 अप्रैल की रात को बाप ने अपने बेटे की हत्या कर दी। जानकारी के मुताबिक मजदूरी के काम से घर लौटे पिता-पुत्र दोनों नशे में थे। इसी बीच बाप-बेटे के बीच पैतृक जायदाद के बंटवारे की बात सामने आई, जिसे लेकर दोनों में विवाद छिड़ गया। बेटे ने पुश्तैनी जमीन में हिस्सा देने को लेकर बात शुरू की, जबकि नशे में धुत पिता ने पुत्र के साथ गाली-गलौज करना शुरू कर दिया। कुछ देर बाद दोनों के बीच हाथापाई शुरू हो गई। इसी दौरान पिता घर के अंदर गया और लाठी तथा किचन में चटनी पीसने के लिए रखा पत्थर का सिलबट्टा उठा लाया। पिता ने 'आज तेरा काम ही तमाम कर दूंगा' कहते हुए लाठी से पुत्र रमेश पर हमला किया। लाठी से हमला होने की वजह से बेटा नीचे गिर गया, जिसके बाद पिता ने पत्थर के सिलबट्टे से बेटे के सिर पर हमला कर दिया। इसके बाद रमेश की लहूलुहान हालत में तड़प-तड़प कर तत्काल ही मौत हो गई। वहीं घटना के बाद मृतक की पत्नी रशिका रमेश बागड़े (30) ने पुलिस से मामले की शिकायत की। इस रिपोर्ट के आधार पर पुलिस ने आरोपी नामदेव दुर्गाजी बागड़े के खिलाफ आमगांव पुलिस थाने में एफआईआर दर्ज की।

शुरू से ही जातीय जनगणना को सपोर्ट

सुषमा स्वराज के लेटर को बीजेपी ने बनाया सबूत

नई दिल्ली, 2 मई (एजेंसियां)। कई सालों से विपक्षी दल देश भर में जाति जनगणना की मांग कर रहे थे। इस मुद्दे पर सियासी तलवारें खिंची रहती थीं। इस बीच एक चौंकाने वाला कदम उठाते हुए मोदी सरकार ने जनसंख्या जनगणना के साथ-साथ जाति जनगणना कराने का संकल्प लिया है। केंद्र सरकार के कदम से कई लोग हैरान हैं।

बीजेपी शुरू से ही जातिगत जनगणना के पक्ष में थी। बीजेपी ने इसके सबूत में तत्कालीन नेता विपक्ष सुषमा स्वराज का पत्र जारी किया। लोक सभा में विपक्ष की नेता सुषमा स्वराज ने यह पत्र तत्कालीन वित्त मंत्री प्रणब मुखर्जी को लिखा था। सुषमा स्वराज ने यह पत्र छह अगस्त 2010 को लिखा था। इसमें उन्होंने जनगणना और नेशनल पॉपुलेशन रजिस्टर में जातियों को शामिल करने का समर्थन किया था। सुषमा स्वराज ने लिखा था कि इस मुद्दे पर बीजेपी लोक सभा में अपना पक्ष स्पष्ट कर चुकी है। बीजेपी जनगणना और एनपीआर में जाति को शामिल करने के समर्थन में है। सुषमा स्वराज ने यह भी लिखा था कि जातियां इस तरह से जनगणना और एनपीआर में शामिल की जाएं जिससे जनगणना की अखंडता पर असर न हो।

हालांकि उस समय सरकार में इसे लेकर एक राय नहीं थी। चाहे बीजेपी ने जातिगत जनगणना का समर्थन किया हो, लेकिन यूपीए सरकार के कई वरिष्ठ नेता इसके खिलाफ थे इसलिए बाद में मनमोहन सिंह सरकार ने जातिगत जनगणना के बजाए सामाजिक आर्थिक जाति जनगणना एसईसीसी कराने का फैसला किया था। एसईसीसी जनगणना कानून के तहत नहीं कराई गई थी और इसे जनगणना आयुक्त और महापंजीयक ने नहीं किया था। दरअसल, आखिरी जाति जनगणना साल 1931 में ब्रिटिश शासन के तहत की गई थी, जिसे जनसंख्या जनगणना के साथ किया गया था। स्वतंत्रता के बाद 1951 की जनगणना में जाति गणना को शामिल नहीं किया गया था और पिछड़े वर्गों के लिए आरक्षण तब से 1931 के आंकड़ों पर निर्भर रहा है।

ओटीटी प्लेटफार्म पर आने वाले रियलिटी शो हाउस अरेस्ट विवादों के घेरे में, शो पर अश्लीलता परोसने का आरोप

मुंबई, 2 मई (एजेंसियां)। एक तरफ जहां इंडिया मुंबई गॉट लेटेंट शो में रणवीर अलाहाबादिया की तरफ से कहे गए आपत्तिजनक कंटेंट को लेकर विवाद हुआ तो अब हाउस अरेस्ट के एपिसोड वायरल होने के बाद शो पर बैन लगाने और कार्यवाही की मांग उठ रही है। हाउस अरेस्ट रियलिटी शो को एजाज़ खान होस्ट कर रहे हैं। यह शो उल्लू ऐप और यूट्यूब पर प्रसारित हो रहा है। ऑनलाइन प्लेटफार्म पर आने वाले शो में एजाज़ खान और कई मॉडल एक्टर अश्लील कंटेंट पर चर्चा और एक्शन करते नज़र आती है। इस शो के हिस्से सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे हैं और शो पर प्रतिबंध लगाने की मांग उठ रही है।

प्रियंका चतुर्वेदी ने क्या कहा?

इस शो में प्रतियोगियों को एक घर में 'नज़रबंद' किया जाता है, जहां वे विभिन्न टास्क और चुनौतियों का सामना करते हैं। हाल ही में एक एपिसोड में एजाज खान ने प्रतियोगियों से 'कामसूत्र' के बारे में चर्चा की और उन्हें प्रदर्शित करने के लिए कहा, जिससे विवाद उत्पन्न हुआ। शिवसेना (यूबीटी) की राज्यसभा सांसद प्रियंका चतुर्वेदी ने इस मुद्दे को उठाया और सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय से कार्रवाई की मांग की। शिवसेना यूबीटी के नेता अंबादास दानवे ने कहा कि मुझे तो यह भी नहीं पता है कि एजाज खान कौन है। अगर अश्लीलता फैलायी जा रही है तो एफआईआर होनी ही चाहिए। इस प्रकार की चीज अगर वो कर रहे हैं, तो मैं सरकार के पास जाऊंगा।

उसपर एफआईआर होनी चाहिए, कुछ लोग अपना शो चलाने के लिए भी यह सब करते हैं। बीजेपी के सांसद निशिकांत दुबे ने भी इस पर संज्ञान लिया और कहा कि इस तरह की सामग्री को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। वहीं बीजेपी की विधायक चित्रा वाघ ने कहा कि अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के नाम पर अश्लीलता को खुली छूट देना बंद होना चाहिए। एजाज खान का हाउस अरेस्ट शो सिर्फ अश्लीलता की पराकाष्ठा है। यह शो उल्लू ऐप पर प्रसारित होता है, और इसके क्लिप्स सोशल मीडिया पर खुलेआम फैल रहे हैं जो बेहद आपत्तिजनक और अश्लील हैं। उन्होंने कहा कि छोटे बच्चों के मोबाइल तक यह कंटेंट आसानी से पहुंच रहा है। ऐसे शो न केवल हमारी संस्कृति का अपमान करते हैं, बल्कि समाज के मानसिक स्वास्थ्य को भी चोट पहुंचाते हैं। यह हमारे भविष्य की पीढ़ी की सोच को विकृत कर सकते हैं। मैं सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव से निवेदन करती हूं कि उल्लू ऐप सहित इस प्रकार का कंटेंट बनाने वाले सभी ऐप्स पर तुरंत प्रतिबंध लगाया जाए। हाउस अरेस्ट केवल एक शो नहीं, बल्कि हमारे सामाजिक मूल्यों पर सीधा आघात है।" राष्ट्रीय महिला आयोग ने उल्लू एप को असभ्य और अश्लील सामग्री को दिखाने के लिए समन किया है। उल्लू ऐप के सीईओ विभु अग्रवाल और संचालक एजाज खान को राष्ट्रीय महिला आयोग के सामने 9 मई को पेश होने के लिए कहा है महिला आयोग ने कहा, "इस तरह के असभ्य और गलत सामग्री महिलाओं के स्वाभिमान को ठेस पहुंचाती है और उनके उत्पीड़न को बढ़ावा देती है।

सुविचार: जिसको घमंड होता है वो ये नहीं जानते की जिस पर वो कर रहे है वो कल किसी और के पास होगा ।

राहुल गांधी के दबाव के कारण केंद्र ने जाति जनगणना पर सहमति जताई : पोन्नम

टीपीसीसी अध्यक्ष के नेतृत्व में कांग्रेस नेताओं ने राज्यपाल से मुलाकात की

हैदराबाद, 2 मई (स्वतंत्र वार्ता)। परिवहन और पिछड़ा वर्ग कल्याण मंत्री पोन्नम प्रभाकर ने कहा कि अगली जनगणना में जाति की गणना को शामिल करने का केंद्र सरकार का फैसला कांग्रेस नेता राहुल गांधी के प्रयासों का नतीजा है। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी के दबाव के कारण केंद्र सरकार ने यह कदम उठाया है और इसका सारा श्रेय विपक्ष के नेता राहुल गांधी को दिया। तेलंगाना प्रदेश कांग्रेस कमेटी (टीपीसीसी) महेश कुमार गौड़ के नेतृत्व में कांग्रेस नेताओं ने शुक्रवार को राजभवन में राज्यपाल जिष्णु देव वर्मा से मुलाकात की और राज्य में पिछड़ा वर्ग के लिए 42 प्रतिशत आरक्षण प्रदान करने वाले विधेयक को पारित करने और इसे राष्ट्रपति को भेजने के लिए उनका आभार जताया। बाद में, मीडिया से बात करते हुए, प्रतिनिधिमंडल में शामिल मंत्री पोन्नम प्रभाकर ने कहा कि तेलंगाना राज्य ने पारदर्शी तरीके से जाति जनगणना की है और इसने इस संबंध में देश के लिए एक मिसाल कायम की है। टीपीसीसी प्रमुख महेश कुमार गौड़ ने कहा, कांग्रेस पार्टी के दबाव के कारण केंद्र राष्ट्रीय जनगणना के साथ-साथ जातियों की गणना कर रहा है, भले ही दूसरे लोग कुछ भी दावा करें। निराधार आलोचना करने वाले नेताओं को आत्मचिंतन के लिए कुछ समय निकालना चाहिए। पूर्व सांसद वी. हनुमंत राव और अंजन कुमार यादव, राज्यसभा सदस्य अनिल कुमार यादव, एमएलसी बसवाराजू सरैया, दांडे विट्ठल, विजया शांति, नारायण, सरकारी सचेतक आदि श्रीनिवास और बिरला इलैया, विधायक दानम नागेंद्र, वाकाटी श्रीहरि, मक्काना सिंह राज ठाकुर, इरलापल्ली शंकर, प्रकाश गौड़, निगम अध्यक्ष और अन्य प्रमुख नेता राज्यपाल से मिलने वाले नेताओं में शामिल थे।

किशन रेड्डी फ्लाईओवर के लिए भूमि अधिग्रहण प्रक्रिया पूरी करने के निर्देश

हैदराबाद, 2 मई (स्वतंत्र वार्ता)। केंद्रीय मंत्री जी. किशन रेड्डी ने आज अधिकारियों से उप्पल से घाटकेसर तक बनाए जा रहे फ्लाईओवर के निर्माण से संबंधित भूमि अधिग्रहण प्रक्रिया में आ रही समस्याओं के बारे में जानकारी ली। उन्होंने सुझाव दिया कि लोगों की यात्रा की सुविधा के लिए प्राथमिकता के साथ शुरू किए गए इस प्रोजेक्ट के काम को तेजी से पूरा करने के लिए कदम उठाए जाएं। रेड्डी ने कहा कि उप्पल-घाटकेसर फ्लाईओवर के निर्माण के लिए भूमि अधिग्रहण में हो रही देरी को लेकर वे गंभीर हैं। उन्होंने लाखों यात्रियों की आवाजाही के लिए उपयोगी उप्पल से घाटकेसर तक बनाए जा रहे फ्लाईओवर के लिए भूमि अधिग्रहण प्रक्रिया में हो रही देरी के बारे में अधिकारियों से सवाल किए। उन्होंने अधिकारियों को भूमि अधिग्रहण का काम तुरंत पूरा करने के निर्देश दिए ताकि प्रोजेक्ट को जल्दी पूरा किया जा सके। उन्होंने कहा कि 400 करोड़ रुपये की लागत से बने अंबरपेट फ्लाईओवर का आधिकारिक उद्घाटन 5 मई को केंद्रीय सड़क एवं परिवहन मंत्री नितिन गडकरी करेंगे। इस अवसर पर किशन रेड्डी ने संबंधित अधिकारियों को फ्लाईओवर के नीचे सड़क पर लोगों को असुविधा से बचाने के लिए पहले से व्यवस्था करने के निर्देश दिए।

मेट्रोपॉलिटन क्रिमिनल कोर्ट्स बार एसोसिएशन के प्रतिनिधियों ने महापौर से मुलाकात की

हैदराबाद, 2 मई (स्वतंत्र वार्ता)। मेट्रोपॉलिटन क्रिमिनल कोर्ट्स बार एसोसिएशन के प्रतिनिधियों ने शुक्रवार को ग्रेटर हैदराबाद नगर निगम की मेयर गदवाल विजयलक्ष्मी से शिष्टाचार भेंट की। महापौर ने एमसीसीबीए प्रतिनिधियों का गर्मजोशी से स्वागत किया।

इस अवसर पर शहर विकास, स्वच्छता और कानूनी सेवाओं जैसे प्रमुख मुद्दों पर चर्चा की गई। महापौर ने उन्हें शहर के विकास, स्वच्छता प्रबंधन आदि के लिए लोगों को उपलब्ध करायी गयी बुनियादी संरचना के बारे में बताया। प्रतिनिधियों ने शहर की सफाई एवं स्वच्छता के लिए जीएचएमसी द्वारा उठाए जा रहे कदमों पर प्रसन्नता व्यक्त की। उन्होंने स्वच्छता बनाए रखने के लिए जीएचएमसी द्वारा किए जा रहे प्रयासों की सराहना की। प्रतिनिधियों ने सफाई व्यवस्था में सुधार के लिए जीएचएमसी द्वारा अब तक उठाए गए कदमों की सराहना की। इसी प्रकार, जीएचएमसी में स्थायी परिषदों की भूमिका पर भी चर्चा की गई। उनका मानना था कि स्थायी परिषद द्वारा जीएचएमसी को प्रदान की गई कानूनी सहायता और सेवाएं अत्यंत महत्वपूर्ण थीं। उन्होंने यह भी बताया कि विवादों को सुलझाने के कानूनी साधनों में "मध्यस्थता" पद्धति एक अच्छा कदम है। उन्होंने महापौर को बताया कि वे जीएचएमसी नागरिक सेवाओं के सुधार के लिए बार एसोसिएशन की ओर से अपना पूर्ण सहयोग देने के लिए तैयार हैं।

इस कार्यक्रम में एमसीसीबीए के अध्यक्ष के. रवि किशोर, उपाध्यक्ष जी. चंद्रमोहन, बी. रविंदर, महासचिव एन.वी. रमण गौड़, संयुक्त सचिव हृदयनाथ असूर्या, लाइब्रेरियन के. श्रावती, कोषाध्यक्ष रवींद्र नायक, खेल और सांस्कृतिक सचिव एम. साईचंद, महिला प्रतिनिधि एम. पद्मावती, ईसी सदस्य बी. श्रीलता, लोकेश सोनेला, प्रोनीत सिंह पवार, जे. मोहन, बीम सिंह, अक्षय सिंह, एम. आशा, आकुथोटा ने भाग लिया। वेंकटेश एवं अन्य ने भाग लिया।

देवेश चतुर्वेदी ने मैनेज में प्राकृतिक खेती पर एमओओसी कार्यक्रम शुरू किया

हैदराबाद, 2 मई (स्वतंत्र वार्ता)। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय के सचिव, देवेश चतुर्वेदी ने शुक्रवार को राष्ट्रीय कृषि विस्तार प्रबंधन संस्थान (मैनेज) और जीआईजेड (जर्मन एजेंसी फॉर इंटरनेशनल कोऑपरेशन) की संयुक्त पहल, प्राकृतिक खेती: सिद्धांत और व्यवहार पर तीन महीने का एमओओसी कार्यक्रम शुरू किया। यह ऑनलाइन पाठ्यक्रम सभी के लिए निःशुल्क है और इसमें प्राकृतिक खेती पर 36 विषयों को शामिल किया गया है, जिसमें विशेषज्ञों द्वारा बहुत उपयोगी वीडियो पाठ और पठन सामग्री शामिल है। अपने उद्घाटन भाषण में, देवेश चतुर्वेदी, आईएएस ने पहल की सराहना की और इस बात पर प्रकाश डाला कि प्राकृतिक खेती आंदोलन के लिए हितधारकों के व्यवहार में बदलाव महत्वपूर्ण है और हितधारकों की क्षमता निर्माण और संवेदनशीलता के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने फीडबैक मॉड्यूल, चिकित्सकों से प्रशंसापत्र शामिल करने की सिफारिश की और पाठ्यक्रम का प्रमुख भारतीय भाषाओं में अनुवाद करने का सुझाव दिया। इस अवसर पर, डॉ. हनुमान सागर सिंह, आईपीओएस और महानिदेशक, मैनेज ने कहा कि कार्यक्रम प्राकृतिक खेती प्रथाओं के लिए वैज्ञानिक आधार प्रदान करता है और प्राकृतिक खेती के सभी पहलुओं को व्यापक रूप से कवर करता है। उन्होंने कहा कि यह कार्यक्रम किसानों, वैज्ञानिकों, विश्वविद्यालयों, केवीके और छात्रों को लाभान्वित और प्रोत्साहित करेगा और प्राकृतिक खेती प्रथाओं के बारे में जागरूकता बढ़ाने में बेहतर योगदान देगा। डॉ.एन बालासुब्रमणि, निदेशक (सीएसए और सीसीए), मैनेज ने कार्यक्रम के बारे में जानकारी दी और बताया कि इस एमओओसी कार्यक्रम में पंजीकरण आज से 15 मई तक सभी के लिए खुला है। कार्यक्रम 16 मई से 15 अगस्त तक तीन महीने तक चलेगा।

करंट से मौत

खम्मम, 2 मई (स्वतंत्र वार्ता)। जिले के मधिरा मंडल के रोम्पीमल्ला में गुरुवार को एक 33 वर्षीय व्यक्ति की बिजली का करंट लगने से मौत हो गई। यह घटना उस समय घटी जब मृतक एस मल्लिकार्जुन रेड्डी अपने घर में एयर-कूलर को स्विच बोर्ड से जोड़ रहे थे और उन्हें बिजली का झटका लगा।

मृतक की मां की शिकायत के आधार पर स्थानीय पुलिस ने घटना के संबंध में मामला दर्ज कर लिया है।

तेज रफ्तार कार ने 3 लोगों को मारी टक्कर, तीन घायल

हैदराबाद, 2 मई (स्वतंत्र वार्ता)। एलबी नगर के पास कामिनेनी फ्लाईओवर पर शुक्रवार सुबह एक तेज रफ्तार कार ने तीन लोगों को टक्कर मार दी, जिससे वे घायल हो गए। ऐसा संदेह है कि चालक की ओर से तेज रफ्तार और लापरवाही से गाड़ी चलाने के कारण यह दुर्घटना हुई। यह घटना उस समय हुई जब कार एलबी नगर से नागोले की ओर जा रही थी। जानकारी के अनुसार, जब कार फ्लाईओवर के बीच में पहुंची, तो चालक ने स्टीयरिंग पर नियंत्रण खो दिया और वाहनों को टक्कर मार दी, जिससे मोटर चालक घायल हो गए। घटना के तुरंत बाद, उन्हें अस्पताल ले जाया गया। एक मोटर चालक द्वारा सूचना मिलने पर पुलिस टीम मौके पर पहुंची और वाहन को पुलिस थाने ले गई। इस संबंध में मामला दर्ज कर लिया गया है और पुलिस यह जांच कर रही है कि दुर्घटना के समय कार चालक शराब के नशे में था या नहीं।

महाप्रबंधक ने विजयवाड़ा रेलवे स्टेशन का निरीक्षण किया

हैदराबाद, 2 मई (स्वतंत्र वार्ता)। दक्षिण मध्य रेलवे के महाप्रबंधक अरुण कुमार जैन ने आज शुक्रवार को विजयवाड़ा रेलवे स्टेशन का विस्तृत निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उनके साथ विजयवाड़ा मंडल के मंडल रेल प्रबंधक नरेंद्र ए. पाटिल और मंडल के अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी थे। महाप्रबंधक अरुण कुमार जैन ने विजयवाड़ा रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म नंबर 6 से निरीक्षण शुरू किया। जहां उन्होंने यात्री सुविधाओं, यातायात सुविधाओं, सुरक्षा पहलुओं, फुट ओवर ब्रिज और वाटर ट्रफ के कामकाज का निरीक्षण किया। महाप्रबंधक ने क्रू लॉबी का निरीक्षण किया और लोको पायलटों से बातचीत की। उन्होंने कर्मचारियों से भी बातचीत की और उनके दैनिक कामकाज के दौरान आने वाली समस्याओं, रुकावटों के बारे में पूछताछ की और अधिकारियों को समस्याओं के समाधान की सलाह दी। महाप्रबंधक ने विजयवाड़ा रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म नंबर 1 पर यात्री सुविधाओं का भी निरीक्षण किया।

महाप्रबंधक ने विजयवाड़ा रेलवे स्टेशन पर आगमन के दौरान ट्रेन नंबर 22851 संतरागाछी-मंगलुरू एक्सप्रेस का निरीक्षण किया, ऑनबोर्ड हाउस कीपिंग सर्विस (ओबीएचएस), साफ-सफाई और रेक रखरखाव आदि की जांच की और अधिकारियों को यात्रियों की संतुष्टि में सुधार लाने और उनकी अपेक्षाओं को पूरा करने के लिए पानी और स्वच्छता संबंधी शिकायतों का तुरंत समाधान करने का निर्देश दिया।

महाप्रबंधक ने गर्मी के मौसम में यात्रियों को पानी और छाछ सेवा के वितरण के लिए प्लेटफॉर्म पर स्थापित समर कियोस्क का भी दौरा किया। उन्होंने गुनाडाला रेलवे स्टेशन पर चल रहे अमृत भारत स्टेशन (एबीएसएस) पुनर्विकास कार्यों का गहन निरीक्षण किया, जिसकी लागत 24.37 करोड़ रुपये है। इसमें 12 मीटर फुट ओवर ब्रिज, प्लेटफॉर्म की सतह में सुधार, प्लेटफॉर्म पर अतिरिक्त कवर, 2 लिफ्टों का प्रावधान, प्रतीक्षालय, अग्रभाग भवन और सर्कुलेटिंग एरिया में सुधार शामिल हैं। इन कार्यों पर काम चल रहा है। इस दौरान उन्हें कई यात्री सुविधाओं से संबंधित आगामी सुविधाओं के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। महाप्रबंधक ने विस्तार से चर्चा की और अधिकारियों को पुनर्विकास कार्यों को समय पर पूरा करने के निर्देश दिए।

5 वर्षों में 119 मेडिकल छात्रों ने की आत्महत्या

दर्ज कराई गई थीं 1680 शिकायतें

हैदराबाद, 2 मई (स्वतंत्र वार्ता)। पिछले 5 वर्षों में देश भर में 119 मेडिकल छात्रों ने आत्महत्या कर ली है, जिनमें से 64 स्नातक (एमबीबीएस) और 55 पीजी (एमडी/एमएस) छात्र थे। इसी अवधि के दौरान, लगभग 1,116 मेडिकल छात्र, जिनमें 160 एमबीबीएस और 956 पीजी छात्र शामिल थे, अपने-अपने मेडिकल कार्यक्रमों से बाहर हो गए। युवा डॉक्टरों की आत्महत्या और पढ़ाई छोड़ देने के आंकड़े, कुछ दिनों पहले राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग (एनएमसी) द्वारा यूनाइटेड डॉक्टर्स फ्रंट (यूडीएफ) द्वारा सूचना के अधिकार (आरटीआई) के तहत पूछे गए प्रश्न के उत्तर में साझा किए गए, डॉक्टरों की खामोश पुकार है, जो दशकों से अनसुनी रही है।

आरटीआई के जवाब में यह भी खुलासा हुआ कि एमबीबीएस, पीजी मेडिकल छात्रों द्वारा मेडिकल कॉलेज के प्रबंधन के खिलाफ लापरवाही और शिकायतों के उचित निवारण के संबंध में 1680 शिकायतें दर्ज कराई गई थीं। युवा डॉक्टरों में थकान, अत्यधिक मानसिक तनाव, उपेक्षा और कार्यभार कम करने के प्रति नौकरशाही की उदासीनता का संकट वास्तविक है और यह केवल हैदराबाद में ही नहीं बल्कि पूरे देश में हो रहा है। इससे पहले दायर की गई इसी तरह की आरटीआई से पता चला था कि 2018 से 2022 के बीच करीब 64 एमबीबीएस और 58 पीजी मेडिकल छात्रों ने आत्महत्या की है। एनएमसी ने पहले यह भी बताया था कि 2020 से 2022 के बीच 531 मेडिकल कॉलेजों के करीब 68 मेडिकल छात्रों ने आत्महत्या की है।

मेडिकल छात्र आत्महत्या क्यों कर रहे हैं?

तेलंगाना स्टेट मेडिकल काउंसिल (टीएसएमसी) के उपाध्यक्ष डॉ. जी श्रीनिवास कहते हैं, इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता कि तीव्र शैक्षणिक दबाव, बार-बार परीक्षाएं, बहुत ज़्यादा उम्मीदें और बर्न-आउट के बीच संबंध है। मेडिकल कॉलेजों में उत्पीड़न और रैगिंग विरोधी सख्त नीतियों की निश्चित रूप से ज़रूरत है, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि पीजी डॉक्टरों के काम के घंटे ज़्यादा न बढ़ाए जाएं और युवा एमबीबीएस और पीजी मेडिकल छात्रों को उचित मार्गदर्शन मिले।

वरिष्ठ डॉक्टरों ने बताया है कि एमबीबीएस छात्रों में गंभीर शैक्षणिक दबाव, अत्यधिक ड्यूटी घंटे, अपर्याप्त आराम और प्रतिकूल कार्य वातावरण के कारण उनमें बर्नआउट की समस्या उत्पन्न हो रही है। वरिष्ठ सरकारी न्यूरो-मनोचिकित्सक और नशामुक्ति विशेषज्ञ डॉ. विशाल अकुला कहते हैं, इन सभी स्थितियों के कारण, सामान्य आबादी की तुलना में मेडिकल छात्रों में अवसाद, चिंता और आत्महत्या के विचार अधिक पाए जाते हैं। ऐसे सर्वेक्षण हुए हैं जो संकेत देते हैं कि स्नातक और पीजी मेडिकल छात्रों में मानसिक स्वास्थ्य संबंधी बहुत सी समस्याएं और आत्महत्या के विचार होते हैं। विडंबना यह है कि वे कलंक के कारण मानसिक स्वास्थ्य सहायता या मदद लेने में संकोच करते हैं।

मेडिकल कॉलेजों में शैक्षणिक और नैदानिक प्रशिक्षण प्राप्त करते समय मेडिकल छात्रों को जिन अन्य प्रमुख मुद्दों से निपटना पड़ता है, उनमें विषाक्त कार्य संस्कृति, असफलता का डर और कार्यभार प्रबंधन पर कोई प्रयास न करना शामिल है।

चारधाम यात्रा के लिए चलाई जा रही भारत गौरव डीलक्स ट्रेन

नई दिल्ली/हैदराबाद, 2 मई (स्वतंत्र वार्ता)। बद्रीनाथ, जगन्नाथ पुरी, रामेश्वरम और द्वारका देश की चार दिशाओं में अवस्थित चार ऐसे धाम हैं जहां की यात्रा करना हर भारतीय की चाहत होती है। देश के इन चारों धाम की यात्रा रेल से कर पाना संभव है। इसके लिए भारतीय रेल द्वारा भारत गौरव डीलक्स टूरिस्ट ट्रेन चलाई जा रही है। भारतीय रेल द्वारा इससे पहले भी दो बार चारों धाम को जोड़ने के लिए भारत गौरव डीलक्स टूरिस्ट ट्रेन चलाई जा चुकी है। दक्षिण मध्य रेलवे के अनुसार इस वर्ष दिल्ली के सफदरजंग रेलवे स्टेशन से 27 मई को 17 दिवसीय चारों धाम भारत गौरव डीलक्स यात्रा की शुरूआत होगी। इसके तहत बद्रीनाथ, माना गांव, नरसिंह मंदिर, जोशीमठ, ऋषिकेश, जगन्नाथ मंदिर, पुरी समुद्र तट, कोणार्क सूर्य मंदिर, चंद्रभागा समुद्र तट, रामेश्वरम में रामनाथ स्वामी मंदिर और धनुषकोड़ी तथा द्वारका में द्वारकाधीश मंदिर, नागेश्वर ज्योतिर्लिंग तथा भेंट द्वारका जैसी जगहों का भ्रमण कराया जाएगा। इस यात्रा में जाने वाले यात्रियों को वाराणसी में काशी विश्वनाथ मंदिर, पुणे में भीमशंकर मंदिर और नासिक में त्रंबकेश्वर मंदिर का

भ्रमण भी कराया जाएगा। 17 दिनों की यात्रा के दौरान सभी भक्त 8425 किलोमीटर की यात्रा करेंगे। उल्लेखनीय है कि भारत गौरव डीलक्स एसी टूरिस्ट ट्रेन में कई आधुनिक आरामदायक फीचर जोड़े गए हैं। जिसमें दो डायनिंग रेस्टोरेंट, एक मॉडर्न किचन और स्नान के लिए क्यूबिक स्नानघर शामिल हैं। सभी कोच में बायो टॉयलेट युक्त वॉशरूम की व्यवस्था की गई है। यात्रियों की सहूलियत के लिए फुटमसाजर भी लगाए गए हैं।

पूरी तरह से वातानुकूलित इस ट्रेन में फर्स्ट एसी, सेकंड एसी और थर्ड एसी में टिकट बुक कराई जा सकती है। ट्रेन में यात्रियों की सुरक्षा के लिए सीसीटीवी कैमरे और सिक्योरिटी गार्ड की व्यवस्था भी की गई है। इस ट्रेन का संचालन भारतीय रेल कैटरिंग एवं टूरिज्म कारपोरेशन के माध्यम से किया जाएगा। टिकटों की बिक्री भी आईआरसीटीसी के वेबसाइट से ही की जाएगी। इसके लिए एक पैकेज रेट का निर्धारण किया गया है जिसमें जर्नी टिकट के साथ-साथ तीन सितारा होटल में रहने, तीनों टाइम का भोजन, साइटसींइग की पूरी व्यवस्था, ट्रैवल इंश्योरेंस और टूर मैनेजर की सेवा शामिल है। इस ट्रेन में बुकिंग के लिए 150 सीटें उपलब्ध है जिसे पहले आओ,पहले पाओ आधार पर बुक किया जाएगा। ट्रेन के संबंध में विस्तृत जानकारी भारतीय रेल कैटरिंग एवं टूरिज्म कारपोरेशन के वेबसाइट पर तथा उनके वेब पोर्टल पर उपलब्ध है। भारतीय रेल के कार्यकारी निदेशक सूचना एवं प्रचार दिलीप कुमार ने बताया कि देश के महत्वपूर्ण पर्यटन स्थलों को जोड़ने के उद्देश्य से भारत गौरव टूरिस्ट ट्रेन का परिचालन किया जाता है।

इन ट्रेनों के संचालन से विभिन्न धार्मिक एवं पर्यटन की दृष्टि से महत्वपूर्ण स्थान का भ्रमण कर पाना आसान हुआ है।

मेदक सांसद रघुनंदन राव ने मदरसा गतिविधियों की जांच की मांग की

हैदराबाद, 2 मई (स्वतंत्र वार्ता)। मेदक सांसद एम. रघुनंदन राव ने शुक्रवार को कहा कि जिस तरह से राज्य में एक तरफ सरकारी मशीनरी काम कर रही है और दूसरी तरफ समाज में कुछ अलग-अलग संगठन काम कर रहे हैं, वह उन्हें परेशान कर रहा है। जिन्नाराम में हाल ही में हुई सांप्रदायिक घटना का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि पुलिस ने पटनचेरू निर्वाचन क्षेत्र के अंतर्गत जिन्नाराम मंडल केंद्र में शिव प्रतिमा को नष्ट करने के संबंध में एक वीडियो जारी किया और कहा कि फुटेज दिखाया गया और यह कहकर मामले को बंद कर दिया गया कि मदरसा के छात्र इस घटना में शामिल नहीं थे, जबकि पुलिस ने कहा कि बंदरों के एक समूह ने मूर्ति को नष्ट कर दिया। उन्होंने आरोप लगाया, हालांकि, घटना के अगले दिन 19 हिंदुओं को गिरफ्तार किया गया। इसके बाद 5 और लोगों को गिरफ्तार किया गया और कुल 24 लोगों को रिमांड पर भेजा गया। इस घटना में चार एफआईआर दर्ज की गईं। घटना के दिन कुछ हिंदू सचेत हो गए और पुलिस को घेर लिया, जिसके बाद उन्हें न्यायिक रिमांड पर भेज दिया गया। उन्होंने कहा कि उन्होंने इस मुद्दे को राज्य के डीजीपी के ध्यान में लाया और मदरसा छात्रों के बारे में जानकारी मांगी। मदरसे में पढ़ने वाले 70 छात्र कहां से आए थे? वे किस गांव से आए थे? मदरसा कब स्थापित हुआ? क्या उन्होंने मदरसा स्थापित करने की अनुमति ली थी? यह किसके लिए बनाया गया था? यह किन राष्ट्रीयताओं के लिए बनाया गया था? मैंने इन मामलों की जांच का अनुरोध किया। उन्होंने कहा कि उन्होंने डीजीपी को बताया कि इन मदरसों में होने वाली गतिविधियों के बारे में संदेह था और उनके वास्तविक विवरण की जांच का अनुरोध किया। उन्होंने कहा, जिन्नाराम मदरसा में 70 छात्र पढ़ रहे हैं। इनमें से 65 बिहार के किशनगंज जिले के बताए जा रहे हैं। उनके माता-पिता बिहार में ही बताए जा रहे हैं। किशनगंज इलाका बांग्लादेश की सीमा से सटा हुआ है। ऐसे में संदेह है कि 65 छात्र बांग्लादेश से आकर यहां प्रशिक्षण ले रहे हैं।

मासिक बस पासधारकों के लिए मेट्रो कॉम्बी टिकट की घोषणा

हैदराबाद, 2 मई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना राज्य सड़क परिवहन निगम (टीजीएसआरटीसी) ने 20 रुपये प्रति ट्रिप की कीमत पर मेट्रो कॉम्बी टिकट शुरू करने की घोषणा की है, जिससे सामान्य बस टिकट (जीबीटी) मेट्रो एक्सप्रेस और साधारण मासिक बस पास धारकों को हैदराबाद क्षेत्र में मेट्रो डीलक्स बसों में यात्रा करने की अनुमति मिल जाएगी। टीजीएसआरटीसी ग्रेटर हैदराबाद क्षेत्र के अधिकारियों ने कहा कि इस पहल का उद्देश्य पहुंच बढ़ाकर यात्रियों के लिए निर्बाध और परेशानी मुक्त यात्रा प्रदान करना है। उन्होंने कहा कि यह सुविधा मौजूदा मासिक पास धारकों को उन्नत यात्रा विकल्प प्रदान करती है, जिससे उन्हें मामूली अतिरिक्त लागत पर अधिक आराम का आनंद लेने की सुविधा मिलती है। अधिकारियों ने बताया कि कॉम्बी टिकट बस कंडक्टरों द्वारा अनुरोध किए जाने पर जारी किया जाएगा और यह केवल उसी विशेष यात्रा के लिए वैध होगा।

पूर्व तट रेलवे

सूचना सं. eT-East-WAT-13-2025
दिनांक: 24.04.2025

कार्य का नाम : 36 महीने की समयावधि के लिए अधिकारिक आवागमन से संबंधित मण्डल रेलवे प्रबंधक/वाल्टियर के लिए ईंधन के साथ एवं बिना चालक के 01 (एक) A.C. सेडान सड़क वाहन अर्थात् होंडा सिटी, हुंडई वरना, स्कोडा रैपिड अथवा अनुरूप किराये पर लेना।

कार्य की अनुमानित लागत : ₹ 18,78,161.40, EMD : ₹ 37,600/-, कार्य पूरा होने की अवधि : 36 (छत्तीस) महीने।

निविदा बंद होने की तिथि व समय : दिनांक 16.05.2025 को 1530 बजे।

ऐसी ई-निविदा के तहत डाक/कूरियर/फैक्स या व्यक्तिगत रूप से भेजा गया कोई भी मैनुअल प्रस्ताव स्वीकार नहीं किया जायेगा, भले ही यह फर्म (Firm) के लेटर हेड एवं नियत समय पर प्राप्त किया गया हो। ऐसे सभी मैनुअल प्रस्ताव को किसी विचार के बिना तत्काल निरस्त कर दिया जायेगा।

उपरोक्त ई-निविदा के ई-निविदा दस्तावेज सहित संपूर्ण जानकारी वेबसाइट : www.ireps.gov.in पर उपलब्ध होंगे।

दृष्टव्य : प्रत्याशित निविदाकारों को यह सलाह दी जाती है कि इस ई-निविदा के लिए जारी कोई भी परिवर्तन / शुद्धिपत्र की ओर ध्यान देने के लिए वे निविदा बंद होने की कम से कम 15 (पन्द्रह) दिन पहले वेबसाइट का पुनः अवलोकन करें।

मण्डल रेलवे प्रबंधक (इंजीनियरिंग), वाल्टियर

PR-86/Q/25-26

योगी आदित्यनाथ से मिले पूर्व कप्तान कपिल देव, शिष्टाचार भेंट की

लखनऊ, 2 मई (एजेंसियां)। भारत के महान ऑलराउंडर कपिल देव ने शुक्रवार को प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से उनके सरकारी आवास पर मुलाकात की।

इसे एक शिष्टाचार भेंट बताया जा रहा है।

मुलाकात के बारे में जानकारी देते हुए सीएम योगी के एक्स अकाउंट पर बताया गया है कि प्रख्यात क्रिकेट खिलाड़ी एवं 1983 की विश्व कप विजेता भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान कपिल देव जी ने आज लखनऊ स्थित सरकारी आवास पर शिष्टाचार भेंट की। कपिल देव ने भारत की तरफ से 131 टेस्ट मैच और 225 वनडे मैचों में प्रतिनिधित्व किया। उनकी गिनती भारत के महानतम खिलाड़ियों में होती है।

टीटीजेड में एग्रो फॉरेस्ट्री को सुप्रीम कोर्ट का झटका

राज्य सरकार और एडीएफ की याचिका खारिज

आगरा, 2 मई (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने ताज ट्रेपेजियम जोन (टीटीजेड) में एग्रो फॉरेस्ट्री को अनुमति देने से इनकार कर दिया है। इस संबंध में राज्य सरकार और आगरा डेवलपमेंट फाउंडेशन की ओर से दायर याचिका पर तीखी टिप्पणी करते हुए कहा कि ऐसा करना इस क्षेत्र में पेड़ों को काटने का लाइसेंस देना होगा। न्यायमूर्ति अभय एस. ओका और उज्ज्वल भुइयां की बेंच ने कहा, एग्रो फॉरेस्ट्री के लिए, सर्वव्यापी आदेश (ब्लैंकेट ऑर्डर) की मांग की गई है। एग्रो फॉरेस्ट्री को अनुमति देने से पेड़ों का अवैध कटान बढ़ेगा, जिसका टीटीजेड के पर्यावरण पर दुष्प्रभाव पड़ेगा।

कोर्ट ने राज्य सरकार और आगरा डेवलपमेंट फाउंडेशन की एग्रो फॉरेस्ट्री से संबंधित याचिकाओं को निस्तारित कर दिया। सुप्रीम कोर्ट ने 11 दिसंबर, 2019 को टीटीजेड में एग्रो फॉरेस्ट्री की अनुमति देने का आदेश आगरा डेवलपमेंट फाउंडेशन की याचिका पर किया था। सुप्रीम कोर्ट के आठ मई, 2015 के टीटीजेड में पेड़ काटने पर रोक के आदेश के चलते एग्रो फॉरेस्ट्री का आदेश लागू नहीं हो पा रहा था। आगरा डेवलपमेंट फाउंडेशन ने इस पर सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर करते हुए एग्रो फॉरेस्ट्री की अनुमति मांगी थी। राज्य सरकार ने भी याचिका दायर की थी। इसमें आठ मई, 2015 के आदेश में लगाए प्रतिबंधों को शिथिल करने व गैर वन भूमि व निजी भूमि पर लगाए गए पेड़ों को काटने के लिए सुप्रीम कोर्ट से पूर्व में अनुमति लेने की बाध्यता नहीं रहने की मांग की गई थी। 25 मार्च को हुई सुनवाई में सुप्रीम कोर्ट ने दिसंबर, 2019 के टीटीजेड में एग्रो फॉरेस्ट्री की अनुमति से संबंधित आदेश पर रोक लगा दी थी। सेंट्रल एम्पावर्ड कमेटी (सीईसी) से एग्रो फॉरेस्ट्री पर रिपोर्ट मांगी गई थी। सीईसी ने इस पर रिपोर्ट-20 सुप्रीम कोर्ट में दाखिल की है।

यूकेलिप्टस, चिनार, मालाबार नीम को काटने की अनुमति दे सकेंगे

सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को ताजमहल की पांच किमी की परिधि में उसकी अनुमति के बगैर कोई पेड़ नहीं काटे जाने का आदेश किया। सेंट्रल इम्पावर्ड कमेटी (सीईसी) ने ताजमहल से पांच किमी के एरियल डिस्टेंस के बाहर पेड़ों को काटने की अनुमति देने को सिफारिश की है। टीटीजेड में ग्रामीण क्षेत्र में यूकेलिप्टिस, चिनार (पोपलर) और मालाबार नीम (मेलिया दुबिया) को कृषि वानिकी फसल माना है। हालांकि, इससे अधिक राहत मिलने की उम्मीद नहीं है। इनके अतिरिक्त कोई अन्य पेड़ या प्रतिबंधित श्रेणी के पेड़ों को न्यायालय की पूर्व अनुमति के बगैर नहीं काटा जा सकेगा। सुप्रीम कोर्ट ने टीटीजेड में पर्यावरण संरक्षण के लिए पेड़ काटने पर रोक लगा रखी है।

आपातकालीन स्थिति में ही होगी पेड़ों की कटाई-छंटाई

प्रभागीय निदेशक सामाजिक वानिकी संपत्ति को नुकसान पहुंचने से रोकने, मानव जीवन के समक्ष खतरों को कम करने के लिए पेड़ों की कटाई व छंटाई की अनुमति प्रदान कर सकेंगे। यातायात के सुचारू प्रवाह को सुनिश्चित करने के लिए गिरे हुए पेड़ों को हटाया जा सकेगा। इसका रिकार्ड उन्हें रखना होगा। इसकी जानकारी सीईसी द्वारा टीटीजेड के लिए बनाए गए एमआईएस पोर्टल पर अपलोड करनी होगी।

रेल भूमि विकास प्राधिकरण को एफिडेविट दाखिल करने के निर्देश

सुप्रीम कोर्ट में गधापाड़ा माल गोदाम में पेड़ों को काटने से संबंधित मामले की भी सुनवाई हुई। रेल भूमि विकास प्राधिकरण द्वारा एफिडेविट दाखिल नहीं किया गया है। न्यायालय ने नौ मई तक रेल भूमि विकास प्राधिकरण और गणपति बिल्डर को एफिडेविट दाखिल करने का आदेश किया।

मथुरा में मुस्लिम परिवार के 8 सदस्यों ने बदला अपना धर्म

मथुरा, 2 मई (एजेंसियां)। मथुरा के जमुनापार क्षेत्र में एक अजीब मामला देखने को मिला है। दरअसल यहां एक मुस्लिम परिवार के 8 सदस्यों ने गुरुवार को वृंदावन के एक आश्रम में वैदिक रीति-रिवाजों के साथ आयोजित धार्मिक समारोह में हिंदू धर्म अपना लिया। इस दौरान परिवार के सदस्यों ने अपना नाम भी बदला और कहा कि यह उनका निजी और स्वतंत्र फैसला है और उनके पैतृक धर्म पर यह आधारित है। परिवार के मुखिया जाकिर ने अपना नाम बदलकर जगदीश कर लिया। जानकारी के मुताबिक, वह वृंदावन जिले के शेरगढ़ जिले के रहने वाले हैं। हालांकि वह ससुराल में रहकर गांव में ही दुकान चलाते हैं। मीडिया से बात करते हुए जगदीश ने कहा, "मुगल काल तक हमारे पूर्वज हिंदू थे। उन्होंने दबाव में आकर इस्लाम धर्म अपना लिया। लेकिन मन, वचन व कर्म से मैं देवी काली की पूजा करता रहा हूं। गांव वाले आज भी मुझे 'भगत जी' कहते हैं।"

'पिक्चर अभी बाकी है'

तेजस्वी यादव ने ऐसा क्यों कहा? बोले- भाजपाई गाली देंगे

पटना, 2 मई (एजेंसियां)। केंद्र सरकार ने जाति जनगणना कराने का ऐलान कर दिया है। घोषणा के बाद से ही सियासत भी हो रही है। ऐसे वक्त में घोषणा की गई है जब बिहार में विधानसभा चुनाव होना है। चुनाव में इसका फायदा क्या कुछ होता है यह तो बाद की बात है लेकिन तेजस्वी यादव ने एक बार फिर बीजेपी और केंद्र सरकार पर हमला किया है। शुक्रवार को उन्होंने एक्स पर पोस्ट कर लिखा, जातिगत जनगणना तो शुरुआत है, पिक्चर अभी बाकी है। बिहार में इसी साल (2025) विधानसभा चुनाव होना है और इसी को देखते हुए तेजस्वी यादव ने एक्स पर पोस्ट कर आरक्षण का अपना मास्टरप्लान भी जारी कर दिया। तेजस्वी यादव ने एक्स पर लिखा, उच्च मानसिकता के समता विरोधी संकीर्ण व नकारात्मक संघी/भाजपाई इस पर भी हमें गाली देंगे लेकिन बाद में बेशर्म हमारे ही एजेंडे को अपना मास्टर स्ट्रोक कहेंगे। कितने खोखले लोग हैं ये? बता दें कि जातीय जनगणना के मुद्दे पर विपक्ष क्रेडिट ले रहा है। हालांकि बिहार में विधानसभा चुनाव होना है तो उस लिहाज से जातीय जनगणना जैसे बड़े मुद्दे को केंद्र सरकार ने विपक्ष से छीन लिया है। दूसरी ओर बिहार विधानसभा चुनाव से पहले जाति जनगणना के ऐलान को लेकर विपक्ष टाइमिंग पर भी सवाल उठा रहा है। कर्नाटक के सीएम सिद्धारमैया ने तो यहां कह दिया है कि, बीजेपी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार ने बुधवार को जिस जल्दबाजी में जाति जनगणना के बारे में फैसला लिया, उससे मुझे विश्वास हो गया कि यह बिहार विधानसभा चुनावों के मद्देनजर किया गया है।

मुझे बंदूक थमा दो आतंकवादियों को पाकिस्तान में घुसकर मारेंगे

ओपी राजभर ने कहा- कांग्रेसी नेताओं के बयान दुर्भाग्यपूर्ण

लखनऊ, 2 मई (एजेंसियां)। योगी सरकार में कैबिनेट मंत्री ओमप्रकाश ने कहा- भारत सरकार मुझे एक हथियार थमा दे। पाकिस्तान में घुसकर आतंकवादियों को मारूंगा। पता नहीं चलेगा कि आतंकवादी कहां चले गए। कांग्रेस नेता सैफुद्दीन सोज सोज जैसे लोगों को पाकिस्तान में शरण ले लेनी चाहिए। जहां जाति और धर्म पूछकर मारा जा रहा हो, उस पर कांग्रेसी नेता इस तरीके के बयानबाजी कर रहे हैं। यह तो दुर्भाग्यपूर्ण है। दरअसल, सैफुद्दीन सोज ने कहा था- अगर पाकिस्तान यह रुख अपनाता है कि पहलगाम हमले में उसका हाथ नहीं है, तो हमें पाकिस्तान की बात मान लेनी चाहिए।

अखिलेश के पोस्टर विवाद पर कहा- ये पोस्टर मैन

राजभर ने कहा- अखिलेश यादव ने सपा में अलग-अलग उपाधि के लोग पाले हैं। एक पोस्टर मैन है, अभी उनका बयान आया कि लाल सेना की संज्ञा बता रहे थे। लाल सेना वाले को हमने रोका। ये तो पोस्टर मैन हैं। ये दिन भर सोते हैं, रात को जगते हैं। पोस्टर लगाते हैं। फिर छिछालेदर करा करके घर में घुस जाते हैं। ये सपा 2012 से पहले मंचों से कहा करती थी कि जो बाबा साहब के नाम पर लखनऊ में अंबेडकर पार्क बना है। हमारी सरकार आएगी तो इसको गिराएंगे और वहां पर शौचालय बनाएंगे। प्रमोशन में आरक्षण सपा ने खत्म किया। लाखों लोग नौकरी छोड़ दिए, कितने लोग आत्महत्या कर लिए, कितने लोगों का डिमोशन हो गया।

सपा गरीबों का हक लूटने वाली पार्टी

सपा ने गरीबों शोषित वंचितों के लिए बनी योजनाओं को समाप्त किया। सपा पिछड़ों का, दलितों का, गरीबों का हक छीनने वली पार्टी है। इसलिए ये सब करने से दलित वोटर कतई नहीं प्रभावित होगा। समाजवादी पार्टी पिछड़ों, दलितों का हक लूटने वाली पार्टी है।

बसपा ने जो अपने समाज के लिए किया वह सपा कभी नहीं कर पाएगी

सपा को भ्रम है। मैं उदाहरण आपको बता दे रहा हूं। कटेहरी का चुनाव वहां सांसद समाजवादी पार्टी का जीता और सांसद जीतने के बाद बाय इलेक्शन में कुछ नहीं मिला। अगर आप बहुजन समाजवादी पार्टी और आजाद समाज पार्टी का वोट जोड़ दीजिए तो एक जगह है। सत्ता में रह रहकर बहुजन समाजवादी पार्टी ने जो अपने समाज के लिए काम किया, उसका 1000 वां हिस्सा भी समाजवादी पार्टी नहीं कर पाएगी। जब तक मायावती जी रहेंगी तब तक ये लोग केवल स्वप्न ही देखते रहें।

अफसार की तीन बेटियां हिंदुस्तानी एक पाक ये गांव अजीबो-गरीब रिश्तों के लिए चर्चित

बरेली, 2 मई (एजेंसियां)। बरेली के नवाबगंज में रहने वाली पाकिस्तानी महिलाओं ने पहलगाम की घटना पर अफसोस जताया। महिलाएं बोलीं कि वह भले ही पाकिस्तानी हैं, पर उनका दिल हिंदुस्तान के लिए धड़क रहा है। बरेली के नवाबगंज इलाके का खाता गांव के मुस्लिम परिवार में तीन पाकिस्तानी महिलाएं ब्याही हैं। इनमें दो सगी बहनें हैं, जो चचेरे-तहेरे भाइयों के घर तेरह बरस पहले दुल्हन बनकर आई थीं और अब उनके बच्चों की मां हैं। कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद पाकिस्तानियों को देश छोड़ने के सरकारी फरमान से दीर्घकालिक वीजा पर रह रहीं तीनों महिलाओं के साथ उनके परिवार के लोग भी विचलित हैं। खाता गांव में एक परिवार तो ऐसा है, जो सरहदों की तरह बंटा हुआ है। परिवार की तीन बेटियां हिंदुस्तानी हैं और एक पाकिस्तानी। खाता गांव के लकड़ी कारीगर अफसार बताते हैं कि पाकिस्तान के कराची के नार्थ नाजमाबाद ब्लॉक में रहनी वाली महताब फातिमा से वर्ष 2007 में उनका निकाह हुआ था। निकाह के बाद पत्नी पाकिस्तान चली गई। 2007 में ही महताब फातिमा की वापसी हुई। कुछ साल रुकने के बाद 2010 में महताब फिर पाकिस्तान चली गईं। पाकिस्तान में पत्नी ने बेटी जहरा को जन्म दिया। बाद में दीर्घकालीन वीजा बनवाकर बेटी के साथ भारत आईं। यहां तीन बेटियां नजफ, फिजा व अलीजा का जन्म हुआ।

जाति जनगणना पर मायावती बोलीं

बसपा ही ओबीसी की हितैषी, बहुजन कल्याण के लिए भाजपा-कांग्रेस पर भरोसा करना घातक

लखनऊ, 2 मई (एजेंसियां)। बसपा सुप्रीमो मायावती ने कहा है कि ओबीसी समाज का हित बसपा में ही सुरक्षित है और बसपा ही ओबीसी समाज की सच्ची हितैषी है। बहुजनों को अपने हित व कल्याण के लिए भाजपा व कांग्रेस पर भरोसा करना घातक है। उन्होंने कहा कि काफी लम्बे समय तक ना-ना करने के बाद अब केन्द्र द्वारा राष्ट्रीय जनगणना के साथ जातीय जनगणना भी कराने के निर्णय का भाजपा व कांग्रेस आदि द्वारा इसका श्रेय लेकर खुद को ओबीसी हितैषी सिद्ध करने की होड़ लगी है जबकि इनके बहुजन-विरोधी चरित्र के कारण ये समाज अभी भी पिछड़ा, शोषित व वंचित है। वैसे भी कांग्रेस एवं भाजपा आदि की अगर नीयत व नीति बहुजन समाज के प्रति पाक-साफ होती तो ओबीसी समाज देश के विकास में उचित भागीदार बन गया होता, जिसके इनके मसीहा परमपूज्य बाबा साहेब डा. भीमराव आंबेडकर का आत्म-सम्मान व स्वाभिमान का मिशन सफल होता हुआ जरूर दिखता। लेकिन बाबा साहेब एवं बसपा के अनवरत संघर्ष के कारण ओबीसी समाज आज जब काफी हद तक जागरूक है तो दलितों की तरह ओबीसी वोटों के लिए ललायित इन पार्टियों में इनका हितैषी दिखने की स्वार्थ व मजबूरी है, अर्थात स्पष्ट है कि ओबीसी का हित बसपा में ही निहित है, अन्यत्र नहीं। अतः 'वोट हमारा राज तुम्हारा-नहीं चलेगा' के मानवतावादी संघर्ष को सही व सार्थक बनाकर अपने पैरों पर खड़े होने का समय करीब है जिसके लिए कोताही व लापरवाही घातक तथा भाजपा व कांग्रेस आदि पार्टियों पर दलित, ओबीसी समेत बहुजन-हित, कल्याण व उत्थान हेतु भरोसा करना ठीक नहीं है। बता दें कि केंद्र की मोदी सरकार ने जाति जनगणना कराने की घोषणा कर दी है। इस मुद्दे का कांग्रेस सहित सभी दलों ने स्वागत किया है।

सुप्रीम कोर्ट के अधिवक्ता की हादसे में मौत, पत्नी के साथ दिल्ली जा रहे थे, कार में ट्रक ने मारी टक्कर

गोपालगंज, 2 मई (एजेंसियां)। गोपालगंज जिले के जादोपुर थाना क्षेत्र के मंगलपुर पुल के पास सड़क हादसे में सुप्रीम कोर्ट के अधिवक्ता की मौत हो गई। बताया जा रहा है कि अनियंत्रित ट्रक ने अधिवक्ता के कार में जोरदार टक्कर मार दी। हादसा इतना भीषण था कि उनकी मौके पर ही मौत हो गई। वहीं ड्राइवर और उसकी पत्नी की हालत गंभीर है। सूचना पाकर घटनास्थल पर पहुंची पुलिस ने दोनों जख्मी को इलाज के लिए सदर अस्पताल के इमरजेंसी वार्ड में भर्ती कराया। शव को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल में भेज दिया गया है। मृतक की पहचान पुणे निवासी पवन प्रकाश पाठक के रूप में की गई है। बताया जाता है कि पवन प्रकाश पाठक की दो महीने पहले बेतिया जिले के लाल बाजार निवासी ऋचा शांडिल्य से शादी हुई थी। शादी के बाद गुरुवार को दोंगा का रस्म हुआ था। दोंगा का रस्म पूरा होने के बाद एक किराए के कार द्वारा अपनी पत्नी को गोरखपुर लेकर जा रहे थे। अभी वे गोपालगंज जिले के जादोपुर थाना क्षेत्र के मंगलपुर पुल के पास पहुंचे, तभी एक अनियंत्रित ट्रक ने जोरदार धक्का मार दिया और मौके से फरार हो गया। हालांकि बेतिया पुलिस द्वारा ट्रक को पकड़ लिया गया है। वहीं इस भीषण हादसे के बाद कार सवार पवन प्रकाश पाठक की घटनास्थल पर ही मौत हो गई।

'ये है बिहार का असली जंगल राज'

पूर्व विधायक का वीडियो शेयर कर तेजप्रताप ने बीजेपी पर बोला हमला

पटना, 2 मई (एजेंसियां)। बिहार के पूर्व मंत्री और आरजेडी विधायक तेजप्रताप यादव ने सोशल मीडिया पर बीजेपी विधायक का वीडियो शेयर कर प्रदेश की कानून व्यवस्था पर सवाल उठाए हैं। इसके साथ ही उन्होंने पुलिस की कार्यप्रणाली पर भी निशाना साधा है। विधायक तेजप्रताप यादव ने सोशल मीडिया पर वीडियो शेयर कर दावा किया है कि दानापुर से बीजेपी की पूर्व विधायक आशा देवी सिन्हा अपने बॉडीगार्ड्स के साथ लोगों के साथ मारपीट कर रही हैं। इसमें दो लोगों का सिर फट गया है। ये है बिहार का असली जंगल राज। बीच सड़क अपने बॉडीगार्ड्स और गुंडे कार्यकर्ताओं के साथ आम नागरिकों के साथ मारपीट करती ये कोई और नहीं बल्कि बीजेपी की पूर्व विधायक आशा सिन्हा जी है।सत्ता की हनक ऐसी की राजधानी पटना में पुलिस के सामने ही छोटी सी बात पे ये इतनी आगबबूला हो गई कि तेजप्रताप यादव लिखा कि 'ये है बिहार का असली जंगल राज। बीच सड़क अपने बॉडीगार्ड्स और गुंडे कार्यकर्ताओं के साथ आम नागरिकों के साथ मारपीट करती ये कोई और नहीं बल्कि बीजेपी की पूर्व विधायक आशा सिन्हा हैं।

सत्ता की हनक ऐसी की राजधानी पटना में पुलिस के सामने ही छोटी सी बात पे ये इतनी आगबबूला हो गई कि बीच सड़क पर उतर जनता के साथ मारपीट करने लगीं, जिसमे दो लोगो का सर भी फट गया। अफसोस तो इस बात की है कि पुलिस भी आरोपियों पर कारवाई करने की जगह उल्टा विधायिका के कहने पर पीड़ितों के खिलाफ ही झूठा मामला दर्ज करवा दिया।'

जातीय जनगणना के ऐलान पर धोखा दे सकती है सरकार? चंद्रशेखर आजाद ने क्यों किया ये दावा

नगीना, 2 मई (एजेंसियां)। जाति जनगणना कराने के केंद्र के फैसले पर आजाद समाज पार्टी (कांशीराम) के राष्ट्रीय अध्यक्ष चंद्रशेखर आजाद ने पहली प्रतिक्रिया दी है। उत्तर प्रदेश स्थित नगीना से सांसद चंद्रशेखर ने सरकार की मंशा पर शक भी जताया है। उन्होंने यह भी कहा है कि उनका दल और वह खुद पहले से इसकी मांग करते रहे हैं। नगीना सांसद ने कहा कि 'आजाद समाज पार्टी लंबे समय से लगातार यह मांग उठाती रही है। 3 फरवरी को लोकसभा सत्र के दौरान मैंने जाति जनगणना का मुद्दा उठाकर शुरुआत की थी। 2024 में जब हम दिल्ली में थे, इंदिरा गांधी स्टेडियम में आयोजित एक बड़े आंदोलन के दौरान भी हमारी पहली मांग जाति जनगणना की थी। जब हमने सहारनपुर से शुरू करके 18 मंडलों में समीक्षा कार्यक्रम चलाया, तो हमारी पहली मांग यही थी। हम जाति जनगणना के महत्व को समझते हैं और मेरा मानना है कि अगर जाति जनगणना कराई जाती है, तो हमें बहुमूल्य डेटा मिलेगा, खासकर पिछड़े वर्गों के बारे में। यहां तक कि सामान्य वर्ग को भी स्पष्टता मिलेगी। लोगों के पास कितनी शिक्षा है, किसके पास कितनी जमीन है, किसके पास नौकरी है। इसकी जानकारी सामने आएगी।'

'सरकार ने इस बारे में केवल बात की है'

आजाद ने कहा कि हालांकि, सरकार ने इस बारे में केवल बात की है और कार्यान्वयन के लिए कोई समय सीमा तय नहीं की है। हमारी पार्टी के कई लोगों का मानना है कि बिहार चुनाव के कारण अब इस पर चर्चा हो रही है, क्योंकि नीतीश (बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार) पहले ही बिहार में जाति जनगणना करा चुके हैं। मेरा मानना है कि जाति जनगणना के बाद ही इस पर चर्चा होगी। क्या हम और कुछ कह पाएंगे। उन्होंने कहा कि अभी तक कुछ भी तय नहीं हुआ है। कौन से विषय शामिल किए जाएंगे, कब शुरू होगा, कब खत्म होगा। ये सब अभी भी तय नहीं है। मेरा मानना है कि जाति जनगणना के बाद ही हम और कुछ कह पाएंगे। अभी तक कुछ भी तय नहीं हुआ है। कौन से विषय शामिल किए जाएंगे, कब शुरू होगा, कब खत्म होगा। ये सब अभी भी तय नहीं है। साथ ही, मैं यह भी स्पष्ट कर दूं कि 1931 के बाद कोई भी जाति जनगणना ठीक से नहीं हुई है। आखिरी वास्तविक जाति जनगणना ब्रिटिश सरकार के तहत हुई थी। तब से कोई भी जाति जनगणना नहीं हुई है।

शाहजहांपुर में वायुसेना का युद्धाभ्यास गंगा एक्सप्रेसवे पर गरजे लड़ाकू विमान

राफेल-जगुआर ने भरी उड़ान

शाहजहांपुर, 2 मई (एजेंसियां)। भारत-पाकिस्तान तनाव के बीच गंगा एक्सप्रेसवे पर शुक्रवार को वायुसेना शक्ति प्रदर्शन कर रही है। शाहजहांपुर के जलालाबाद में बनाई गई हवाई पट्टी पर दोपहर करीब 12 बजकर 41 मिनट पर वायुसेना का एएन-32 विमान आया। विमान ने करीब पांच मिनट तक चक्कर लगाए। इसके बाद हवाई पट्टी पर लैंडिंग की गई (करीब एक बजे यह विमान यहां से टेकऑफ कर गया। हवाई पट्टी पर हरक्यूलिस विमान ने टच डाउन किया। इसके बाद राफेल, जगुआर और सुखोई जैसे लड़ाकू विमान भी गरजे। इन विमानों ने हवा में कलाबाजियां कीं। यह देखकर वहां मौजूद लोग रोमांचित हो गए। रात में भी हवाई पट्टी पर लड़ाकू विमान उतरेंगे।

ऐसा पहली बार होगा, जब किसी एक्सप्रेसवे पर लड़ाकू विमानों की नाइट लैंडिंग भी होगी। इस दौरान कटरा-जलालाबाद हाईवे तीन घंटे तक पूरी तरह से बंद रहेगा। वायुसेना के एयर शो का उद्देश्य युद्ध या आपदा के समय इस एक्सप्रेसवे को वैकल्पिक रनवे के रूप में इस्तेमाल करना है। गंगा एक्सप्रेसवे पर बनी यह देश की पहली ऐसी हवाई पट्टी है, जहां लड़ाकू विमान दिन व रात दोनों समय में लैंडिंग कर सकेंगे। सुरक्षा के दृष्टिकोण से हवाई पट्टी के दोनों किनारों पर करीब 250 सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं एयर शो को देखते हुए वायुसेना ने हवाई पट्टी को पहले ही अपने अधिकार क्षेत्र में ले लिया था। विमान लैंडिंग का आयोजन दिन और रात दोनों समय में इसलिए किया, ताकि एयर स्ट्रिप की नाइट लैंडिंग कैपेबिलिटी का भी टेस्ट किया।

अयोध्या के राम पथ पर नहीं होगी शराब और मांस की बिक्री

बीड़ी-सिगरेट और इनरवियर के विज्ञापन पर भी पाबंदी

अयोध्या, 2 मई (एजेंसियां)। रामनगरी अयोध्या में मीट और शराब की बिक्री को लेकर नगर निगम ने एक प्रस्ताव पारित किया है। इसके मुताबिक अब अयोध्या और फैजाबाद शहर को जोड़ने वाले मुख्य मार्ग राम पथ पर शराब और मांस की बिक्री पर पूरी तरह से रोक लगा दी जाएगी। मांस और शराब की बिक्री से जुड़ा प्रस्ताव राम पथ के 14 किलोमीटर के हिस्से को लेकर लाया गया है। इस 14 किलोमीटर के राम पथ पर अब शराब और मांस की बिक्री पूरी तरह से प्रतिबंधित रहेगी। इसके अलावा पान, गुटखा, बीड़ी, सिगरेट और इनरवियर के विज्ञापन भी राम पथ पर नहीं प्रदर्शित किए जाएंगे। दरअसल, अयोध्या में स्थित रामलला का मंदिर राम पथ पर ही स्थित है। ऐसे में अयोध्या नगर निगम ने मांस और शराब की बिक्री पर रोक लगाने का प्रस्ताव पारित किया है। बता दें कि अयोध्या में मांस और शराब की बिक्री पर पहले से ही प्रतिबंध लागू है, लेकिन इस नए प्रस्ताव के पारित होने के बाद फैजाबाद शहर के कई इलाकों को इसमें शामिल करते हुए राम पथ पर भी मांस और शराब की बिक्री पूरी पर रोक लगा दी गई है। अयोध्या नगर निगम के मेयर गिरीश पति त्रिपाठी ने इस प्रस्ताव के पारित होने की जानकारी दी है।

जल्द जारी होगी डेडलाइन

मेयर गिरीश पति त्रिपाठी ने कहा, अयोध्या नगर निगम की कार्यकारी समिति, जिसमें मेयर, डिप्टी मेयर और 12 पार्षद शामिल हैं, ने शहर की सच्ची धार्मिक भावना को बनाए रखने के लिए इस प्रतिबंध को लागू करने का प्रस्ताव पारित किया। बता दें कि अयोध्या नगर निगम की कार्यकारी समिति में केवल एक मुस्लिम पार्षद सुल्तान अंसारी शामिल हैं, जो भाजपा से हैं। अयोध्या में सरयू तट से शुरू होने वाला राम पथ का पांच किलोमीटर लंबा हिस्सा फैजाबाद शहर में आता है और वर्तमान में इस हिस्से में मांस और शराब बेचने वाली कई दुकानें हैं। इस प्रतिबंध के कार्यान्वयन का विवरण और समयसीमा जल्द ही नगर निगम द्वारा घोषित किए जाने की उम्मीद है।

दिल्ली: आंधी तूफान के कारण लेट हुई फ्लाइट तो एयर इंडिया पर भड़का यात्री

नई दिल्ली, 2 मई (एजेंसियां)। दिल्ली में शुक्रवार (2 मई) की सुबह भारी बारिश और तूफान के साथ हुई। सुबह घर से निकलने वाले लोगों को खासी परेशानी का सामना करना पड़ा। सड़कों पर जगह-जगह पर पानी भरा हुआ था। इससे कई वाहन सड़क पर ही बंद भी हो गए। इस बीच दिल्ली एयरपोर्ट से काफी देर तक फ्लाइट का संचालन प्रभावित रहा। 140 से ज्यादा फ्लाइट पर खराब मौसम का असर पड़ा। 40 फ्लाइट कैंसिल हुईं, 100 देरी से रवाना हुईं। वहीं, दो फ्लाइट जयपुर और एक फ्लाइट अहमदाबाद डाइवर्ट की गई। इस बीच एक यात्री ने फ्लाइट लेट होने पर एयर इंडिया को जमकर खरी-खोटी सुनाई और एयरलाइन की तरफ से इसका जवाब भी दिया गया। फ्लाइट लेट होने से नाराज लोगों ने सोशल मीडिया पर अपना गुस्सा बयां किया। इशान राणा नाम के एक यूजर ने लिखा एयर इंडिया की हर फ्लाइट 1-2 घंटे देरी से चलती है। यात्रियों के समय का कोई सम्मान नहीं। कोई सुधार नहीं, कोई जवाबदेही नहीं। यह शर्मनाक है कि हम अपनी तुलना पाकिस्तान से करते हैं, न की चीन से जो हमसे 100 साल आगे है। सबसे खराब चीज यह है कि टिकट वापस नहीं किए जाते और यात्रियों का समय बर्बाद करने के लिए कोई मुआवजा नहीं मिलता। ईशान राणा के एक्स पोस्ट पर जवाब देते हुए एयर इंडिया ने लिखा, प्रिय राणा, दिल्ली में प्रतिकूल मौसम की स्थिति के कारण उड़ान में देरी हो रही है। कृपया आश्वस्त रहें कि हमारे यात्रियों की सुरक्षा हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। हम आपके धैर्य और समझदारी की ईमानदारी से सराहना करते हैं। इसके जवाब में ईशान ने लिखा मौसम के कारण आज की देरी को मैं समझता हूं, लेकिन आपकी एयरलाइन के साथ मेरा पिछला अनुभव भी अच्छा नहीं रहा है। 29 तारीख को उड़ान एआई 2866 बिना किसी मौसम संबंधी समस्या के 30 मिनट की देरी से उड़ी। खराब मौसम के कारण देरी स्वीकार्य है, आदतन देरी स्वीकार्य नहीं है।

दिल्ली एयरपोर्ट का पोस्ट

वहीं, दिल्ली एयरपोर्ट की तरफ से सुबह 8.20 बजे एक्स पर लिखा गया सुबह भारतीय मौसम विभाग द्वारा जारी एडवाइजरी के बाद, हम यह पुष्टि करना चाहते हैं कि प्रतिकूल मौसम के कारण फ्लाइट्स पर कुछ प्रभाव पड़ा है, लेकिन एयरपोर्ट पर सामान्य रूप से फ्लाइट्स का परिचालन हो रहा है। हमारी ऑन-ग्राउंड टीमें सभी हितधारकों के साथ मिलकर काम कर रही हैं ताकि यात्रियों को निर्बाध और कुशल अनुभव मिल सके। यात्रियों से अनुरोध है कि वे फ्लाइट से जुड़े नए अपडेट के लिए अपनी एयरलाइनों के संपर्क में रहें।

परिवार के लिए काल बनी दिल्ली की बारिश घर पर पेड़ गिरने से चार की मौत; एक घायल

नई दिल्ली, 2 मई (एजेंसियां)। राजधानी दिल्ली और एनसीआर में शुक्रवार की सुबह से ही झमाझम बारिश हो रही है। इस दौरान तेज हवाएं भी चल रही हैं। वहीं बारिश की वजह से राजधानी दिल्ली में एक बड़ा हादसा हो गया, जिसमें चार लोगों की जान भी चली गई। दरअसल, दिल्ली के नजफगढ़ इलाके में मौजूद एक खेत में बने कमरे के ऊपर आंधी आने के कारण पेड़ गिर गया। घर के ऊपर पेड़ गिरने से उसमें मौजूद एक महिला और तीन बच्चों की दबकर मौत हो गई। वहीं महिला के पति को मामूली चोट आई है। दिल्ली पुलिस ने इस घटना के बारे में जानकारी दी है। दरअसल, शुक्रवार की सुबह से ही दिल्ली और आस-पास के इलाकों में भारी बारिश हो रही है। बारिश के साथ ही इलाके में तेज हवाएं भी चल रही हैं। तेज हवाओं की वजह से नजफगढ़ इलाके में एक पेड़ टूटकर मकान पर गिर गया। इस दौरान मकान में एक परिवार के पांच लोग रह रहे थे। मकान पर पेड़ गिरने की वजह से एक महिला और उसके तीन बच्चों की दबने से मौत हो गई।

वहीं महिला के पति को भी चोट लगी है। मृतक महिला की पहचान 26 वर्षीय ज्योति और उसके तीन बच्चों के रूप में हुई है। वहीं उसके पति अजय को मामूली चोटें आई हैं। बता दें कि दिल्ली-एनसीआर में हो रही बारिश के कारण सड़कों पर पानी भर गया है। इस वजह से गाड़ियां भी सड़कों पर रेंगती हुई नजर आईं। इस बारिश की वजह से मौसम भी बदल गया है। दिल्ली के साथ-साथ यूपी, हरियाणा और पंजाब के भी तमाम इलाकों में मूसलाधार बारिश हो रही है। बारिश की वजह से दिल्ली के कई इलाकों में पानी भर गया है। मौसम विभाग ने तीन दिन दिल्ली में बारिश का अलर्ट जारी किया है। साथ ही 70 किलोमीटर की रफ्तार से हवाएं चलने की आशंका भी जताई थी।

प्रज्ञा ठाकुर जमानत के खिलाफ याचिका पर 'सुप्रीम' रोक

कोर्ट ने कहा- विचार की जरूरत नहीं, एनआईए सुनाएगा फैसला

भोपाल, 2 मई (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने 2008 मालेगांव ब्लास्ट मामले में आरोपी पूर्व सांसद प्रज्ञा सिंह ठाकुर की जमानत को चुनौती देने वाली याचिका पर सुनवाई खत्म कर दी है। यह याचिका पीड़ितों में से एक के पिता निसार अहमद ने 2017 में दायर की थी। उन्होंने बॉम्बे हाईकोर्ट के प्रज्ञा ठाकुर को दी गई जमानत को रद्द करने की मांग की थी। कोर्ट में सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ता की ओर से सीनियर एडवोकेट ने बताया कि अब एनआईए कोर्ट ने मामले में फैसला सुरक्षित रख लिया है, इसलिए सुप्रीम कोर्ट इस याचिका पर आगे सुनवाई न करे। कोर्ट ने यह तर्क मान लिया और कहा कि जब ट्रायल कोर्ट में फैसला जल्द आने वाला है, तब इस याचिका पर आगे विचार करने की जरूरत नहीं है। एनआईए कोर्ट ने 19 अप्रैल को मालेगांव विस्फोट मामले में फैसला सुरक्षित रखा था। इस विस्फोट में 7 लोगों की मौत हुई थी और 100 से ज्यादा घायल हुए थे। मामले में करीब 108 गवाहों से पूछताछ की गई। प्रज्ञा ठाकुर की ओर से पेश वकील ने कोर्ट को बताया कि 8 मई को फैसला सुनाया जा सकता है और सभी आरोपियों को कोर्ट में मौजूद रहने को कहा गया है। इस बीच, जिस जज ए.के. लाहोटी की बेंच में यह मामला चल रहा है, उनका तबादला प्रस्तावित है, लेकिन हाईकोर्ट ने उन्हें 31 अगस्त तक वहीं बने रहने की अनुमति दी है, ताकि वे फैसला सुना सकें। भोपाल की पूर्व सांसद प्रज्ञा सिंह ठाकुर 2008 के मालेगांव ब्लास्ट केस में आरोपी हैं। 29 सितंबर, 2008 को महाराष्ट्र के मालेगांव में हुए बम ब्लास्ट में छह लोगों की मौत हो गई थी और 100 से ज्यादा लोग घायल हो गए थे। अप्रैल 2017 बॉम्बे हाईकोर्ट ने सातों आरोपियों को जमानत दे दी थी। इस दौरान प्रज्ञा को पांच लाख रुपए के निजी मुचलके पर जमानत दी गई थी।

दिव्या बनीं आईएएफ की पहली महिला क्वालिफाइड फ्लाइंग इंस्ट्रक्टर

ससुराल में खुशी की लहर

चरखी-दादरी, 2 मई (एजेंसियां)। चरखी-दादरी के गांव भागवी की पुत्रवधू और स्वतंत्रता संग्राम सेनानी निहाल सिंह तक्षक के छोटे भाई दलीप तक्षक के पौत्र प्रथम तक्षक की पत्नी लेफ्टिनेंट कमांडर दिव्या शर्मा ने महिला सशक्तीकरण की मिसाल पेश की है। उन्होंने हाल ही में भारतीय नौसेना की पहली महिला क्वालिफाइड फ्लाइंग इंस्ट्रक्टर बनने का गौरव प्राप्त किया है। भारतीय वायुसेना के प्रतिष्ठित फ्लाइंग इंस्ट्रक्टर्स स्कूल एयरफोर्स स्टेशन चेन्नई के तांबरम (तमिलनाडु) में उन्होंने यह उपलब्धि हासिल की। थलसेना, वायुसेना, नौसेना और तटरक्षक बल के 55 चुनिंदा पायलटों ने इस कठिन प्रशिक्षण को पूरा किया। लेफ्टिनेंट कमांडर दिव्या शर्मा भारतीय नौसेना अकादमी एझिमला की पूर्व छात्रा हैं। उन्होंने 25 जून 2018 को भारतीय नौसेना में कमीशन प्राप्त किया था। वह भारतीय नौसेना में शामिल की गई पहली महिला पायलटों के अग्रणी दल की सदस्य रही हैं। उनकी कठिन प्रशिक्षण की यात्रा हैदराबाद, बंगलूरू, कोच्चि और विशाखापत्तनम जैसे प्रमुख सैन्य हवाई अड्डों से होते हुए उन्हें नई ऊंचाइयों तक ले गई है। गांव भागवी निवासी अधिवक्ता संजीव तक्षक ने बताया कि लेफ्टिनेंट कमांडर दिव्या शर्मा अंडमान निकोबार कमांड के पोर्ट ब्लेयर स्थित आईएनएस उत्क्रोश में तैनात हैं।

आईएनएस 318 स्क्वॉड्रन की डोर्नियर पायलट हैं। डोर्नियर विमान अत्याधुनिक पेट्रोल रडार से लैस होते हैं। दिव्या शर्मा अब क्यूएफआई बनने के बाद अगली पीढ़ी के सैन्य पायलटों को प्रशिक्षित करेंगी। इससे भारतीय नौसेना की विमानन शक्ति को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने में उनका महत्वपूर्ण योगदान रहेगा।

नीतीश कुमार के हेलिकॉप्टर की लैंडिंग के वक्त टला बड़ा हादसा, टीन उड़ने से अफरा तफरी

पटना, 2 मई (एजेंसियां)। शुक्रवार को राजगीर में उस समय हड़कंप मच गया जब मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के हेलिकॉप्टर की लैंडिंग के दौरान दो टीन शेड तेज हवा के कारण उड़ने लगे। यह घटना उस वक्त हुई जब सीएम राजगीर स्पोर्ट्स एकेडमी के उद्घाटन कार्यक्रम में हिस्सा लेने पहुंचे थे। हेलिकॉप्टर के नीचे उतरते ही हवा का जोर इतना तेज हो गया कि पास में बने दो टीन शेड अचानक हवा में उड़कर कुछ दूरी तक चले गए। गनीमत रही कि ये टीन शेड हेलिकॉप्टर या किसी व्यक्ति से नहीं टकराए, वरना एक बड़ा हादसा हो सकता था। घटना के वक्त मौके पर मौजूद सुरक्षाकर्मी और अधिकारी तुरंत सतर्क हो गए और स्थिति को संभाल लिया। किसी को चोट नहीं आई और सीएम भी पूरी तरह सुरक्षित रहे। लैंडिंग के बाद मुख्यमंत्री ने निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार स्पोर्ट्स एकेडमी का उद्घाटन किया और वहां मौजूद लोगों को संबोधित किया। यह पूरा कार्यक्रम शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुआ, लेकिन लैंडिंग के समय हुई इस घटना ने सुरक्षा इंतजामों पर सवाल जरूर खड़े कर दिए हैं। सुरक्षा विशेषज्ञों का मानना है कि जिस स्थान पर वीवीआईपी लैंडिंग होती है, वहां इस तरह की हल्की चीजें जैसे टीन की छत या अस्थायी टेंट नहीं होने चाहिए। ऐसी चीजें तेज हवा में उड़ सकती हैं और कोई बड़ा हादसा कर सकती हैं। प्रशासन ने इस मामले को गंभीरता से लिया है और जांच के आदेश दे दिए हैं। अधिकारियों से यह भी कहा गया है कि आगे से ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए सभी जरूरी सावधानियां बरती जाएं।

भविष्य के लिए जरूरी है ज्यादा सतर्कता

इस घटना से यह साफ हो गया है कि वीवीआईपी मूवमेंट के समय सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत करने की जरूरत है। खासकर लैंडिंग जोन के आसपास मजबूत और स्थायी ढांचे ही बनाए जाएं, ताकि इस तरह के हादसों से बचा जा सके। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के कार्यक्रमों में बड़ी संख्या में लोग शामिल होते हैं, ऐसे में उनकी सुरक्षा के साथ-साथ आम जनता की सुरक्षा भी प्राथमिकता होनी चाहिए। प्रशासन ने भरोसा दिलाया है कि आगे से इस तरह की चूक नहीं होगी।

नैनीताल में फिर से शुरू हुआ बवाल

फिर सड़कों पर उतरी भीड़, जमकर हो रहा प्रदर्शन, हनुमान चालीसा का भी किया पाठ

नैनीताल, 2 मई (एजेंसियां)। नैनीताल में बच्ची से दुष्कर्म के बाद तीसरे दिन भी लोगों में गुस्सा हैं। शहरभर में लोगों का धरना प्रदर्शन जारी है। शुक्रवार को भी शहरवासियों ने जमकर प्रदर्शन किया। नैनीताल के माल रोड पर एसएसबी तैनात है। वहीं, एसएसपी के नेतृत्व में फ्लैग मार्च निकाला गया। आईजी कार्यालय से पहले हनुमान चालीसा का पाठ किया।

दुष्कर्म की घटना के बाद जुमे की नमाज को लेकर प्रशासन अलर्ट मोड़ पर है। एडीएम प्रशासन विवेक राय, संयुक्त मजिस्ट्रेट वरुणा अग्रवाल, एसपी क्राइम डॉ जगदीश चंद्र, एसडीएम नवाजिश खलीक के नेतृत्व में बड़ी संख्या में मस्जिद के पास फोर्स तैनात है। वहीं, पीपुल्स फोरम से जुड़े लोगों ने महिलाओं के साथ नैनीताल के दांठ पर धरना दिया और जमकर नारेबाजे की। नगर पालिकाध्यक्ष डॉ सरस्वती खेतवाल भी धरने पर पहुंची। उन्होंने शहर के लोगों से शांति बनाए रखने की अपील की। कहा कि घटना से सभी स्तब्ध और दुखी हैं, लेकिन मारपीट और तोड़फोड़ जायज नहीं है।

हिमाचल में पैकेट बंद दूध के दो रुपये बढ़े दाम कामधेनू अब 64 रुपये, वेरका के भी बढ़े भाव

बिलासपुर, 2 मई (एजेंसियां)। प्रदेशवासियों को एक बार फिर महंगाई का झटका लगा है। शुक्रवार से प्रदेश में पैकेट बंद दूध के दामों में दो रुपये प्रति किलो की बढ़ोतरी की गई है। पहले 60 रुपये प्रति किलो में मिलने वाला वेरका टोंड दूध अब 62 रुपये प्रति किलो की दर से बेचा जाएगा। वेरका फुल क्रीम दूध जो 72 रुपये प्रति किलो था अब 74 रुपये प्रति किलो में मिलेगा। मेट्रो दूध की कीमतों में भी बढ़ोतरी की गई है। मेट्रो दूध की कीमत 62 रुपये प्रति किलो से बढ़कर अब 64 रुपये प्रति किलो हो गई है। कामधेनू हितकारी मंच बिलासपुर के व्यासधेनू दूध के दाम भी 62 रुपये प्रति लीटर से बढ़कर 64 रुपये हो गए हैं। शुक्रवार से बढ़े हुए दाम में दूध दुकानों में बिक रहा है। बिलासपुर में दूध की सप्लाई करने वाले रामपाल के मुताबिक दूध के दामों में 2 रुपये प्रति किलो का इजाफा हुआ है।

क्या माता-पिता को अपने ही बच्चे के अपहरण का दोषी ठहराया जा सकता है: हाई कोर्ट

चंडीगढ, 2 मई (एजेंसियां)। पंजाब और हरियाणा हाई कोर्ट ने 12 साल के एक लड़के को ऑस्ट्रेलिया में रह रही उसकी मां के पास से ''मुक्त'' कराने के लिए दायर याचिका को खारिज कर दिया है। कोर्ट ने कहा है कि माता-पिता को अपने ही बच्चे के किडनैपिंग के लिए दोषी नहीं ठहराया जा सकता, क्योंकि दोनों ही माता-पिता समान प्राकृतिक अभिभावक हैं।

हाई कोर्ट ने मामले पर क्या कहा?

अदालत ने कहा कि भारतीय दंड संहिता की धारा 361 और हिंदू अल्पसंख्यक और संरक्षण अधिनियम, 1956 की धारा 6 के प्रावधानों का रिसर्च करने पर पता चलता है कि किसी घटना को किडनैपिंग मानने के लिए यह आवश्यक है कि नाबालिग बच्चे को ''वैध अभिभावक'' के संरक्षण से दूर ले जाया जाए। इसने कहा, ''अदालत का मानना है कि किसी माता-पिता को अपने ही बच्चे के किडनैपिंग के लिए दोषी नहीं ठहराया जा सकता, क्योंकि दोनों माता-पिता उसके समान प्राकृतिक अभिभावक हैं।'' कोर्ट ने कहा कि किडनैपिंग के लिए जरूरी है कि बच्चे को 'कानूनी अभिभावक' की कस्टडी से लिया गया हो।

क्या था पूरा मामला?

अदालत ने ये टिप्पणी एक लड़के से जुड़े मामले में की, जिसके गुरुग्राम निवासी चाचा ने अदालत के समक्ष एक याचिका दायर कर बच्चे की मां पर बच्चे को उनके संरक्षण से ''अवैध रूप से'' छीनने का आरोप लगाया था। याचिकाकर्ता ने राज्य को यह निर्देश देने का अनुरोध किया था कि वह अपने भाई के नाबालिग बेटे को बच्चे की मां के ''अवैध संरक्षण'' से मुक्त कराए। याचिकाकर्ता ने कहा कि 24 अप्रैल को बच्चे के पिता बेल्जियम में एक सम्मेलन में भाग लेने गए थे, तभी लड़के की मां ने ''उनके कार्यालय में घुसकर बच्चे का पासपोर्ट चुरा लिया और तड़के नाबालिग को जगाकर अपने साथ ले गई।''

जातीय जनगणना के ऐलान पर कांग्रेस मना रही 'जीत' का जश्न, जीतू पटवारी ने किया ये ऐलान

भोपाल, 2 मई (एजेंसियां)। मध्यप्रदेश कांग्रेस कमेटी ने ऐलान किया है कि 2 मई से 3 मई तक मध्यप्रदेश के सभी जिलों और संभागों में प्रेस कॉन्फ्रेंस का आयोजन किया जाएगा। इन प्रेस वार्ताओं के माध्यम से कांग्रेस पार्टी भाजपा सरकार द्वारा हाल ही में स्वीकार की गई जातिगत जनगणना की माँग पर अपनी भूमिका और दृष्टिकोण को जनता तक पहुंचाएगी। कांग्रेस ने जातिगत जनगणना को सामाजिक न्याय का मुद्दा बताया था, अब भाजपा की मंजूरी को अपनी लंबी लड़ाई की सफलता मान रही है। प्रेस वार्ताओं के दौरान कांग्रेस नेता जनगणना की आवश्यकता, इससे मिलने वाले सामाजिक और आर्थिक लाभ, और भाजपा सरकार द्वारा इस पर लिये गए निर्णय में हुई देरी पर प्रकाश डालेंगे। कांग्रेस यह भी स्पष्ट करना चाहती है कि वह इस मुद्दे को लेकर केवल बयानबाज़ी तक सीमित नहीं रहेगी, बल्कि जातिगत जनगणना को सफलतापूर्वक लागू कराने और वंचित वर्गों को उनका संवैधानिक अधिकार दिलाने की दिशा में पूरी तरह सक्रिय रहेगी। प्रदेश कांग्रेस ने पार्टी पदाधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि जातिगत जनगणना को प्रमुखता से उठाकर कांग्रेस की भूमिका जनता तक पहुँचाएं। राहुल गांधी की जीत मानते हुए, बीजेपी इसे श्रेय लेने की कोशिश बता रही है। शिवराज सिंह चौहान ने कहा, कांग्रेस और इंडी गठबंधन में श्रेय की होड़ मची हुई है मैं राहुल गांधी जी से पूछना चाहता हूं कि वर्षों तक देश में कांग्रेस की सरकारें रही। इतने सालों तक जातिगत जनगणना क्यों नहीं हुई? उनके पहले प्रधानमंत्री स्वर्गीय पंडित जवाहर लाल नेहरू जी ने मुख्यमंत्रियों को लिखे पत्र में कहा था कि, वह जाति के आधार पर आरक्षण के भी विरोधी हैं। पत्र रिकार्ड में मौजूद हैं, हमेशा जाति और जातिगत जनगणना का विरोध किया। काका कालेलकर की रिपोर्ट किसने दबाई थी। कांग्रेस ने हमेशा जातिगत जनगणना का विरोध किया। वहीं शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि, झूठ बोलना और भ्रम फैलाना कांग्रेस के डीएनए में है। कर्जा माफ करेंगे, बिलजी बिल माफ करेंगे और बेरोजगारी भत्ता ऐसे कई झूठ कांग्रेस ने हमेशा से बोले हैं।

गुरमीत राम रहीम की 11 साल की सजा होगी माफ? पंजाब-हरियाणा हाई कोर्ट 21 जुलाई को करेगा फैसला

चंडीगढ़, 2 मई (एजेंसियां)। साध्वियों के यौन शोषण मामले में सजा काट रहे डेरा मुखी गुरमीत सिंह की सजा के खिलाफ अपील पर पंजाब एवं हरियाणा हाई कोर्ट ने सुनवाई 21 जुलाई तक स्थगित कर दी है।

मामले की सुनवाई के दौरान कोर्ट ने स्पष्ट कर दिया कि अगली सुनवाई पर कोर्ट हर हाल में सजा निलंबन पर अपना फैसला सुना देगा। डेरे की दो साध्वियों के यौन शोषण मामले में पंचकूला की सीबीआई कोर्ट ने अगस्त 2017 में डेरा मुखी को दोषी करार देते हुए उसे 10-10 साल की सजा सुनाई थी और साथ ही डेरा मुखी पर 30 लाख 20 हजार रुपए का जुर्माना भी लगा दिया था। पहले मामले में दस वर्ष की सजा पूरी होने के बाद दूसरे मामले में दस वर्ष की सजा शुरू होनी है। सजा को डेरा मुखी ने हाई कोर्ट में चुनौती देते हुए अपील दायर की थी। वहीं, दोनों पीड़ित साध्वियों ने भी तब हाई कोर्ट में अपील दाखिल कर डेरा मुखी को उम्रकैद की सजा सुनाई जाने की मांग की थी। तब हाईकोर्ट ने इन अपील को एडमिट कर लिया था। अक्टूबर 2017 में हाई कोर्ट ने डेरा मुखी पर लगाए गए 30 लाख 20 हजार रुपए के जुर्माने पर रोक लगाते हुए डेरा मुखी को दो महीनों के भीतर जुर्माने की यह राशि सीबीआई कोर्ट में जमा करवाए जाने के आदेश दिए थे और साथ ही जमा करवाई जाने वाली जुर्माने की इस राशि को किसी राष्ट्रीयकृत बैंक में इसकी एफडी करवाए जाने के भी आदेश दिए गए थे। तब हाई कोर्ट ने इन अपील को एडमिट कर लिया था।

डेरा मुखी गुरमीत सिंह हाई कोर्ट में अपील दायर कर कहा है कि इस मामले में सीबीआई अदालत ने उसे बिना उचित साक्ष्यों और गवाहों के उसे दोषी ठहरा सजा सुना दी है जो तय प्रक्रिया के अनुसार गलत है। डेरा मुखी ने कहा कि, पहले इस मामले में एफआईआर ही दो तीन वर्षों की देरी से दायर हुई। यह एक गुमनाम शिकायत पर दर्ज की गई जिसमे शिकायतकर्ता का नाम तक नहीं था। पीड़िता के बयान ही इस केस में सीबीआई ने छह वर्षों के बाद रिकॉर्ड किये थे। सीबीआई का कहना था कि, वर्ष 1999 में यौन शोषण हुआ था लेकिन बयान वर्ष 2005 में दर्ज किये गए। जब सीबीआई ने एफआईआर दर्ज की तब कोई शिकायतकर्ता ही नहीं था। अपनी अपील में डेरा मुखी ने सवाल उठाया है कि यह कहना कि पीड़िताओं पर कोई दबाव नहीं था, गलत है। क्योंकि दोनों पीड़िता सीबीआई के संरक्षण में थी। सुनारिया जेल में हत्या और रेप के मामले में 20 साल की सजा काट रहे डेरा मुखी गुरमीत को वीरवार को 21 दिन की फरलो पूरी होने के बाद शाम करीब 5 बजे सुनारिया जेल पहुंच गए है। डेरा मुखी गुरमीत को कड़ी सुरक्षा के बीच सिरसा से सुनारिया जेल लाया गया। 9 अप्रैल को डेरा मुखी गुरमीत 21 दिन की फरलो पर गए थे। गुरमीत को इससे पहले 2 जनवरी 2025 को 30 दिन की पैरोल मिली थी, जिसमें से उसने 10 दिन सिरसा डेरे में और 20 दिन बरनावा (उत्तर प्रदेश) में बिताए थे, लेकिन इस बार 21 दिन की फरलो के दौरान वह सिरसा डेरे में ही रहा, जहां उसने अपने अनुयायियों से मुलाकात की और डेरे का स्थापना दिवस भी मनाया।

केआईआईटी में एक और छात्रा की मौत से नेपाल सरकार चिंतित, कहा- भारत के साथ मिलकर करेंगे मामले की जांच

भुवनेश्वर/काठमांडू, 2 मई (एजेंसियां)। भुवनेश्वर के कलिंगा इंस्टीट्यूट ऑफ इंडस्ट्रियल टेक्नोलॉजी (केआईआईटी) में एक और नेपाली छात्रा की मौत के बाद बवाल मच गया है। ढाई महीने में दूसरी छात्रा की मौत पर नेपाल सरकार ने भी चिंता जताई है। नेपाल सरकार ने छात्रा की मौत की जांच के लिए कूटनीतिक पहल की है। नेपाल सरकार ने कहा कि मामले की जांच भारत के साथ मिलकर करेंगे। इससे पहले 16 फरवरी 2025 को इसी संस्थान की एक अन्य नेपाली छात्रा प्रकृति लामसाल ने आत्महत्या कर ली थी। जिसके बाद संस्थान में अशांति फैल गई थी। नेपाल की विदेश मंत्री आरजू राणा देउबा ने एक्स पर लिखा कि भारत के ओडिशा में कलिंगा इंस्टीट्यूट ऑफ इंडस्ट्रियल टेक्नोलॉजी (केआईआईटी) में पढ़ने वाली एक नेपाली छात्रा प्रिसा साह की अपने छात्रावास के कमरे में मृत पाए जाने की घटना ने हमें दुखी कर दिया है। मैं प्रिसा की आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना करती हूं और इस दुख की घड़ी में उनके परिवार के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त करती हूं। घटना के तुरंत बाद विदेश मंत्रालय ने भारत सरकार, ओडिशा सरकार और दिल्ली में नेपाली दूतावास के उच्च पदस्थ अधिकारियों के जरिये घटना की सच्चाई की जांच के लिए कूटनीतिक पहल शुरू की है। भारत में नेपाल के राजदूत शंकर पी शर्मा ने कहा कि दूतावास के अधिकारी गहन जांच के लिए विदेश मंत्रालय, ओडिशा सरकार, पुलिस और विश्वविद्यालय के साथ समन्वय कर रहे हैं। उन्होंने एक्स पर लिखा कि ओडिशा के केआईआईटी के छात्रावास के कमरे में नेपाली छात्रा प्रिसा साह की मौत से बहुत दुख हुआ। उनके परिवार के प्रति हार्दिक संवेदना। ईश्वर से प्रार्थना है कि उनकी आत्मा को शांति मिले। हम गहन जांच के लिए विदेश मंत्रालय, ओडिशा सरकार, पुलिस और विश्वविद्यालय के साथ समन्वय कर रहे हैं। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि बीटेक छात्रा का शव संस्थान के महिला छात्रावास के कमरा नंबर 111 से बरामद किया गया। उन्होंने बताया कि वह कंप्यूटर साइंस की छात्रा थी और बीटेक की पढ़ाई कर रही थी। भुवनेश्वर के पुलिस आयुक्त एस देवदत्त सिंह ने बताया कि लड़की कैंपस में अपने छात्रावास के कमरे में मृत पाई गई, संदेह है कि उसने आत्महत्या की है। आत्महत्या के पीछे क्या कारण हो सकते हैं, यह अभी स्पष्ट नहीं हुआ है। मृतका के माता-पिता शुक्रवार को भुवनेश्वर पहुंचेंगे और उसके बाद शव का पोस्टमार्टम किया जाएगा। महिला छात्रावास का दौरा करने के दौरान पुलिस आयुक्त ने कहा कि अप्राकृतिक मौत का मामला दर्ज कर लिया गया है। नया मामला उसी छात्रावास और उसी मंजिल से आया है। अफसर ने कहा कि हमें ऐसा कोई नोट नहीं मिला है, लेकिन फॉरेंसि टीम उसके कमरे की तलाशी ले रही है। ओडिशा सरकार ने घटना पर दुख व्यक्त किया है और इसे दुर्भाग्यपूर्ण बताया है।

स्वतंत्र वार्ता

शनिवार, 3 मई - 2025

डिजिटल युग में भी प्रिंट मीडिया मजबूत

निरंकार सिंह

1993 से हर साल 3 मई को मनाया जाने वाला विश्व प्रेस स्वतंत्रता दिवस प्रेस की स्वतंत्रता के सार्वभौमिक महत्व और लोकतंत्र, पारदर्शिता और मानवाधिकारों की रक्षा में पत्रकारिता की भूमिका की याद दिलाता है। यह दिवस स्वतंत्र, स्वतन्त्र और बहुलवादी प्रेस के विकास के लिए 1991 के विंडहोक घोषणापत्र का जश्न मनाता है। इस साल विश्व पत्रकारिता दिवस 2025 की थीम डिजिटल युग में प्रिंट मीडिया की भूमिका है। इसका उद्देश्य प्रिंट मीडिया की प्रासंगिकता और डिजिटल युग में इसके अनुकूलन पर ध्यान केंद्रित करना है। यह थीम डिजिटल युग में प्रिंट मीडिया की प्रासंगिकता और इसके अनुकूलन को उजागर करती है। यह दिवस भारतीय मीडिया की स्वतंत्रता और समाज में उसकी भूमिका को समझने का अवसर प्रदान करता है। यह पत्रकारों के अधिकारों की रक्षा और प्रेस की स्वतंत्रता को बढ़ावा देने के लिए भी मनाया जाता है. प्रिंट मीडिया भौतिक रूप से हाइलाइटिंग, बुकमार्क और रखने की क्षमता जैसे अनुभव प्रदान करता है जो डिजिटल प्लेटफॉर्म में नहीं होते हैं। प्रिंट मीडिया एक प्रामाणिक मूल्य प्रदान करता है जो लोगों को विश्वास और विश्वसनीयता की भावना प्रदान करता है। प्रिंट मीडिया गहन रिपोर्टिंग और आलोचनात्मक विश्लेषण प्रदान करने में सक्षम है, जो डिजिटल मीडिया में उतनी आसानी से नहीं पाया जा सकता है। प्रिंट मीडिया क्षणभंगुर डिजिटल सूचना की दुनिया में मूर्तता और स्थायित्व को महत्व देता है। प्रिंट सामग्री (जैसे कि ब्रोशर, बिजनेस कार्ड) आपकी वेबसाइट या सोशल मीडिया चैनलों पर ट्रैफ़िक ला सकते हैं, जो ऑफलाइन और ऑनलाइन मार्केटिंग को जोड़ते हैं। प्रिंट मीडिया डिजिटल प्लेटफॉर्म के साथ सह-अस्तित्व में है और एक अद्वितीय और उपयोगी परिप्रेक्ष्य प्रदान करता है। भारत जैसे देश में जहां डिजिटल मीडियाके यूट्यूबर आधे से अधिक फेक और मनगढ़ंत खबरें चलाते हैं उसकी तुलना में प्रिंट मीडिया के साख आज भी बनी हुई है। प्रिंट मीडिया में पाठक सामग्री से जुड़ने और उस पर अधिक समय बिताने की संभावना होती है, जिससे अधिक संलग्न और वफादार पाठक बनते हैं। प्रिंट मीडिया पाठकों को विचारों को साझा करने और चर्चा करने की अनुमति देता है। डिजिटल युग में प्रिंट मीडिया डिजिटल मार्केटिंग का एक महत्वपूर्ण पूरक है, जो एक अलग और अद्वितीय अनुभव प्रदान करता है जो डिजिटल माध्यमों से नहीं मिलता है। यह विश्वास, विश्वसनीयता, गहन रिपोर्टिंग और एक मूर्त अनुभव प्रदान करता है, जो इसे डिजिटल दुनिया में एक मूल्यवान माध्यम बनाता है। डिजिटल मार्केटिंग लगातार विकसित और हावी होती जा रही है। पर प्रिंट मीडिया की अभी भी मजबूत भूमिका है। प्रिंट मीडिया एक शक्तिशाली उपकरण बना हुआ है जिसे व्यवसायों को नज़रअंदाज़ नहीं करना चाहिए। अपनी मूर्त प्रकृति, विश्वसनीयता, जुड़ाव शक्ति और स्थानीय बाजारों को लक्षित करने की क्षमता के साथ, प्रिंट मीडिया अभी भी एक व्यापक विपणन रणनीति में एक आवश्यक भूमिका निभाता है। यदि आप अपने दर्शकों के साथ एक स्थायी छाप बनाना चाहते हैं और एक मजबूत ब्रांड पहचान बनाना चाहते हैं, तो प्रिंट सामग्री आपके विपणन प्रयासों का एक अभिन्न अंग होनी चाहिए। प्रिंट मीडिया के प्राथमिक लाभों में से एक इसकी मूर्तता है। डिजिटल विज्ञापनों के विपरीत जो क्षणिक होतेहैं और जिन्हें जल्दी से अनदेखा किया जा सकता है, ब्रोशर, फ़्लायर्स, बिज़नेस कार्ड और पोस्टर जैसी प्रिंट सामग्री एक भौतिक, स्थायी उपस्थिति प्रदान करती है। इन सामग्रियों को आसानी से त्यागा या भुलाया नहीं जा सकता है, जिससे एक स्थायी, स्थायी छाप बनती है। डेस्क पर रखा गया फ़्लायर या बटुए में रखा गया बिज़नेस कार्ड शुरुआती संपर्क के बाद भी लंबे समय तक आपके ब्रांड की याद दिलाता रह सकता है। प्रिंट मीडिया में एक विश्वसनीयता कारक है जो डिजिटल विज्ञापन में अक्सर कमी होती है। लोग डिजिटल सामग्री की तुलना में भौतिक सामग्रियों पर अधिक भरोसा करते हैं, जो कभी-कभी अवैयक्तिक या नकली लग सकता है। प्रिंट विज्ञापनों में आपके ब्रांड के लिए वैधता की भावना पैदा करने की क्षमता होती है, जिससे संभावित ग्राहकों को आपके व्यवसाय से गहरे स्तर पर जुड़ने में मदद मिलती है। डिजिटल विज्ञापनों के विपरीत, जिन्हें एक बटन के क्लिक से हटाया जा सकता है, मुद्रित सामग्री को अक्सर संदर्भ के लिए रखा जाता है। ग्राहक बाद में पढ़ने के लिए ब्रोशर, पत्रिकाएँ या समाचार पत्र रख सकते हैं, जिससे उन्हें स्थायित्व और अधिकार का एहसास होता है। जब आप किसी उच्च-गुणवत्ता वाली पत्रिका या समाचार पत्र में विज्ञापन देखते हैं, तो यह स्वाभाविक रूप से विश्वास को बढ़ाता है और यह धारणा देता है कि ब्रांड स्थापित है और ध्यान देने योग्य है। प्रिंट मीडिया के प्रासंगिक बने रहने का एक और आकर्षक कारण यह है कि यह डिजिटल विज्ञापनों की तुलना में पाठकों को लंबे समय तक बांधे रखता है।

जबकि डिजिटल बैनर और पॉप-अप अक्सर किसी का ध्यान नहीं खींचते, प्रिंट विज्ञापन, खासकर पत्रिकाओं या समाचार पत्रों में, सक्रिय भागीदारी की आवश्यकता होती है। पाठक अक्सर प्रिंट सामग्री पर अधिक ध्यान केंद्रित करते हैं, जिससे उन्हें संदेश को अधिक सार्थक तरीके से आत्मसात करने की अनुमति मिलती है। इसके अलावा, प्रिंट मीडिया रणनीतिक प्लेसमेंट के लाभ प्रदान करता है। अपने लक्षित दर्शकों की जनसांख्यिकी की ठोस समझ के साथ, आप अपने विज्ञापनों के लिए सही प्रकाशन, पत्रिका या क्षेत्र का चयन कर सकते हैं। चाहे वह स्थानीय समाचार पत्र हो, कोई विशेष पत्रिका हो या कोई क्षेत्रीय फ़्लायर हो, प्रिंट आपको आला बाज़ारों को प्रभावी ढंग से लक्षित करने की अनुमति देता है। उदाहरण के लिए, यदि आप किसी स्थानीय सेवा का विपणन कर रहे हैं, तो स्थानीय समाचार पत्रों या सामुदायिक पत्रिकाओं में विज्ञापन छापने से आपको उन लोगों तक पहुंचने में मदद मिल सकती है, जो ऑनलाइन सक्रिय रूप से खोज नहीं कर रहे हैं, लेकिन फिर भी आपके लक्षित दर्शकों का हिस्सा हैं। डिजिटल मार्केटिंग के साथ प्रतिस्पर्धा करने के बजाय, प्रिंट मीडिया इसका पूरक है। प्रिंट मीडिया की भौतिक उपस्थिति डिजिटल अभियानों को सुदृढ़ कर सकती है, और साथ में वे एक अच्छी तरह से गोल विपणन रणनीति बनाते हैं। उदाहरण के लिए, एक डिजिटल विज्ञापन में अपने ब्रांड को देखने के बाद, संभावित ग्राहक आपके मुद्रित फ़्लायर या व्यवसाय कार्ड पर आ सकते हैं और बाजार में आपकी विश्वसनीयता और उपस्थिति के बारे में आश्वस्त महसूस कर सकते हैं।अपनी समग्र मार्केटिंग रणनीति में प्रिंट मार्केटिंग को शामिल करने से आप पारंपरिक और आधुनिक दोनों ही रणनीतियों का लाभ उठा सकते हैं, जिससे यह सुनिश्चित होता है कि आप सबसे व्यापक दर्शकों तक पहुँचें। इसके अतिरिक्त, ब्रोशर, बिजनेस कार्ड और सोशल मीडिया विज्ञापन जैसी प्रिंट सामग्री आपकी वेबसाइट या सोशल मीडिया चैनलों पर ट्रैफ़िक ला सकती है, जिससे ऑफ़लाइन और ऑनलाइन मार्केटिंग का मिश्रण होता है। डिजिटल विज्ञापन व्यापक रूप से प्रभावी है, पर स्थानीय व्यवसाय अपने समुदायों से जुड़ने के लिए प्रिंट मीडिया पर निर्भर रहते हैं। फ़्लायर्स, पोस्टर, स्थानीय पत्रिकाएँ और समाचार पत्र अभी भी भौगोलिक रूप से विशिष्ट दर्शकों तक पहुँचने के लिए शक्तिशाली उपकरण हैं। स्थानीय घटनाओं, प्रचारों और व्यावसायिक पेशकशों को प्रिंट सामग्रियों के माध्यम से प्रभावी ढंग से विपणन किया जा सकता है, खासकर जब उन दर्शकों को लक्षित किया जाता है जो ऑनलाइन उतने सक्रिय नहीं हो सकते हैं। ब्रांड की मौजूदगी बनाने में प्रिंट मीडिया की शक्ति निर्विवाद है।

विशेषज्ञ ग्राफिक डिज़ाइन सेवाओं में आकर्षक लोगो, फ़्लायर्स, ब्रोशर, प्रिंट विज्ञापन, न्यूज़लेटर, बैनर, बिलबोर्ड और सीडी/डीवीडी कवर डिज़ाइन बनाना शामिल है। चाहे यादगार बिजनेस कार्ड की ज़रूरत हो या आकर्षक मैगज़ीन विज्ञापन की, बेहतरीन डिज़ाइन सेवाएँ ब्रांड पहचान और मार्केटिंग लक्ष्यों के साथ संरेखित होती हैं।

भारत का एक्शन प्लान

भारत सरकार पाकिस्तान के खिलाफ कड़े कदम उठाने की पूरी तैयारी कर ली है। प्लान के मुताबिक भारत चाहता है कि पाकिस्तान को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बिलकुल अलग-थलग कर दिया जाए, ताकि वह अपनी हरकतें दोहराने से बाज आए। कश्मीर का स्वीटजरलैंड कहा जाने वाले पहलगाम में 22 अप्रैल को हुए आतंकी हमले के बाद भारत ने पाकिस्तान की मुश्कें बांधना शुरू कर दिया है। भारत की पहली प्राथमिकता यह है कि पाकिस्तान आतंकवाद को मदद करने वाले पैसों पर रोक लगाए। इसके लिए भारत सख्त कदम उठाने की तैयारी कर रहा है। भारत कोशिश कर रहा है कि पाकिस्तान को फिर से फाइनेंशियल एक्शन टास्क फोर्स (एफएटीएफ) की 'ग्रे लिस्ट' में डाला जाए। एफएटीएफ दुनिया भर में पैसों की हेराफेरी और आतंकवाद को दिए जाने वाले पैसे पर नजर रखती है। इसके अलावा भारत अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष यानी आईएमएफ से पाकिस्तान को मिलने वाली 7 अरब डॉलर की मदद का विरोध भी करने की तैयारी में है। भारत का मानना है कि पाकिस्तान इस पैसे का इस्तेमाल गलत कामों और आतंकी हमलों के लिए कर सकता है। पाकिस्तान को जून 2018 में 'ग्रे लिस्ट' में डाला गया था। अक्टूबर 2022 में उसे इस लिस्ट से बाहर निकाला गया। 'ग्रे लिस्ट' में होने से किसी देश में विदेशी निवेश कम हो जाता है। कारोबार करने वालों को ज्यादा सावधानी बरतनी पड़ती है। पाकिस्तान को 'ग्रे लिस्ट' में डलवाने के लिए भारत को एफएटीएफ के सदस्य देशों का समर्थन चाहिए होगा। एफएटीएफ का एक अधिवेशन होता है, जो साल में तीन बार आयोजित होता है। यह बैठक आमतौर पर फरवरी, जून और अक्टूबर में होती है। एफएटीएफ में 40 सदस्य हैं। 200 से ज्यादा देशों ने एफएटीएफ की सिफारिशों को मानने का वादा किया है। भारत को सदस्य देशों का समर्थन जुटाना होगा। पहलगाम हमले के बाद भारत को 23 सदस्य देशों से संवेदना संदेश मिले हैं। इनमें ब्रिटेन, अमेरिका, फ्रांस, जर्मनी, ऑस्ट्रेलिया, यूरोपीय आयोग और सऊदी अरब और यूएई जैसे खाड़ी देशों के नाम शामिल हैं। पाकिस्तान एफएटीएफ का सदस्य नहीं है, लेकिन वह एशिया पैसिफिक ग्रुप ऑन मनी लॉन्ड्रिंग (एपीजी) का सदस्य है। एपीजी ठी उसी तरह काम करने वाली एक संस्था है जैसा एफएटीएफ। भारत एफएटीएफ और एपीजी दोनों का सदस्य है। जब पाकिस्तान को 'ग्रे लिस्ट' से हटाया गया था, तब कुछ जाने-माने आतंकियों के खिलाफ कार्रवाई करने के लिए मजबूर किया गया था। इनमें 26/11 के मुंबई हमलों में शामिल आतंकी भी शामिल थे। आज जरूरत है कि पाकिस्तान अपनी जमीन से आतंकवाद के खिलाफ लगातार कार्रवाई करे। एफएटीएफ ने सितंबर 2024 में भारत के बारे में एक रिपोर्ट में कहा था कि भारत को आतंकी समूहों से खतरा है। एफएटीएफ ने देशों को गलत तरीके से आने वाले पैसों पर रोक लगाने के लिए कुछ उपाय बताए हैं। इन्हें 40 सिफारिशों में बांटा गया है। एफएटीएफ की टीमें देशों में जाकर यह देखती हैं कि वे मनी लॉन्ड्रिंग, आतंकवाद और हथियारों के प्रसार को रोकने के लिए क्या कर रहे हैं। इन रिपोर्टों की गहन जांच होती है, जिसमें अलग-अलग देशों के सदस्य दूसरे देशों का आकलन करते हैं। किसी देश के एंटी-मनी लॉन्ड्रिंग और काउंटर-टेररिस्ट फाइनेंसिंग सिस्टम का विश्लेषण करने के बाद, पारस्परिक आकलन उस देश के सिस्टम को और मजबूत करने के लिए सिफारिश करती हैं।

बिहार की सियासी रण में एआईएमआईएम भी तैयार

अशोक भाटिया

बिहार में आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर राज्यभर में सियासी गर्माहट अपने चरम पर है। सभी राजनीतिक पार्टियों ने अपनी-अपनी तैयारी भी तेज कर दी है। इसी बीच एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने गुरुवार एक बड़ा एलान किया। उन्होंने कहा कि उनकी पार्टी आगामी बिहार विधानसभा चुनाव में हिस्सा लेगी। ओवैसी ने बताया कि पार्टी ने बहादुरगंज सीट से उम्मीदवार की घोषणा भी कर दी है और इस बार उनका पूरा ध्यान सीमांचल क्षेत्र पर रहेगा।अपने एलान में ओवैसी ने कहा कि हम बिहार चुनाव लड़ेंगे, जिसके लिए हमने बहादुरगंज से उम्मीदवार भी घोषित कर दिया है। आगे उन्होंने अपने बिहार दौरे को लेकर कहा कि मैं 3 मई को बहादुरगंज और 4 मई को एक अन्य स्थान पर जनसभा करूंगा। ओवैसी ने आगे कहा कि हम मजबूती से लड़ेंगे और हमारे उम्मीदवार पिछली बार से बेहतर प्रदर्शन करेंगे। सीमांचल की जनता उन्हें सबक सिखाएगी जिन्होंने हमारे विधायक छीन लिए। बिहार की सियासत में इन दिनों सीमांचल बेहद अहम हो गया है। पिछले कुछ महीनों में तमाम सियासी दलों के बड़े नेताओं ने रैली कर न केवल अपनी ताकत का एहसास कराया, बल्कि जनता के नब्ज को भी टटोलने की कोशिश की। अमित शाह, नीतीश कुमार और तेजस्वी यादव के बाद अब एआईएमआईएम चीफ असदुद्दीन ओवैसी अपनी सियासी जमीन तैयार कर रहे हैं । उनके दौरे से एनडीए और महागठबंधन के खेमे में भी हलचल दिख रही है। जानकार भी मानते हैं कि इस इलाके में 'भाईजान' किसी का भी खेल बिगाड़ने की ताकत रखते हैं। एआईएमआई एम चीफ असदुद्दीन ओवैसी दो दिवसीय 3 व 4 मई को बिहार पहुच रहे है लेकिन लेकिन भाईजान नाम से मशहूर असदुद्दीन ओवैसी ने सीमांचल को ही लोकसभा चुनाव 2024 और बिहार विधानसभा चुनाव 2025 के चुनावी आगाज के लिए क्यों चुना? ओवैसी ने ऐसे समय पर सीमांचल का दौरा कर रहे है जब लोकसभा चुनाव 2024 के लिए केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह सीमांचल में रैली कर चुके हैं, महागठबंधन सरकार में शामिल दल भी सीमांचल में महारैली कर अपना शक्ति प्रदर्शन कर चुके हैं। ये बात सभी को पता है कि सीमांचल मुस्लिम बाहुल्य इलाकों में शुमार है और बिहार में 'M' फैक्टर काफी मायने रखता है। आरजेडी, कांग्रेस की निगाहें मुख्य रूप से मुस्लिम वोटों पर रहती है और भाजपा भी अब सीमांचल में 'M' वोटों पर डोरे डालने में लगी हुई है और यही कारण है कि अमित शाह द्वारा बिहार में एनडीए के सरकार से हटने के बाद सबसे पहले सीमांचल का दौरा किया गया था और खुद महागठबंधन सरकार में शामिल दलों द्वारा भी सीमांचल में महारैली कर अपना शक्ति प्रदर्शन की जा चुकी है। जैसा कि सीमांचल मुस्लिम बाहुल इलाकों में शामिल है। 2020 के बिहार विधानसभा चुनाव में एआईएमआई एम के 5 सीटों पर जीत मिली थी। हालांकि, 5 में से 4 एआईएमआई एम विधायक आरजेडी का दामन थाम चुके हैं। बेशक एआईएमआई एम के विधायक आरजेडी में शामिल हुए लेकिन आरजेडी को फायदे के बदले नुकसान हुआ। एआईएमआई एम द्वारा गोपालगंज और कुढ़नी विधानसभा सीट पर हुए उपचुनाव में अपने प्रत्याशी खड़े किए गए थे और दोनों ही जगह आर जे डी यानि महागठबंधन के प्रत्याशियों की हार हुई। सियासी जानकारों के मुताबिक, महागठबंधन दलों का खेल अगर किसी ने बिगाड़ा तो सबसे ज्यादा एआईएमआई एम ने। सीमांचल इलाकों में 70 फीसदी मुस्लिम आबादी है और एआईएमआई एम मुस्लिमों को ही अपना वोट मुख्य रूप से मानती है। सीमांचल में 24 विधानसभा सीटें और 4 लोकसभा सीटें हैं। ऐसे में ओवैसी को अच्छी तरह पता है कि उन्हें क्या करना है। ओवैसी ना सिर्फ महागठबंध का खेल बिगाड़ेंगे बल्कि भाजपा के लिए भी बेचैनी बढ़ाने का काम करेंगे। पहले भी सीमांचल में एआईएमआई एम को लाभ ही मिला था ऐसे में भाईजान यानि ओवैसी अपनी खोई हुई ताकत को फिर से सीमांचल में वापस पाना चाह रहे हैं। एआईएमआई एम चीफ असदुद्दीन ओवैसी ने अपनी चिर परिचित शैली में भाजपा पर हमला करते हुए पूर्णिया के बायसी में कहा था कि मुझे मारना है मार दीजिये पर सीमांचल का विकास होना चाहिए। उन्होंने सवालिया लहजे में पूछा कि अभी तक पुर्णिया का एयरपोर्ट क्यों नही बना है। बताते चले कि भाजपा विधायक हरिभूषण ठाकुर बचोल ने पिछले दिनों कहा था कि औवेशी के वोटिंग राइट को खत्म कर देना चाहिये उसको पाकिस्तान भेज देना चाहिए साथ ही सरकार उसको जेल भेज में बन्द कर दे। बचौल के बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए ओवैसी ने कहा कि मुझे मार दो पर सीमांचल का विकास कर दो। 4 विधायकों द्वारा पार्टी का साथ छोड़ने पर ओवैसी ने कहा कि भागे विधायक पर भी औवेशी ने कहा कि जिसका ज़मीर मर गया है उसको जनता सबक सिखाएगी। सीमांचल दौरे पर पुहंचे ओवैसी कोचाधमन और अमौर में रैली कर रहे हैं। 2024 लोकसभा चुनाव को लेकर लगभग सभी दल तैयारियां शुरू कर चुके हैं। इतना ही नहीं लगभग सभी दलों की निगाहें सीमांचल पर हैं। एक तरफ केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह पहले ही सीमांचल से चुनावी शंखनाद कर चुके हैं तो दूसरी तरफ महागठबंधन दलों के द्वारा भी महारैली कर शक्ति प्रदर्शन किया जा चुका है। अब औवैसी भी सीमांचल पहुंच रहे हैं और उनकी भी नजर सीमांचल के 4 जिलों की 4 लोकसभा और 24 विधानसभा सीटों पर है। ऐसे में ये देखना दिलचश्प होगा कि ओवैसी को सीमांचल के लोगों का कितना समर्थन मिलता है। एआईएमआई एम चीफ ओवैसी के सीमांचल दौरे के जवाब में भाजपा प्रवक्ता अरविंद सिंह ने कह रहे है कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के सीमांचल दौरे के बाद सभी दोनों और गठबंधन में दौर शुरू हो गई है। मुस्लिम वोटो की तुष्टीकरण के लिए असदुद्दीन ओवैसी यामहा गठबंधन के घटक दल लगातार इन इलाकों के दौरे पर हैं लेकिन इन लोगों को कोई राजनीतिक फायदा होने वाला नहीं है। पूर्णिया से भाजपा विधायक विजय खेमका ने ओवैसी के सीमांचल दौरे पर पलटवार करते हुए कहा कि ऐसे नेता को पाकिस्तान बांग्लादेश भेज देना चाहिए जो सीमांचल में के लोगो के बीच आपसी सौहार्द को बिगाड़ने की कोशिश कर रहा है, पूर्णिया PFI का का गढ़ माना जाता है जिस संस्था को सरकार ने प्रतिबंधित कर दिया है ओवैसी इस मुद्दे पर चुपचाप बैठे हैं । लव जिहाद का केंद्र बना हुआ है सीमांचल । असदुद्दीन ओवैसी के सीमांचल दौरे पर राजनितिक टिपण्णी करते हुए आरजेडी विधायक मुकेश रौशन ने कहा कौन ओवैसी। वही जो भाजपा के एजेंट हैं। मुकेश रोशन ने कहा ओवैसी कुछ भी करें इस बार सीमांचल की जनता उनके झांसे में आने वाली नहीं है।

जाति ही पूछो साधु की ...

राधा रमण

पिछले माह पहलगाम के बायसरन में कश्मीर घूमने गए 26 पर्यटकों की धर्म पूछकर नृशंस हत्या से देशभर में गम और गुस्से के बीच केंद्र सरकार ने देशभर में जाति जनगणना कराने का ऐलान किया है। कैबिनेट की राजनीतिक मामलों की समिति की बैठक में यह फैसला किया गया। देश में आजादी के बाद पहली बार जाति जनगणना कराई जाएगी। कांग्रेस समेत विपक्ष के कई दल जाति जनगणना कराने की मांग पहले से करते रहे हैं। नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी तो इसको लेकर पहले से अभियान चलाये हुए हैं। वह संसद के भीतर और संसद के बाहर बार-बार मुखरता से अपनी बात कहते रहे हैं। इससे पूर्व बिहार, कर्नाटक और तेलंगाना सरकार ने पहले ही जाति सर्वेक्षण करा लिया है। हालांकि उसमें पूछे जानेवाले सवाल करीब-करीब वही थे जो जाति जनगणना में पूछे जाते हैं। लेकिन संवैधानिक संकट से बचने के लिए उसका नाम जाति सर्वेक्षण दिया गया क्योंकि जाति जनगणना का अधिकार राज्यों के पास नहीं है। देश की संघीय ढाँचे के कारण यह अधिकार केंद्र के अधीन है। सरकार के फैसले की जानकारी देते हुए केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्वनी वैष्णव ने बताया कि मोदी सरकार का संकल्प है कि आगामी जनगणना प्रक्रिया में पारदर्शी तरीके से जाति गणना को भी शामिल किया जाएगा। उन्होंने कहा कि जनगणना का अधिकार संवैधानिक रूप से केंद्र सरकार के पास है। लेकिन कुछ राज्यों ने जातीय सर्वे के नाम पर गैर पारदर्शी तरीके से जाति जनगणना कराई, जिससे समाज में संदेह पैदा हुआ था। उन्होंने कहा कि कांग्रेस और इंडी (विपक्ष इसे इंडिया कहता है) गठबंधन के नेता जाति जनगणना को सियासी हथकंडे के तौर पर इस्तेमाल करते रहे हैं। इसलिए जाति जनगणना जरूरी हो गई थी। हालांकि जाति जनगणना कब से शुरू होगी, सरकार ने इसकी ठोस तारीख नहीं बताई है। इससे पहले 1931 में जाति जनगणना कराई गई थी। वैसे देश में जनगणना की शुरुआत 1881 में हुई थी। तब लोगों की गिनती के साथ-साथ जाति की भी गिनती की जाती थी। लेकिन आजादी के बाद 1951 में तब के प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू समेत पक्ष-प्रतिपक्ष के नेताओं ने कहा कि इससे समाज में वैमनस्यता बढ़ेगी। इसलिए सिर्फ जनगणना कराई गई, जाति छिपा ली गई। तब से अटकलों के आधार पर सभी दलों के नेता जातियों की संख्या बताते रहे हैं। मुझे कहने दीजिए कि तब से अब तक देश की राजनीति पूरी तरह बदल गई है। अब तो जाति के आधार पर नेता उसके जागीरदार बने फिरते हैं। यही वजह है कि समाज के सर्वांगीण विकास के लिए हमारे संविधान निर्माताओं ने कमजोर तबके की मदद के लिए जिस आरक्षण को 5 वर्ष या जरूरत पड़ने पर और 5 वर्ष यानी कुल 10 वर्ष तक लागू करने की बात कही थी, आज आजादी के 75 वर्ष बाद भी उसे हटाने की हिम्मत किसी में नहीं है। आरक्षण अब वोट बैंक का जरिया बन गया है। यही नहीं, आरक्षण का आधार आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों की मदद न होकर जिस जाति की जितनी संख्या भारी, उसकी उतनी हिस्सेदारी हो गया है। पक्ष-विपक्ष के कई पिछड़ी और दलित जातियों के नेता यह मांग अरसे से करते रहे हैं। आजादी के बाद 2011 में तब की मनमोहन सिंह सरकार ने जाति के आधार पर तो नहीं लेकिन सामाजिक-आर्थिक आधार पर जनगणना कराई थी। उसकी रिपोर्ट 2013 में आ गई थी लेकिन अगले साल होनेवाले लोकसभा चुनाव के कारण नफा-नुकसान देखकर तब की सरकार ने उसकी रिपोर्ट जारी नहीं की। लोकसभा चुनाव के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अगुवाई में बनी सरकार ने पूर्ववर्ती सरकार की जनगणना रिपोर्ट में खामियां बताकर उसे जारी नहीं किया। इस बीच 2015 के बिहार विधानसभा चुनाव के दौरान राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक मोहन भागवत ने यह बयान देकर सनसनी फैला दी कि आरक्षण का आधार आर्थिक होना चाहिए न कि जातिगत। निष्पक्ष तरीके से देखा जाए तो भागवत के बयान में कोई गलती नहीं थी, लेकिन जाति के लंबरदार नेताओं को भागवत की यह बात नागावार गुजरी। खासकर लालू प्रसाद यादव और शरद यादव (अब स्वर्गीय) ने इसे तिल का ताड़ बना दिया। कहा गया कि भाजपा और आरएसएस आरक्षण की विरोधी हैं। उस समय नीतीश कुमार भी महागठबंधन के तहत ही चुनाव मैदान में थे। इस मामले को उन्होंने भी खूब हवा दी। नतीजा यह रहा कि प्रधानमंत्री, केंद्रीय मंत्रियों और भाजपा नेतृत्व की लाख सफाई के बावजूद बिहार में भाजपा का बोरिया-बिस्तर बंध गया। उसे करारी हार मिली थी। इसीलिए इस बार बिहार विधानसभा चुनाव के ठीक पहले जाति आरक्षण का दांव खेलकर केंद्र सरकार ने कांग्रेस, राष्ट्रीय जनता दल, समाजवादी पार्टी और विपक्ष के तमाम दलों के नेता जिनकी राजनीति जातीय गोलबंदी पर टिकी थी, की बोलती बंद कर दी है। बिहार में इसी साल विधानसभा चुनाव होने हैं। अगले साल पश्चिम बंगाल और असम में, 2027 में उत्तर प्रदेश में, उसके अगले साल मध्यप्रदेश, राजस्थान और छत्तीसगढ़ में, फिर 2029 में लोकसभा का चुनाव प्रस्तावित है।

मजदूरों का विदेश पलायन और आर्थिक मजबूरी

अम्बिका कुशवाहा 'अम्बी'

25 अप्रैल 2025 को नाइजर के तिलाबेरी में पांच भारतीय मजदूरों के अपहरण की खबर ने देश को झकझोर दिया। ये मजदूर गरीब, अशिक्षित, और अपने परिवारों के एकमात्र कमाने वाले झारखंड के छोटे से गांव से हजारों किलोमीटर दूर, अनजान धरती पर काम करने गए थे। लेकिन यह कहानी सिर्फ अपहरण की नहीं है। यह उन लाखों भारतीय मजदूरों की कहानी है, जो गरीबी और बेरोजगारी से तंग आकर अपने वतन को छोड़कर अनिश्चितता की राह पर चल पड़ते हैं। देश की आजादी के 77 साल बाद भी रोजी-रोटी के लिए लोगों का देश से पलायन दुर्भाग्यपूर्ण है। मजदूरों के विदेश में कमाने के लिए कुछ मुख्य कारण हैं- 1. गरीबी की चक्की में पिसता मजदूरः भारत में 38.9% आबादी (लगभग 87 मिलियन लोग, 2023 के आंकड़े) गरीबी रेखा से नीचे रहती है।

बिहार, झारखंड और मेघालय जैसे राज्यों में यह स्थिति और विकट है, जहां ग्रामीण परिवारों के पास न स्थायी रोजगार है, न पर्याप्त आय। एक मजदूर की दिहाड़ी देश में 783 से 1035 प्रतिदिन है, वही बिहार- झारखंड जैसे पिछड़े राज्यों में 424 से 654 है, जो बढ़ती महंगाई और परिवार की जरूरतों के सामने बौनी पड़ती है। दूसरी ओर, नाइजर जैसे देशों में वही मजदूर 1500-3000 कमा सकता है। यह अंतर सिर्फ आंकड़ों का नहीं, बल्कि बच्चों की स्कूल फीस, मां की दवा, और बहन की शादी जैसे सपनों का है। लेकिन यह आय आसान नहीं आती। विदेशों में मजदूरों को अमानवीय परिस्थितियों, शोषण, और खतरों का सामना करना पड़ता है। नाइजर जैसे अशांत क्षेत्रों में आतंकी हमले और अपहरण आम हैं। फिर भी, मजदूर जाते हैं, क्योंकि उनके पास कोई और रास्ता नहीं। गरीबी सिर्फ पेट की भूख नहीं, यह सपनों को कुचलने वाली ताकत है, जो मजदूरों को अनजान मुल्कों में धकेल देती है। 2. पलायन के ऐतिहासिक और सामाजिक कारणःभारत का ग्रामीण अर्थतंत्र दशकों से उपेक्षा का शिकार रहा है। ब्रिटिश औपनिवेशिक काल में धन निष्कासन₹ ने स्थानीय उद्योगों को नष्ट किया, और स्वतंत्रता के बाद भी ग्रामीण क्षेत्रों में औद्योगिकीकरण और विकास की गति धीमा रहा। कृषि, जो 70% ग्रामीण आबादी का आधार है, मौसम की अनिश्चितता और बाजार की मार से जूझती है। शिक्षा की कमी इस समस्या को और गहरा करती है। बिहार, झारखंड जैसे पिछड़े राज्यों की साक्षरता दर बहुत कम है, और ग्रामीण क्षेत्रों में तकनीकी कौशल का अभाव है। नतीजा? मजदूरों के पास शारीरिक श्रम के अलावा कोई विकल्प नहीं। सामाजिक नेटवर्क और मध्यस्थ (एजेंट) उन्हें विदेशी नौकरियों का लालच देते हैं, लेकिन अक्सर जोखिमों को छिपाते हैं। नाइजर में अपहरण की घटना इसका जीता-जागता सबूत है, जहां मजदूरों को अपर्याप्त सुरक्षा वाले कैंपों में काम करना पड़ा। 3. परिवारों पर बोझ और सामाजिक ताना- बानाः प्रवासी मजदूर सिर्फ कमाने वाले नहीं, अपने परिवारों की उम्मीद का आधार होते हैं। नाइजर में अपहृत के मजदूर फलजीत महतो की पत्नी रूपा देवी की आंखों में डर और अनिश्चितता साफ दिखती है। बीबीसी चैनल पर वह कहती है, भगवान ही जानता है कि मेरे पति किस स्थिति में हैं। अब मेरे दोनों बच्चों की परवरिश कैसे होगी? रात दिन फोन लगाती हूं लेकिन मोबाइल बंद है। उनके पति की आय से ही उनके बच्चों की पढ़ाई और घर का राशन चलता था। अब, अपहरण की खबर ने उनके भविष्य को अंधेरे में डाल दिया है।

तीसरी पारी पड़ रही भारी

डॉ टी महादेव राव

समुद्र तट पर सुबह की सैर में बेमौसम हल्की बूंदा बांदी मजा दे रही थी। अ चा न क सामने छाता टांगे हमारे क्षेत्र के नेता भैया जी दिख गए। मुस्कानों का आदान प्रदान हुआ। राव जी। कैसे हैं। बहुत दिनों से दिखाई नहीं दिए? मैं तो रोज मॉर्निंग वॉक के लिए आता हूं। आप शायद अलग टाइम पर आते होंगे इसलिए। हां आपके और मेरे विचारों की तरह हमारे टाइम अलग हैं। आज थोड़ा जल्दी उठ गया इसलिए। आप तो खास हैं। मैं तो आम हूं। फर्क तो होगा ही न। आपकी सोच व्यापक हमारी सोच संकीर्ण जो है, जैसा कि आप उचारते हैं। मैं हंस दिया। वे भी मुस्कुराकर बोले आप से बातें करके आनंद आता है। गुस्सा भी। खैर आइए यहां इस छांव में बेंच पर बैठते हैं। बारिश भी थम गई। बैठते हुए मैने कहा आप तो बड़े प्रसन्न और मंदस्मित के साथ गौतम बुद्ध लग रहे हैं। कोई खास बात? हम तीसरी बार भी सत्ता में आ गए। हम तीन दशमव शून्य यानी तीसरी पारी खेल रहे हैं। जाने अंजाने ही सही अब आपके मुंह से सही शब्द निकला - खेल रहे हैं। लोगों की भावनाओं से, जरूरतों से, मध्य वर्गीय मजबूरियों से। यह क्या कह रहे हो। हमारे बड़े भैया ने कहा न इस बार तिगुनी रफ्तार से विकास करेंगे। तीसरी बार तिगुनी रफ्तार से विकास पे तो उतना भरोसा नहीं रहा हां एक चीज पर आपका तिगुना असर दिखाई पड़ता है। वह क्या? चमकिएगा नहीं। मैं सच ही कह रहा हूं। तिगुना असर महंगाई पर। चीजें तीन गुनी महंगी हो रही हैं। दस साल पहले किसी भी चीज का दाम ले लीजिए और आज के दाम से उसकी तुलना कीजिए। तीन गुना या उससे अधिक ही होगा, कम नहीं। राव जी। आप तो मीन मेख निकालने में एक्सपर्ट हैं। कुछ भी कह देते हो। कुछ सोचते, सोचकर बोलते। आप बताइए न तुलना करके। सोने का भाव तब में और अब में ज्यादा फर्क नहीं है। आपको अपने पैसे से खरीदना पड़े तो मालूम हो। कभी नहीं खरीदते तो पता कैसे चलेगा। दस साल में सोने का भाव कितना गुना बढ़ गया है। सोना तो अंतरराष्ट्रीय बाजार पे कम बेसी होता रहता है। पेट्रोल, डीजल भी अंतरराष्ट्रीय बाजार पर निर्भर हैं। बोलो दाल, चावल, घी, खाने के तेल के भावों में ज्यादा अंतर नहीं है। दाल का, घी का, आटे का, चावल का दाम तुलना कर लो तब में और अब में पता चल जाएगा। यही नहीं सब्जी, भाजी जैसी जरूरी चीजों के भी दाम आसमान छू रहे हैं। वे कुछ रुके और बोले देश के विकास के लिए आम जनता को भी तो त्याग करना पड़ता है, यज्ञ में समिधा डालनी पड़ती है। दुनियां गोल है भैया जी। पिछले कुछ सालों से दो चार शब्द अच्छा चिपका रखे हो अपनी जुबान पे। विकास, अच्छे दिन, जनता का त्याग। हर मौके पर इन्हीं को तोड़ मरोड़कर भाषण देने लगते हो। घूम फिरके बात वहीं आ जाती है। वे रुके और आसमां की तरफ नजर उठाके देखा। खड़े हो गए और बोले मैं पता लगाता हूं, जो कुछ आपने कहा उसकी सचाईं। अगर गलत हुआ तो आपको सबके सामने माफी मांगनी होगी राव जी।

महाभारत के रहस्य: द्रौपदी और श्रीकृष्ण के बीच, क्या था असली संबंध?

क्या कर्ण से प्रेम करती थी पांचाली!

महाभारत के यूं तो सभी किरदार बेहद रोचक और प्ररणादायक हैं। लेकिन द्रौपदी का किरदार ऐसा है, जिसे लेकर कई तरह के सवाल, कई तरह की बातें हमेशा होती रही हैं। आज के युग में महाभारत पढ़ने से ज्यादा उससे जुड़ी कहानियों पर लोगों को ज्यादा भरोसा है। इसके अलावा टीवी पर टेलीकास्ट हुए महाभारत के एपिसोड में दिखाए गए कई तथ्यों को लोग आज भी पूरी तरह सही मानकर ही महाभारत के किरदारों को समझते हैं।

अर्जुन, द्रौपदी और श्रीकृष्ण का संबंध

भगवान श्रीकृष्ण द्वारा दिए गए गीता के ज्ञान को आज भी दुनिया का सबसे समकालीन ग्रंथ माना जाता है। श्रीकृष्ण ने गीता का ज्ञान महाभारत युद्ध के दौरान अर्जुन को ही दिया था, जो द्रौपदी के 5 पतियों में से एक था। संबंधों की बात करें तो अर्जुन की मां और द्रौपदी की सास श्रीकृष्ण की बुआ लगती थीं। वहीं अर्जुन ने श्रीकृष्ण की बहन सुभद्रा से विवाह किया था, जो अभिमन्यु की मां थीं। लेकिन इन रिश्तों से अलग श्रीकृष्ण और द्रौपदी में भी एक संबंध था। वह था मित्रता और मार्गदर्शक का।

क्या श्रीकृष्ण से प्रेम करती थी द्रौपदी?

कई जगह इस तरह की कहानियां आती हैं कि द्रौपदी को कर्ण और श्रीकृष्ण से प्रेम था। लेकिन प्रसिद्ध लेखिका अमी गणात्रा अपनी किताब में महाभारत के तथ्यों की व्याख्या करते हुए ये साफ करती हैं कि महाभारत में ऐसा कुछ भी नहीं है, जो इन दावों का समर्थन करता है। वह अपनी किताब में बताती हैं कि गीता प्रेस, KMG, दक्षिणात्त्य पुनरावृत्तियों या BORI CE आदि पर आधारित ज्ञात संस्कृत पाण्डुलिपियों और अनुवादों में से किसी में भी इस दावे को दर्शाने वाला कोई श्लोक नहीं है। यह मिथक इस महाकाव्य के आधार पर की गई कपोल कल्पनाओं पर आधारित है। क्योंकि महाभारत के अनुसार द्रौपदी श्रीकृष्ण को एक सखा और मार्गदर्शक के रूप में देखती थी। उसने उनके साथ अपनी सारी चिंताओं और पीड़ाओं को साझा किया। अर्जुन ने भी ऐसा ही किया। द्रौपदी और श्रीकृष्ण के बीच किसी प्रकार का 'रोमांटिक' कोण नहीं था।

जहां तक कर्ण का सम्बंध है तो द्रौपदी द्वारा उसमें कोई रुचि दिखाने का एक भी संकेत नहीं है। महाभारत में इस बात का जिक्र आता है कि जब द्रौपदी का स्वयंवर कराया गया, तो पूरे भारत के अलग-अलग कौने से राजा यहां आए थे। इस स्वयंवर में दुर्योधन, दुःशासन और कर्ण भी मौजूद था। लेकिन द्रौपदी ने ब्राह्मण रूपी अर्जुन का वरण किया था। इसके अलावा जुए के खेल, जयद्रथ और कीचक की आसक्ति जैसी घटनाओं से यह स्पष्ट है कि द्रौपदी एक बहुत ही सुन्दर और आकर्षक महिला रही थी। लेकिन उसने ऐसा कुछ भी नहीं किया जिससे ऐसा लगे कि उसे कर्ण के प्रति प्रेम जैसी कोई भावना थी।

सुख शांति और तरक्की पाना है तो घर की इस दिशा में लगाएं नींबू का पेड़

घर की सुंदरता के साथ-साथ अगर वहां पॉजिटिव माहौल भी बना रहे, तो घर में बरकत और सुकून दोनों बने रहते हैं। ऐसे में नींबू का पेड़ एक ऐसा पौधा है, जिसे घर में लगाने से न सिर्फ ताजगी और खुशबू मिलती है, बल्कि इसके कई और फायदे भी होते हैं। वास्तु और ज्योतिष से जुड़े कई जानकारों का मानना है कि यह पेड़ सही दिशा में लगाया जाए, तो किस्मत का साथ मिलने लगता है और नकारात्मक असर भी कम होता है।

नींबू का पौधा घर के वातावरण को हल्का बनाए रखता है। इसका असर घर के लोगों की सोच और सेहत पर भी पड़ता है। अगर आप चाहते हैं कि आपके घर में सुख शांति बनी रहे और तरक्की के रास्ते खुले रहें, तो इसे सही दिशा में लगाना जरूरी है।

नींबू का पेड़ लगाने के फायदे

सकारात्मक ऊर्जा बढ़ाता है

नींबू का पेड़ घर में पॉजिटिव एनर्जी लाता है और नकारात्मक असर को दूर करता है।

आर्थिक स्थिति में सुधार

ऐसा माना जाता है कि यह पौधा घर में पैसा टिकाने और आमदनी बढ़ाने में मदद करता है।

सेहत में फायदा

नींबू के पत्ते और फल आयुर्वेदिक इलाज में काम आते हैं। यह पेट, स्किन और इम्यून सिस्टम के लिए अच्छा होता है।

वास्तु दोष में राहत

अगर घर में किसी दिशा से जुड़ी समस्या है, तो नींबू का पौधा उसका असर कम कर सकता है।

नजर दोष से बचाव

इसे घर के बाहर लटकाने से बुरी नजर और निगेटिव असर से बचाव होता है।

नींबू का पेड़ कहां लगाएं

उत्तर पूर्व दिशा

यह दिशा सबसे पवित्र मानी जाती है। यहां पेड़ लगाने से घर में शांति और तरक्की बनी रहती है।

मुख्य दरवाजे के पास

थोड़ी दूरी पर नींबू का पेड़ लगाने से निगेटिव चीजें घर में नहीं आतीं।

बगीचे या आंगन में

अगर आपके पास खुली जगह है, तो इसे वहां लगाएं। इससे हवा साफ रहती है और माहौल ताजा बनता है।

बालकनी या छत पर

जहां धूप और हवा अच्छी मिले, वहां नींबू का पौधा गमले में भी लगाया जा सकता है।

कुंडली में राहु, केतु, शनि या मंगल से जुड़ी समस्याएं चल रही हैं, तो कर लें ये खास उपाय

जीवन में कभी सबकुछ अच्छा चलता है तो कभी परेशानियां घेर लेती हैं। कई बार मेहनत करने के बाद भी सफलता नहीं मिलती, पैसों की तंगी बनी रहती है और नौकरी या कारोबार में तरक्की नहीं हो पाती। ऐसे में लोग उपाय खोजते हैं, ताकि उनकी किस्मत चमक सके। आज हम आपको एक ऐसे पेड़ के बारे में बताएंगे, जिसका एक पत्ता भी आपका भाग्य बदलने का दम रखता है। अगर सही तरीके से इस पेड़ से जुड़ी कुछ बातें अपना ली जाएं, तो जीवन में सुख, समृद्धि और तरक्की जरूर आती है।

कौनसा है वह पेड़?

यह चमत्कारी पेड़ है पीपल। सनातन परंपरा में पीपल का बहुत खास स्थान है। ऐसा माना जाता है कि इसमें देवताओं और पूर्वजों का वास होता है। मंगलवार और शनिवार के दिन पीपल से जुड़े कुछ उपाय करने से जीवन में बड़े बदलाव आ सकते हैं।

कुंडली के दोषों से छुटकारा

अगर आपकी कुंडली में राहु, केतु, शनि या मंगल से जुड़ी समस्याएं चल रही हैं, तो रोजाना सुबह पीपल के पेड़ पर जल चढ़ाइए। इससे न केवल ग्रहों का बुरा असर कम होता है, बल्कि घर में भी सकारात्मक माहौल बनता है।

पैसों की तंगी दूर करने का उपाय

शनिवार को पीपल के पेड़ से गिरे हुए एक पत्ते को उठा लें। उसे गंगाजल से धोकर, दही और हल्दी का लेप करें। फिर उस पर "श्री" लिखकर अपने पर्स में रखें। कहा जाता है कि इस छोटे से उपाय से घर में पैसों की बरकत बढ़ती है और आर्थिक स्थिति मजबूत होती है।

दुर्भाग्य को दूर भगाइए

अगर आप लंबे समय से दुर्भाग्य का सामना कर रहे हैं, तो प्रत्येक शनिवार को पीपल के नीचे सरसों के तेल का दीपक जलाइए। दीपक जलाने के बाद पीपल की सात बार परिक्रमा करें। इस उपाय से नकारात्मक ऊर्जा दूर होती है और जीवन में सौभाग्य आने लगता है।

घर में सुख शांति के लिए

घर में सुख और शांति बनाए रखने के लिए शनिवार को आटे का दीपक बनाकर उसमें सरसों का तेल भरें और पीपल के नीचे जलाएं। इसके बाद पेड़ पर कलावा बांधकर उसे प्रणाम करें। इससे घर में सुख समृद्धि का वास होता है और घर के सदस्य भी खुश रहते हैं।

बाधाओं से मुक्ति पाने का तरीका

मंगलवार की सुबह पीपल के 11 पत्ते लें और गंगाजल से धो लें। फिर उन पत्तों पर कुमकुम या चंदन से "श्रीराम" लिखें और उन्हें जोड़कर एक माला बना लें। इस माला को हनुमानजी के गले में पहनाइए। माना जाता है कि ऐसा करने से जीवन की सभी रुकावटें दूर हो जाती हैं और कार्यों में सफलता मिलने लगती है।

इस दिशा में सिर करके भूलकर भी ना सोएं

वास्तुशास्त्र में दिशाओं का बहुत अधिक महत्व माना जाता है। वास्तु शास्त्र कहता है कि दिशाओं का असर न केवल व्यक्ति पर होता है बल्कि उसकी पूरी जिंदगी इससे प्रभावित होती है। ऐसे में कई बार लोग गलत दिशा में सो जाते है जिसके कारण उनको भयंकर बीमारियों और तनावों से लड़ना पड़ता है। इन सभी बातों से बचने में लिए व्यक्ति को हमेशा सही दिशा में सोना चाहिए।

पूर्व दिशा

प्राचीन धर्मशास्त्रों और वास्तु विज्ञान दोनों में इस बात पर बल दिया गया है कि सोने के लिए सर्वोत्तम दिशा पूर्व या दक्षिण है। पूर्व दिशा सूर्य की दिशा है जो प्रकाश और ऊर्जा का प्रतीक है। इस दिशा में सिर रखकर सोने से मस्तिष्क में एकाग्रता बढ़ती है नींद गहरी आती है और मानसिक तनाव कम होता है।

दक्षिण दिशा

दक्षिण दिशा को यम की दिशा कहा गया है परंतु यह गलत अर्थ में नहीं है। चुंबकीय सिद्धांत के अनुसार यदि सिर दक्षिण और पैर उत्तर दिशा की ओर हों तो पृथ्वी का ऊर्जा प्रवाह शरीर में सही दिशा से होकर गुजरता है जिससे पाचन क्रिया सुधरती है, शरीर में संतुलन बना रहता है और नींद के बाद व्यक्ति स्वयं को ऊर्जावान महसूस करता है यानि आप इस दिशा में सो सकते है।

उत्तर दिशा

उत्तर दिशा में सिर रखकर सोना न केवल वैज्ञानिक रूप से हानिकारक है बल्कि शास्त्रों में भी इसे अशुभ माना गया है। इससे तनाव, असमंजस, बुरे स्वप्न और मानसिक अस्थिरता उत्पन्न होती है।इसलिए इस दिशा में सोने से बचना चाहिए।

पश्चिम दिशा

पश्चिम दिशा की ओर सिर रखने पर चिंता, बेचैनी और मानसिक थकान बढ़ती है। यह दिशा शनि से संबंधित मानी जाती है जो सूर्य के विरोधी माने जाते हैं। सूर्य के अनुसार पूर्व दिशा में सर रखना चाहिए जबकि शनि के अनुसार पश्चिम में पैर रखने चाहिए। सिर और पैर के इन विरोधी तत्वों के कारण मानसिक संतुलन बिगड़ सकता है।

बेडरूम का वास्तु

मनुष्य अपने जीवन का एक-तिहाई भाग सोने में गंवाता है। ऐसे में यदि सोने की दिशा वास्तु का अनुसार नहीं है तो इसका सीधा असर मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य पर पड़ता है। जिसके कारण अनिद्रा, चिड़चिड़ापन, बुरे सपने और आर्थिक अस्थिरता जैसी समस्याएं उत्पन्न हो सकती हैं। इसलिए सदैव वास्तु के अनुसार ही कमरे में सोने के स्थान का चयन करना चाहिए।

घर में बरकत लाने के लिए करें ये छोटा का उपाय

वास्तु शास्त्र में मां लक्ष्मी को प्रसन्न करने के लिए कई उपाय बताए गए हैं। ऐसा माना जाता है कि ऐसे कुछ छोटे-छोटे उपाय करने से मां लक्ष्मी की कृपा होती है और घर में सुख और समृद्धि आती है। मान्यताओं के अनुसार, वास्तुशास्त्र के इन नियमों को अपनाकर व्यक्ति अपनी कई परेशानियों से छुटकारा पा सकता है। ऐसे में आइये जानते हैं वास्तु के उन उपायों के बारे में ज्योतिषाचार्य व वास्तु सलाहकार डॉ अरविंद पचौरी के अनुसार विस्तार से जानते हैं।

एक कांच की कटोरी में मोटा नमक लें और उस कटोरी में नमक के साथ साथ 5-6 लौंग भी रख दें। इसे आप अपने घर के किसी भी कोने में रख दें। ऐसा माना जाता है कि इस उपाय को करने से घर में रुपयों की आवक शुरू हो जाती है और आपके जीवन में बरकत होती है।

ऐसा माना जाता है कि कांच की कटोरी में नमक रखने से घर में धन की कमी दूर होगी इसके साथ ही घर में सुख और शांति भी बनी रहेगी। इसके अलावा आपके घर में अगर बाथरूम संबंदी को वास्तु दोष है तो कांच की कटोरी में क्रिस्टल नमक लेकर बाथरूम में ऐसी जगह पर रखें जहां पर किसीस का हाथ ना पहुंचे और कुछ दिनों बाद कटोरी के नमक को बदल दें।

कुछ अन्य उपाय भी होते हैं कारगर

घर में पूजा के दौरान प्रतिदिन कपूर जरूर जलाना चाहिए। घर में कपूर जलाने से सकारात्मक ऊर्जा आती है। इसके साथ ही शाम को पूजा के दौरान सरसों के तेल में लौंग डालकर दीपक जलाएं। ये घर के लिए बहुत ही शुभ माना जाता है।

पक्षियों को नियमित रूप से दाना डालने से भी आपके करियर और पदन्नति के बीच आ रही सारी बाधाएं दूर हो जाएंगी। इसके साथ ही अगर आप ऐसा करते हैं तो आपके जीवन में सुख समृद्धि भी आती है।

शुक्रवार मां लक्ष्मी का दिन माना जाता है और मां लक्ष्मी को प्रसन्न करने के लिए शुक्रवार की रात मां लक्ष्मी की विधि-विधान से पूजा कर मां को दूध से बनी मिठाई का भोग लगाएं। ऐसा करन से मां लक्ष्मी प्रसन्न होंगी और आप के ऊपर अपनी कृपा बरसाएंगी।

भूलकर भी गर्म तवे पर न डालें पानी! न ही किचन में ऐसे रखें तवा

गाय या कुत्ते के लिए पहली रोटी निकालें

रसोई में जब भी खाना बनाना शुरू करें, पहली रोटी गाय या कुत्ते के लिए अलग निकालें। ऐसा करना बहुत शुभ माना जाता है। इससे घर में बरकत बनी रहती है और मां लक्ष्मी की कृपा भी बनी रहती है। अगर आप ऐसा नहीं करते, तो आर्थिक परेशानियां आ सकती हैं।

तवे को गैस पर न छोड़ें

खाना बनाने के बाद कई लोग तवे को गैस पर ही छोड़ देते हैं, जो गलत है। तवे को ठंडा होने के बाद तुरंत हटा देना चाहिए। इसके बाद उसे साफ कर के किनारे रख देना चाहिए। अगर तवा गैस पर पड़ा रहेगा तो घर में नकारात्मक ऊर्जा बढ़ सकती है।

तवा उल्टा न रखें

अक्सर सफाई के बाद लोग तवे को उल्टा रख देते हैं, लेकिन वास्तु शास्त्र के अनुसार यह सही नहीं है। तवे को सीधा रखकर स्टैंड या दीवार के सहारे खड़ा कर देना चाहिए। उल्टा तवा धन की हानि का संकेत माना जाता है।

गर्म तवे पर पानी न डालें

जब तवा बहुत गर्म हो, तब उस पर ठंडा पानी नहीं डालना चाहिए। ऐसा करने से राहु और चंद्रमा के बीच टकराव माना जाता है। इसका असर घर के लोगों के स्वास्थ्य पर पड़ सकता है। यह मानसिक तनाव और बीमारियों का कारण बन सकता है।

रात में तवे को गंदा न छोड़ें

तवे को रात में बिना धोए नहीं छोड़ना चाहिए। गंदा तवा बैक्टीरिया को जन्म देता है जो स्वास्थ्य के लिए नुकसानदायक है। इसके अलावा, साफ सुथरी रसोई को घर में सकारात्मकता और समृद्धि का प्रतीक माना गया है। इसलिए तवे को अच्छी तरह धोकर सूखा देना चाहिए।

शादी का निमंत्रण कार्ड देते समय न करें ऐसी गलती

शादी हर इंसान की जिंदगी का सबसे खास पल होता है। जब शादी तय होती है, तो परिवार में खुशी की लहर दौड़ जाती है। हर कोई चाहता है कि शादी का कार्यक्रम अच्छे से और बिना किसी अड़चन के पूरा हो। इसके लिए जहां एक ओर सजावट, खाने पीने और बाकी तैयारियों पर ध्यान दिया जाता है, वहीं एक जरूरी काम निमंत्रण कार्ड देने का भी होता है। बहुत से लोग इस बात को हल्के में लेते हैं, लेकिन ज्योतिष विद्या के अनुसार शादी के कार्ड सबसे पहले कुछ खास लोगों को देने से शादी के कार्यक्रम में कोई रुकावट नहीं आती और सब कुछ अच्छे से संपन्न होता है।

भगवान गणेश को पहला कार्ड

कहते हैं हर शुभ काम से पहले भगवान गणेश की पूजा की जाती है। शादी का पहला निमंत्रण कार्ड भी उन्हीं को अर्पित करना चाहिए। कार्ड भगवान गणेश के मंदिर में जाकर या घर पर उनके सामने रखकर अर्पित करें। इससे शादी के समय आने वाली बाधाओं से बचाव होता है और आयोजन सरलता से पूरा होता है।

भगवान विष्णु और माता लक्ष्मी को दूसरा कार्ड

दूसरा निमंत्रण कार्ड भगवान विष्णु और माता लक्ष्मी को देना चाहिए। इन्हें दुनिया का पालन करने वाला माना जाता है। अगर उनकी कृपा बनी रहे तो जीवन में खुशहाली और सुख समृद्धि बनी रहती है। शादी से पहले इन्हें निमंत्रण देकर आशीर्वाद मांगना बहुत शुभ माना जाता है।

भगवान हनुमान को तीसरा कार्ड

तीसरा कार्ड बजरंगबली यानी भगवान हनुमान को देना चाहिए। हनुमान जी शक्ति और सुरक्षा के देवता माने जाते हैं। उनकी कृपा से शादी में किसी तरह की नकारात्मकता प्रवेश नहीं करती। इससे शादी का आयोजन सुख शांति के साथ पूरा होता है।

कुलदेवता और कुलदेवी को चौथा कार्ड

हर परिवार का एक कुलदेवता या कुलदेवी होता है। चौथा निमंत्रण कार्ड अपने कुलदेवता और कुलदेवी को देना चाहिए। उनके आशीर्वाद के बिना कोई भी शुभ कार्य पूरा नहीं होता। इसके लिए घर के मंदिर में कुलदेवता के सामने कार्ड रखकर प्रार्थना करनी चाहिए।

पितरों को पांचवां कार्ड

पांचवां निमंत्रण अपने पितरों को देना चाहिए। इसके लिए पीपल के पेड़ के नीचे जाकर शादी का कार्ड अर्पित करें और प्रार्थना करें कि वे नवविवाहित जोड़े को अपना आशीर्वाद दें। मान्यता है कि पितरों की कृपा से घर में सुख शांति और समृद्धि बनी रहती है।

मामा को छठा कार्ड

भारतीय परंपरा में मामा का स्थान बहुत खास होता है। शादी के आयोजन में मामा की भूमिका भी अहम होती है। जब बहन अपने भाई यानी मामा के घर भात न्योतने जाती है, तो उसे सबसे पहले शादी का कार्ड देना चाहिए। इससे परिवार में प्रेम और सहयोग बना रहता है, जो विवाह समारोह के सफल आयोजन के लिए जरूरी होता है।

मैं आलोचकों की परवाह नहीं करती : सोहा अली खान

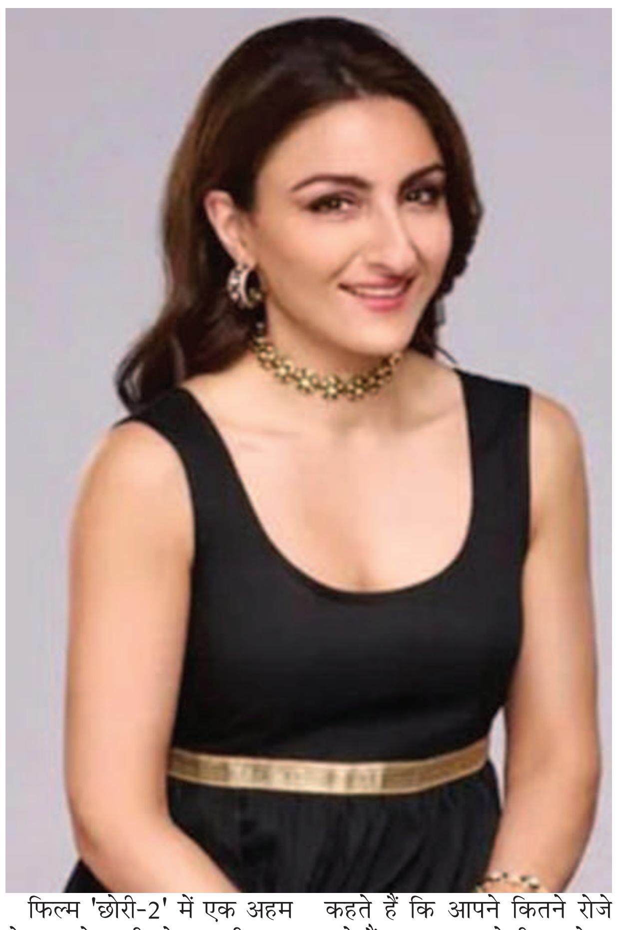

फिल्म 'छोरी-2' में एक अहम रोल करने वाली सोहा अली खान सोशल मीडिया पर बेमतलब की आलोचना करने वालों यानी ट्रोलर्स की परवाह नहीं करती, जिसका खुलासा उसने अपने एक हालिया इंटरव्यू में किया।

कुणाल खेमू से अंतरधार्मिक विवाह करने वाली सोहा ने इंटरव्यू में ट्रोलर्स को सुनाते हुए कहा, "अब मैं थोड़ी मोटी चमड़ी की हो गई हूं। इससे मुझे कोई परेशानी नहीं होती, लेकिन एक बात, जो मुझे हैरान करती है, वह यह कि जब भी मैं कुछ पोस्ट करती हूं, तो लोग मेरे धर्म पर टिप्पणी करना शुरू कर देते हैं। क्योंकि मैंने एक हिंदू परिवार में शादी की है, मेरी मां का हिंदू सरनेम है और उन्होंने एक मुस्लिम व्यक्ति से शादी की।

सोहा ने आगे कहा, आमतौर पर अगर मैं और कुणाल दीवाली पर कुछ पोस्ट करते हैं, तो वे कहते हैं कि आपने कितने रोजे रखे हैं? अगर हम होली पर पोस्ट करते हैं, तो कमैंट्स आते हैं कि आप किस तरह के मुसलमान हैं ?

इस बात पर होता है दुख

सोहा ने इस बात पर दुख जताया कि आज भी पढ़े-लिखे परिवारों में पुराने जमाने के विचार कायम हैं। आज भी ऐसे कई परिवार हैं, जहां बेटा पैदा होने पर ही फैमिली को कंप्लीट माना जाता सोहा बोली, " आज भी, संपन्न परिवारों में, सुशिक्षित परिवारों में, यह अपेक्षा बनी रहती है कि यदि बेटा न हो, ऐसा लगता है कि आप अधूरे हैं। मेरी बेटी है, मैं बहुत खुश हूं, मेरे आस-पास के ज्यादातर लोग बहुत खुश हैं लेकिन कहीं न कहीं यह भावना बनी रहती है कि मैंने किसी को निराश किया है।

विवादों में फंसे विजय देवरकोंडा दर्ज हुई लिखित शिकायत

अभिनेता विजय देवरोंडा विवादों में घिर गए हैं। उन पर आदिवासी समाज को अपमानित करने और उसको लेकर अपमानजनक बातें करने का आरोप लगाया गया है। यह मामला एक्टर द्वारा 26 अप्रैल को हैदराबाद में फिल्म रेट्रो के प्री-रिलीज इवेंट के दौरान आदिवासी समुदाय के बारे में की गई उनकी टिप्पणियों से जुड़ा है। अब इस मामले में आदिवासी वकील संघ बापूनगर के अध्यक्ष किशनराज चौहान ने देवरकोंडा पर कार्यक्रम में आदिवासियों के प्रति अपमानजनक बातें करने का आरोप लगाते हुए लिखित शिकायत दर्ज कराई है।

कानूनी कार्यवाही की मांग

विजय देवरकोंडा के खिलाफ हैदराबाद के संजीव रेड्डी नगर पुलिस स्टेशन में दर्ज कराई गई लिखित शिकायत में अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम के तहत मामला दर्ज करने की मांग की गई। आदिवासी संघों ने अभिनेता से तुरंत इस मामले में माफी मांगने की मांग की है। आदिवासी वकील संघ की ओर से दायर शिकायत में किशनराज चौहान ने कहा, "यह सिर्फ अभिव्यक्ति की आजादी का मामला नहीं है। यह हाशिए पर पड़े समुदायों के सम्मान और संवैधानिक संरक्षण का मामला है। हम अभिनेता के खिलाफ एससी/एसटी अत्याचार कानूनों के तहत तत्काल कानूनी कार्रवाई की मांग करते हैं।"

दिए गए सबूत

इस शिकायत में आगे कहा गया कि विजय ने यह टिप्पणी मेन स्ट्रीम इलेक्ट्रॉनिक और प्रिंट मीडिया की मौजूदगी में की थी और इसे बड़े स्तर पर ऑनलाइन स्ट्रीम किया गया था। शिकायत में विजय देवरकोंडा के बयान वाले वीडियो के स्क्रीनशॉट और लिंक भी प्रस्तुत किए गए हैं। यह उस शिकायत का हिस्सा है जो वायरल हो रही है।

विजय देवरकोंडा ने क्या कहा था

विजय देवरकोंडा ने रेट्रो के प्री-रिलीज इवेंट में पहलगाम हमले को लेकर टिप्पणी की थी। इसी दौरान एक्टर ने कहा था, "कश्मीर में जो कुछ हो रहा है उसका समाधान आतंकवादियों को शिक्षित करना और यह तय करना है कि उनका दिमाग खराब न हो। कश्मीर भारत का है और कश्मीरी हमारे हैं।

भारत को पाकिस्तान पर हमला करने की भी जरूरत नहीं है क्योंकि पाकिस्तानी खुद अपनी सरकार से तंग आ चुके हैं और अगर ऐसा ही चलता रहा तो वे उन पर हमला कर देंगे। वे 500 साल पहले आदिवासियों की तरह व्यवहार करते हैं, बिना किसी समझदारी के लड़ते हैं।"

'मुझे रिटायरमेंट के लिए मजबूर किया जा सकता है'

पद्म भूषण मिलते ही अजित ने क्यों की सिनेमा छोड़ने की बात

तमिल सिनेमा के सबसे बड़े सुपरस्टार्स में से एक अजित कुमार की गिनती उन सितारों में होती है, जो अपनी शोहरत को हल्के में लेते हैं। हाल ही में देश का तीसरा सबसे बड़ा नागरिक सम्मान पद्म भूषण हासिल करने के बाद अजित ने अपनी जिंदगी और सिनेमा को लेकर अपनी अलग सोच खुलकर साझा किया। इस बीच उन्होंने अपने रिटायरमेंट की बात भी की।

रिटायरमेंट पर क्या बोले अजित

इस हफ्ते दिल्ली में एक भव्य समारोह में अजित कुमार को पद्म भूषण से नवाजा गया। इसके बाद अजित ने रिटायरमेंट की संभावना पर बात की। उन्होंने कहा, 'कौन जानता है, रिटायरमेंट की योजना मैं नहीं बनाता। हो सकता है कि परिस्थितियां मुझे रिटायर होने के लिए मजबूर कर दें। मैं कुछ भी तय नहीं मानता। लोग अक्सर जिंदगी की शिकायत करते हैं, लेकिन सुबह उठकर सांस लेना ही अपने आप में एक आशीर्वाद है।'

जिंदगी की कीमत को अच्छे से समझते हैं अजित

अजित ने बताया कि वह जिंदगी की कीमत को अच्छे से समझते हैं। उन्होंने कहा, 'मैं कई सर्जरी और चोटों से गुजरा हूं। मेरे पास ऐसे दोस्त और परिवार के लोग हैं, जो कैंसर से जंग जीत चुके हैं। हम जानते हैं कि जिंदा रहना कितना अनमोल है। मैं अपनी जिंदगी का हर पल जीना चाहता हूं और इसे पूरी तरह से जीना चाहता हूं।'

एक्टर नहीं, एक 'संयोग' से बने सुपरस्टार

अजित कुमार की कहानी किसी फिल्मी स्क्रिप्ट से कम नहीं। उन्होंने खुलासा किया कि एक्टिंग कभी उनका सपना नहीं था। उन्होंने कहा, 'मैं एक संयोग से एक्टर बना। स्कूल के बाद मैंने छह महीने तक एक ऑटो मैन्युफैक्चरिंग कंपनी में काम किया। 18 साल की उम्र में मैंने मोटरसाइकिल रेसिंग शुरू की। फिर धीरे-धीरे मुझे प्रिंट ऐड्स और टीवी कमर्शियल्स के ऑफर मिलने लगे। इसके बाद मैंने खुद को सिनेमा में पाया।' उनकी यह सादगी और बेबाकी उनके फैंस को और करीब लाती है। अजित का मानना है कि वह सिनेमा में आए तो संयोग से, लेकिन अब वह अपने काम को पूरी शिद्दत से करते हैं।

अल्लू अर्जुन बोले, 'मैं साउथ में पहला एक्टर जिसने बनाए सिक्स पैक एब्स', जानिए किसने किया मोटिवेट

साउथ एक्टर अल्लू अर्जुन मुंबई में वेव्स समिट 2025 में चीफ गेस्ट के तौर पर शामिल हुए। 'पुष्पा भाऊ' के नाम से मशहूर हो चुके अल्लू अर्जुन ने इवेंट में अपना सिग्नेचर पोज करके भी दिखाया। इस पोज के बाद अल्लू अर्जुन के लिए खूब तालियां बजीं। इस इवेंट में अल्लू अर्जुन ने देश और दुनिया के सिनेमा को लेकर बात की। साथ ही साउथ में सिक्स पैक एब्स का ट्रेंड शुरू करने की बात भी कही।

20 साल पहले साउथ में एब्स का ट्रेंड लाए

अल्लू अर्जुन वेव्स समिट 2025 में कहते हैं, 'हां, 20 साल पहले मैंने ऐसा किया था। इससे पहले किसी दक्षिण भारतीय एक्टर के एब्स नहीं होते थे। बॉडी बनाने को लेकर वहां पर एक तरह का टैबू था। उस वक्त मुझे लगा कि इस सोच को बदलने के लिए किसी को शुरुआत करनी होगी। इस काम को करने के

लिए मेरे एक को-एक्टर ने मदद की। दरअसल, उस को-एक्टर ने कहा था कि साउथ में कोई एक्टर सिक्स पैक नहीं बना सकता है। मैंने इसे चैलेंज की तरह लिया और एब्स बनाए।'

इस फिल्म में आएंगे नजर

अल्लू अर्जुन वेव्स समिट 2025 में ही अपनी आने वाली फिल्म की बात की। वह एटली के साथ एक फिल्म 'एए22' कर रहे हैं। एटली ने शाहरुख के साथ 'जवान' जैसे हिट फिल्म दी है, साउथ में भी 'थेरी' जैसी सुपरहिट फिल्म बना चुके हैं। अब अल्लू अर्जुन और एटली साथ में काम करेंगे। इस फिल्म के अलावा अल्लू अर्जुन 'पुष्पा 3' में भी नजर आएंगे, इस सीरीज की पिछले दो फिल्में हिट रही हैं तो दर्शकों को तीसरे पार्ट का भी इंतजार है।

रिंकू घोष की वापसी के एलान से भोजपुरी सिनेमा में हलचल

भोजपुरी सिनेमा की मोहक, मादक अभिनेत्री रिंकू घोष याद हैं ना आपको? वही जिन्हें भोजपुरी फिल्म जगत की ड्रीम गर्ल कहकर पुकारा गया और जिन्होंन मनोज तिवारी, रवि किशन और दिनेश लाल यादव निरहुआ जैसे भोजपुरी के सितारों के साथ कई सुपरहिट फिल्मों में काम किया। भोजपुरी सिनेमा के बाद तेलुगु व हिंदी सिनेमा में भी रिंकू ने धमाल मचाया। टीवी पर कमाल दिखाया और फिर एक दिन ओमान के एक धन्ना सेठ के साथ शादी करके ससुराल चली गईं। खबर है कि रिंकू घोष अब फिर से भोजपुरी सिनेमा में लौट रही हैं। मुंबई में बढ़ती गर्मी के बीच जिस एक खबर ने शुक्रवार की सुबह से भोजपुरी फिल्म जगत का पारा चढ़ा रखा है, वह है अभिनेत्री रिंकू घोष की वापसी का। रिंकू ने अमित दत्ता रॉय से शादी की है जो ओमान में एक मल्टीनेशनल कंपनी में काम करते हैं।

आर माधवन ने एनसीईआरटी पर उठाए सवाल, मुगलों के ज्यादा चैप्टर क्यों

आर माधवन अक्सर ही अपने विचारों को खुलकर सामने रखते हैं। हाल ही में उन्होंने एनसीईआरटी की इतिहास की किताबों पर सवाल उठा दिए। अभिनेता जानना चाहते हैं कि मुगलों पर आठ चैप्टर और दक्षिण के चोल वंश पर बस एक चैप्टर स्कूल की किताबों में क्यों है? यह सब किसने तय किया है? विस्तार से जानिए, अभिनेता आर माधवन ने क्या कहा?

मुगलों पर ज्यादा चैप्टर क्यों हैं?

आर माधवन ने हाल ही कहा, 'जब मैंने स्कूल में इतिहास की किताब पढ़ी थी तो मुगल वंश पर आठ चैप्टर थे, वहीं दक्षिण के चोल वंश पर बस एक चैप्टर था। अंग्रेजों के शासन और आजादी के संघर्ष पर भी चार चैप्टर है। सोचिए, अंग्रेजों और मुगलों ने मिलाकर 800 साल राज किया। जब चोल वंश का शासन 2400 साल का था, वह एक महान विरासत थी। रोम, कंबोडिया तक उनका शासन फैला हुआ था। मगर किताबों में एक चैप्टर में ही चोल वंश को सीमि कर दिया गया।'

आखिर में किया ये सवाल

आगे आर माधवन कहते हैं, ' जिस चोल वंश ने जैन, बौद्ध और हिंदू धर्म को चीन तक पहुंचाया। कोरिया में आज भी तमिल भाषा के शब्द बोले जाते हैं, क्योंकि चोल वंश के संबंध वहां तक थे। इसके बावजूद इतिहास की किताबों में चोल वंश पर एक चैप्टर है। ये इतिहास की किताबें, सेलेब्स किसने तैयार किया है? आज लोग तमिल भाषा को नहीं जानते हैं, जबकि यह सबसे पुरानी भाषा है।'

आर माधवन की आने वाली फिल्में

हाल ही में आर माधवन फिल्म 'केसरी 2' में नजर आए थे। इस साल वह फिल्म 'धुरंधर' और 'आप जैसा कोई' जैसी फिल्मों का हिस्सा भी बनेंगे।

दिनेश विजन ने 'महावतार' को बताया अपनी सबसे बड़ी फिल्म

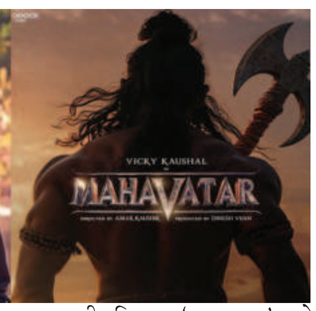

'छावा' में अपने दमदार अभिनय की छाप छोड़ने वाले अभिनेता विक्की कौशल एक और पीरियड ड्रामा में नजर आएंगे। यह फिल्म काफी बड़े स्तर बनाए जाने की संभावना है। दरअसल, हम बात कर रहे हैं विक्की कौशल की आगामी फिल्म 'महावतार' की, जिसमें विक्की कौशल चिरंजीवी परशुराम की भूमिका में नजर आएंगे। यह फिल्म मेडॉक फिल्म्स के अंतर्गत बनाई जाएगी। अब फिल्म को लेकर प्रोड्यूसर दिनेश विजन ने बात की और इसे उनकी अब तक की सबसे बड़ी फिल्म बताया है।

'डिस्ट्रीब्यूशन है असली भगवान'

मुंबई में हो रहे वर्ल्ड ऑडियो विजुअल एंड एंटरटेनमेंट समिट (वेव्स) में पहुंचे निर्माता दिनेश विजन ने हॉलीवुड और बॉलीवुड की फिल्मों में अंतर और अपनी आगामी फिल्म 'महावतार' को लेकर खुलकर बात की। इस दौरान उन्होंने कह, "अमेरिकी फिल्मों ने अंतरराष्ट्रीय बाजार बनाने के लिए समय और पैसा खर्च किया है। हर कोई कहता है कंटेंट किंग है, लेकिन एक बहुत बुद्धिमान व्यक्ति ने मुझे बताया कि डिस्ट्रीब्यूशन भगवान है। बॉलीवुड में इस पर काम करने की बहुत जरूरत है।"

विक्की कौशल के साथ अपने आगामी प्रोजेक्ट 'महावतार' के बारे में बात करते हुए, दिनेश विजन ने कहा, "हम 'महावतार' बनाने का प्रयास कर रहे हैं, जो शायद हमारी अब तक की सबसे बड़ी फिल्म है। हमारे पास विश्व स्तरीय फिल्म बनाने की तकनीक उपलब्ध थी। साथ ही हम ऐसा इसलिए कर पा रहे हैं क्योंकि फिल्मों ने काम किया है, इसलिए हम यह जोखिम उठाने को तैयार हैं।"

मेरी जिंदगी की सबसे बड़ी चुनौती है सीखना : मानुषी छिल्लर

मैं सीखने, अपने कौशल को निखारने और एक अभिनेत्री के रूप में विकसित होने पर ध्यान केंद्रित करती हूं। जो मैं कर सकती हूं, वह है खुद को अपने शिल्प के लिए समर्पित करना व कड़ी मेहनत जारी रखना ।

मानुषी छिल्लर को ऐतिहासिक कहानी पर बनी फिल्म 'सम्राट पृथ्वीराज' के जरिए बॉलीवुड की दुनिया में आए 3 साल हो चुके हैं लेकिन वह अभी भी फिल्मी दुनिया की बारीकियां सीख रही है। मानुषी ने अपने करियर और अपने जीवन की सबसे बड़ी चुनौती के बारे में बताया।

बॉलीवुड में शुरुआत

मिस वर्ल्ड 2017 प्रतियोगिता में ताज जीतने के बाद, मानुषी ने बॉलीवुड में आने का फैसला किया, जिसके लिए उसे बिल्कुल नए सिरे से शुरुआत करनी पड़ी और एक नया हुनर सीखना पड़ा। उसने बताया कि उसे अपने स्वाभाविक व्यक्तित्व पर काबू पाने और कैमरे के सामने काम करने के लिए संघर्ष करना पड़ा।

मानुषी ने बताया, मेरे लिए अभी सबसे बड़ी उपलब्धि एक अभिनेत्री के तौर पर मेरा सफर है । मिस वर्ल्ड जीतने के बाद इस क्षेत्र में आने से पहले से ही मैं काम कर रही थी, लेकिन अभिनय जगत में कदम रखना एक बार फिर से एक छात्र बनने और सब कुछ बिल्कुल नए सिरे से सीखने जैसा लगा। यह मेरे लिए सबसे बड़ी चुनौती रही है।

वह आगे कहती है, "मैं हमेशा से एक अच्छी छात्रा रही हूं, इसलिए मैंने अपना ध्यान इस नए हुनर को सीखने पर केंद्रित किया और खुद को एक अभिनेत्री के रूप में बेहतर बनाने के लिए समर्पित कर दिया। अभिनय एक पूरी तरह से अलग फील्ड है और जैसे कि हर किसी की अपनी अलग खूबियां होती हैं, मैं हमेशा से सतर्क और दृढ़ निश्चय वाली लड़की रही हूं ।

भावनाओं को खुलकर व्यक्त करना मेरे लिए कभी आसान नहीं रहा। हालांकि, सबसे बड़ी बाधाओं में से एक, जो मुझे पार करनी थी, वह थी कैमरे के सामने अपने व्यक्तित्व से अलग तरह के किरदार निभाना और खुद पूरी तरह से एक किरदार में डुबो देना ।

उम्मीदों पर खरी उतरने का दबाव

बॉलीवुड में प्रवेश करने के बाद, मानुषी ने 'द ग्रेट इंडियन फैमिली', 'बड़े मियां छोटे मियां' और 'ऑपरेशन वैलेंटाइन' जैसी फिल्में कीं, जो अपनी रिलीज के बाद सफलता पाने में विफल रहीं। मानुषी समझती है कि उसे ऊंची उम्मीदों का सामना करना पड़ता है, लेकिन वह इसमें भी अच्छी बात देखती है।

उसने कहा, हमेशा ऊंची उम्मीदें होती हैं, खासकर जब आप 'मिस वर्ल्ड' जैसे मंच से आते हैं । इस प्रतियोगिता से कई उल्लेखनीय महिलाओं ने न केवल प्रतियोगिता में, बल्कि अभिनय जगत में भी वैश्विक पहचान हासिल की है। स्वाभाविक रूप से आप पर हमेशा लोगों की निगाह रहती है । मैं अपेक्षाओं को एक सकारात्मक शक्ति के रूप में देखती हूं। वे मुझे और अधिक प्रयास करने, लगातार सुधार करने के लिए प्रेरित करती हैं।

बाहरी दबाव पर ध्यान केंद्रित करने के बजाय, मैं सीखने, अपने कौशल को निखारने और एक अभिनेत्री के रूप में विकसित होने पर ध्यान केंद्रित करना चुनती हूं। सबसे अच्छी बात जो मैं कर सकती हूं, वह है खुद को अपने शिल्प के लिए समर्पित करना, कड़ी मेहनत जारी रखना और एक अभिनेत्री के रूप में विकसित होना।

मनोरंजन उद्योग के उतार-चढ़ाव से निपटना

मानुषी ने स्वीकार किया कि शोबिज में उतार-चढ़ाव आते रहते हैं, लेकिन वह 'बाहरी मान्यता की बजाय विकास पर ध्यान केंद्रित करके' जमीन पर टिकी रहती है।

उसने कहा, " योग, ध्यान और पढ़ना मुझे संतुलित रहने में मदद करते हैं, जबकि मेरा परिवार और करीबी दोस्त मुझे स्थिर रखते हैं। हर दिन मैं खुद को याद दिलाती हूं कि मेरी यात्रा सीखने, विकसित होने और अपने शिल्प को अपना सर्वश्रेष्ठ देने के बारे में है ।

आने वाली फिल्में

मानुषी की इस साल कई फिल्में रिलीज होनी हैं। उसने बताया, 'मेरी दो फिल्में इस साल रिलीज होने जा रही हैं और एक अन्य की मैं शूटिंग शुरू करूंगी। दुर्भाग्य से, मैं उनका नाम नहीं बता सकती। इसके अलावा मैं अपने कपड़ों के ब्रांड के लिए भी काम कर रही हूं, जो 'पर्यावरण हितैषी' बीचवियर ब्रांड है। इसके अलावा वैलनैस के फील्ड में भी मैं सक्रिय हूं।

मानुषी ने मैडीकल क्षेत्र को पूरी तरह से छोड़ा नहीं है। उसने 'रीजैनरेटिव मैडीसिन का एक छोटा-सा क्लिनिक शुरू किया है। इतना ही नहीं, मानुषी मॉडल और एक्टर होने के साथ-साथ एक बिजनैसवूमन भी है। उसका बीचवियर का एक ब्रांड है। अपने ब्रांड को लेकर उसने कहा कि उसे फैशन में हमेशा से दिलचस्पी रही है। उसे बीच पर जाना पसंद है, तो लगा कि इसे लेकर एक ब्रांड भी होना चाहिए। भारत में समुद्र किनारे जाना लोगों को काफी पसंद है, तो ऐसे में उसके दिमाग में बीचवियर का ख्याल आया।

चाहत खन्ना ने खोली साऊथ फिल्म इंडस्ट्री की पोल

'बड़े अच्छे लगते हैं', 'कुबूल है' जैसे टी.वी. शोज में नजर आ चुकी चाहत खन्ना 'थैंक यू', 'साढ़े सात फेरे : मोर दैन ए वैडिंग' और 'प्रस्थानम' जैसी फिल्मों में भी काम कर चुकी है। हाल ही में एक इंटरव्यू में चाहत ने साऊथ फिल्म इंडस्ट्री की पोल-पट्टी खोलकर रख दी।

चाहत ने बताया कि साऊथ फिल्म इंडस्ट्री में अभिनेत्रियों से समझौता करने के लिए कहा जाता है और यह आम बात है । जब पूछा गया कि क्या उसे कभी कास्टिंग काऊच का सामना करना पड़ा, तो चाहत ने साफ इनकार किया। लेकिन साऊथ फिल्म इंडस्ट्री में होने वाले एक शैडो कॉन्ट्रैक्ट के बारे में बात करते हुए कहा, "उस समय ऐसा कहा जाता था - 'अम्मा, समझौता, साऊथ में हर जगह ऐसा होता है ।' साऊथ इंडियन फिल्म इंडस्ट्री इस बारे में बहुत खुली है, लेकिन वे महिलाओं का सम्मान भी करते हैं। यही बात यहां (बॉलीवुड) भी है। बस बात यह है कि वे इसके बारे में खुले नहीं हैं; वे कॉन्ट्रैक्ट में नहीं लिखते हैं ।

उसने आगे कहा, "मैं तो ऐसे लोगों से मिली हूं जो कॉन्ट्रैक्ट में सीधे कम्प्रोमाइज लिखते हैं । कॉन्ट्रैक्ट में यह होता है आपको निर्देशक, निर्माता, अभिनेता हर किसी के साथ समझौता करना पड़ता है, बस स्पॉट दादा को छोड़कर। मैंने ऐसी कहानियां सुनी हैं, लेकिन अच्छी बात है कि मेरे साथ ऐसा कभी नहीं हुआ।

सीएसके बनाने वाले ही इसका अंत कर रहे हैं चेन्नई की टीम ने कोई भी बदलाव नहीं किया

आइपीएल 2025 में अब तक खेली क्रिकेट से, कम से कम इतना तो तय हो गया कि चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के साम्राज्य का अंत हो चुका है। अपने पहले छह मैच में सिर्फ एक जीत की बदौलत दो अंक के साथ सबसे नीचे और नेट रन रेट में भी सबसे खराब। अगर सीजन के पहले मैच में जो जीत मिली, उसका श्रेय उससे ज्यादा मुंबई टीम को है। मुंबई टीम आइपीएल सीजन का अपना पहला मैच हारने के लिए मशहूर हैं।

यह आइपीएल का 18वां सत्र है और पिछले 17 में से जिन 15 में सीएसके टीम खेली, कुल 103 खिलाड़ी इस्तेमाल किए, सिर्फ चार कप्तान बदले (धोनी, सुरेश रैना, रविंद्र जडेजा और तुराज गायकवाड़) और सिर्फ दो मुख्य प्रशिक्षक (2008 में केप्लर वेसल्स और 2009 से अब तक फ्लेमिंग) के साथ ये कीर्तिमान, टीम में स्थिरता तथा लगभग एक ही सेट-अप के साथ खेलने का सबूत है। यह फार्मूला कामयाब रहा तभी तो 15 में से 12 बार प्ले आफ खेले, पांच बार खिताब जीते (2010, 2011, 2018 2021 और 2023) और साथ में दो चैंपियंस लीग खिताब भी, पर आज यही टीम ऐसी दुर्दशा में है कि सीएसके के साम्राज्य के अंत की शुरुआत की कहानी पर आखिरी मोहर लगा रहा है यह सत्र ।

क्रिकेट में भी साम्राज्य रहे हैं और उनका अंत जहां एक ओर टीम की अपनी खराब क्रिकेट (खास तौर पर समय के साथ खेल में बदलाव न लाने से आया, वहीं यह अन्य दूसरी टीम के बेहतर स्तर का सबूत भी बना। तभी तो जिस मुंबई ने रणजी ट्रॉफी में 42 खिताब जीते और छह और दफा फाइनल खेले (दूसरे नंबर पर कर्नाटक आठ खिताब के बावजूद कितना पीछे है), आज नाकआउट राउंड में खेलने के लिए जूझते हैं। इंग्लैंड में यार्कशायर ने 33 काउंटी चैंपियनशिप खिताब जीते (नंबर 2 सरे 23) पर 2015 के बाद से कोई खिताब नहीं जीते हैं। आस्ट्रेलिया में न्यू साउथ वेल्स ने 47 शेफील्ड शील्ड खिताब जीते पर 2019-20 के बाद से एक भी नहीं। आइपीएल में न सिर्फ सीएसके, मुंबई के साम्राज्य के भी आखिरी दिन के संकेत लगातार आ रहे हैं। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट देखें तो वेस्ट इंडीज टीम की दुर्दशा से बेहतर मिसाल और कोई नहीं है ।

सीएसके की बात करें तो स्पष्ट है कि गलतियां हुई जिनकी कीमत टीम खराब खेल से चुका रही है। बड़ी नीलामी के बावजूद, टीम का कोर खिलाड़ियों पर भरोसा, जडेजा को तो 18 करोड़ रुपए दे दिए (टीम में भी उनकी वजह से उन फिन एलन को नजरअंदाज किया जो आधुनिक ब्रांड का टी20 क्रिकेट खेलते हैं) पर घरेलू युवा प्रतिभा पर 2-3 करोड़ से कम कीमत भी खर्च न की और अपनी डैडीज आर्मी टैग पर अड़े रहे। यह भूल गए कि आइपीएल में टी20 खेलते हैं और ज्यादातर एकदिवसीय खेलने वाले इकट्ठे कर लिए। सबसे खराब यह कि जिन एमएस धोनी के साथ यह साम्राज्य खड़ा किया, उनके क्रिकेट करिअर को लंबा खिंचने दिया। सिर्फ ब्रांड कीमत बढ़ाने के लिए उन्हें लगातार लिया गया। इसे वे अपनी शानदार सोच समझते रहे पर यही उन्हें ले डूबी। धोनी को फिट करने के चक्कर में पूरी टीम हिला दी (जबकि कोच ने साफ कहा कि उनके घुटने इतने खराब हैं कि पांच ओवर से ज्यादा क्रीज पर नहीं रह सकते) ।

धोनी के नंबर नौ पर बल्लेबाजी करने का मुद्दा तो मानो एक राष्ट्रीय चर्चा बन गया हो। अब न सिर्फ क्रिकेट को समझने वाले, जो ब्रांड धोनी के अंध भक्त हैं, वे भी धोनी के इतना नीचे बल्लेबाजी करने पर हैरान हैं। जब यह लगभग तय हो जाता है। कि सीएसके के लिए मैच में कोई आसार नहीं बचे तो धोनी बल्लेबाजी के लिए आते हैं और उस मुकाम पर उनकी कुछ गेंद की छोटी आतिशी पारियां किसी काम नहीं आ रहीं यह तो सब जानते ही हैं कि वे जल्दी ही 44 साल के होने वाले हैं और चाहे फिटनेस पर कितनी भी मेहनत कर लें, उतने फिट नहीं कि बीते सालों के धोनी से मुकाबला करते रहें ।

पिछले सीजन में इसी सवाल पर धोनी का जवाब होता था कि रवींद्र जडेजा और शिवम दुबे जैसे क्रिकेटरों को बढ़ाना और ज्यादा खेलने का मौका दे रहे हैं ताकि ये टी20 वर्ल्ड कप टीम में अपना दावा मजबूत कर सकें। इस सीजन में ऐसा कुछ नहीं है। यहां तक कि इस चक्कर में रुतु की बल्लेबाजी को भी खराब कर दिया।

* रुतुराज की कप्तानी में 19 में से 11 मैच हार चुके हैं।

* कोलकाता नाइट राइडर्स से हार, टीम की लगातार पांचवीं हार थी। एक नया कीर्तिमान ।

* इस मैच में जो 103-9 का मामूली स्कोर बनाया वह घरेलू मैदान एमए चिदंबरम स्टेडियम में उनका सबसे कम स्कोर है। 'इस सीजन में पावरप्ले में सबसे घटिया कीर्तिमान इसी टीम का है। इस केकेआर वाले मैच में 20 ओवर की पारी में 63 गेंद ऐसी खेलीं जब एक भी चौका न लगा ।

ठीक है आइपीएल एक व्यापार भी है और पैसा कमाने के लिए टीम में धोनी जरूरी लगते हैं पर 16 साल और पांच खिताब के बाद भी, फ्रेंचाइजी का पूरा अस्तित्व और पहचान सिर्फ एक व्यक्ति पर टिकी है, तो यह टीम के लिए अपने अंदर झांकने का समय है। नौवें नंबर पर बल्लेबाजी करने के लिए आने वाला कीपर कैसे अच्छा खेलेगा पर सारा ध्यान पैसा लाने पर लगा दिया। अश्विन को 9.75 करोड़ में खरीद लिया पर मोईन अली (टीम के अब तक के सबसे बेहतर फिंगर स्पिनर) को नजर अंदाज कर दिया। पावरप्ले की बल्लेबाजी किसी टेस्ट मैच के रिहर्सल जैसी लगे तो कैसे जीतेंगे ? जिन वीबी चंद्रशेखर ने टीम चुन एक साम्राज्य खड़ा किया, उसके बाद के लोग उस साम्राज्य को समय के हिसाब से बदल न पाए और आज इसके अंत की कहानी लिखी जा रही है।

क्रिकेट की ओलंपिक में वापसी, चुनौतियां व संभावनाएं

हाल ही में क्रिकेट को 2028 लास एंजिल्स ओलंपिक में शामिल करने का ऐतिहासिक निर्णय लिया गया। यह खेल 128 साल बाद एक बार फि र ओलंपिक के वैश्विक मंच पर अपनी उपस्थिति दर्ज कराएगा। आगामी ओलंपिक में पुरुष और महिला वर्ग की टी20 टीमें स्वर्ण, रजत और कांस्य पदकों के लिए प्रतिस्पर्धा करेंगी। इस निर्णय ने क्रिकेट समुदाय को आश्चर्यचकित किया है, और कई लोग इसकी संभावनाओं और चुनौतियों पर विचार कर रहे हैं। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आइसीसी) ने इस आयोजन की तैयारियां शुरू कर दी हैं, ताकि क्रिकेट को ओलंपिक में एक रोमांचक और व्यवस्थित रूप में प्रस्तुत किया जा सके।

क्रिकेट का ओलंपिक इतिहास बहुत सीमित रहा है। इससे पहले केवल 1900 के पेरिस ओलंपिक में क्रिकेट खेला गया था, जब ग्रेट ब्रिटेन और फ्रांस के बीच एक प्रदर्शनी मैच हुआ था। ग्रेट ब्रिटेन ने यह मैच जीतकर स्वर्ण पदक हासिल किया, लेकिन उस समय खिलाड़ियों को यह भी नहीं पता था कि वे ओलंपिक का हिस्सा हैं। तब क्रिकेट केवल टेस्ट प्रारूप तक सीमित था, जो अपनी लंबी अवधि और जटिल संरचना के कारण ओलंपिक जैसे आयोजन के लिए उपयुक्त नहीं माना जाता था। टेस्ट क्रिकेट की प्रकृति ऐसी थी कि इसे वैश्विक दर्शकों के लिए आकर्षक बनाना और खेलों के व्यस्त कार्यक्रम में समायोजित करना असंभव सा था। वनडे क्रिकेट के आगमन के बाद भी, जो 1970 के दशक में लोकप्रिय हुआ, क्रिकेट को ओलंपिक में शामिल करने की बात उठी, लेकिन तब भी इसे व्यावहारिक नहीं माना गया। टी20 प्रारूप के उदय ने क्रिकेट को तेज, रोमांचक और दर्शक - उन्मुख बनाया, जिसने इसे ओलंपिक जैसे मंच के लिए आदर्श बना दिया।

2028 में क्रिकेट की ओलंपिक वापसी में कई कारणों ने महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई है। खास तौर पर, 2024 में अमेरिका और वेस्ट इंडीज में आयोजित टी20 विश्व कप ने क्रिकेट की वैश्विक अपील को प्रदर्शित किया। अमेरिका जैसे गैर-पारंपरिक क्रिकेट बाजार में इस टूर्नामेंट के सफल आयोजन ने ओलंपिक आयोजकों का ध्यान आकर्षित किया। स्टेडियमों में दर्शकों की भीड़, रोमांचक मुकाबले और क्रिकेट के प्रति बढ़ता उत्साह इस बात का प्रमाण था कि टी20 प्रारूप को ओलंपिक जैसे मंच पर आसानी से अपनाया जा सकता है। यह भी उल्लेखनीय है कि लास एंजिल्स में क्रिकेट की लोकप्रियता धीरे-धीरे बढ़ रही है, और स्थानीय प्रशंसक आधार इस खेल को ओलंपिक में देखने के लिए उत्साहित है।

क्रिकेट का ओलंपिक में शामिल होना खेल के लिए कई अवसर लेकर आएगा। वर्तमान में लगभग 105 देश टी20 क्रिकेट खेलते हैं, और ओलंपिक जैसे मंच से इसकी वैश्विक पहुंच और लोकप्रियता में अभूतपूर्व वृद्धि होने की संभावना है। विशेष रूप से यूरोप और अमेरिका जैसे क्षेत्रों में, जहां क्रिकेट अभी मुख्यधारा का खेल नहीं है, इसे नया दर्शक वर्ग और बाजार मिलेगा। ओलंपिक में क्रिकेट की मौजूदगी से स्थानीय स्तर पर लीग और टूर्नामेंट आयोजित होने की संभावना बढ़ेगी, जिससे खेल का राजस्व और प्रशंसक आधार दोनों में वृद्धि होगी। उदाहरण के लिए, अमेरिका में क्रिकेट की लोकप्रियता में तेजी आने की उम्मीद है, क्योंकि ओलंपिक जैसे आयोजन से युवा खिलाड़ी और दर्शक इस खेल की ओर आकर्षित होंगे।

इसके अलावा, ओलंपिक में क्रिकेट की उपस्थिति उन देशों को प्रेरित करेगी जहां यह खेल अभी प्रारंभिक चरण में है। अफ्रीका, एशिया और दक्षिण अमेरिका के कई छोटे देश, जो अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में अपनी पहचान बनाने की कोशिश कर रहे हैं, ओलंपिक मंच का उपयोग अपनी प्रतिभा दिखाने के लिए करेंगे।

हालांकि, क्रिकेट के सामने कई चुनौतियां भी हैं, जिन्हें दूर करना आइसीसी और ओलंपिक आयोजकों के लिए आसान नहीं होगा। 2028 ओलंपिक में पुरुष और महिला वर्ग में केवल छह-छह टीमें हिस्सा लेंगी, जबकि 100 से अधिक देश टी20 क्रिकेट खेलते हैं। इतने सीमित स्थानों के लिए पात्रता प्रक्रिया तय करना एक जटिल कार्य होगा। आइसीसी को एक ऐसी निष्पक्ष और पारदर्शी प्रणाली विकसित करनी होगी, जो सभी देशों को समान अवसर प्रदान करे। उदाहरण के लिए, क्षेत्रीय पात्रता टूर्नामेंट आयोजित किए जा सकते हैं, ताकि प्रत्येक महाद्वीप से सर्वश्रेष्ठ टीमें चुनी जा सकें।

वेस्ट इंडीज के लिए पात्रता एक अनूठी चुनौती पेश करता है। वेस्ट इंडीज क्रिकेट टीम कई स्वतंत्र द्वीप देशों-जैसे जमैका, बारबाडोस और त्रिनिदाद - का समूह है, जो केवल क्रिकेट में एकजुट होकर खेलता है। ओलंपिक नियमों के तहत प्रत्येक देश को अपनी राष्ट्रीय टीम के रूप में भाग लेना होता है, इसलिए वेस्ट इंडीज के लिए पात्रता प्रक्रिया को अलग से तय करना होगा। एक संभावित समाधान यह हो सकता है कि इन द्वीप देशों के बीच एक क्षेत्रीय टूर्नामेंट आयोजित किया जाए, जिसकी विजेता टीम वेस्ट इंडीज के रूप में ओलंपिक में भाग ले। आज के समय में क्रिकेट कैलेंडर विभिन्न टी20 लीग, द्विपक्षीय श्रृंखलाओं और आइसीसी टूर्नामेंटों से भरा हुआ है। ओलंपिक जैसे बड़े आयोजन के लिए समय निकालना और यह सुनिश्चित करना कि मुख्य खिलाड़ी इसमें हिस्सा लें, आसान नहीं होगा। यदि शीर्ष खिलाड़ी ओलंपिक के बजाय फ्रेंचाइजी लीग को प्राथमिकता देते हैं,

तो क्रिकेट की गुणवत्ता और आकर्षण पर असर पड़ सकता है। इसका एक उदाहरण एशियाई खेलों में देखा जा चुका है, जहां क्रिकेट को शामिल किया गया था, लेकिन कई देशों ने अपनी दूसरी श्रेणी की टीमें भेजीं, जिससे आयोजन का उद्देश्य कमजोर पड़ गया।

'हम युवा खिलाड़ियों को सुपरस्टार बनाते हैं', टीम बाहर हो चुकी, लेकिन अपने गुणगान में जुटे राजस्थान रॉयल्स के कोच

आईपीएल 2025 में राजस्थान रॉयल्स की टीम प्लेऑफ की दौड़ से बाहर हो चुकी है। मुंबई के खिलाफ हार के साथ ही टीम के प्लेऑफ में जगह बनाने की उम्मीदें समाप्त हो गईं। हालांकि, टीम के फील्डिंग कोच दिशांत याग्निक अपने और अपनी टीम के गुणगान में जुटे हैं। याग्निक ने कहा कि मेगा नीलामी से पहले जोस बटलर और ट्रेंट बोल्ट जैसे सुपरस्टार को रिलीज करने की आलोचना के बावजूद उनकी टीम युवाओं का समर्थन करना जारी रखेगी। उन्होंने कहा कि हमारी टीम युवा खिलाड़ियों को सुपरस्टार बनाती है।

राजस्थान को खल रही बटलर-बोल्ट की कमी

राजस्थान रॉयल्स के 11 मैचों में केवल छह अंक हैं और वह अंक तालिका में आठवें स्थान पर है। मुंबई इंडियंस ने गुरुवार को आरआर को 100 रन से हराया। रॉयल्स की टीम में कई युवा खिलाड़ी हैं जिनमें आईपीएल में सबसे कम उम्र में शतक लगाने वाले 14 वर्षीय वैभव सूर्यवंशी और सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल भी शामिल हैं, लेकिन इस टीम को इंग्लैंड के सीमित ओवरों के पूर्व कप्तान बटलर और न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाज बोल्ट की बड़ी कमी खल रही है।

पिछले साल और इस साल में टीम में अंतर

याग्निक से जब पिछले साल की टीम और इस साल की टीम के बीच अंतर के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा, 'स्टार (खिलाड़ियों) के बारे में आपके प्रश्न में एक बड़ा मुद्दा है। जब भी कोई नया खिलाड़ी आता है, तो वह स्टार नहीं होता है, लेकिन उसे स्टार बनाया जाता है। पिछले साल हमारे पास जो खिलाड़ी थे, जब वे टीम में आए तो वे स्टार नहीं थे, लेकिन वे स्टार बन गए और अब जो खिलाड़ी हमारी टीम में हैं, हम उन्हें स्टार बनाएंगे। हम सुपरस्टार खरीदते नहीं हैं, हम सुपरस्टार बनाते हैं और यही हमारा मुख्य उद्देश्य है।'

'आने वाले समय में स्टार बन जाएंगे ये खिलाड़ी'

रॉयल्स पिछले साल 14 मैचों में 17 अंकों के साथ तालिका में तीसरे स्थान पर रहते हुए प्लेऑफ में जगह बनाई थी। मुंबई इंडियंस के खिलाफ सलामी बल्लेबाज वैभव खाता भी नहीं खोल पाए, जबकि जायसवाल ने 13 रन बनाए। रॉयल्स की टीम 218 रन का पीछा करते हुए 117 रन पर आउट हो गई। याग्निक ने कहा, 'वैभव सूर्यवंशी को देखिए, जब वह गुजरात के खिलाफ बल्लेबाजी कर रहे थे तो हर कोई खुश था। दर्शक खुश थे और हमें पूरा विश्वास है कि आने वाले समय में ये खिलाड़ी स्टार बन जाएंगे।'

'इसी टीम को आगे बढ़ाएंगे और जीतकर दिखाएंगे'

उन्होंने कहा, 'समय आ गया है कि आप इससे आगे की सोचें। जब आपके पास स्टार खिलाड़ी नहीं है, तो आपको इसे भूल जाना होगा और आगे बढ़ना होगा। हमारे पास वैभव, यशस्वी जायसवाल हैं। संजू सैमसन हमारे कप्तान हैं। हम इस टीम के साथ आगे बढ़ेंगे और जीतकर दिखाएंगे।' वैभव ने गुजरात के खिलाफ 38 गेंद में 101 रन की पारी खेली थी। इस दौरान उन्होंने सात चौके और 11 छक्के लगाए थे।

'बुमराह-बोल्ट के साथ काम करके आसानी हो रही'

इस बीच मुंबई इंडियंस के तेज गेंदबाज दीपक चाहर ने स्वीकार किया कि जसप्रीत बुमराह और ट्रेंट बोल्ट जैसे विश्व स्तरीय गेंदबाजों के साथ गेंदबाजी करने से उनका काम आसान हो जाता है। उन्होंने कहा, 'जब आप विश्व स्तरीय गेंदबाजों के साथ गेंदबाजी कर रहे होते हैं तो आपके लिए काम आसान हो जाता है। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट और आईपीएल में अच्छा प्रदर्शन करने वाले विश्व स्तरीय गेंदबाजों के साथ गेंदबाजी करने से मुझे मदद मिल रही है और जब आप एक इकाई के रूप में गेंदबाजी करते हैं, तो दूसरी टीम के लिए भी यह मुश्किल हो जाता है।'

फीफा विश्व कप में रेफरी के लिए बाडी कैमरे

फुटबाल की सर्वोच्च संस्था फीफा ने 117 मैच अधिकारियों की अपनी टीम का एलान किया है। 15 जून से 13 जुलाई तक होने वाले क्लब विश्व कप के लिए रेफरी को बाडी कैमरा पहनना होगा और संयुक्त राज्य अमेरिका में आयोजित होने वाले इस टूर्नामेंट में गोलकीपरों द्वारा समय की बर्बादी के सख्त नियमों को लागू किया जाएगा।

फीफा रेफरी समिति ने इस आयोजन के लिए 41 सदस्य संघों के अधिकारियों 35 रेफरी, 58 सहायक रेफरी और 24 वीडियो मैच अधिकारियों की नियुक्ति की है। फीफा ने कहा कि बाडी कैमरे प्रशंसकों को मैदान पर होने वाली गतिविधियों का अभूतपूर्व दृश्य प्रदान करेंगे, जबकि आठ सेकंड से अधिक समय तक गेंद को अपने पास रखने वाले गोलकीपर अब परोक्ष फ्री किक के बजाय विरोधियों को दिए गए कार्नर किक को देख सकेंगे।

फीफा रेफरी समिति के अध्यक्ष पियरलुइगी कोलिना ने कहा, हमारा मानना है कि यह दर्शकों को एक नया अनुभव प्रदान करने का अच्छा अवसर है। एक परिप्रेक्ष्य से, एक ऐसे कोण से ली गई छवियों के संदर्भ में, जो पहले कभी नहीं दिया गया। रेफरी कोचिंग के संदर्भ में भी इसका एक उद्देश्य है, क्योंकि, निश्चित रूप से, रेफरी जो देख रहा है उसे FIFA की ऐतिहासिक प्रकृति के बारे में बताया। इसमें सभी छह फीफा परिसंघों की 32 टीमें भाग लेंगी तथा यह टूर्नामेंट अमेरिका के 11 मेजबान शहरों के 12 स्टेडियमों में आयोजित किया जाएगा। उन्होंने कहा, चयनित रेफरी उन लोगों में से जिन्हें हैं पहली बार देखने की संभावना इसका हिस्सा डीब्रीफिंग में बनने का महत्त्वपूर्ण है।

सौभाग्य मिला है, कोलिना ने विस्तारित टूर्नामेंट के लिए नियुक्तियों इसलिए मुझे यकीन है कि सभी मैच अधिकारी रोमांचित होंगे।

हम पिछले फीफा टूर्नामेंटों के दौरान उच्चस्तरीय प्रदर्शन करके आ रहे हैं। इसलिए मानक अधिक ऊंचे हैं और जब आप मानक अधिक ऊंचे रखते हैं तो मानक बनाए रखना अधिक कठिन होता है। लेकिन हम बहुत मेहनत कर रहे हैं और टीम वन इस रोमांचक प्रतियोगिता की सफलता में ठोस योगदान देगी।

ट्रंप के टैरिफ वॉर से भारत की चांदी!

अमेरिकियों के हाथों में होगा 'मेड इन इंडिया' आईफोन

नई दिल्ली, 2 मई (एजेंसियां)। ट्रंप के टैरिफ वॉर के बीच भारत के लोगों का डंका बजेगा। अब आप सोच रहे होंगे कि आखिर ऐसा क्यों, क्योंकि अब अमेरिका के ज्यादातर लोग भारत में बने आईफोन का इस्तेमाल करेंगे। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, एप्पल के सीईओ टिम कुक ने कहा कि उन्हें उम्मीद है कि अमेरिका में बिकने वाले अधिकतर आईफोन अब भारत में बने होंगे। हालांकि चीन में बने आईफोन अभी भी अमेरिका शिपमेंट का एक बड़ा हिस्सा हैं, लेकिन जब से ट्रंप के टैरिफ की वॉर चल रही है तब से ही चीन के जवाबी टैरिफ के बाद से भारत में आईफोन का प्रोडक्शन बढ़ेगा।

90 करोड़ डॉलर का इजाफा होगा

पहली तिमाही में एप्पल ने उम्मीद से बेहतर कमाई की लेकिन इसपर एप्पल के सीईओ टिम कुक ने चेतावनी भी दी कि मौजूदा टैरिफ के कारण कंपनी को इस तिमाही में 90 करोड़ डॉलर का नुकसान हो सकता है। उन्होंने इसपर कहा कि हम टैरिफ के असर का सही अंदाजा भी नहीं लगा सकते हैं। क्योंकि पहली तिमाही खत्म होने से पहले और टैरिफ भी लग सकता है। हाल के दिनों में लगाए गए टैरिफ के कारण आईफोन की कीमतों में 30 से 40 प्रतिशत तक की बढ़ोतरी हो सकती है।

भारत में बढ़ेगा प्रोडक्शन

पिछले साल की बात करें तो भारत में एप्पल ने 22 अरब डॉलर के आईफोन असेंबल किए जो पिछले साल के मुकाबले 60 प्रतिशत से ज्यादा है। जिसके कारण ये कदम चीन को मैन्युफैक्चरिंग सेंटर के रूप में छोड़ने की रणनीति को दिखाता है। लेकिन ट्रंप ने स्मार्टफोन और कंप्यूटर जैसे प्रोडक्ट को फ़ेंटेनाइल मुद्दे पर चीन पर दबाव बनाने के लिए लगाए गए 20 प्रतिशत अलग टैरिफ से अस्थायी छूट दी थी लेकिन अब इस छूट को खत्म कर दिया गया है। बता दें, भारत में स्मार्टफोन मार्केट में एप्पल की हिस्सेदारी 8 प्रतिशत है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, वित्तीय वर्ष 2024 में कंपनी के प्रोडक्ट की बिक्री जिसमें ज्यादातर आईफोन है वो लगभग 8 अरब डॉलर तक पहुंच गई।

शेयर बाजार उतार-चढ़ाव के बाद हरे निशान पर हुआ बंद ; सेंसेक्स 260 अंक चढ़ा, निफ्टी सपाट

नई दिल्ली, 2 मई (एजेंसियां)। घरेलू शेयर बाजार में हफ्ते के आखिरी कारोबारी दिन उतार-चढ़ाव के बाद हरे निशान पर क्लोजिंग हुई। शुक्रवार को 30 शेयरों वाला बीएई सेंसेक्स 259.75 (0.32%) अंक मजबूत होकर 80,501.99 पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान सेंसेक्स 935.69 अंक या 1.16 प्रतिशत की बढ़त के साथ 81,177.93 अंक पर पहुंच गया था। उतार-चढ़ाव भरे कारोबार में एनएसई निफ्टी 12.50 अंक अथवा 0.05 प्रतिशत की मामूली बढ़त के साथ 24,346.70 अंक पर बंद हुआ।'भारत और अमेरिका के बीच व्यापार समझौता और रिकॉर्ड जीएसटी संग्रह की खबरों के बीच शुक्रवार को बाजार में सकारात्मक माहौल दिखा। विदेशी निवेशकों की खरीदारी ने भी बाजार में बढ़त को बढ़ावा दिया। मेहता इक्विटीज लिमिटेड के वरिष्ठ उपाध्यक्ष (शोध) प्रशांत तापसे ने कहा, बाजार पहले छमाही में काफी अस्थिर रहा और करीब 1,000 अंकों के उतार-चढ़ाव के बाद सीमित दायरे में बंद हुआ और बैंकिंग व आईटी शेयरों में चुनिंदा खरीदारी के कारण बढ़त के साथ बंद हुआ। हाल की तेजी के बाद निवेशकों ने मुनाफावसूली शुरू कर दी और व्यापक बाजार कमजोर होकर बंद हुआ। भू-राजनीतिक तनाव और चल रहे टैरिफ युद्ध के बीच नाजुक वैश्विक माहौल के कारण निवेशक शेयरों पर बड़ा दांव नहीं लगा रहे हैं।

अदाणी पोर्टस के शेयरों में 4% की तेजी

सेंसेक्स की कंपनियों में से अदाणी पोर्ट्स में 4 प्रतिशत से अधिक की तेजी आई। कंपनी ने मार्च तिमाही के शुद्ध लाभ में 50 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की। चालू वित्त वर्ष के लिए वर्ष-दर-वर्ष उच्च राजस्व वृद्धि का अनुमान जारी किया। बजाज फाइनेंस, इंडसइंड बैंक, भारतीय स्टेट बैंक, मारुति, टाटा मोटर्स, आईटीसी, टाटा स्टील और रिलायंस इंडस्ट्रीज भी लाभ में रहे। नेस्ले, एनटीपीसी, कोटक महिन्द्रा बैंक, पावर ग्रिड और टाइटन पिछड़ने वाले शेयरों में शामिल रहे।वस्तु व सेवा कर (जीएसटी) संग्रह अप्रैल में पिछले साल की समान अवधि की तुलना में 12.6 प्रतिशत बढ़कर लगभग 2.37 लाख करोड़ रुपये के सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गया। इस बीच, शुक्रवार को एक मासिक सर्वेक्षण में कहा गया कि भारतीय विनिर्माण क्षेत्र में विकास की गति अप्रैल में सुधरी है। मौसमी रूप से समायोजित एचएसबीसी इंडिया मैन्युफैक्चरिंग परचेजिंग मैनेजर्स इंडेक्स (पीएमआई) मार्च में 58.1 से बढ़कर अप्रैल में 58.2 हो गया, जो दस महीनों में इस क्षेत्र के स्वास्थ्य में सबसे मजबूत सुधार दर्शाता है।एशियाई बाजारों में, दक्षिण कोरिया का कोस्पी सूचकांक, टोक्यो का निक्केई 225 और हांगकांग का हैंगसेंग सकारात्मक दायरे में बंद हुए, जबकि शंघाई एसएसई कंपोजिट सूचकांक मामूली गिरावट के साथ बंद हुआ। यूरोपीय बाजार बढ़त के साथ कारोबार कर रहे थे। गुरुवार को अमेरिकी बाजार सकारात्मक दायरे में बंद हुए। वैश्विक तेल बेंचमार्क ब्रेंट क्रूड 0.82 प्रतिशत घटकर 61.62 डॉलर प्रति बैरल पर आ गया। एक्सचेंज के आंकड़ों के अनुसार, विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने बुधवार को 50.57 करोड़ रुपये मूल्य के शेयर खरीदे। गुरुवार को 'महाराष्ट्र दिवस' के अवसर पर शेयर बाजार बंद थे।

सोना 968 गिरकर 93,393 पर आया

इस हफ्ते अब तक 2,238 सस्ता हुआ, चांदी 94,200 किलो बिक रही

नई दिल्ली, 2 मई (एजेंसियां)। सोने के दाम में आज यानी 2 मई को गिरावट है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन के अनुसार 10 ग्राम 24 कैरेट सोने का दाम 968 गिरकर 93,393 पर आ गया है। इससे पहले 10 ग्राम सोने की कीमत 94,361 थी। इस हफ्ते सोना अब तक 2,238 गिर चुका है। पिछले शनिवार को सोना 95,631 पर था। वहीं, एक किलो चांदी की कीमत आज 86 बढ़कर 94,200 प्रति किलो हो गई है। इससे पहले चांदी का भाव 94,114 प्रति किलो था। इससे पहले सोने ने 21 अप्रैल को 99,100 का और 28 मार्च को चांदी ने 1,00,934 का ऑल टाइम हाई बनाया था।

महानगरों में सोने की कीमत

दिल्ली : 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 87,800 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 95,660 रुपए है।

मुंबई : 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 87,550 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 95,510 रुपए है।

कोलकाता : 10 ग्राम 22 कैरेट गोल्ड की कीमत 87,550 रुपए और 24 कैरेट 10 ग्राम सोने की कीमत 95,510 रुपए है।

चेन्नई : 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 87,550 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 95,510 रुपए है।

भोपाल : 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 87,600 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 95,560 रुपए है।

हैदराबाद : सोने(गोल्ड) का रेट 24 कैरेट के लिए 95,510 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट के लिए 87,550 रुपये है।

एशिया में बजेगा अनिल अंबानी के नाम का डंका,10000 करोड़ का लगाने जा रहे हैं दांव

नई दिल्ली, 2 मई (एजेंसियां)। एशिया के दिग्गज कारोबारी मुकेश अंबानी के छोटे भाई अनिल अंबानी बड़ा दांव लगाने जा रहे हैं. दरअसल, अनिल अंबानी की अगुवाई वाली रिलायंस पावर की सहायक कंपनी रिलायंस एनयू सनटेक ने सोलर एनर्जी कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया के साथ 25 साल की पावर परचेज एग्रीमेंट पर हस्ताक्षर किए हैं.'इस समझौते के तहत कंपनी 930 मेगावाट सोलर पावर और 465 एमडब्ल्यू/1,860 मेगावाट-घंटा बैटरी एनर्जी स्टोरेज सिस्टम की आपूर्ति करेगी. यह परियोजना एशिया की सबसे बड़ी सिंगल-लोकेशन सोलर-बैटरी परियोजना होगी. इस प्रोजेक्ट के जरिए अनिल अंबानी के नाम का डंका पूरे एशिया में बजेगा.

24 महीने में तैयार हो जाएगा प्रोजेक्ट

रिलायंस पावर की सहयोगी कंपनी रिलायंस एनयू सनटेक अगले 24 महीनों में भारत की सबसे बड़ी सोलर-बैटरी ऊर्जा परियोजना विकसित करने जा रही है. इस प्रोजेक्ट पर करीब 10,000 करोड़ का पूंजी निवेश किया जाएगा. इस परियोजना के तहत उत्पादित बिजली को 3.53 प्रति यूनिट की निश्चित दर पर आपूर्ति किया जाएगा.

यह समझौता भारत में अब तक का सबसे बड़ा और रणनीतिक रूप से अहम क्लीन एनर्जी करार माना जा रहा है. 930 मेगावाट की अनुबंधित क्षमता को पूरा करने के लिए कंपनी 1,700 मेगावाट पीक से ज्यादा की सोलर जनरेशन क्षमता स्थापित करेगी. इसके साथ ही

अत्याधुनिक बैटरी एनर्जी स्टोरेज सिस्टम का एकीकरण किया जाएगा ताकि बिजली की आपूर्ति में स्थिरता और विश्वसनीयता बनी रहे.

रिलायंस एनयू सनटेक ने लगाई सबसे बड़ी बोली

यह पावर परचेज एग्रीमेंट दिसंबर 2024 में एसईसीआई द्वारा आयोजित ट्रेन्चे XVII नीलामी के बाद आया है, जिसमें रिलायंस एनयू सनटेक सबसे बड़ी बोली लगाने वाली कंपनी बनकर उभरी थी. उसने 930 मेगावाट सोलर क्षमता और 465 मेगावाट/1,860 मेगावाट-घंटा बैटरी स्टोरेज के लिए बोली जीत ली थी. इस नीलामी में कुल पांच प्रमुख ऊर्जा कंपनियों ने हिस्सा लिया था, जो कि 2,000 मेगावाट सोलर और 1,000 मेगावाट/4,000 मेगावाट-घंटा बीईएसएस क्षमता के लिए प्रतिस्पर्धा कर रही थीं.रिलायंस पावर ने इस परियोजना को आगे बढ़ाने के लिए 378 करोड़ की परफॉर्मेंस बैंक गारंटी पहले ही एसईसीआई को सौंप दी है. यह प्रक्रिया—नीलामी से लेकर पुरस्कार और अनुबंध हस्ताक्षर तक—सिर्फ 5 महीनों में पूरी की गई, जिससे कंपनी की तीव्र निर्णय क्षमता और बड़े प्रोजेक्ट्स को मैनेज करने की विशेषज्ञता स्पष्ट होती है.

कारखाने बंद, मजदूरों को वेतन नहीं, चीन में मचने लगा हाहाकार, ट्रंप के टैरिफ ने कर दी करारी चोट

बीजिंग, 2 मई (एजेंसियां)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के टैरिफ से चीन की अर्थव्यवस्था बुरी तरह लड़खड़ा गई है। चीन में मजदूरों का विरोध बढ़ रहा है। रेडियो फ्री एशिया की एक रिपोर्ट के अनुसार, इसकी वजह है फैक्ट्रियों का बंद होना। अमेरिका ने चीन से आने वाले सामान पर भारी टैक्स लगाया है। इससे चीन की अर्थव्यवस्था धीमी हो गई है। लाखों लोग इससे प्रभावित हैं और उनमें असंतोष बढ़ रहा है। चीन की फैक्ट्रियों में बहुत हंगामा हो रहा है। लोग परेशान हैं और विरोध कर रहे हैं। हुनान प्रांत के दाओ काउंटी से लेकर सिचुआन के सुईनिंग शहर और इनर मंगोलिया के टोंगलियाओ शहर तक, कई परेशान मजदूर सड़कों पर उतर आए हैं। वे अपनी बकाया सैलरी की मांग कर रहे हैं। साथ ही वे उन फैक्ट्रियों में हो रही गलत छंटनी का विरोध कर रहे हैं जो अमेरिकी टैक्स की वजह से बंद हो गई हैं।आरएफए की रिपोर्ट के अनुसार, मजदूरों का कहना है कि सिचुआन की एक कंपनी ने उन्हें इस साल की शुरुआत से वेतन नहीं दिया है। यह कंपनी फ्लेक्सिबल सर्किट बोर्ड बनाती है। कंपनी ने जून 2023 से लगभग दो साल तक सामाजिक सुरक्षा लाभ भी नहीं दिए हैं।अमेरिकन इन्वेस्टमेंट बैंक गोल्डमैन सैक्स के विशेषज्ञों का अनुमान है कि चीन में कम से कम 1.6 करोड़ नौकरियां खतरे में हैं। ऐसा ट्रंप द्वारा चीनी सामान पर 145% टैक्स लगाने की वजह से हुआ है। उनका कहना है कि ज्यादा टैरिफ का चीनी अर्थव्यवस्था पर काफी असर पड़ेगा। आर्थिक विकास धीमा होने से श्रम बाजार पर और दबाव पड़ेगा। खासकर निर्यात करने वाले उद्योगों में ज्यादा परेशानी होगी।इस हफ्ते की शुरुआत में, शानक्सी प्रांत के शीआन प्रान्त के तुआनजी गांव में एक दर्जन से ज्यादा प्रवासी मजदूरों ने एक स्थानीय प्रोजेक्ट ऑफिस में अपनी चिंता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि उन्हें फरवरी 2025 से वेतन नहीं मिला है। 24 अप्रैल को, दाओ काउंटी में गुआंग्जिन स्पोर्ट्स गुड्स के सैकड़ों कर्मचारियों ने हड़ताल की। ऐसा इसलिए हुआ क्योंकि कंपनी की फैक्ट्री बिना किसी मुआवजे या सामाजिक सुरक्षा लाभ दिए बंद हो गई। आरएफए की रिपोर्ट में यह बात सामने आई है। फैक्ट्री के मजदूरों का आरोप है कि गुआंग्जिन स्पोर्ट्स ने सितंबर 2024 में 50 साल से ज्यादा उम्र की 100 से ज्यादा महिला कर्मचारियों को गलत तरीके से निकाल दिया। कंपनी ने 'रिटायरमेंट की उम्र' को कारण बताया, लेकिन उन्हें बकाया वेतन नहीं दिया और न ही रिटायरमेंट की प्रक्रिया में मदद की।

जम्मू-कश्मीर में होटल हुए सस्ते तो एयरलाइंस काट रही जेब! टूरिज्म ट्रेंड में बड़ा उलटफेर

नई दिल्ली, 2 मई (एजेंसियां)। पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद से ही श्रीनगर में होटल के किराए पहले से 22 फीसदी तक कम हो गए है। जहां आपको होटल के नई दिल्ली, 2 मई (एजेंसियां)। किराए में गिरावट देखने को मिल रही है वहीं फ्लाइट की टिकट तो जैसे आसमान छू रही है। हवाई किराए भी 46 फीसदी बढ़ गए है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, आतंकी हमले के बाद से ही श्रीनगर में होटल के किराए की औसत कीमत 22 फीसदी तक कम हो गई है। कुछ होटलों ने तो कीमत बुकिंग को बढ़ाने के लिए 46 फीसदी तक की छूट भी दी है।

हवाई किराए 46 फीसदी तक बढ़ गए है

होटलों ने ये निर्णय आतंकी हमले के बाद से लिया है क्योंकि पर्यटकों की संख्या बहुत कम हो गई है। लेकिन अब फिर से पर्यटक वापस आ रहे हैं, जिसको देखते हुए होटल के किराए में कटौती हो रही है। ऐसा इसलिए क्योंकि पर्यटकों की संख्या बहुत कम हो गई है। दूसरी और श्रीनगर से बाहर जाने वाले हवाई किराए 46 फीसदी तक बढ़ गए है।

किराए में 213 फीसदी की बढ़ोतरी

वहीं श्रीनगर से कोलकाता जाने का किराया 213 फीसदी तक बढ़कर 7,666 रुपए से 24,000 रुपए तक हो गया और श्रीनगर आने वाली फ्लाइट का किराया 53 फीसदी तक कम हो गया है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, होटलों में कमरों की मांग 30 फीसदी तक घट गई है। लेकिन एयरलाइंस कंपनियों ने आखिरी टाइम में यात्रा की मांग से मुनाफा कमाया है।

आम दिनों में कितना किराया होता है

आपको बता दें, आमतौर पर श्रीनगर से दिल्ली की फ्लाइट आपको आराम से 6 हजार रुपए तक में मिल जाती है। 1 जुलाई के लिए दिल्ली का टिकट 6,312 रुपए और कोलकाता 8,596 रुपए, बेंगलुरु 7,724 रुपए और मुंबई 7,098 रुपए में उपलब्ध है। इससे यह साफ होता है कि मौजूदा हालात में यात्रियों को अपनी जेब पर भारी बोझ उठाना पड़ रहा है।

भारत ने बना दिया रेकॉर्ड: 825 अरब डॉलर पहुंच गया देश का कुल निर्यात, पाकिस्तान से 23 गुना ज्यादा

नई दिल्ली, 2 मई (एजेंसियां)। वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय ने शुक्रवार को एक बड़ी खबर दी। भारत का कुल निर्यात वित्त वर्ष 2025 (एफवाई25) में 824.9 अरब डॉलर तक पहुंच गया। यह अब तक का सबसे ऊंचा आंकड़ा है। पिछले साल के मुकाबले इसमें 6% की बढ़ोतरी हुई है। भारत का यह निर्यात पाकिस्तान के निर्यात के मुकाबले 23 गुने से ज्यादा है। पाकिस्तान का साल 2023 में कुल निर्यात 35.8 अरब डॉलर था।वहीं भारत के सर्विस एक्सपोर्ट ने एक नया रेकॉर्ड बनाया है। यह 387.5 अरब डॉलर तक पहुंच गया है। एफवाई24 के मुकाबले इसमें 13.6% की वृद्धि हुई है। एफवाई24 में यह आंकड़ा 341.1 अरब डॉलर था। मंत्रालय ने बताया कि मार्च 2025 में सर्विस एक्सपोर्ट 35.6 अरब डॉलर रहा। पिछले साल मार्च के मुकाबले इसमें 18.6% की बढ़ोतरी हुई है। मार्च 2024 में यह 30 अरब डॉलर था। पिछले महीने जारी आंकड़ों से पता चला कि भारत का माल निर्यात 0.7% बढ़कर 41.97 अरब डॉलर हो गया। इस वजह से एफवाई25 में कुल माल निर्यात 437.42 अरब डॉलर रहा। यह एफवाई24 से 0.08% ज्यादा है। वित्त वर्ष 2024-25 में पेट्रोलियम उत्पादों को छोड़कर माल निर्यात 374.1 अरब डॉलर रहा। यह भी एक रेकॉर्ड है। पिछले साल के मुकाबले इसमें 6% की बढ़ोतरी हुई है। एफवाई24 में यह 352.9 अरब डॉलर था। यह पेट्रोलियम उत्पादों को छोड़कर सबसे ज्यादा सालाना माल निर्यात है। वाणिज्य सचिव सुनील बर्थवाल ने कहा कि पिछला वित्तीय वर्ष दुनिया भर में हो रही घटनाओं के कारण मुश्किल था। उन्होंने यह भी कहा कि वैश्विक चुनौतियों के बावजूद, माल निर्यात और कुल निर्यात 2024-25 में उच्चतम आंकड़े तक पहुंच गया। इसका मतलब है कि भारत ने सबसे ज्यादा निर्यात किया।

सुप्रीम कोर्ट से मिला जेएसडब्ल्यू स्टील को बड़ा झटका, यह डील ही कैंसिल कर दी

नई दिल्ली, 2 मई (एजेंसियां)। सज्जन जिंदल की अगुवाई वाली कंपनी जेएसडब्ल्यू स्टील को सुप्रीम कोर्ट से बड़ा झटका मिला है। कोर्ट ने भूषण पावर एंड स्टील के लिए जेएसडब्ल्यू स्टील की समाधान योजना को रद्द कर दिया है। अब भूषण पावर एंड स्टील का लिक्विडेशन होगा। इसका मतलब है कि कंपनी की संपत्ति बेचकर कर्ज चुकाया जाएगा। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि जेएसडब्ल्यू की समाधान योजना गैरकानूनी थी। इसे क्रेडिटर्स की कमेटी (सीओसी) को स्वीकार नहीं करना चाहिए था। सुनवाई के दौरान कोर्ट ने जेएसडब्ल्यू स्टील के इरादों को 'गलत और बेईमान' बताया। कोर्ट ने कहा कि जेएसडब्ल्यू स्टील ने ईडी की कार्यवाही का गलत फायदा उठाया। जेएसडब्ल्यू स्टील ने दो साल तक समाधान योजना को लागू नहीं किया। इससे आईबीसी का उद्देश्य पूरा नहीं हो सका। जस्टिस बेला त्रिवेदी की बेंच ने कहा कि रिस्पोंडेंट्स जेएसडब्ल्यू स्टील, क्रेडिटर्स की कमेटी (सीओसी) और समाधान पेशेवर संकल्प पेशेवर ने कई अहम मुद्दों को दबाने की कोशिश की। उन्होंने दिवाला और दिवालियापन संहिता, 2016 के प्रावधानों का उल्लंघन किया। बेंच ने कहा कि जेएसडब्ल्यू स्टील, सीओसी और समाधान पेशेवरों ने समाधान के पहले और बाद में अनिवार्य प्रावधानों का उल्लंघन किया। जजों ने कहा कि जेएसडब्ल्यू स्टील ने गलत इरादे से अपनी योजना के लिए सबसे ज्यादा अंक हासिल किए। जेएसडब्ल्यू स्टील ने कोर्ट में गलत जानकारी दी। फिर प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की कार्यवाही का बहाना बनाकर योजना को लागू नहीं किया। जजों ने यह भी कहा कि समाधान पेशेवर ने संहिता में बताए गए अपने कर्तव्यों का पालन नहीं किया। जस्टिस त्रिवेदी ने यह भी कहा कि सीओसी ने जेएसडब्ल्यू स्टील की समाधान योजना को मंजूरी देकर अपनी व्यावसायिक समझ का इस्तेमाल नहीं किया। यह आईबीसी के अनिवार्य प्रावधानों के खिलाफ था। कर्जदाताओं ने भी कोर्ट के सामने विरोधाभासी रुख अपनाया। उन्होंने जेएसडब्ल्यू स्टील से भुगतान स्वीकार किया। उन्होंने जेएसडब्ल्यू स्टील को कर्जदाताओं के हितों के खिलाफ अपनी योजना को लागू करने में मदद की। सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद जेएसडब्ल्यू स्टील के शेयर 5.76% गिरकर 970.50 रुपये पर कारोबार कर रहे थे। बीते कारोबारी दिवस में बीएसई में यह 1028.30 रुपये पर बंद हुए थे। आज भी सुबह यह 1025.90 रुपये पर खुले थे और ऊंचे में 1036.50 तक गए थे। लेकिन जैसे ही यह फैसला आया, इसके शेयर 948.35 रुपये तक गिर गए। यही आज का न्यूनतम स्तर है। जेएसडब्ल्यू ने अपनी समाधान योजना के तहत वित्तीय कर्जदाताओं को 19,350 करोड़ रुपये देने की पेशकश की थी। इसका मतलब था कि कर्जदाताओं को लगभग 60% का नुकसान होता। इसके अलावा, जेएसडब्ल्यू ने ऑपरेशनल कर्जदाताओं को 733 करोड़ रुपये के दावों के मुकाबले 350 करोड़ रुपये देने की पेशकश की थी।

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

श्री सिद्धार्थी नामक संवत्सर-विक्रम संवत्- 2082
शक संवत् -1947,सूर्य उत्तरायणे,ऋतु- ग्रीष्म
महावीर निर्वाण संवत् -2551
कलियुग अवधि-432000
भोग्य कलि वर्ष-426874
सूर्योदय - 05-52
सूर्यास्त - 18-33
कलियुग संवत् -5126 वर्ष,
कल्पारंभ संवत् -1972949126
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-1955885126

ग्रह स्थिति			लग्नारंभ समय	
सूर्य-	मेष	मे	मेष---	04-48 बजे
चंद्र-	मिथुन	मे	वृष---	06-32 बजे
मंगल	कर्क	मे	मिथुन..	08-33 बजे
बुध-	मीन	मे	कर्क---	10-45 बजे
गुरु-	वृष	मे	सिंह---	12-57 बजे
शुक्र-	मीन	मे	कन्या--	15-04 बजे
शनि-	मीन	मे	तुला-----	17-09 बजे
राहु-	मीन	मे	वृश्चिक--	19-20 बजे
केतु-	कन्या	मे	धनु......	21-33 बजे
			मकर....	23-39 बजे
			कुंभ.....	01-29 बजे
			मीन....	03-08 बजे

दिशाशूल - पूर्व - अदरक खाकर घर से निकले
तिथि- षष्ठी 07-52 तक उपरान्त सप्तमी
मास - वैशाख शुक्ल , शनिवार 03 May
नक्षत्र - पुनर्वसु 12-33 तक उपरान्त पुष्य
योग - शूल 01-40 तक उप गण्ड
करण- तैतिल 07-52 तक उप गर
विशेष:-
व्रत -त्योहार - श्री गंगा सप्तमी

विशेष:- राशिफल गृहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश क लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए।

राहुकाल 09:02 से 10:37 तक

पं महेशचन्द्र शर्मा मो. 9247132654, 9167555710

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
काल।	05:52 - 07:26	अशुभ	लाभ	18:36 - 20:00	शुभ
शुभ	07:26 - 09:02	शुभ	उत्पात	20:00 - 21:24	अशुभ
रोग।.	09:02 - 10:37	अशुभ	शुभ	21:24 - 22:49	शुभ
उत्पात	10:37 - 12:13	अशुभ	अमृत	22:49 - 24:13*	शुभ
चंचल	12:13 - 13:49	शुभ	चंचल	00:13 - 01:37	शुभ
लाभ.	13:49 - 15:24	शुभ	रोग	01:37 - 27:01	अशुभ
अमृत	15:24 - 17:00	शुभ	काल	03:01 - 04:26	अशुभ
काल.	17:00 - 18:33	अशुभ	लाभ	04:26 - 05:50	शुभ

आपका राशिफल

मेष चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,
रोजगार और आय के नए अवसर आज आपको मिल सकते है । आपको आगे बढ़ने के काफी अवसर मिलेंगे जिसको लेकर आप समझ नहीं पाएंगे की कौन सा विकल्प आपके लिए अच्छा है , जिसे लेकर आप आगे बढ़ सकते है । आज परिवार और कार्य क्षेत्र में संतुलन बिठाना मुश्किल हो सकता है।

वृष ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,
शोध विधार्थियों को आज के दिन शुभ सन्देश मिल सकता है । जो विद्यार्थी आज के दिन प्रतियोगिता परीक्षा में भाग ले रहे है वे भी अपनी आशा से ज्यादा अछी परीक्षा देंगे परन्तु समय के अनुसार निर्णय और काम करना काफी महत्वपूर्ण होगा । इन घटनाओं से आपको जो अवसर मिल रहे है आपको शीघ्र अतिशीघ्र इनका उपयोग करना होगा अन्यथा अवसर हाथ से निकल सकता है ।

मिथुन का, की, कू, घ, ङ, छ, के, को, ह,
आज का दिन अपने व्यावसायिक और वित्तीय गतिविधियों में बदलाव लाने का दिन है , इसलिए अगर कुछ इस तरह की आपकी योजना है तो अपने आप को तनावमुक्त रखे । आप अपना दृष्टिकोण प्रभावी ढंग से शीर्ष प्रबंधकों के समक्ष रख पाने में समर्थ होंगे । यह अपने नियोक्ता से अपनी आय को बढ़ाने का उपयुक्त मौका है।

कर्क ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,
आज आपको एक सुपर हीरो की तरह शक्तिया मिल सकती है । आपके लंबित कार्य और परियोजनाओं के पूरा होने के संकेत दिखाई देंगे। आप अपने करीबी लोगों के साथ आज मिल सकते है। अपनी टीम को प्रेरित और प्रोत्साहित करे । आपका सहयोगी अपनी जिम्मेदारियों से दूर भाग सकता है इसलिए चालाकी से काम ले ।

सिंह मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,
आपको काफी समय से अपने सहकर्मियों की मदद मिल रही थी परन्तु अब समय ये मदद लौटने का है । अब आप अपने किसी सहकर्मी की मदद कर सकते है जिससे आपकी स्थिति आपके कार्यालय में और ददृढ़ता से मजबूत होगी और आपकी लोकप्रियता बढ़ेगी । हो सकता है आज आपको देर तक कार्य करना पड़े पर ये आपके लिए सहायक ही सिद्ध होगा ।

कन्या टो पा पी पू ष ण ठ पे पो
आप धोखाधड़ी के शिकार हो सकते है। आज का दिन किसी भी बड़े निवेश या खरीद के लिए उपयुक्त नहीं है। आज धन के मामलो में किसी भी अनजान व्यक्ति पर भरोसा न करे अन्यथा आपको काफी वित्तीय नुकसान उठाना पड़ सकता है , फिर भी सही समय पर पर्याप्त विवेक के साथ आसानी से आप अपने धन की रक्षा कर सकते हैं।

तुला रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,
आज आप एक साथ कई परियोजनाओं के बोझ तले दबा हुआ सा महसूस कर सकते हैं। आप अपने कार्य को कुछ देर से शुरू कर पायेंगे क्यों की काम के बोझ से आप अपने को थका हुआ महसूस करेंगे । आप एक के बाद एक काम के कारण अपने आपको एक दुष्चक्र में फंसा हुआ महसूस करेंगे । अपनी प्राथमिकताएं तय करे और यदि संभव हो तो एक ब्रेक ले या संक्षिप्त समय अपने लिए निकाले ।

वृश्चिक तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,
आपके पास पिछले कामों की भरमार रहेगी,आप पिछले कुछ समय से अपनी जिम्मेदारियों से बचना चाह रहें हैं,आज का दिन आपके उन सब कामों के लिए बहुत अच्छा है । आपको अपने कामो को पूरा करने के लिए इच्छाशक्ति,अनुशासन और एकाग्रता से काम लेना होगा । जिस काम की आप अच्छी खासी योजना बनाये हुए हैं।

धनु ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे
आप आज किसी अपराजेय शक्तिपुंज के समान महसूस करेंगे और किसी भी विरोध पर आसानी से विजय हासिल कर लेंगे । आज का दिन उस काम को करने का बहुत अच्छा दिन है जो आप काफी समय से करने की कोशिश कर रहे थे क्योंकि आज आपको कोई नही रोक सकता । आज का दिन अपने सबसे महत्वपूर्ण काम करें,सफलता आपके कदम चूमेगी ।

मकर भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी
आपके सामने नए अवसर प्रस्तुत होने वाले हैं । आप आज तक अपनी जिस प्रतिभा को केवल हॉबी मानते आये थे,उससे अपनी आजीविका कमा सकते हैं जीवन के हर क्षेत्र में नए बदलाव होंगे जो आपके जीवन को पूरी तरह बदलकर रख देंगे । आप अपने जीवन से संतुष्ट अनुभव करेंगे ।

कुंभ गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,
आज आपके लिए अच्छा दिन है । आपका सुंदर व्यक्तित्व दूसरों को आकर्षित करेगा । आज आप कुछ भी करें,सफलता मिलेगी । आप काफी लोकप्रिय हैं । आप सृजनात्मक भी हैं और नम्र भी ,आपके इन्ही गुणों ने आपको इस मुकाम पर पहुंचाया है । चालाकी और अभिमान को आने दिये बिना इसी रास्ते पर चलते रहें ।

मीन दी, दू, थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची
आज का दिन आपके लिए विशेष हो सकता है । आपके दृष्टिकोण में आज कोई नया आयाम जुड़ेगा या आप किसी अपरिचित व्यक्ति के दृष्टिकोण से अत्यधिक प्रभावित होंगे । आपको यह सीख मिलेगी कि अपना भविष्य तय करने में तथा अपनी जिंदगी में फिलहाल चल रही समस्या से जूझने में सबसे महत्वपूर्ण भूमिका आप०को ही निभानी है ।

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र

आंधी-तूफान से बेमेतरा में 2 की मौत

पेड़-होर्डिंग्स गिरे, कई शहरों में 10 घंटे ब्लैकआउट, रायपुर में शेड गिरा, कारें दबी, 3 दिन ऐसा ही मौसम

रायपुर, 2 मई (एजेंसियां)। वेस्टर्न डिस्टरबेंस के असर से छत्तीसगढ़ में अगले 3 दिन गरज चमक के साथ तेज हवा चल सकती है। कुछ हिस्सों में बारिश के साथ ओले भी गिर सकते हैं। 12 जिलों में आज ऑरेंज अलर्ट है। इससे पहले रायपुर समेत प्रदेश के कई हिस्सों में गुरुवार शाम चली आंधी ने जमकर तबाही मचाई। 70 से 74 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से ऐसी आंधी 10 साल बाद चली है। देवेंद्र नगर चौक पर शेड गिरने से कई कारें दबी रही।

इसने तरपोंगी टोल को पूरी तरह उड़ा दिया। लोहे का स्ट्रक्चर तेज हवा का दबाव नहीं झेल पाया और उड़कर पास में गिर गया। इससे घंटों ट्रैफिक जाम रहा। हालांकि किसी तरह की जनहानि नहीं हुई। कुछ वाहनों को नुकसान पहुंचा है।

प्रदेशभर में सैकड़ों जगहों पर पेड़ और होर्डिंग्स गिरने से कई घंटों तक ब्लैकआउट की स्थिति रही। बेमेतरा जिले के राखी जोबा स्थित राइस मिल में आंधी तूफान से धान की बोरियां गिर गई। जिसके नीचे दबने से दो मजदूरों की मौत हो गई। वहीं पेड़ के नीचे दबने से एक मवेशी की भी जान चली गई।

रायपुर में गुरुवार को आए आंधी-तूफान ने आम लोगों की जिंदगी को बुरी तरह से प्रभावित किया। शाम 4 बजे घरों से बिजली गुल हो गई। कहीं रात के 2 बजे तो कहीं सुबह 5 बजे के बाद बिजली वापस आ सकी। पूरी रात राजधानी के लोग, बुजुर्ग, महिलाएं और बच्चे अंधेरे और मच्छरों की वजह से परेशान होते रहे। बिजली विभाग के पास आई शिकायतों के मुताबिक, रायपुर के शहरी और ग्रामीण इलाकों को मिलाकर 150 से अधिक मुहल्लों में बिजली गुल थी। इनमें टिकरापारा, कबीरनगर, मोहबाबाजार, डीडी नगर, बढ़ईपारा, मोवा, सड्डू, गुढ़ियारी, बोरिया खुर्द जैसे इलाके शामिल हैं। इन इलाकों में रहने वाली 10 लाख की आबादी परेशान होती रही। लोग बिजली शिकायत केंद्रों में फोन करते रहे। कहीं फोन उठा ही नहीं कहीं मदद भेजी जा रही है कहकर कर्मचारियों ने फोन काटा, मगर मदद नहीं मिली।

शादी में आए युवक की बोकारो में डूबकर मौत

खदान में नहाने के लिए उतरा था गहरे पानी में जाने से हुआ हादसा

बोकारो, 2 मई (एजेंसियां)। बोकारो जिले के सातनपुर क्षेत्र में एक दुखद घटना सामने आई। अमृतसर से शादी समारोह में आए 21 वर्षीय सौरभ नाथ तिवारी की खदान में डूबने से मौत हो गई। सेक्टर-12 थाना के एएसआई गुरुचरण के अनुसार, गुरुवार को सौरभ अपने एक दोस्त के साथ आदर्श कोऑपरेटिव कॉलोनी से पहाड़ घूमने निकला था। दोनों सातनपुर स्थित एक पुरानी पत्थर खदान तक पहुंचे।

खदान में पानी भरा हुआ था। दोनों नहाने के लिए नीचे उतरे। इसी दौरान सौरभ गहरे पानी में डूबने लगा। उसका दोस्त मदद के लिए वास्तु विहार-5 की ओर भागा। स्थानीय लोग और गोताखोर रातभर खोजते रहे। करीब 30-40 फीट गहरी खदान में उन्हें सफलता नहीं मिली। शुक्रवार सुबह 7:30 बजे एनडीआरएफ की टीम ने सर्च ऑपरेशन शुरू किया।

छत्तीसगढ़ में सरेंडर करने वाले नक्सलियों को मिलेगा पीएम आवास योजना का घर

डेप्युटी सीएम ने बताया

रायपुर, 2 मई (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के डेप्युटी सीएम विजय शर्मा ने एक बड़ी घोषणा की है। उन्होंने कहा कि सरेंडर करने वाले नक्सलियों और नक्सल पीड़ित परिवारों को प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ मिलेगा। विष्णु देवसाय के नेतृत्व में यह कार्य किया जा रहा है। इससे पीड़ितों का सरकार पर विश्वास बढ़ेगा।

विजय शर्मा ने इस फैसले को छत्तीसगढ़ सरकार की संवेदनशीलता बताया है। उन्होंने कहा कि बस्तर में जिन लोगों का पुनर्वास हुआ है, उन्हें भी आवास मिलेगा। भले ही उनका नाम प्रधानमंत्री आवास योजना में न हो।

शर्मा ने कहा कि सबसे पहले यह छत्तीसगढ़ सरकार की संवेदनशीलता है। विष्णु देवसाय के नेतृत्व में यह अभूतपूर्व कार्य हो रहा है। बस्तर में जिन लोगों ने पुनर्वास किया है, यदि उनके नाम प्रधानमंत्री आवास में नहीं है तो भी उन्हें आवास मिल रहा है, इससे लोगों का विश्वास और दृढ़ होगा, इससे पीड़ितों के मन में भी विश्वास बैठेगा कि सरकार उनकी चिंता कर रही है। साथ यह संदेश जाएगा कि सरकार उनकी मदद करने के लिए तैयार है।

इस योजना से नक्सल प्रभावित लोगों को बहुत फायदा होगा। उन्हें रहने के लिए घर मिलेगा और सरकार पर उनका भरोसा भी बढ़ेगा। यह सरकार का एक अच्छा कदम है। गौरतलब है कि पहले से छत्तीसगढ़ की सरकार सरेंडर करने वाले नक्सलियों को पुनर्वास नीति के तहत कई सुविधाएं दे रही हैं। साथ ही उन्हें लगातार सरेंडर करने के लिए प्रोत्साहित कर रही है। अब पीएम आवास योजना के तहत उन्हें बड़े पैमाने पर लाभ मिलेगा।

गौरतलब है कि छत्तीसगढ़ में नक्सलियों के सफाए के लिए भी बड़े पैमाने पर अभियान चल रहा है। सुरक्षा बल के जवान लगातार सरेंडर करने वाले नक्सलियों की घेराबंदी कर उन्हें ढेर कर रहे हैं। इसी साल बड़े पैमाने पर नक्सली मारे गए हैं। साथ ही केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मार्च 2026 तक छत्तीसगढ़ से नक्सलियों के खात्मे का लक्ष्य रखा है।

पहलगाम हमले में जान गंवाने वाले व्यवसायी के परिजन को 20 लाख की सहायता

रायपुर, 2 मई (एजेंसियां)। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम आतंकवादी हमला हुआ था। इसमें छत्तीसगढ़ के व्यवसायी दिनेश मिरानिया को आतंकियों ने गोली मार दी थी।

अब छत्तीसगढ़ सरकार ने पहलगाम आतंकवादी हमले में जान गंवाने वाले रायपुर के व्यवसायी के परिवार को 20 लाख रुपए की सहायता देने का फैसला किया है। अधिकारियों ने गुरुवार को यह जानकारी दी। सीएम साय ने इसकी घोषणा की है।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने 22 अप्रैल को हुए आतंकी हमले में दिनेश मिरानिया की मौत की दुर्भाग्यपूर्ण घटना को अत्यंत पीड़ादायक और अपूरणीय क्षति बताया। उन्होंने कहा कि दिनेश मिरानिया की नृशंस हत्या से प्रदेश स्तब्ध है। मुख्यमंत्री ने आगे कहा कि इस दुःखद घड़ी में 'पूरा छत्तीसगढ़ मिरानिया परिवार के साथ खड़ा है।

सीएम विष्णुदेव साय ने कहा कि जो आतंकवादी इस जघन्य कृत्य के दोषी हैं, उन्हें कड़ी से कड़ी

सीएम साय ने की घोषणा

सजा अवश्य मिलेगी। उन्होंने यह भी विश्वास जताया कि देश की सुरक्षा एजेंसियां इस मामले में शीघ्र न्याय सुनिश्चित करेंगी।

जम्मू-कश्मीर के पहलगाम को 'मिनी स्विट्जरलैंड' कहा जाता है। मिनी स्विट्जरलैंड कहे जाने वाले घास के एक मैदान में 22 अप्रैल की दोपहर आतंकवादियों ने गोलीबारी की थी। जिसमें परिवार के साथ गए शादी की सालगिरह मनाने गए व्यवसायी दिनेश मिरानिया समेत 26 लोगों की मृत्यु हो गई थी। आतंकवादियों ने बेटी के सामने व्यापारी को गोली मारी थी। मृतक के बेटे शौर्य मिरानिया ने बताया कि जब उनके पिता और बहन बैसरन घाटी के मैदान में थे। तभी आतंकवादी वहां पहुंचे। उन्होंने उनके पिता से कलमा पढ़ने के लिए कहा और जब वह ऐसा नहीं कर पाए तो उन्हें गोली मार दी।

हल्का कर्मचारी घूस लेते गिरफ्तार

भूमि रिकॉर्ड अपडेट के लिए मांगे थे 50 हजार रुपए, अगले साल होने वाले थे रिटायर

कोडरमा, 2 मई (एजेंसियां)। कोडरमा में हजारीबाग भ्रष्टाचार निरोधक दस्ते ने शुक्रवार को एक हल्का कर्मचारी को घूस लेते गिरफ्तार किया।

सदर अंचल के हल्का कर्मचारी सुरेंद्र प्रसाद को अंचल कार्यालय के पास से 10 हजार रुपए की रिश्वत लेते पकड़ा गया। सुरेंद्र 2026 के जनवरी में सेवानिवृत्त होने वाले थे।

बेकोबार निवासी बहादुर राणा ने एसीबी में शिकायत दर्ज कराई थी। उन्होंने बताया कि उनकी दो भूमि है। एक खाता संख्या 68 में 5 एकड़ 62 डिसमिल और दूसरी खाता संख्या 294 में 91 डिसमिल है।

इन भूमिय को पंजी-2 में ऑनलाइन दर्ज कराने के लिए जनवरी 2023 में आवेदन किया था।

कोई कार्रवाई नहीं होने पर फरवरी 2025 में उपायुक्त को पुनः आवेदन दिया गया। इसके बाद हल्का कर्मचारी सुरेंद्र प्रसाद ने बहादुर राणा से 50 हजार रुपए की मांग की। बहादुर राणा ने एसीबी से संपर्क किया।

एसीबी ने योजना बनाकर 45 हजार रुपए में सौदा तय करवाया। पहली किस्त के रूप में 10 हजार रुपए देने की बात हुई। एसीबी ने आवेदक को मार्क किए गए नोट दिए। जैसे ही कर्मचारी ने रिश्वत ली, एसीबी ने उसे गिरफ्तार कर लिया।

हल्का 5 के कर्मचारी सुरेंद्र प्रसाद 2004 में सतगांवां अंचल में बतौर हल्का कर्मचारी का प्रभार लिया था। इसके बाद कोडरमा जिले के अलग-अलग अंचलों में लगातार सेवा में रहे।

कोडरमा सदर अंचल में यह इनका तीसरा टर्म था। अभी हाल में तीन महीने पूर्व ही इनका तबादला डोमचांच अंचल से कोडरमा अंचल किया गया था।

दंपती ने की आत्महत्या, पिछले साल ही हुई थी शादी

पत्नी की मौत सदर अस्पताल में, पति ने बंगाल में तोड़ा दम, आपसी विवाद की आशंका

पाकुड़, 2 मई (एजेंसियां)। पाकुड़ में एक दंपती ने शुक्रवार को जहर खाकर अपनी जान दे दी। पति ने पश्चिम बंगाल में तो पत्नी ने पाकुड़ में दम तोड़ दिया। दोनों ही हिरणपुर थाना क्षेत्र के वीरग्राम के रहने वाले थे। पिछले साल ही दोनों की शादी हुई थी। सुसाइड की वजह फिलहाल स्पष्ट नहीं हो सकी है।

दोनों की इलाज के दौरान मौत हुई है। मृतकों में अंकिम यादव और उसकी पत्नी नूतन देवी शामिल है। नूतन देवी गोड्डा जिले के अनवारा गांव निवासी स्वर्गीय सीताराम यादव की बेटी थीं। आशंका जाहिर की जा रही है कि दंपती के बीच किसी बात को लेकर विवाद हुआ। इसके बाद दोनों ने जहर खा लिया।

परिजनों को जानकारी मिलते ही दोनों को सदर अस्पताल ले जाया गया। प्राथमिक उपचार के बाद डॉक्टर ने दोनों को रेफर कर दिया। नूतन देवी की मौत पाकुड़ सदर अस्पताल में ही हो गई।

वहीं, अंकिम को पश्चिम बंगाल के एक निजी नर्सिंग होम में भर्ती कराया गया। वहां इलाज के दौरान उसने भी दम तोड़ दिया।

मृतकों के घर के आसपास रहने वाले लोगों ने बताया कि दंपती के बीच किसी बात को लेकर विवाद हुआ था। सदर अस्पताल के डॉक्टर मनीष ने बताया कि सल्फास खाने से पति-पत्नी की हालत गंभीर हो गई थी और परिजनों द्वारा सदर अस्पताल लाया गया था। यहां इलाज के बाद स्थिति नाजुक देखकर दोनों को रेफर कर दिया गया। बाहर ले जाने के क्रम में सदर अस्पताल के पास ही पत्नी की मौत हो गई जबकि पता चला है कि पति की मौत पश्चिम बंगाल के एक निजी अस्पताल में हुई है। इधर, घटना की जानकारी मिलने पर हिरणपुर थाना के एसआई शुकुल मरांडी और नगर थाना के एएसआई होपना मरांडी सदर अस्पताल पहुंचे।

उन्होंने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया। पुलिस मामले की जांच कर रही है। घटना की जानकारी मिलते ही नूतन देवी के परिजन भी सदर अस्पताल पहुंचे।

झारखंड में 4 मई तक आंधी-बारिश से राहत नहीं

वज्रपात से राज्य में दो की मौत, पिछले 24 घंटे में धनबाद में सबसे ज्यादा 38 .6एमएम बारिश

रांची, 2 मई (एजेंसियां)। झारखंड में बुधवार से ही रुक-रुककर बारिश हो रही है। इससे प्रदेश में लोगों को गर्मी से राहत मिली। मौसम विभाग के अनुसार, राज्य में आंधी-बारिश की ये स्थिति 4 मई तक रह सकती है। वहीं, गुरुवार को आकाशीय बिजली गिरने से लातेहार और रामगढ़ में दो लोगों की मौत हो गई।

राज्य में शुक्रवार और शनिवार को उत्तर-पश्चिम हिस्से पलामू, गढ़वा, चतरा, कोडरमा, लातेहार और लोहरदगा को छोड़ शेष हिस्सों में कहीं-कहीं पर गर्जन और तेज हवा के साथ वज्रपात की संभावना है।

इस दौरान हवा की रफ्तार 40-50 किलोमीटर प्रति घंटे की रह सकती है। वहीं, रविवार को राज्य में

कहीं-कहीं पर गर्जन और तेज हवा के साथ आकाशीय बिजली गिरने की संभावना है।

पिछले 24 घंटे में राज्य में कहीं-कहीं पर हल्के से मध्यम दर्जे की बारिश हुई। सबसे अधिक बारिश 38.6 एमएम पुटकी(धनबाद) में दर्ज की गई।

सबसे अधिक अधिकतम तापमान 38.0 डिग्री सेल्सियस डाल्टेनगंज में जबकि सबसे कम न्यूनतम तापमान 17.8 डिग्री सेल्सियस लातेहार में दर्ज की गई।

लोगों ने रचाई गुड्डे-गुड़िया की शादी

पारंपरिक रस्मों के साथ हुआ अनोखा विवाह प्रकृति की कृपा और समृद्धि का प्रतीक

जमशेदपुर, 2 मई (एजेंसियां)। जमशेदपुर के भालोबाशा में छत्तीसगढ़ी समाज ने एक अनूठी परंपरा का निर्वहन किया। समाज के लोगों ने गुड्डे-गुड़िया की शादी का आयोजन पूरे विधि-विधान से किया। इस विवाह समारोह में वास्तविक शादी की सभी रस्में निभाई गईं। हल्दी, मटकोर, नाच-गाना के साथ पंडित जी का मंत्रोच्चार और फिर बरात भी सजी और बारात का आगमन हुआ। शादी के कर्म में सिंदूर दान, प्रीतिभोज और फिर विदाई हुई। छत्तीसगढ़ी समाज की मान्यता है कि फसल कटाई के बाद यह विवाह आयोजन प्रकृति की कृपा और समृद्धि का प्रतीक है। समाज की महिलाओं ने बताया कि यह आयोजन बच्चों को संस्कृति से जोड़ने का माध्यम है। इससे बच्चों को विवाह की प्रक्रियाओं की

समाज की महिलाओं ने बताया कि यह आयोजन बच्चों को संस्कृति से जोड़ने का माध्यम है

जानकारी खेल-खेल में मिलती है। साथ ही यह उन्हें जीवन की जिम्मेदारियों के लिए तैयार करता है। कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ी समाज के लोग बड़ी संख्या में शामिल हुए। महिलाओं ने पारंपरिक वेशभूषा में विवाह गीत गाए। सभी ने बारात में नृत्य किया। यह आयोजन सिर्फ सांस्कृतिक धरोहर को जीवित रखने का ही नहीं, बल्कि नई पीढ़ी को नैतिक शिक्षा और सामुदायिक एकता का संदेश देने का भी माध्यम है। जमशेदपुर, जिसे 'मिनी हिंदुस्तान' कहा जाता है, में भारत के लगभग हर राज्य और संप्रदाय के लोग रहते हैं। यहां सभी अपनी सांस्कृतिक विरासत और परंपराओं को पूरी आस्था से निभाते हैं।

इंडियन मुजाहिदीन का पूर्व सदस्य अम्मार याशर गिरफ्तार

एटीएस की बड़ी कामयाबी

धनबाद, 2 मई (एजेंसियां)। झारखंड में इंडियन मुजाहिदीन (आईएम) के पूर्व सदस्य अम्मार याशर को गुरुवार को गिरफ्तार किया गया। हिज्ब-उत-तहरीर के झारखंड मॉड्यूल की जांच के दौरान आतंकवाद निरोधी दस्ते (एटीएस) ने यह कार्रवाई की। उसे झारखंड के धनबाद के शमशेर नगर इलाके से गिरफ्तार किया गया। अधिकारियों के मुताबिक, उसे अदालत में पेश किया गया और बाद में जेल भेज दिया गया। एटीएस के मुताबिक, अम्मार पहले प्रतिबंधित संगठन इंडियन मुजाहिदीन से जुड़ा था। उसे 2014 में जोधपुर पुलिस ने गिरफ्तार किया था। 10 साल जेल में बिताने के बाद उसे मई 2024 में जमानत पर रिहा किया गया। रिहाई के बाद उसने हिज्ब-उल-तहरीर (एचयूटी) के सदस्यों के साथ फिर से संपर्क किया।

शराब के नशे में दौड़ाई कार

बाइक में मारी जोरदार टक्कर, पति-पत्नी और 3 महीने के बच्चे की मौत

अंबिकापुर, 2 मई (एजेंसियां)। सरगुजा जिला के सीतापुर में एनएच 43 पर शुक्रवार की सुबह तेज रफ्तार कार और बाइक में जोरदार भिड़ंत हो गई। इस घटना में बाइक सवार पति-पत्नी और उनके तीन महीने के बच्चे की मौत हो गई। इस हादसे में कार चालक और उसमें सवार लोगों को भी चोट आई है। घायलों को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

जानकारी के मुताबिक, सीतापुर-अंबिकापुर मुख्य मार्ग नेशनल हाइवे 43 में बिशुनपुर के पास एक तेज रफ्तार कार ने बाइक सवार को टक्कर मारी दी। इस हादसे में सुनील लकड़ा व उसकी पत्नी अस्मतिया और उसके 3 माह के बच्चे की मौत हो गई।

बताया जा रहा है कि मृतक दंपती अपने बच्चे के निमोनिया के इलाज के लिए अंबिकापुर आ रहे थे। कार की टक्कर के बाद तीनों उछलकर अलग-अलग दिशा में जा गिरे। जिसके कारण उन्हें गंभीर चोट पहुंची और मौके पर ही तीनों की मौत हो गई। सीतापुर पुलिस ने बताया कि कार चालक नशे में धुत था और कार में चार लोग सवार थे, उन्हें हल्की-फुल्की चोट आई है। तेज रफ्तार कार ने रॉन्ग साइड आकर दंपती की बाइक को टक्कर मारी और एक घर में जा घुसी। घायलों का सीतापुर अस्पताल में इलाज जारी है। कार को आमाटोली निवासी संतोष पैकरा चला रहा था।

हजारीबाग में दो नक्सली गिरफ्तार

हत्या, लूट और धमकी के मामलों में थे वांछित, चरही थाना क्षेत्र से पकड़े गए

हजारीबाग, 2 मई (एजेंसियां)। हजारीबाग जिले के चरही थाना क्षेत्र के कजरी गांव से पुलिस ने दो नक्सलियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार अपराधी प्रेम गंझू उर्फ प्रेम भोक्ता उर्फ बंगाली और नूतन गंझू हैं। दोनों कजरी गांव के रहने वाले हैं।

प्रेम गंझू पर हत्या और आर्म्स एक्ट सहित तीन मामले दर्ज हैं। नूतन गंझू पर मारपीट, छेड़खानी, धमकी, लूट और सीएलए एक्ट के तहत केस चल रहे हैं। एसपी अरविंद कुमार सिंह को मिली गुप्त सूचना के आधार पर यह कार्रवाई की गई।

चरही थाना प्रभारी गौतम कुमार ने अपनी टीम के साथ छापेमारी अभियान का नेतृत्व किया। दोनों आरोपियों ने जल मीनार के निर्माण कार्य में लेवी की मांग की थी। इस पर वहां के संवेदक ने एफआईआर दर्ज करवाई थी।

एसपी अरविंद कुमार सिंह ने कहा कि अपराध में संलिप्त नक्सलियों को बख्शा नहीं जाएगा। पुलिस नक्सलियों की गतिविधियों पर नजर रख रही है।

भूमि सुधार कार्यालय का लिपिक घूस लेते गिरफ्तार

एसीबी ने 10 हजार रुपए रिश्वत लेते पकड़ा डीसीएलआर के नाम पर मांगे थे रुपए

गिरिडीह, 2 मई (एजेंसियां)। धनबाद एसीबी की टीम ने शुक्रवार को गिरिडीह जिले के खोरीमहुआ में एक बड़ी कार्रवाई की। टीम ने भूमि सुधार उपसमाहर्ता कार्यालय के लिपिक मनीष भारती को 10 हजार रुपए की रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया। मामला एक म्यूटेशन अपील से जुड़ा है। परिवादी की पत्नी झुना खातून के नाम से दर्ज अपील वाद संख्या 74/2024-25 लंबे समय से लंबित था। लिपिक मनीष भारती ने इस मामले में डीसीएलआर के नाम पर 10 हजार रुपए की मांग की थी। एसीबी के एसपी ने बताया कि शिकायत मिलने के बाद मामले की जांच की गई। सत्यापन में आरोप सही पाए जाने पर कार्रवाई की गई।

गिरिडीह निवासी 32 वर्षीय मनीष कुमार भारती को दंडाधिकारी और दो स्वतंत्र गवाहों की मौजूदगी में गिरफ्तार किया गया।

पूर्व विधानसभा अध्यक्ष के मौत मामले में

फर्जी डॉक्टर को एक दिन की रिमांड पर भेजा गया, स्पेशल टीम करेगी पूछताछ

बिलासपुर, 2 मई (एजेंसियां)। बिलासपुर कोर्ट में कथित फर्जी डिग्री के मामले मे डॉक्टर के रिमांड पर सुनवाई पूरी हुई। जस्टिस कृष्ण मुरारी शर्मा ने बिलासपुर पुलिस को एक दिन की न्यायिक रिमांड दी है। पुलिस ने सोमवार तक की रिमांड मांगी थी। पुलिस रिमांड में फर्जी डॉक्टर से पूछताछ होगी। पूछताछ स्पेशल टीम गठित कर की जाएगी। एसएसपी ने पूछताछ के लिए स्पेशल टीम का गठन किया है।

छत्तीसगढ़ पुलिस ने पूर्व विधानसभा अध्यक्ष राजेंद्र प्रसाद शुक्ला की मौत के 18 साल पुराने मामले में कथित फर्जी हृदय रोग विशेषज्ञ नरेंद्र यादव उर्फ नरेंद्र जॉन कैम को हिरासत में लिया। बिलासपुर के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक रजनेश सिंह ने बताया

कि यादव को गुरुवार को मध्य प्रदेश के दमोह जिला जेल से हिरासत में लिया गया और शुक्रवार सुबह बिलासपुर लाया गया। कोटा विधानसभा क्षेत्र से तत्कालीन कांग्रेस विधायक और छत्तीसगढ़ विधानसभा के पहले अध्यक्ष (2000-2003) राजेंद्र प्रसाद शुक्ला की अगस्त 2006 में बिलासपुर के एक निजी अस्पताल में मौत हो गई थी। उनके बेटे प्रदीप शुक्ला ने हाल ही में पुलिस में शिकायत दर्ज कराई, जिसमें आरोप लगाया गया कि यादव ने उनके पिता की हृदय शल्य चिकित्सा की थी। शिकायत के अनुसार, ऑपरेशन के बाद शुक्ला को 18 दिनों तक वेंटिलेटर पर रखा गया और 20 अगस्त, 2006 को उनकी मृत्यु हो गई। अस्पताल ने इलाज के लिए राज्य सरकार से 20 लाख रुपये लिए थे। बिलासपुर पुलिस ने 20 अप्रैल को यादव और निजी अस्पताल के खिलाफ गैर इरादतन हत्या (आईपीसी धारा 304), धोखाधड़ी और जालसाजी के आरोप में मामला दर्ज किया। जांच में पता चला कि यादव की डिग्री फर्जी है और उनका पंजीकरण भारतीय चिकित्सा परिषद या छत्तीसगढ़ चिकित्सा परिषद में नहीं है। पुलिस ने पाया कि यादव द्वारा इलाज किए गए एक अन्य मरीज, भगत राम डोडेजा की भी मौत हो गई थी।

बाल सुरक्षा कार्यक्रमों में शोध को समाप्त करने की तैयारी में ट्रंप प्रशासन

गलती से लीक ईमेल से हुआ खुलासा

वॉशिंगटन, 2 मई (एजेंसियां)। अमेरिका का ट्रंप प्रशासन लगातार संघीय बजट को कम करने की कोशिशों में जुटा है। इसके तहत कई एजेंसियां और विभाग बंद किए जा रहे हैं। अब ट्रंप प्रशासन बच्चों के कल्याण कार्यक्रमों के लिए होने वाले शोध के लिए दिए जाने वाले अनुदान को समाप्त करने की योजना बना रहा है। गलती से भेजे गए एक ईमेल से यह खुलासा हुआ है। जिसके बाद ट्रंप प्रशासन लोगों के निशाने पर आ गया है।

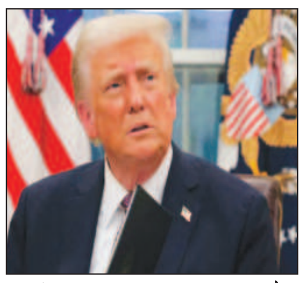

गौरतलब है कि कई विश्वविद्यालय देश में चल रहे बाल कल्याण कार्यक्रमों जैसे हेड स्टार्ट आदि को बेहतर बनाने के लिए शोध करते हैं। ट्रंप प्रशासन अब इन विश्वविद्यालयों को दिए जाने वाले अनुदान को ही समाप्त करने पर विचार कर रहा है। लीक हुए ईमेल के अनुसार, अमेरिका के स्वास्थ्य एवं मानव सेवा विभाग के तहत आने वाले 150 से ज्यादा शोध कार्यक्रमों को बंद किया जा सकता है। अमेरिका के योजना, शोध और समीक्षा कार्यालय द्वारा कम आय वर्ग से आने वाले बच्चों की मदद, बाल विकास, प्रताड़ना रोकने के लिए यह अनुदान दिया जाता है।

ट्रंप प्रशासन अगर यह अनुदान रोकता है तो इससे स्वास्थ्य एवं मानव सेवा विभाग और कमजोर होगा। पहले ही यह विभाग कर्मचारियों की बड़े पैमाने पर छंटनी और फंड की कमी से जूझ रहा है। इसके चलते विभाग ने एक माह पहले ही अपने पांच क्षेत्रीय कार्यालय बंद कर दिए हैं और सैंकड़ों कर्मचारियों को नौकरी से निकाल दिया है। हेड स्टार्ट कार्यक्रम के तहत भी सरकार ने बड़े पैमाने पर कर्मचारियों की छंटनी की है। लीक हुए ईमेल से यह भी पता चला है कि सरकार अश्वेत और हिस्पैनिक समुदाय के कम आय वर्ग वाले परिवारों को दिए जाने वाले अनुदान को भी खत्म करने पर विचार कर रही है।

बच्चों की देखभाल की नीति, बाल विकास, अनाथालय देखभाल, बच्चों का शोषण से बचाव आदि पर अध्ययन कार्यक्रमों को सरकार बंद करने की योजना बना रही है। पूर्व प्रशासनिक अधिकारियों ने इसकी आलोचना की है और कहा है कि ये अध्ययन बेहतर नीति बनाने में मदद करते हैं।

गौरतलब है कि स्वास्थ्य और मानव सेवा विभाग के एक कर्मचारी ने अनुदान पाने वाले विश्वविद्यालयों को एक ईमेल भेजा गया था, जिसमें विश्वविद्यालयों से अपने संपर्क नंबर और अन्य जानकारी को अपडेट करने को कहा गया है। इसी ईमेल के साथ गलती से एक अन्य ईमेल भी शामिल था, जिसमें अनुदान रोकने की जानकारी दी हुई थी।

भारत की सख्ती से पाकिस्तान बेहाल

आनाकानी के बाद वाघा बॉर्डर पर फंसे नागरिकों को वापस लेने को मजबूर

इस्लामाबाद, 2 मई (एजेंसियां)। भारत की सख्ती से पाकिस्तान परेशान हो गया है। भारत सरकार के देश छोड़ने के आदेश के बाद कई पाकिस्तानी वाघा बॉर्डर पर फंस गए हैं। अब पाकिस्तान की सरकार ने एलान किया है कि वे वाघा बॉर्डर पर फंसे पाकिस्तानी नागरिकों को वापस लेगा। पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत ने सख्त रुख अपनाते हुए भारत में रह रहे पाकिस्तानी नागरिकों के वीजा रद्द करने का एलान कर दिया और पाकिस्तानी नागरिकों को एक तय समयसीमा के भीतर देश छोड़ने का निर्देश दे दिया गया। पाकिस्तानियों के भारत छोड़ने की समय सीमा 30 अप्रैल को समाप्त हो गई, जिसके बाद गुरुवार को अटारी-वाघा बॉर्डर बंद रही। हालांकि कम से कम 70 पाकिस्तानी नागरिक गुरुवार को भी अटारी-वाघा बॉर्डर पर फंसे हुए हैं। पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने सीमा पर फंसे पाकिस्तानी नागरिकों को लेकर कहा कि सीमा पर फंसे होने की जानकारी मिली है।

ट्रम्प ने माइक वाल्ट्ज को संयुक्त राष्ट्र का राजदूत बनाया

एनएसए के पद से हटाया, विदेश मंत्री मार्को रूबियो को कार्यकारी एनएसए बनाया

वॉशिंगटन, 2 मई (एजेंसियां)। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने आज ऐलान किया कि वह माइक वाल्ट्ज को अमेरिका का नया संयुक्त राष्ट्र राजदूत बना रहे हैं। माइक वाल्ट्ज अभी तक राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार थे। इसके साथ ही ट्रम्प ने विदेश मंत्री मार्को रुबियो को राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार पद की भी जिम्मेदारी दे दी है।

माइक वाल्ट्ज जल्दी ही अपनी पोस्ट छोड़ने वाले थे। यह ट्रम्प के राष्ट्रपति बनने के बाद पहला बड़ा बदलाव है। एक सूत्र ने बताया कि इस हफ्ते की शुरुआत में वाल्ट्ज को साफ कह दिया गया था कि अब उनका समय खत्म हो गया है।

वाल्ट्ज को उस समय आलोचना का सामना करना पड़ा जब उन्होंने गलती से एक पत्रकार को उस चैट ग्रुप में जोड़ लिया, जिसमें सीक्रेट मिलिट्री प्लानिंग पर चर्चा हो रही थी। यह एक बड़ी राजनीतिक चूक थी और माना जा रहा है कि यह मुद्दा उनके संयुक्त राष्ट्र पद की पुष्टि के दौरान उठ सकता है।

फ्लोरिडा से पूर्व सांसद वाल्ट्ज ट्रम्प के दूसरे कार्यकाल में व्हाइट हाउस छोड़ने वाले पहले सीनियर अफसर हैं। डोनाल्ड ट्रम्प ने अपने पहले कार्यकाल में चार एनएसए बदले थे। पहले सलाहकार जनरल मैकमास्टर सिर्फ 22 दिन ही पद पर रह पाए थे।

रक्षामंत्री पीट हेगसेथ ने 15 मार्च को यमन में हूती विद्रोहियों पर हमले के प्लान को 2 घंटे पहले सिग्नल ऐप पर एक सीक्रेट ग्रुप चैट में शेयर किया था। इस ग्रुप को माइक वाल्ट्ज ने बनाया था। इसमें द अटलांटिक मैगजीन के मुख्य संपादक जैफ्री गोल्डबर्ग भी जुड़े हुए थे। साथ ही अमेरिका के उपराष्ट्रपति जेडी वेंस और विदेश मंत्री मार्को रूबियो भी शामिल थे।

जेफ्री गोल्डबर्ग ने बताया कि उन्हें गलती से इस ग्रुप चैट में जोड़ दिया गया था। यह ग्रुप सिक्योर मैसेजिंग ऐप सिग्नल पर बनाया गया था। जिसे राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार माइकल वाल्ट्ज ने बनाया था।

गोल्डबर्ग ने लिखा कि 15 मार्च को सुबह 11:44 बजे हेगसेथ ने यमन पर होने वाले हमलों की जानकारी शेयर की थी। इसमें टारगेट्स और इस्तेमाल किए जाने वाले हथियारों के अलावा कौन-सा हमला कब और कहां किया जाना है, इसकी जानकारी भी थी।

माइक वाल्ट्ज को चीन-ईरान का विरोधी और भारत समर्थक माना जाता है। वे चीन पर अमेरिका की निर्भरता कम करने से जुड़े कई विधेयकों का समर्थन कर चुके हैं। वॉल्ट्ज अमेरिकी सेना की स्पेशल यूनिट फोर्स में 'ग्रीन बेरे कमांडो' रह चुके हैं और तालिबान के साथ अफगानिस्तान में जंग भी लड़ चुके हैं। उन्होंने अफगानिस्तान से बाइडेन सरकार की सैन्य वापसी का कड़ा विरोध किया था। वे मिडिल ईस्ट और अफ्रीका में भी अपनी सेवाएं दे चुके हैं। इंडिया कॉकस अमेरिकी सांसदों का एक ग्रुप है, जो भारत-अमेरिका के बीच संबंधों को मजबूत बनाने के लिए काम करता है। इसका गठन 2004 में न्यूयॉर्क की तत्कालीन सीनेटर हिलेरी क्लिंटन (डेमोक्रेट्स) और विदेश मंत्री जॉन कॉर्निन (रिपब्लिकन) ने किया था। इंडिया कॉकस अमेरिकी संसद में भारत के मामलों पर चर्चा करने और भारतीय-अमेरिकी समुदाय के अधिकारों को बढ़ावा देने के लिए एक बड़ा मंच बन चुका है। इंडिया कॉकस में फिलहाल 40 मेंबर हैं। इंडिया कॉकस में डेमोक्रेट्स और रिपब्लिकन दोनों पार्टियों के नेता शामिल होते हैं। इसके सदस्य नियमित रूप से भारतीय नेताओं से मिलते हैं और अमेरिकी सरकार को भारत से जुड़े मामलों में सलाह देते हैं। वॉल्ट्ज इंडिया कॉकस के को-चेयर हैं और भारत के साथ मजबूत रिश्ते बनाए रखने के पक्ष में हैं। साल 2023 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अमेरिकी कांग्रेस के जॉइंट सेशन को संबोधित किया था। उनके इस भाषण की व्यवस्था में वॉल्ट्ज का बड़ा रोल था।

बांग्लादेश में आईएसआई एजेंट भारत के खिलाफ साजिश रच रहे

नॉर्थ–ईस्ट में हथियारों की सप्लाई बढ़ाने की कोशिश, पाक हाई कमिश्नर ने 2 सीक्रेट बैठकें कीं

नई दिल्ली, 2 मई (एजेंसियां)। पहलगाम आतंकी हमले के बाद पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई बांग्लादेश में सक्रिय हो गई है। ढाका के पाक उच्चायोग में आईएसआई एजेंट भारत के खिलाफ आतंकी साजिशें रच रहे हैं। बांग्लादेश में पाकिस्तान के हाई कमिश्नर सैयद अहमद मारूफ कट्टरपंथी जमात, हिफाजत और खिलाफत मजलिस के साथ दो बार सीक्रेट बैठकें कर चुके हैं।

सूत्रों के मुताबिक, आईएसआई के मंसूबे भारत के नॉर्थ-ईस्ट राज्यों में अलगाववादियों को हथियारों की सप्लाई बढ़ाने और घुसपैठ के लिए उकसाने के हैं। उधर, पाकिस्तान ने एलओसी पर सातवें दिन भी सीजफायर तोड़कर फायरिंग की। भारतीय सेना ने एक बयान जारी कर कहा कि कुपवाड़ा, अखनूर और उरी सेक्टर में पाकिस्तानी फायरिंग का मुंहतोड़ जवाब दिया।

भारत ने अटारी-वाघा बॉर्डर गुरुवार को पूरी तरह से बंद कर दिया गया। पिछले 7 दिन के दौरान भारत से 911 पाकिस्तानी नागरिकों को वापस भेजा गया है।

इंडियन आर्मी के पूर्व चीफ वीपी मलिक ने कहा कि पहलगाम आतंकी हमले के खिलाफ देश गुस्से में है। सरकार ने कूटनीतिक कार्रवाई की है। यह भी बार-बार इशारा किया जा रहा है कि हम मिलिट्री कार्रवाई भी करेंगे।

इस बारे में मीटिंग्स भी हुई हैं। आने वाले समय में शायद मिलिट्री कार्रवाई भी हो। मैं समझता हूं कि मिलिट्री की प्लानिंग और तैयारी चल रही है।

उन्होंने कहा- इस वक्त देश की सारी जनता, राजनीतिक नेतृत्व चाहता है कि पाकिस्तान को ऐसी चोट दी जाए या ऐसी कुछ कार्रवाई हो कि वह दोबारा आतंकी घटनाओं को अंजाम देने की हिमाकत न करे। हमारा पावर बैलेंस पाकिस्तान से कई गुना ज्यादा है। हम लंबी लड़ाई लड़ सकते हैं। पाकिस्तान लंबी लड़ाई नहीं लड़ सकता है। पाकिस्तान के पास न तो पैसा है और न ही गोला-बारूद।

हम जानते हैं तुम क्या कर रहे हो, अंजाम भुगतोगे

हूती लड़ाकों का सपोर्ट करने पर ईरान को अमेरिका की धमकी

वॉशिंगटन, 2 मई (एजेंसियां)। अमेरिका के रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने बुधवार को ईरान को कड़ी चेतावनी देते हुए कहा कि यमन में हूती विद्रोहियों को समर्थन देने के लिए उसे गंभीर परिणाम भुगतने होंगे। हेगसेथ ने डोनाल्ड ट्रम्प का एक पुराना बयान भी रिट्वीट किया, जिसमें ट्रम्प ने कहा था कि हूतियों की तरफ से किए गए किसी भी हमले के लिए ईरान को जवाबदेह ठहराया जाएगा।

हेगसेथ ने X पोस्ट में कहा- हम तुम्हारी (ईरान) तरफ से हूती विद्रोहियों को दिए जा रहे समर्थन को देख रहे हैं। हमें अच्छी तरह से पता है तुम क्या कर रहे हो। तुम भी अच्छी तरह जानते हो कि अमेरिकी सेना क्या कर सकती है, तुम्हें चेतावनी दी गई थी। अब तुम्हें हमारी तरफ से चुने गए वक्त और जगह पर इसका अंजाम भुगतना होगा।

मार्च से अब तक अमेरिकी सेना ने हूती लड़ाकों के कंट्रोल वाली 1000 से ज्यादा जगहों को निशाना बनाया है। दूसरी तरफ हूती विद्रोहियों ने फिलिस्तीनियों के साथ एकजुटता का हवाला देते हुए रेड सी में कई शिपिंग जहाजों को निशाना बनाया है।

ईरान लगातार इस बात से इनकार करता रहा है कि वो हूती विद्रोहियों का सपोर्ट करता है। ईरान का कहना है कि हूती लड़ाके स्वतंत्र रूप से काम करते हैं। हालांकि, अमेरिकी अधिकारी कई बार यह बात कह चुके हैं कि ईरानी सेना हूती लड़ाकों को जरूरी सैन्य सहायता और स्ट्रैटेजिक सपोर्ट देती है।

डोनाल्ड ट्रम्प के राष्ट्रपति बनने के बाद पहली बार 15 मार्च को अमेरिकी सेना ने यमन में हूती विद्रोहियों पर एयरस्ट्राइक की थी। हमले में 31 लोगों की मौत हुई। इनमें हूती विद्रोहियों के साथ

महिलाएं और बच्चे भी शामिल थे। जबकि, 101 लोग घायल हुए। इस स्ट्राइक के बारे में ट्रम्प ने सोशल मीडिया पर लिखा था- हूती आतंकियों, तुम्हारा वक्त पूरा हो गया है। अमेरिका तुम पर आसमान से ऐसी तबाही बरसाएगा, जो पहले कभी नहीं देखी होगी। इसके बाद से ही अमेरिका लगातार यमन में हूती विद्रोहियों पर हमले कर रहा है। 10 दिन पहले की गई एयर स्ट्राइक में 74 लोगों की मौत हुई, जबकि 100 से ज्यादा लोग घायल हुए। ये एयर स्ट्राइक एक तेल के पोर्ट रास ईसा पर हुई।

गाजा में राहत सामग्री पहुंचाने जा रही नाव पर ड्रोन हमला

माल्टा के पास हुए धमाके, कोई हताहत नहीं

तेल अवीव, 2 मई (एजेंसियां)। गाजा के लिए खाने-पीने का सामान और जरूरी राहत सामग्री लेकर जा रही एक नाव पर शुक्रवार को माल्टा के पास ड्रोन से हमला हुआ। यह नाव गाजा स्वतंत्रता फ्लोटिला की थी, जो गाजा में फंसे लोगों तक खाने-पीने का सामान और जरूरी मदद पहुंचाने की कोशिश कर रही थी। नाव में 12 क्रू मेंबर और 4 आम नागरिक सवार थे। हमले में कोई घायल नहीं हुआ है, लेकिन नाव को काफी नुकसान पहुंचा है। यह जानकारी गाजा की शांति और सामाजिक न्याय की वकालत करने वाले संगठन कोडपिंक ने दी है। मामले में कोडपिंक के कार्यकर्ता चार्ली एंड्रियासन ने बताया कि उन्होंने नाव पर मौजूद लोगों से बात की। लोगों ने उन्हें बताया कि दो धमाके हुए और फिर नाव में आग लग गई।

चीन की मदद से पाकिस्तान आर्मी चीफ आसिम मुनीर ने रची पहलगाम की साजिश

पाक सेना के एक्स आर्मी ऑफिसर का खुलासा

इस्लामाबाद, 2 मई (एजेंसियां)। पहलगाम हमले के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव बढ़ा हुआ है। दोनों देशों की बयानबाजियों और तैयारियों को देखते हुए रक्षा विशेषज्ञ इलाके में कभी भी नया युद्ध शुरू होने का खतरा बता रहे हैं। भारत ने पहलगाम हमले का आरोप पाकिस्तान समर्थित आतंकवादियों पर लगाया है, जबकि इस्लामाबाद ने इसमें अपनी किसी भी भूमिका से इनकार किया है। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री ने तो खुद को पाक साफ दिखाने के तटस्थ जांच की मांग भी कर दी है और सहयोग की बात भी कही है, लेकिन इन सबके बीच पाकिस्तानी सेना के एक पूर्व अधिकारी ने हैरान करने

वाला दावा किया है।

पूर्व सैन्य अधिकारी मेजर (रि.) आदिल रजा ने इंडिया टुडे के साथ बातचीत में कहा कि पहलगाम हमले की साजिश पाकिस्तान आर्मी चीफ जनरल आसिम मुनीर ने रची थी। आदिल रजा ने कहा कि जनरल मुनीर की निजी ख्वाहिश 10 साल तक पाकिस्तान पर राज करने की है। ये सब उसी योजना का हिस्सा है। पूर्व पाकिस्तानी सैन्य अधिकारी ने साथ ही यह भी कहा कि पाकिस्तान ने यह अकेले नहीं किया है। इसके लिए चीन ने उसे तैयार किया है।

आदिल रजा ने कहा कि चीन को पहलगाम हमले से जोड़ने वाला कोई सीधा कनेक्शन भले नहीं है, लेकिन यह बात साफ है कि भारत के कमजोर होने से चीन को लाभ होता है। उन्होंने पाकिस्तान के पूर्व विदेश सचिव शमशाद अहमद खान के एक हालिया इंटरव्यू में दिए बयान का हवाला दिया, जिसमें उन्होंने कहा था कि 'चीनी कभी भी खुद से नहीं लड़ते हैं।' वे कभी खुद नहीं शामिल नहीं होते हैं।

चीन पहले ही बांग्लादेश, म्यांमार और श्रीलंका में अपनी पैठ जमा चुका है और अब मुनीर के नेतृत्व में पाकिस्तान भी उसकी रेंज में आ गया है।

नए पोप के चुनाव की तैयारी तेज

सिस्टीन चैपल में लगी चिमनी, धुएं से मिलेगा नियुक्ति का संकेत

वेटिकन, 2 मई (एजेंसियां)। पोप फ्रांसिस के अंतिम संस्कार के बाद नए पोप को चुनने के लिए 7 मई को होने वाले सम्मेलन (कॉन्क्लेव) की तैयारियां तेज हो गई हैं। इसके लिए शुक्रवार को वेटिकन में सिस्टीन चैपल की छत पर एक खास चिमनी लगाई गई, जो नए पोप के चुनाव की घोषणा का संकेत देगी। मीडिया रिपोर्ट की माने तो वेटिकन के फायर ब्रिगेड कर्मियों को यह चिमनी लगाते हुए देखा गया। यह प्रक्रिया कॉन्क्लेव की तैयारियों का अहम हिस्सा मानी जाती है।

नए पोप के चुनाव के लिए वेटिकन में मौजूद सभी कार्डिनल एक बंद कमरे यानी सिस्टीन चैपल में बैठकर वोटिंग करेंगे। हर दिन दो बार वोटिंग होती है, एक बार सुबह और एक बार दोपहर में। जब सभी कार्डिनल वोट डाल लेते हैं, तो उन बैलेट पेपर (मतपत्रों) को एक विशेष भट्टी में जलाया जाता है। वोटिंग के दौरान चिमनी से निकलने वाले धुआं की भूमिका जनता की जानकारी के लिए अहम होती है। इस बात को ऐसे समझिए कि अगर चिमनी से काला धुआं निकलता है, तो इसका मतलब होता है कि अभी किसी को भी पोप नहीं चुना गया है। इसके लिए वोटों के साथ कुछ रसायन मिलाए जाते हैं जैसे, पोटेशियम परक्लोरेट, एंथ्रासीन और सल्फर। वहीं अगर चिमनी से सफेद धुआं निकलता है, तो इसका मतलब होता है कि नया पोप चुन लिया गया है। तब वोटों के साथ पोटेशियम क्लोरेट, लैक्टोज और क्लोरोफॉर्म रेजिन मिलाकर जलाया जाता है। यह पूरी प्रक्रिया पूरी तरह गोपनीय होती है। जब तक नया पोप नहीं चुन लिया जाता, तब तक दुनिया को सिर्फ इसी चिमनी से निकलने वाले धुएं से जानकारी मिलती है। यह परंपरा सदियों पुरानी है और वेटिकन की पहचान का हिस्सा बन चुकी है। पोप फ्रांसिस के अंतिम संस्कार के बाद कई कैथोलिक नेता इस बात पर विचार कर रहे हैं कि क्या चर्च को इस बार अपना पहला अश्वेत पोप चुनना चाहिए।

ऐसे में तीन अफ्रीकी कार्डिनलों के नाम पर गंभीर विचार हो रहा है। यदिअगला पोप उप-सहारा अफ्रीका से हुआ तो वह वेटिकन के इतिहास में पहला होगा। हालांकि, यह चयन प्रक्रिया लंबी है, लेकिन कैथोलिक अफ्रीकियों को उम्मीद है कि फ्रांसिस का उत्तराधिकारी उनके महाद्वीप से एक अश्वेत कार्डिनल हो सकता है।

निगेल फरेज की रिफॉर्म यूके पार्टी को संसद में एक और सीट पर मिली जीत

अब स्थानीय चुनाव से उम्मीदें

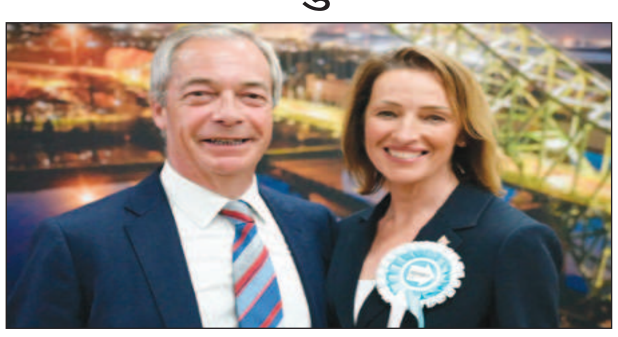

लंदन, 2 मई (एजेंसियां)। ब्रिटेन में निगेल फरेज के नेतृत्व वाली कट्टर दक्षिणपंथी रिफॉर्म यूके ने संसद ने एक और सीट पर जीत हासिल कर ली है। पार्टी की सारा पोचिन उत्तर-पश्चिम इंग्लैंड के रनकॉर्न और हेल्स्बी सीट पर छह वोटों से विजयी होकर संसद पहुंची हैं। उन्होंने इस सीट पर लेबर पार्टी के उम्मीदवार करेन शोर को हराया। संसद में में अब रिफॉर्म यूके पार्टी के पास पांच सीटें हो गईं हैं। अब पार्टी को उम्मीद है कि स्थानीय चुनाव में उसे बढ़त मिलेगी। ब्रिटेन के 650 सीटों वाले हाउस ऑफ कॉमन्स में अभी लेबर पार्टी के पास सबसे ज्यादा सीटें हैं। इसके बाद दूसरे नंबर पर कंजर्वेटिव पार्टी की सीटें आती हैं। अब यहां दक्षिणपंथी पार्टी रिफॉर्म यूके भी मुख्य राजनीतिक धारा में आ रही है। पिछले साल हुए चुनाव में रनकॉर्न और हेल्स्बी सीट पर लेबर पार्टी को जीत मिली थी। लेबर पार्टी के सांसद माइक एम्सबरी ने नशे में एक मतदाता को मुक्का मार दिया था। इसके बाद एम्सबरी को पद छोड़ना पड़ा था। इसके चलते इस सीट पर दोबारा चुनाव हुए। रिफॉर्म को इस सीट पर ब्रिटिश इतिहास में सबसे कम अंतर से मिली है। इसे लेकर फरेज ने कहा कि राजनीति के लिए यह वास्तव में एक बहुत बड़ा क्षण है। रनकॉर्न सीट पर जीत के बाद रिफॉर्म यूके को हाउस ऑफ कॉमन्स में पांच सीटें मिल गई है। पार्टी को पिछले साल राष्ट्रीय चुनाव में करीब 14 फीसदी वोट मिले थे। राष्ट्रीय सर्वेक्षणों से पता चलता है कि अब रिफॉर्म यूके के पास लेबर और कंजर्वेटिव के बराबर या उससे अधिक समर्थन है। ऐसे में पार्टी अब 2029 तक होने वाले अगले राष्ट्रीय चुनाव से पहले देश की मुख्य पार्टी के रूप में कंजर्वेटिव को हटाने को लेकर सोच सकती है। इंग्लैंड के कई इलाकों में गुरुवार को हुए स्थानीय चुनाव हुए। इसके परिणाम शुक्रवार को जारी होंगे। मतगणना रुझानों के मुताबिक फरेज की पार्टी पूर्वी-मध्य इंग्लैंड के ग्रेटर लिंकनशायर में मेयर पद को जीतने की ओर बढ़ रही है। जबकि लेबर पार्टी ने तीन अन्य मेयर पदों को बरकरार रखा। रिफॉर्म यूके को उम्मीद है कि चुनावों में सैकड़ों नगरपालिका सीटों पर उसकी जीत होगी। जिन स्थानीय सीटों पर चुनाव हो रहे हैं, उनमें से अधिकांश पर कंजर्वेटिव पार्टी का कब्जा है, यदि पार्टी का प्रदर्शन बहुत खराब रहा तो उनके नेता केमी बेडेनोच को विद्रोह का सामना करना पड़ सकता है।

लंदन की क्वीन मैरी यूनिवर्सिटी में राजनीति के प्रोफेसर टिम बेल ने कहा कि कंजर्वेटिव और रिफॉर्म ब्रिटेन की राजनीति के दक्षिणपंथी धड़े की आत्मा के लिए लड़ाई में हैं।

फरेज का लोकलुभावन कट्टरपंथी दक्षिणपंथी विद्रोह लेबर पार्टी के लिए भी खतरा है। यह अप्रवासन को रोकने, रोजगार सृजन और सरकारी अपव्यय को कम करने के वादों के साथ कामकाजी वर्ग के मतदाताओं को निशाना बना रहा है।

अमेरिका ने दी भारत को हॉकआई 360 की मंजूरी

क्यों खास है यह 'हथियार', समुद्र में बढ़ेगी चीन की धड़कन

वॉशिंगटन, 2 मई (एजेंसियां)। अमेरिका ने भारत को हॉकआई 360 की बिक्री को मंजूरी दे दी है। इस डील में रेडियो फ्रीक्वेंसी (आरएफ) सेंसर, एनालिटिक्स सॉफ्टवेयर, सिस्टम इंटीग्रेशन सपोर्ट और ट्रेनिंग मॉड्यूल शामिल हैं। इसकी कुल कीमत 131 मिलियन अमेरिकी डॉलर है। इससे भारत को अपनी समुद्री निगरानी क्षमता बढ़ाने में मदद मिलेगी। खासतौर से इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में हॉकआई 360 से भारत को रियल-टाइम समुद्री निगरानी करने में आसानी हो जाएगी। ये समुद्री सुरक्षा के लिहाज से भारत के लिए एक अहम डील है। इसकी अहमियत इसलिए भी बढ़ जाती है क्योंकि इंडो-पैसिफिक में चीन ने अपना प्रभाव बढ़ाने की कोशिश कर है, जो भारत के लिए चिंता का सबब रहा है। हॉकआई 360 छोटे-छोटे सैटेलाइट्स का एक समूह है। ये सैटेलाइट्स पृथ्वी की निचली कक्षा में घूमते हैं और रेडियो

फ्रीक्वेंसी (आरएफ) को ट्रैक करते हुए उनकी जगह बताते हैं। ये सैटेलाइट समूह जहाजों, विमानों, वाहनों और तटीय प्रणालियों (कोस्टल सिस्टम) से आने वाले संचार संकेतों को ट्रैक करते हैं। हॉकआई 360 सैटेलाइट उस जहाज के रेडियो फ्रीक्वेंसी एमिशन को भी पकड़ता है, जिसने अपने ट्रांसपोंडर को बंद कर रखा है। भारत को हॉकआई 360 सिस्टम भारत को बड़े समुद्री क्षेत्रों, खासतौर से इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में रियल-टाइम निगरानी करने में मदद करेगा। इससे समुद्री अभियानों में जागरूकता और किसी घटना पर प्रतिक्रिया देना आसान होगा। इस सिस्टम की सबसे खास बात ये है कि यह उन जहाजों का भी पता लगा सकता है, जो एआईएस को बंद कर देते हैं ताकि उन्हें ट्रैक ना किया जा सके। ये सिस्टम मिलने से इंडियन नेवी अवैध मछली पकड़ने और तस्करी जैसी गतिविधियों की पहचान कर सकेगी। इससे नेवी को तेजी से फैसले लेने और समुद्री क्षेत्र पर नियंत्रण रखने में मदद मिलेगी। इंडियन नेवी को हॉकआई 360 की मदद से अपने एक्सक्लूसिव इकोनॉमिक जोन में बेहतर जानकारी मिल सकेगी। यह सिस्टम भारत को आपदा राहत और बचाव कार्यों में भी मदद करेगा। इससे संकट संकेतों का पता लगेगा और रेस्क्यू टीमे तेजी से पहुंच सकेंगी। हॉकआई 360 एक बड़े आईएसआर सिस्टम में आरएफ लेयर के रूप में काम करता है। इस सिस्टम में इलेक्ट्रो-ऑप्टिकल (ईओ), इंफ्रारेड (आईआर) और सिंथेटिक एपर्चर रडार (एसएआर) जैसी अतिरिक्त लेयर्स भी हैं। हर लेयर खतरों का पता लगाने, उनकी पुष्टि करने और क्लासीफाइड करने में मदद करती है।

बेनीवाल बोले–मंत्री की वजह से रद्द नहीं हुई एसआई–भर्ती

> एसओजी जांच में केके विश्नोई का नाम > जांच अधिकारी ने कहा-वायरल कागज झूठा है

जयपुर, 2 मई (एजेंसियां)। सब-इंस्पेक्टर भर्ती पेपर लीक के मामले में राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी के अध्यक्ष और नागौर सांसद हनुमान बेनीवाल ने राजस्थान सरकार के मंत्री केके विश्नोई पर बड़े आरोप लगाए हैं। बेनीवाल ने कहा- मंत्री केके विश्नोई पेपर लीक माफिया सुरेश ढाका को बचा रहे हैं। उन्हीं के दबाव में सब-इंस्पेक्टर भर्ती परीक्षा को अब तक रद्द नहीं किया गया है। उन्होंने सीबीआई से इस मामले की जांच कराने के साथ ही राजस्थान लोक सेवा आयोग के पुनर्गठन की मांग की।

बेनीवाल ने कहा-राज्य सरकार एसआई भर्ती परीक्षा को रद्द नहीं कर रही है। जबकि एसओजी, एएजी और कैबिनेट सब कमेटी ने भी भर्ती को रद्द करने की सिफारिश की है। हनुमान बेनीवाल ने एसओजी द्वारा की गई पूछताछ का एक दस्तावेज मीडिया के सामने रखा। इसमें आरोपी संतोष ने कबूल किया है कि उसने अपने बदले डमी कैंडिडेट को परीक्षा में बैठाया था। इसके लिए मंत्री केके विश्नोई से 6 लाख रुपए लिए थे। संतोष ने यह भी कहा कि केके विश्नोई उसका पुराना परिचित है। बेनीवाल ने यह भी कहा- केके बिश्नोई भजनलाल को कहता है कि सरकार गिर जाएगी। मैं व्हाइट हाउस की सारी बात सबको बता दूंगा। वे एसओजी पर मामले को खत्म करने का दबाव बनाते हैं। इसके साथ ही अगली भर्ती निकालने के लिए कहते हैं। तभी आज एसआई की एक और भर्ती निकाल दी। हालांकि वेकेंसी तो बड़ी निकाली है, लेकिन इस बात को दबाने के लिए कि आंदोलन बहुत बड़ा न हो जाए। हनुमान बेनीवाल ने कहा-पहले यह भारतीय जनता पार्टी की सरकार हमारे साथ ही सड़कों पर थी। इनका कहना था कि हम जैसे ही सरकार में आएंगे, एसआई भर्ती परीक्षा को रद्द करेंगे। आरपीएससी का पुनर्गठन करेंगे। साथी उन तमाम मुद्दों की जांच कराएंगे, जो कांग्रेस सरकार में हुए थे। इसमें कई जगह ईडी की रेड भी हुई। राजस्थान में तमाम कोचिंग से लेकर बजरी माफिया के खिलाफ मुद्दे थे। हनुमान बेनीवाल ने कहा- यहां एसआई भर्ती के अभ्यर्थी आपको कम नजर आएंगे। इसके साथ ही दूसरे तमाम नौजवान जो राजस्थान को बचाना चाहते हैं।

राजस्थान के सम्मान की लड़ाई में हमारे साथ खड़े हैं। मैं 6 दिन से यहां हूं, 8 दिन पहले प्रेस कॉन्फ्रेंस हुई थी। हमने सरकार को यहां बैठने का अल्टीमेट दिया था, लेकिन सरकार के जूं तक नहीं रेंगी। अगर सरकार चाहती है कि आर पार हो तो इस बार हम आर पार की लड़ाई के मूड में ही हैं। कल हम थोड़ा आंदोलन करेंगे। उसके बाद और बड़ा आंदोलन होगा, राजधानी में 1 लाख लोगों की रैली होगी। हम सरकार को झुकाएंगे। हाई कोर्ट और सुप्रीम कोर्ट को भी कहना चाहता हूं कि आप बाकी बहुत मामलों में हस्तक्षेप करते हैं।

भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता सलूजा पंचतत्व में विलीन

इंदौर, 2 मई (एजेंसियां)। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता नरेंद्र सलूजा का अंतिम संस्कार शुक्रवार सुबह 11 बजे रीजनल पार्क मुक्तिधाम में हुआ। बेटे मीत ने पिता को मुखाग्नि दी। इससे पहले पार्थिव शरीर को चोइथराम खालसा बाग में मत्था टिकाकर मुक्तिधाम लाया गया। सलूजा का निधन बुधवार दोपहर को हुआ था। लेकिन उनकी बेटी के अमेरिका से लौटने में समय लगने के चलते आज अंतिम संस्कार किया गया।

ओंकारेश्वर में एक कार्यक्रम में शामिल होने गए प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के अंतिम संस्कार में मौजूद रहने की संभावना जताई गई थी। लेकिन वे अभी तक इंदौर नहीं लौटे हैं। स्थानीय भाजपा नेताओं के अनुसार सीएम अब दोपहर में शोक संतप्त परिवार से मिलने दिवंगत सलूजा के घर जाएंगे।

राजस्थान से 9 बाघ अन्य राज्यों में होंगे शिफ्ट

> *बढ़ती आबादी से अंतः प्रजनन का खतरा बढ़ा*

जयपुर, 2 मई (एजेंसियां)। राजस्थान में बीते तीन दिनों में बाघों के कुनबे में नए मेहमानों के आने का सिलसिला जारी है। नाहरगढ़ बॉयोलोजिक पार्क, सरिस्का और रणथंभौर में तीन बाघिनों ने 10 से ज्याद शावकों को जन्म दिया है। वन्यजीव प्रेमियों के लिए यह बड़ी खुशी का मौका है लेकिन इसके साथ ही एक बड़ी चिंता भी परेशान कर रही है कि राजस्थान में ज्यादातर बाघों की ब्लड लाइन एक ही है। नेशनल सेंटर ऑफ बॉयोलोजिकल साइंसेज की रिपोर्ट के अनुसार मौजूदा समय में राजस्थान के बाघों में अंतः प्रजनन की दर किसी अन्य राज्य के मुकाबले सबसे ज्यादा पाई गई है। यह इसलिए है क्योंकि राजस्थान में टाइगर सेंचुरीज में कुल 121 बाघ हैं, उनमें से 75 प्रतिशत रणथम्भौर टाइगर रिजर्व से हैं, जो एक ही ब्लड लाइन से आते हैं।

आरटीआर के पूर्व फील्ड डायरेक्टर मनोज पाराशर का कहना है कि राजस्थान में सभी बाघ अभ्यारण्यों में बाघों में अंतः प्रजनन हो रहा है क्योंकि यहां सरिस्का और मुकुंदरा बाघ अभ्यारण्य में भी आरटीआर से ही बाघ रिलोकेट किए गए हैं। इसलिए इस बात की संभावना बेहद कम है कि कोई बाहरी बाघ इनके संपर्क में आया होगा। उन्होंने बताया कि अगर यहां अन्य दूसरे राज्यों के अन्य ब्लड लाइन के बाघ नहीं लाए गए तो इस बात की बहुत अधिक संभावना है कि अगले 20 से 30 सालों में यहां बाघों में अंतः प्रजनन से बीमारी और प्रजनन संबंधित समस्याएं बढ़ जाएंगी। इसलिए नए जीन पूल को तैयार करने की बेहद आवश्यकता है।

वन विभाग ने इन राज्यों से मांगी मदद

राजस्थान के वन मंत्री संजय शर्मा ने इस संबंध में केंद्रीय वन एवं पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव को पत्र लिखकर राजस्थान और अन्य राज्यों के बाघों को एक-दूसरे के यहां रिलोकेट करने की मांग की है। उन्होंने बताया कि एनटीएसीए ने 2023 में भी 2 बाघिनों को ट्रांसलोकेट करने की अनुमति दी थी लेकिन अब तक यह मामला लंबित है। मामले से जुड़े एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि राजस्थान ने उत्तराखंड, मध्यप्रदेश और महाराष्ट्र से एक नर बाघ व दो बाघिन राजस्थान में रिलोकेट करने की मांग की है। इसके लिए इन राज्यों को पत्र लिखे गए हैं।

राजस्थान की डॉक्टर हत्याकांड में रिश्तेदार गिरफ्तार

बहरोड़, 2 मई (एजेंसियां)। हरियाणा में राजस्थान की डॉक्टर भावना यादव (25) की 24 अप्रैल को हत्या के मामले में हिसार पुलिस ने आरोपी उदेश यादव (30) को गिरफ्तार कर लिया है। डीएसपी तनुज शर्मा ने बताया-डॉ. भावना यादव की हत्या करने में क्लर्क उदेश यादव की संलिप्तता पाई गई है। उदेश गुरुवार को परिजनों के साथ हिसार पहुंचा था। जहां देर रात को उसे गिरफ्तार कर लिया। इधर, आरोपी की मां और पत्नी ने आरोप लगाया कि भावना उदेश को शादी के बाद भी परेशान कर रही थी, भावना उदेश पर तलाक और शादी के लिए दबाव बना रही थी। हिसार डीएसपी तनुज शर्मा ने बताया- पूछताछ में सामने आया कि डॉ. भावना यादव और आरोपी उदेश दोनों पहली बार 2018 में एक शादी समारोह में मिले थे। दोनों में उसी समय जान पहचान हुई थी। दोनों के बीच उसी समय से प्रेम-प्रसंग चल रहा था। दोनों शादी करना चाहते थे। उदेश यादव ने अपनी मामी और उसके परिजनों के माध्यम से शादी का प्रस्ताव भावना के परिजनों तक पहुंचाया।

जयपुर समेत कई जिलों में आंधी–बारिश

पेड़ गिरे, बिजली के पोल और सोलर पैनल धाराशायी; कई जिलों में आज भी हो सकती है ओलावृष्टि

जयपुर, 2 मई (एजेंसियां)। राजस्थान में शुक्रवार सुबह से तेज आंधी और बारिश का दौर शुरू हो गया। जयपुर, भरतपुर, अलवर, झुंझुनूं समेत प्रदेश के कई हिस्सों में धूलभरी आंधी चली। करीब 40किमी से ज्यादा गति से चली आंधी से आज जयपुर में कई जगह पेड़, सोलर पैनल गिर गए।

तापमान गिरने से लोगों को आज गर्मी से राहत रही। मौसम विभाग ने आज दक्षिण राजस्थान के 3 जिले प्रतापगढ़, डूंगरपुर और बांसवाड़ा को छोड़कर शेष सभी जिलों में आंधी, बारिश होने की चेतावनी जारी करते हुए येलो अलर्ट जारी किया है। कुछ जिलों में ओलावृष्टि भी हो सकती है। प्रदेश में गुरुवार से हो रही बारिश का असर तापमान पर पड़ा है और कई जिलों में न्यूनतम तापमान 2 से 8 डिग्री सेल्सियस तक गिर गया। जयपुर में शुक्रवार को अजमेर रोड और खातीपुरा एरिया में तेज हवा की वजह से पेड़ गिर गया, जिससे इन जगहों पर ट्रेफिक के मूवमेंट पर प्रभाव पड़ा। इससे पहले बीती रात हरमाड़ा के एरिया में तेज अंधड़ चलने से घर की छतों और खेतों में लगे सोलर पैनल गिर गए थे। पिछले 24 घंटे में सबसे ज्यादा बरसात भरतपुर के पास कामां कस्बे में हुई। यहां 77एमएम (3 इंच) बरसात दर्ज हुई। इसी तरह झुंझुनूं के पिलानी में 20.1, जैसलमेर के सम एरिया में 31, देवीकोट में 10, जैसलमेर शहर में 14, गंगानगर में 11.5एमएम, अलवर के राजगढ़ में 17एमएम बरसात दर्ज हुई। इनके अलावा जयपुर, अलवर, दौसा, झुंझुनूं, चूरू, हनुमानगढ़, भीलवाड़ा समेत कई शहरों में 1 से लेकर 10एमएम तक बारिश हुई। गुरुवार शाम जयपुर, जैसलमेर, भीलवाड़ा और पाली में आंधी के साथ बारिश हुई थी। गुरुवार को जैसलमेर के एरिया में चली तेज आंधी के कारण कई जगह बिजली के पोल गिर गए, जिससे वहां बिजली सप्लाई प्रभावित हुई।

जातिगत जनगणना को ब्राह्मण फेडरेशन ने बताया सही कदम

पिछड़ों के लिए आर्थिक जनगणना की मांग

जयपुर, 2 मई (एजेंसियां)। केंद्र सरकार द्वारा लंबे समय से चली आ रही जातिगत जनगणना की मांग को स्वीकार कर आगामी सितंबर माह से यह प्रक्रिया आरंभ करने की घोषणा का ऑल इंडिया ब्राह्मण फेडरेशन एवं राजस्थान ब्राह्मण महासभा ने स्वागत किया है। इसी विषय पर चर्चा के लिए महासभा की कार्यकारिणी की बैठक आयोजित की गई। फेडरेशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. प्रदीप ज्योति और प्रमुख महामंत्री पंडित पदम प्रकाश शर्मा ने प्रधानमंत्री को पत्र लिखकर सुझाव दिया कि जातिगत जनगणना के साथ आर्थिक जनगणना भी की जाए। इससे देश में आर्थिक रूप से पिछड़े लोगों की सही जानकारी संकलित हो सकेगी और विभिन्न सरकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन में सहायता मिलेगी। बैठक में ऑल इंडिया ब्राह्मण फेडरेशन के राष्ट्रीय सचिव अश्विनी तिवारी और रमेश ओझा ने कहा कि इस पहल से समाज के अगड़े और पिछड़े वर्गों का यथार्थपूर्ण मूल्यांकन संभव हो सकेगा।

आईएसआई का जासूस बेनकाब

इंटेलिजेंस ने जैसलमेर से गिरफ्तार किया गोपनीय सूचनाएं पाक भेजने का आरोप

जयपुर, 2 मई (एजेंसियां)। राजस्थान खुफिया विभाग ने जैसलमेर निवासी पठान खान को पाकिस्तान की इंटर-सर्विसेज इंटेलिजेंस (आईएसआई) के लिए कथित तौर पर जासूसी करने के आरोप में गिरफ्तार किया है।

एक आधिकारिक विज्ञप्ति के अनुसार पठान खान वर्ष 2013 में पाकिस्तान गया था, जहां वह पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी के अधिकारियों के संपर्क में आया। उसे करीब एक महीने पहले हिरासत में लिया गया था और पूछताछ के बाद 1 मई 2025 को औपचारिक रूप से गिरफ्तार किया गया। उसके खिलाफ आधिकारिक गोपनीयता अधिनियम, 1923 के तहत मामला दर्ज किया गया है। विज्ञप्ति में कहा गया है कि पाकिस्तान में खान को पैसों का लालच देकर जासूसी के लिए तैयार किया गया था और उसे विशेष प्रशिक्षण भी दिया गया था। सूत्रों के अनुसार पठान खान वर्ष 2013 में पाकिस्तान गया था। आशंका है कि इसी दौरान वह आईएसआई के संपर्क में आया और भारत लौटकर जासूसी का नेटवर्क सक्रिय कर दिया।

इंटेलिजेंस महानिदेशक संजय अग्रवाल ने पुष्टि की है कि पठान खान लंबे समय से आईएसआई के हैंडलर के संपर्क में था और भारत-पाक सीमा से सटे क्षेत्रों की संवेदनशील जानकारियां पाकिस्तान भेज रहा था। पठान खान को जैसलमेर के जीरो आरडी, मोहनगढ़ क्षेत्र से गिरफ्तार किया गया। करीब एक माह पूर्व उसे संदेह के आधार पर हिरासत में लिया गया था, लेकिन हालिया पूछताछ में चौंकाने वाले खुलासे हुए। जांच एजेंसियों ने जब उसकी गतिविधियों की गहराई से छानबीन की, तो उसके पाकिस्तान से जुड़े जासूसी नेटवर्क का पर्दाफाश हुआ।

सीमावर्ती क्षेत्रों की निगरानी और गोपनीय जानकारी का आदान-प्रदान

जांच में सामने आया है कि पठान खान भारतीय सेना की सीमावर्ती गतिविधियों पर निगरानी रखता था और लगातार वीडियो व तस्वीरें आईएसआई हैंडलरों को भेजता था। इसके बदले में उसे पाकिस्तान से पैसे मिलते थे। फोन कॉल्स और इंटरनेट चैट के माध्यम से उसकी आईएसआई हैंडलर्स से नियमित बातचीत के पुख्ता सबूत मिले हैं।

आईपीएल खिलाड़ी शिवालिक शर्मा पर दुष्कर्म का मामला दर्ज

> *गिरफ्तारी की तैयारी में पुलिस*

जोधपुर, 2 मई (एजेंसियां)। राजस्थान में आईपीएल खिलाड़ी को लेकर बहुत बड़ी खबर आई है। आईपीएल खिलाड़ी शिवालिक शर्मा पर यहां जोधपुर में दुष्कर्म का केस दर्ज हो गया है और पुलिस अब उन्हें गिरफ्तार करने की तैयारी कर रही है। शिवालक शर्मा ने आईपीएल में बड़ौदा और मुंबई इंडियंस की ओर से क्रिकेट खेला है।

बताया जा रहा है कि शिवालिक ने जोधपुर की रहने वाली पीड़िता को शादी का झांसा दिया और शारीरिक संबंध बनाए लेकिन बाद में वह शादी से मुकर गया। इसलिए पीड़िता ने जोधपुर के कुड़ी भगतासनी हाउसिंग बोर्ड थाना में शिवालिक के खिलाफ मामला दर्ज करवा दिया। पुलिस के मुताबिक शिवालिक और युवती की सगाई हो चुकी थी।

इसके बाद दोनों के बीच शारीरिक संबंध बन गए और 2024 में दोनों घूमने भी गए थे लेकिन अगस्त 2024 में शिवालिक के माता-पिता ने सगाई तोड़ दी। थाना प्रभारी हमीर सिंह ने बताया कि आरोपी की गिरफ्तारी के लिए पुलिस दबिश दे रही है और जल्द ही उन्हें हिरासत में लिया जा सकता है। फिलहाल मामले की पूरी जांच प्रक्रिया जारी है और पुलिस कानूनी प्रक्रिया का पालन करते हुए आगे बढ़ रही है। उन्होंने कहा कि इस संबंध में गवाहों के बयान लिए जा रहे हैं।

पत्नी के हत्यारे पति को सुनाई आजीवन कारावास की सजा

20 किलो का पत्थर बांध कुएं में फेंका था; 38 डॉक्युमेंट्स और 19 गवाह पेश किए

भीलवाड़ा, 2 मई (एजेंसियां)। भीलवाड़ा जिला एवं सेशन न्यायाधीश ने विवाहिता की कुएं में डालकर हत्या करने के मामले में आरोपी पति को दोषी मानते हुए आजीवन कारावास और 25 हजार रुपए का अर्थदंड दिया है। मामले की सुनवाई में कोर्ट को दहेज प्रताड़ना और दहेज हत्या की धाराओं में आरोप प्रमाणित नहीं मिले। मामले में कोर्ट ने कोर्ट ने गत 24 अप्रैल को सजा के बिंदू पर फैसला सुरक्षित रखा था।

यह था मामला

लोक अभियोजक रघुनंदन सिंह कानावत ने बताया- 20 अक्टूबर 2017 को मंगरोप के कल्याणपुरा निवासी पप्पू पुत्र अमरचंद तेली ने कोटड़ी थाने में रिपोर्ट दर्ज करवाई कि उसकी बहन निरमा उर्फ निर्मला (18) की लाश ककरोलिया माफी के पास कुएं में मिली। उसके पेट पर रस्सी से करीब 20 किलो वजनी पत्थर बंधा हुआ था। शरीर पर भी चोटों के निशान थे। कोटड़ी पुलिस ने पप्पू तेली की रिपोर्ट पर निरमा के पति मनीष तेली, ससुर राजेन्द्र तेली, सास प्यारी बाई और फूफा ससुर जगदीश के खिलाफ भादसं में 498 ए दहेज प्रताड़ना, 304 बी दहेज हत्या और विकल्प के तौर पर 302 के तहत मामला दर्ज किया था। मनीष और प्यारी बाई के खिलाफ चार्जशीट पेश की गई।

38 डॉक्यूमेंट्स और 19 गवाह कोर्ट में किए पेश

अभियोजन पक्ष की ओर से पैरवी करते हुए 38 डॉक्यूमेंट्स और 19 गवाह कोर्ट में पेश किए थे। जिला एवं सेशन न्यायाधीश अभय जैन ने दोनों पक्षों की बहस सुनने के बाद मनीष तेली पर पत्नी निरमा की हत्या के आरोप प्रमाणित मानते हुए कोटड़ी थाना क्षेत्र के ककरोलिया माफी निवासी मनीष पुत्र राजेन्द्र कुमार तेली को उसकी पत्नी निरमा उर्फ निर्मला की हत्या करने के मामले में आजीवन कारावास ओर 25 हजार जुर्माने की सजा सुनाई।

टिफिन बम बनाकर धमकी देने वाले 4 आरोपी गिरफ्तार

राजसमंद, 2 मई (एजेंसियां)। शहर के दरीबा माइंस परिसर में देसी बम रखकर धमकी देने के मामले में रेलमगरा पुलिस ने 4 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। राजसमंद पुलिस अधीक्षक मनीष त्रिपाठी ने जानकारी देते हुए बताया कि रेलमगरा थाना इलाके में दरीबा माइंस परिसर में देसी टिफिन बम बनाकर साथ में धमकी भरा पत्र रखने के मामले में पुलिस ने मास्टर माइंड सहित 4 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। जानकारी के अनुसार 23 अप्रैल की शाम करीब 7 बजे हिन्दुस्तान जिंक लिमिटेड कंपनी कर्मचारी हीरालाल को अज्ञात मोबाइल नंबर से वॉट्सएप कॉल आया, जिसमें बताया गया कि कंपनी की फैक्ट्री के पास बैक गोल चक्कर पर दरीबा के लिए चेतावनी छोड़ी गई है।

पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के साथ भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता की मुलाकात ने छेड़े नए तार

जयपुर, 2 मई (एजेंसियां)। भाजपा युवा मोर्चा के पूर्व प्रदेशाध्यक्ष और वर्तमान में बीजेपी प्रदेश प्रवक्ता हिमांशु शर्मा ने राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत से मुलाकात की। इस मुलाकात की फोटो हिमांशु शर्मा ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर साझा की और लिखा कि राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत से शिष्टाचार भेंट की। अशोक जी के लंबे राजनीतिक जीवन के अनुभव सभी दलों के युवा कार्यकर्ताओं के लिए प्रेरणा हैं। हालांकि हिमांशु शर्मा ने इसे केवल शिष्टाचार भेंट बताया, लेकिन राजनीतिक गलियारों में इस मुलाकात ने नई चर्चा को जन्म दे दिया है। सोशल मीडिया पर लोग इस तस्वीर को लेकर तरह-तरह की प्रतिक्रियाएं दे रहे हैं। एक यूजर ने तो यहां तक लिखा, तो आप उनके शिविर की ओर चले गए? जिससे अटकलों को और हवा मिल गई है।

हिमांशु शर्मा को सतीश पूनिया का करीबी माना जाता है और पूनिया के प्रदेशाध्यक्ष रहते ही उन्हें भाजयुमो का नेतृत्व सौंपा गया था लेकिन बाद में सीपी जोशी के प्रदेशाध्यक्ष बनने के बाद उनकी जगह अंकित चेची को यह जिम्मेदारी दे दी गई थी। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि ऐसे दौर में जब राजस्थान में सियासी समीकरण तेजी से बदल रहे हैं, एक सत्तारूढ़ दल के वरिष्ठ नेता से विपक्षी पार्टी के प्रवक्ता की मुलाकात को हल्के में नहीं लिया जा सकता।

खड़े ट्रक में घुसी कार, 4 की मौत

पाली, 2 मई (एजेंसियां)। पाली में शुक्रवार सुबह एक तेज रफ्तार कार सड़क पर खड़े ट्रक से जा टकराई। हादसे में 4 लोगों की मौत हो गई और 3 घायल हो गए। हादसा इतना भीषण था कि कार के परखच्चे उड़ गए। इस हादसे में रावल समाज के अध्यक्ष सोहनलाल रावल के बेटे-बहू और पोते की जान गई है।

सुमेरपुर सदर थाने के एसएचओ भगाराम ने बताया कि हादसा सुबह करीब सवा 3 बजे सुमेरपुर के सदर थाना क्षेत्र में ब्यावर-पिंडवाड़ा हाईवे पर जाखा नगर बाइपास पर हुआ। भगाराम के मुताबिक संभवतः नींद की झपकी आने से ड्राइवर कार से संतुलन खो बैठा और कार सड़क किनारे खड़े ट्रक से जा टकराई।

पूर्व मंत्री प्रमोद जैन भाया को बड़ा झटका

> हाईकोर्ट ने एफआईआर रद्द करने से इंकार किया

जयपुर, 2 मई (एजेंसियां)। राजस्थान हाईकोर्ट ने पूर्व मंत्री प्रमोद जैन भाया, उनकी पत्नी उर्मिला जैन भाया सहित अन्य लोगों को उनके खिलाफ विभिन्न थानों में दर्ज 19 एफआईआर को रद्द करने से साफ इंकार कर दिया है। जस्टिस समीर जैन की एकल पीठ ने याचिकाएं खारिज करते हुए सभी याचिकाकर्ताओं को आगामी 10 दिनों में जांच में शामिल होने के स्पष्ट निर्देश दिए हैं।

पूर्व मंत्री और उनके करीबियों की ओर से दाखिल याचिकाओं में कहा गया था कि उनके खिलाफ ये मुकदमे राजनीतिक द्वेषता के चलते दर्ज किए गए हैं। याचिकाओं में यह भी आरोप लगाया गया था कि विधानसभा चुनाव हारने के बाद सत्ताधारी पार्टी के प्रभाव में आकर सरकारी मशीनरी का दुरुपयोग करते हुए उनके रिश्तेदारों, दोस्तों और सहयोगियों को निशाना बनाया गया है।

याचिकाकर्ताओं ने अदालत से मांग की थी कि सभी मुकदमों की जांच बारां और झालावाड़ जिले के बाहर तैनात किसी निष्पक्ष आईपीएस अधिकारी से कराई जाए।

हालांकि कोर्ट ने इस तर्क को मानने से इंकार कर दिया। अदालत ने कहा कि याचिकाकर्ता ने किसी अधिकारी पर व्यक्तिगत दुर्भावना का आरोप नहीं लगाया है, ऐसे में किसी विशेष अधिकारी से जांच की मांग स्वीकार नहीं की जा सकती। राज्य सरकार की ओर से अतिरिक्त महाधिवक्ता मनोज शर्मा ने याचिकाओं का विरोध करते हुए दलील दी कि इन मामलों में अवैध खनन, फर्जी दस्तावेज, फर्जी पट्टा और वित्तीय अनियमितताओं जैसे गंभीर आरोप शामिल हैं। सभी एफआईआर के तथ्य, अपराध की प्रकृति और शिकायतकर्ता अलग-अलग हैं, इसलिए इनकी संयुक्त जांच संभव नहीं है।

शर्मा ने यह भी बताया कि कोर्ट ने पूर्व में एक अंतरिम आदेश पारित कर याचिकाकर्ताओं को दंडात्मक कार्रवाई से राहत दी थी लेकिन इसके बावजूद वे जांच में सहयोग नहीं कर रहे हैं। कोर्ट ने यह भी टिप्पणी की कि किसी आरोपी को यह अधिकार नहीं है कि वह अपनी मर्जी से जांच अधिकारी तय करे या जांच की दिशा निर्देशित करे। दोनों पक्षों की विस्तृत बहस के बाद अदालत ने याचिकाएं खारिज करते हुए सभी संबंधितों को जांच में सम्मिलित होने के निर्देश दिए हैं।

एसएलबीसी सुरंग परियोजना को गंभीर पर्यावरणीय समस्याओं का करना पड़ेगा सामना

ड्रिल और ब्लास्ट पद्धति अपनाने की तैयारी

हैदराबाद, 2 मई (स्वतंत्र वार्ता)। श्रीशैलम लेफ्ट बैंक कैनाल (एसएलबीसी) सुरंग परियोजना को पूरा करने के लिए दृढ़ संकल्पित तेलंगाना सरकार पहले से इस्तेमाल की जाने वाली सुरंग बोरिंग विधि से ड्रिल-एंड-ब्लास्ट विधि (डीबीएम) में बदलाव करने जा रही है। हालांकि, इस बदलाव के लिए गंभीर पर्यावरणीय मुद्दों पर काबू पाना होगा क्योंकि सुरंग अमराबाद टाइगर रिजर्व, एक संरक्षित वन क्षेत्र के 400 मीटर नीचे से गुजरती है। राज्य सरकार केंद्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय (एमओईएफसीसी) से वन मंजूरी प्राप्त करने की योजना बना रही है, जो वन (संरक्षण) अधिनियम, 1980 के अनुपालन में अनिवार्य है। इस उद्देश्य के लिए राज्य वन विभाग के माध्यम से एक विस्तृत प्रस्ताव प्रस्तुत करने की दिशा में कदम उठाए जा रहे हैं।

तकनीकी विशेषज्ञों को पहले ही ड्रिल-एंड-ब्लास्ट पद्धति में बदलाव को उचित ठहराने का काम सौंपा जा चुका है, जिसमें सतही स्तर पर हस्तक्षेप की आवश्यकता हो सकती है, भले ही इसमें न्यूनतम गड़बड़ी शामिल हो।

इसमें बाघ अभयारण्य के पारिस्थितिकी तंत्र और वन्यजीवों पर संभावित प्रभावों का मूल्यांकन करने के लिए पर्यावरणीय प्रभाव आकलन की आवश्यकता होगी। प्रस्ताव पर विचार करना एक बेहद संवेदनशील मुद्दा होगा क्योंकि इसमें अमराबाद टाइगर रिजर्व शामिल है और इस तरह के सतही हस्तक्षेप के लिए मंजूरी लेना एक कठिन काम होगा। अधिकारियों के अनुसार, राष्ट्रीय वन्यजीव बोर्ड (एनबीडब्ल्यूएल) से वन्यजीव मंजूरी भी आवश्यक है, क्योंकि परियोजना एक महत्वपूर्ण वन्यजीव आवास के नीचे चल रही है।

एनबीडब्ल्यूएल की स्थायी समिति राज्य की वन्यजीव शमन योजना की समीक्षा करेगी, जिसमें नियंत्रित विस्फोट तकनीकों जैसे उपायों के साथ व्यवधान को कम करने के उपाय शामिल होने चाहिए। राज्य प्रतिपूरक वनीकरण कार्यक्रम शुरू करने और वन भूमि के किसी भी मोड़ के लिए आवश्यक शुद्ध वर्तमान मूल्य (एनपीवी) भुगतान करने के लिए तैयार है। उन्होंने कहा कि वनरोपण के लिए उपयुक्त गैर-वन भूमि की पहचान करना एक और बड़ी चुनौती है।

श्रीशैलम जलाशय के छोर से 13.93 किलोमीटर की खुदाई पहले ही हो चुकी है, इनलेट की तरफ़ एक छोटा लेकिन महत्वपूर्ण 6.01 किलोमीटर का हिस्सा पूरा किया जाना बाकी है, खासकर उस बिंदु को कवर करते हुए जहां दो सुरंग खंडों के मिलने की उम्मीद है।

इनलेट सुरंग सीधे श्रीशैलम जलाशय से जुड़ती है, जो लगभग 4 किलोमीटर ऊपर की ओर स्थित हेड-रेगुलेटर के माध्यम से पानी खींचती है। सुरंग का ढहना इस खंड के 14वें किलोमीटर पर हुआ, जिससे भूगर्भीय चुनौतियों जैसे कतरनी क्षेत्र, कमजोर चट्टान संरचना और पानी का रिसाव सामने आया। अगले चरण में सुरंग कनेक्शन को सुरक्षित रूप से पूरा करने के लिए इन भूवैज्ञानिक बाधाओं से निपटने पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा। बचाव अभियान बंद होने के बाद दो दिन पहले रॉक इंजीनियरिंग और मैकेनिक्स में विशेषज्ञता रखने वाले शोध संस्थान नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ रॉक मैकेनिक्स (एनआईआरएम) की एक टीम ने सुरंग का दौरा किया। इसने सुरंग ढहने वाली जगह के 43 मीटर हिस्से में मौजूद स्थितियों का अध्ययन किया है, जिसे 'नो गो ज़ोन' घोषित किया गया है और शेष छह किलोमीटर के हिस्से में जहां जल्द ही खुदाई का काम शुरू होने की उम्मीद है।

अमरावती के किसानों ने अविस्मरणीय संघर्ष किया : पवन कल्याण

डिप्टी सीएम ने पीएम मोदी की सराहना की

अमरावती, 2 मई (स्वतंत्र वार्ता)। आंध्र प्रदेश के उपमुख्यमंत्री पवन कल्याण ने राज्य की जनता की ओर से पीएम नरेंद्र मोदी को बधाई दी है। पवन ने कहा कि उन्हें खुशी है कि प्रधानमंत्री ऐसे समय में व्यस्त कार्यक्रम के बीच भी अमरावती आए हैं, जब देश गंभीर परिस्थितियों का सामना कर रहा है। पवन ने देवी से प्रधानमंत्री मोदी को अच्छा स्वास्थ्य और अधिक सफलताएं प्रदान करने की प्रार्थना की। पवन ने यह भी कहा कि अमरावती के किसानों और राज्य के लोगों ने धर्म की लड़ाई जीत ली है। अमरावती के कामों के फिर से शुरू होने के शुभ अवसर पर पवन ने राजधानी के लिए जमीन देने वाले किसानों का आभार जताया। उन्होंने कहा कि पिछले पांच सालों में उन्हें जो चोटें लगी हैं, वे सभी उन्हें याद हैं। पवन ने कहा कि अमरावती के किसानों ने बहुत अपमान और चोटें झेली हैं। पवन ने कहा, पिछले पांच सालों में अमरावती के किसानों ने कई मुश्किलों का सामना किया है। उन्हें लाठियों से भी पीटा गया है। अमरावती के किसानों ने अविस्मरणीय संघर्ष किया है। हमने वादा किया था कि अमरावती आंध्र प्रदेश की राजधानी होगी। हम अपना वादा निभाते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ राजधानी अमरावती का काम फिर से शुरू कर रहे हैं। पिछली सरकार ने अमरावती का भविष्य बर्बाद कर दिया।

हालांकि, अमरावती के किसानों ने सच्चाई की जंग जीत ली है। पवन ने यह भी कहा कि अमरावती के किसानों के बलिदान को भुलाया नहीं जा सकेगा। उन्होंने कहा कि आंदोलन में अमरावती की महिला किसानों की भूमिका अहम रही। पवन ने दावा किया कि गठबंधन सरकार अमरावती के किसानों के साथ खड़ी है। उन्होंने राजधानी के किसानों के बलिदान को नजरअंदाज करने के लिए पिछली सरकार की आलोचना की। पवन ने उम्मीद जताई कि अमरावती विश्वस्तरीय राजधानी बनकर उभरेगी। उन्होंने राजधानी के किसानों की न केवल जमीन देने के लिए बल्कि राज्य को भविष्य देने के लिए भी प्रशंसा की। पवन ने कहा कि

सीएम चंद्रबाबू वह व्यक्ति हैं जिन्होंने पत्थरों और मलबे में महानगर देखा। उन्होंने विश्वास जताया कि जिस तरह चंद्रबाबू ने साइबराबाद बनाया, उसी तरह वे अमरावती का भी विकास करेंगे। पवन ने याद दिलाया कि देश में आतंकवादी हमले के बाद कठिन परिस्थितियों में भी प्रधानमंत्री मोदी उनके लिए अमरावती आए और कहा कि यह आंध्र प्रदेश के प्रति मोदी की प्रतिबद्धता का प्रमाण है।

दक्षिण मध्य रेलवे
हमें @SCRailwayindia पर फॉलो करें
द.म. रेलवे की निविदा सूचनाओं के विवरणों को हमारी वेबसाइट : www.scr.indianrailways.gov.in

निविदा सूचना सं. जी/ई.29/टीआर./ निविदा सूचना/06/2025-26

कृते भारत के राष्ट्रपति की ओर से व के लिए, वरिष्ठ विभागीय बिजली अभियंता/ट्रैक्शन/गुंटकल द्वारा निम्न कार्यो हेतु ई-निविदाएं आमंत्रित है।

निविदा सं. जीटीएल-टीआरडी-29-ईटीएन-09-2025-26 कार्य विवरण: गुंटकल डिविजन- जीटीएल-आरयु सेक्शन में 120 टीकेएम प्राइवेट साइडिंग्स के ओएचइ रखरखाव गतिविधियों की आउटसोर्सिंग कार्य। अनुमानित लागत:रू. 73,00,0,43.00 पूर्व धरोहर राशि(पूधरा) रू. 1,46,000.00

निविदा सं. जीटीएल-टीआरडी-29-ईटीएन-10-2025-26

कार्य विवरण: जीटीएल डिविजन-(1) तत्संबंधित ट्रैक नवीकरण कार्यों के लिए, जीवाय-वाडी, केएलयु-जीटीएल एण्ड बीएवाय- जीटीएल के विभिन्न ट्रैक्शन बान्ड्स का डिसकनेक्शन तथा रिकनेक्शन करना, i) टीबीआर-154.456 किमी ii) टीबीआर(पीएण्डसी) 117 सेट्स एवं iii) टीएफआर (सभी फिटिंग्स) 39.78 किमी से जुडा कार्य। (2) तत्संबंधित ट्रैक नवीकरण कार्यों के लिए, विभिन्न ट्रैक्शन बान्ड्स का डिसकनेक्शन तथा रिकनेक्शन करना, एसइजे-71 सेट्स का नवीकरण तथा ग्लूड जायंट्स-444 नंबर्स का नवीकरण। एसडब्ल्यू। मौजूदा 52 केजी/60 केजी स्वीचेस, लीड रेल्स/क्रासिंग्स का टीटीआर(रेल्स) कार्य तथा नई 60 किग्रा घुमावदार या कर्व्ड /थिक वेब स्वीचेस, लीड रेल्स, सीएमएस/डब्ल्यूसीएमएससी सहित रनिंग लाइन्स पर पीएससी स्लीपर्स एवं टर्नआउट स्लीपर्स कुल 51 सेट्स का तत्संबंधित कार्य। बीएवाय-जीटीएल, आरयु-जीटीएल-वाडी,केएलयु-जीटीएल में एफएस+टीडब्ल्यूएस+डब्ल्यूसीएमएससी-7 सेट्स (1 इन 81/2-2 सेट्स, 1 इन 12-4 सेट्स एवं 1 इन 16 -1 सेट), एफएस+टीडब्ल्यूएस+सीएमएससी-29 सेट्स (1इन8 ट-19 सेट्स, 1इन 12-10 सेट्स), एफएस+टीडब्ल्यूएस-1 इन 8 ट -1 सेट, डब्ल्यूसीएमएससी-1 इन 12-3सेट्स, डीएस 11 सेट्स का तत्संबंधित कार्य। (3) तत्संबंधित ट्रैक नवीकरण कार्यों के लिए, विभिन्न ट्रैक्शन बान्ड्स का डिसकनेक्शन तथा रिकनेक्शन करना। i) 60किग्रा घनता या डेन्सिटी सहित पीएससी स्लीपर्स पर इएक्सजी 52 किग्रा. रेल्स 1310/1540 नंबर्स/किमी, नई वाइडर पीएससी स्लीपर्स (टी-8746) 1540 नंबर्स/किमी संबंधित (सी1-1) रेल्स (एलडब्ल्यूआर) का सीटीआर (एस) कार्य। 4.566 किमी की लंबाई के लिए बल्लास्ट की डीप स्क्रीनींग सहित 250 एमएम बल्लास्ट कुशन की रिकुपमेंट व इनक्रीजींग या वृध्दि। ii) 5.941किमी की लंबाई के लिए 60 किग्रा. (सी1-1) रेल्स (एलडब्ल्यूआर) सहित एम+7 घनता या डेन्सिटी युक्त पीएससी स्लीपर्स पर इएक्सजी. 52 केजी रेल्स का टीआरआर(एस) कार्य। Iii) डीएमएम- जीवाय, डीएमएम-पीएके एण्ड केपीडी-टीपीटीवाय में 1.901 किमी लंबाई के लिए बल्लास्ट की डीप स्क्रीनींग सहित 250 एमएम की रिकूपमेंट व वृध्दि के साथ 1540 घनता या डेन्सिटी युक्त न्यू वाइडर बेस स्लीपर्स (टी-8746) का टीएसआर(एस) कार्य। (4) तत्संबंधित ट्रैक नवीकरण कार्यों के लिए, विभिन्न ट्रैक्शन बान्ड्स का डिसकनेक्शन तथा रिकनेक्शन करना। टीबीआर (बीसीएम)-69.56 किमी सहित एसडब्ल्यू ।। - तत्संबंधित पाइंट्स की पूरी बल्लास्टींग करना एवं कुल 57 सेट्स के लिए क्रासिंग सहित डीप स्क्रीनींग करना। एसडब्ल्यू ।।।- 184.035 किमी लंबाई के लिए(सभी फिटींग्स-174.105 किमी एण्ड सीजीआरएसपी-9.93किमी) का टीएफआर कार्य। एसडब्ल्यू-IV - एडीइइ /टीआरडी/जीटीएल सब-डिवीजन के तहत आरयु-जीटीएल(अप एण्ड डाउन) एनडीएल-डीएचएनइ-जीटीएल(एसएल) जीवाय-पीडीएल(एसएल) सेक्शन्स में (सीएस-02, सीएस+सीएमएससी-03, सीएमएससी-01, एस+टीडब्ल्यूएस-7, टीडब्ल्यूएस+सीएमएससी एण्ड डब्ल्यूसीएमएससी-4 का टीटीआर कार्य। अनुमानित लागत:रू. 1,04,99,881.00 पूर्व धरोहर राशि(पूधरा) रू. 2,02,500.00

निविदा सं.- जीटीएल -टीआरडी-29-ईटीएन-11-2025-26 कार्य विवरण: गुंटकल डिवीजन- i) तत्संबंधित ट्रैक नवीकरण कार्यों के लिए, विभिन्न ट्रैक्शन बान्ड्स का डिसकनेक्शन तथा रिकनेक्शन करना। तत्संबंधित के साथ केपीडी-टीपीटीवाय सेक्शन में 5.962 किमी का सीटीआर(पी) कार्य, 50.597 किमी का टीआरआर(पी) कार्य एवं 0.52 किमी का टीएसआर(पी) कार्य। ii) तत्संबंधित ट्रैक नवीकरण कार्यों के लिए, विभिन्न ट्रैक्शन बान्ड्स का डिसकनेक्शन तथा रिकनेक्शन करने के साथ साथ केपीडी-टीपीटीवाय,आरयु-टीपीटीवाय एण्ड डीएमएम-पीएके सेक्शन में 103.865 किमी का टीबीआर कार्य, 158.762 किमी का टीएफआर कार्य एवं 15 सेट्स का टीटीआरआर कार्य तथा iii) तत्संबंधित ट्रैक नवीकरण कार्यों के लिए, विभिन्न ट्रैक्शन बान्ड्स का डिसकनेक्शन तथा रिकनेक्शन कार्य सहित एडीइइ /टीआरडी/आरयु सब-डिवीजन के क्षेत्राधिकार के तहत जीडीआऱ-आरयु एण्ड आरयु-जीटीएल सेक्शन्स में 98 सेट्स का टीटीआर कार्य, 25 सेट्स का टीटीआरआर कार्य, ग्लूड जायंट्स 52 सेट्स का तत्संबंधित कार्य। अनुमानित लागत: रु. 98,97,096.00, पूधरा:रु. 1,98,000.00

निविदा बंद करने की तिथि व समय:26-05-2025 के 15.00 बजे

टिप्पणी: निविदाकर्ता, निविदा दस्तावेज को, नि:शुल्क रूप में वेबसाइट: www.ireps.gov.in से डाउनलोड कर सकते हैं।

टेंडर बिड्डिंग या निविदा की बोली तथा अन्य विवरण हेतु http://www.ireps.gov.in पर लागिन करें। शुध्दिपत्र यदि कोई हो तो, उसे केवल आनलाईन पर ही जारी किया जायेगा।

वरिष्ठ विभागीय बिजली अभियंता, ट्रैक्शन, गुंटकल

A0616

निविदा के नियम शर्तों/अधिक जानकारी तथा निविदा दस्तावेजों की डाउनलोडिंग हेतु कृपया वेबसाइट्स: https://www.ireps.gov.in अथवा www.scr.indianrailways.gov.in पर जाएं।

बेमौसम बारिश ने मंचेरियल में आम किसानों पर बरपाया कहर

आम के पेड़ उखड़े, फल जमीन पर गिरे, हुआ नुकसान

मंचेरियल, 2 मई (स्वतंत्र वार्ता)। गुरुवार रात तेज आंधी के साथ हुई बेमौसम बारिश ने मंचेरियल जिले के कई मंडलों में आम के बागों को व्यापक नुकसान पहुंचाया, जिससे फसल की तैयारी कर रहे किसानों को भारी नुकसान हुआ। प्रभावित क्षेत्रों में भीमाराम, नेन्नल, भीमिनी, चेन्नूर, मंडमरी और थंडूर मंडल शामिल हैं। आम की फसलें जो तैयार थीं, सड़कों पर बिखर गईं। हवाओं की तीव्रता के कारण कई बड़े आम के पेड़ भी उखड़ गए, जिससे किसानों को और नुकसान हुआ।

आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, भीमाराम मंडल में सबसे अधिक 23.8 मिमी बारिश दर्ज की गई, उसके बाद नेन्नल में 21.3 मिमी बारिश दर्ज की गई। जिले की औसत बारिश 5.2 मिमी रही। जयपुर मंडल में 10 मिमी बारिश हुई, जबकि कन्नेपल्ली में क्रमशः 9.1 मिमी और 6.5 मिमी बारिश दर्ज की गई। परेशान किसानों ने कहा कि उन्हें इस मौसम में अच्छे रिटर्न की उम्मीद थी, लेकिन बेमौसम बारिश ने उनकी उम्मीदों पर पानी फेर दिया। उन्होंने सरकार से नुकसान का व्यापक सर्वेक्षण करने और जल्द से जल्द मुआवजा देने का आग्रह किया। कई उत्पादकों ने बताया कि उन्होंने बागों की खेती के लिए काफी रकम निवेश की थी।

बागवानी विभाग के अधिकारियों ने कहा कि फसल क्षति का आकलन अभी किया जाना बाकी है तथा शीघ्र ही सर्वेक्षण शुरू करने के प्रयास चल रहे हैं। इस बीच, सरकारी खरीद केंद्रों पर रखे धान भी प्रभावित हुए हैं, जो अपर्याप्त तिरपाल कवर के कारण भीग गए हैं। किसानों ने मांग की है कि सरकार नुकसान का आकलन करने और आवश्यक राहत प्रदान करने के लिए तत्काल कदम उठाए।

भेड़ वितरण घोटाले के मामले के मुख्य आरोपी को एसीबी ने किया गिरफ्तार

हैदराबाद, 2 मई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना राज्य में सनसनी बन चुके भेड़ वितरण घोटाले के मामले में एक अहम घटनाक्रम हुआ है। मामले में शुरू से ही गंभीर आरोपों का सामना कर रहे मुख्य आरोपी मोइनुद्दीन को शुक्रवार सुबह शमशाबाद हवाई अड्डे पर एसीबी अधिकारियों ने गिरफ्तार कर लिया। कांग्रेस सरकार ने भेड़ वितरण योजना में बड़े पैमाने पर अनियमितता पाए जाने के बाद जांच एसीबी अधिकारियों को सौंप दी थी, जिसे पिछली बीआरएस सरकार ने महत्वाकांक्षी रूप से शुरू किया था। मामले में अब तक 17 लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है, जबकि एसीबी अधिकारियों ने आज मुख्य आरोपी मोइनुद्दीन को गिरफ्तार कर लिया। इससे पहले पुलिस ने मोइनुद्दीन के खिलाफ एलओसी जारी की थी। हालांकि मामला दर्ज होने के तुरंत बाद मोइनुद्दीन अपने बेटे के साथ दुबई भाग गया। आज दुबई से हैदराबाद पहुंचने पर एसीबी अधिकारियों ने मोइनुद्दीन को एयरपोर्ट पर ही हिरासत में ले लिया।

आंध्र प्रदेश 1 जनवरी, 2026 को 'क्वांटम वैली' राष्ट्र को समर्पित करेगा

आईबीएम, टीसीएस और एलएंडटी के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए

अमरावती, 2 मई (स्वतंत्र वार्ता)। भारत के तकनीकी भविष्य की ओर एक ऐतिहासिक कदम उठाते हुए, मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायुडू ने आज घोषणा की कि राज्य की अग्रणी क्वांटम वैली 1 जनवरी, 2026 को राष्ट्र को समर्पित की जाएगी। यह घोषणा उंडावल्ली में मुख्यमंत्री के आवास पर आयोजित एक ऐतिहासिक कार्यक्रम में की गई, जहाँ आंध्र प्रदेश सरकार ने आईबीएम, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) और लार्सन एंड टूब्रो (एलएंडटी) के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। इन साझेदारियों का उद्देश्य अमरावती में भारत का सबसे उन्नत और अपनी तरह का पहला क्वांटम वैली टेक पार्क स्थापित करना है, जिसे आईबीएम के अत्याधुनिक 156-क्यूबिट क्वांटम सिस्टम टू द्वारा संचालित किया जाएगा- जो देश में स्थापित किया जाने वाला सबसे बड़ा क्वांटम कंप्यूटिंग सिस्टम है।

अपने भाषण में सीएम चंद्रबाबू नायुडू ने कहा कि जिस तरह आंध्र प्रदेश ने 1990 के दशक में भारत की आईटी क्रांति में केंद्रीय भूमिका निभाई थी, उसी तरह अब यह वैश्विक क्वांटम कंप्यूटिंग क्रांति का नेतृत्व करेगा। उन्होंने सात लाख सरकारी रिकॉर्ड को कंप्यूटरीकृत करने, एपी ऑनलाइन लॉन्च करने और अब "व्हाट्सएप गवर्नेंस" की ओर बढ़ने जैसी अपनी शुरूआती पहलों को याद किया, जहां वॉयस कमांड के जरिए सेवाएं नहीं दी जा सकती हैं। उन्होंने कहा, यह न केवल आंध्र प्रदेश बल्कि पूरे भारत के लिए एक ऐतिहासिक दिन है। अब क्वांटम कंप्यूटिंग को कोई नहीं रोक सकता- यह अगली पीढ़ी के शासन और नवाचार की नींव है। शिक्षाविदों, स्टार्ट-अप और वैश्विक भागीदारों को शामिल करने की आवश्यकता पर जोर देते हुए, उन्होंने सिलिकॉन वैली जैसे मॉडल का आह्वान किया, जो वास्तविक समय के विश्लेषण और समावेशी सार्वजनिक नीति द्वारा समर्थित हो। उन्होंने कहा, हम पी4 के तहत 1.7 करोड़ परिवारों का विश्लेषण कर रहे हैं और टीसीएस पहले से ही महत्वपूर्ण डेटा के साथ हमारा समर्थन कर रहा है।

उन्होंने दोहराया कि वित्तीय बाधाएं कोई बाधा नहीं हैं और एक आक्रामक, समयबद्ध दृष्टिकोण के लिए आग्रह किया ताकि एक स्केलेबल, प्रतिकृति पारिस्थितिकी तंत्र का निर्माण किया जा सके जो राष्ट्रीय बेंचमार्क के रूप में कार्य करे। मुख्यमंत्री ने भारत सरकार को शामिल करने के महत्व पर प्रकाश डाला और घोषणा की कि वह जल्द ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को इस बारे में जानकारी देंगे, जिन्होंने इस परियोजना के लिए बहुत उत्साह दिखाया है। उन्होंने कहा, सभी राजनेताओं में, मोदी जी और मैं तकनीक की बात करते हैं। हैदराबाद के हाईटेक सिटी को 15 महीनों में बनाने में आंध्र प्रदेश की पिछली सफलता का जिक्र करते हुए, उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि क्वांटम वैली का निर्माण और भी तेजी से किया जा सकता है। उन्होंने पुष्टि की कि साइट को एल एंड टी को दिखाया गया है और मुख्य क्वांटम सुविधा और इसके नवाचार पारिस्थितिकी तंत्र के एक साथ विकास का निर्देश दिया है।

निष्पादन को तेज़ करने के लिए दो समितियां गठित की जाएंगी : एक बुनियादी ढांचे पर और दूसरी पारिस्थितिकी तंत्र निर्माण पर। आईबीएम क्वांटम के उपाध्यक्ष जय गैम्बेटा ने एक विज्ञप्ति के माध्यम से अमरावती में आईबीएम के क्वांटम सिस्टम टू को तैनात करने के बारे में उत्साह व्यक्त किया।

मिस वर्ल्ड इवेंट्स के लिए सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम सुनिश्चित करें : डॉ. जितेन्द्र

डीजीपी ने पुलिस अधिकारियों को निर्देश दिए

हैदराबाद, 2 मई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के पुलिस महानिदेशक, डॉ. जितेन्द्र, ने पुलिस अधिकारियों को तेलंगाना राज्य सरकार द्वारा आयोजित किए जा रहे प्रतिष्ठित मिस वर्ल्ड इवेंट्स के लिए सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम करने के निर्देश दिए हैं। शुक्रवार को डीजीपी कार्यालय में आयोजित एक विशेष बैठक में पुलिस महानिदेशक ने वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के साथ सुरक्षा तैयारियों की समीक्षा की। इस अवसर पर, डीजीपी ने कहा कि मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने हाल ही में पुलिस अधिकारियों के साथ एक बैठक के दौरान इस बात पर जोर दिया था कि मिस वर्ल्ड इवेंट्स का आयोजन वैश्विक स्तर पर तेलंगाना की ब्रांड छवि को बढ़ाने के लिए किया जा रहा है और इसके लिए व्यापक सुरक्षा उपायों को लागू किया जाना चाहिए। डीजीपी ने उल्लेख किया कि लगभग 120 देशों के प्रतियोगियों के आने की उम्मीद है

और अब तक 116 देशों से पुष्टि प्राप्त हुई है। उन्होंने बताया कि लगभग एक महीने की अवधि में, ये प्रतियोगी समूहों में राज्य के विभिन्न क्षेत्रों का दौरा करेंगे। उन्होंने कहा कि मेहमानों का आगमन शुक्रवार से ही शुरू हो चुका है और मिस वर्ल्ड का भव्य उद्घाटन समारोह इस महीने की 10 तारीख को होना है। अपने कार्यक्रम के हिस्से के रूप में, प्रतियोगी मुलुगु जिले में रामप्पा मंदिर, नलगोंडा जिले में बुद्धवनम, महबूबनगर में पिल्लालामरी और वारंगल के गंतव्यों सहित प्रमुख पर्यटन और विरासत स्थलों का दौरा करेंगे। हैदराबाद में, लाल बाज़ार, सचिवालय, राचकोंडा कमिश्नरेट के तहत यादगिरिगुट्टा मंदिर, उप्पल स्टेडियम, पोचमपल्ली, रामोजी फिल्म सिटी, आदि का दौरा करने की योजना है। डीजीपी ने कहा कि इन स्थानों और कार्यक्रमों में सुरक्षा के समन्वय के लिए एक केंद्रीकृत नियंत्रण प्रणाली स्थापित की जाएगी। डीजीपी ने आगे कहा कि भव्य उद्घाटन समारोह गच्चीबावली स्टेडियम में आयोजित किया जाएगा, जबकि मिस वर्ल्ड फाइनल प्रतियोगिता इस महीने की 31 तारीख को हाईटेक्स में होने वाली है। डीजीपी ने गर्व के साथ कहा कि भारत भर में प्रदर्शन में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाली तेलंगाना पुलिस, 120 प्रतिभागी देशों के प्रतियोगियों और मेहमानों के लिए मजबूत सुरक्षा सुनिश्चित करेगी, जिससे दुनिया के सामने उनकी कार्यकुशलता प्रदर्शित होगी। डीजीपी ने पुष्टि की कि इस महीने की 31 तारीख को भव्य मिस वर्ल्ड फाइनल कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। बैठक में अतिरिक्त डीजीपी (एल एंड ओ) महेश एम. भागवत, एडीजीपी ग्रेहाउंड और ऑक्टोपस स्टीफन रवींद्र जो मिस वर्ल्ड के लिए पुलिस नोडल अधिकारी, नागी रेड्डी निदेशक अग्निशमन सेवा और एसडीआरएफ, हैदराबाद अतिरिक्त सीपी एल एंड ओ विक्रम सिंह मान, साइबराबाद आयुक्त अविनाश मोहंती, राचकोंडा आयुक्त सुधीर बाबू, मल्टी-जोनल आईजीपी चंद्रशेखर रेड्डी और वी. सत्यनारायण समेत अन्य लोग शामिल हुए। डीजीपी ने वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए वारंगल सीपी, एसपी मुलुगु, नलगोंडा और महबूबनगर से बातचीत की।

कांग्रेस एमएलसी बालमूर वेंकट ने अंतर्राष्ट्रीय कार्यक्रम में भाग लिया

हैदराबाद, 2 मई (स्वतंत्र वार्ता)। कांग्रेस एमएलसी डॉ. बालमूर वेंकट नरसिंग राव ने शुक्रवार को वियतनाम में एक अंतर्राष्ट्रीय कार्यक्रम में भाग लिया। वियतनाम के दा नांग में आयोजित पांच दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम में 13 देशों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया, जिन्होंने शहरी नियोजन के लिए सतत बुनियादी ढांचे और आवास तथा समावेशी और हरित भवन पर चर्चा में भाग लिया। प्रशिक्षण सत्र के दूसरे दिन भारत के दो प्रतिनिधियों के रूप में एमएलसी डॉ. बालमूर वेंकट और बुसा अनुलेखा ने भाग लिया।

यासांगी की फसल खत्म होने के करीब

हैदराबाद, 2 मई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना में यासांगी फसल का मौसम शुरू होने के साथ ही लाखों किसान अभी भी वादा किए गए रैतु भरोसा निवेश सहायता का इंतजार कर रहे हैं, जिससे किसानों में गंभीर चिंताएं पैदा हो रही हैं। पिछली बीआरएस व्यवस्था के विपरीत, जिसने यह सुनिश्चित किया था कि रैतु बंधु के तहत निवेश सहायता फसल के मौसम से पहले वितरित की जाए, रैतु भरोसा निधि अभी तक कई किसानों तक नहीं पहुंच पाई है। 26 जनवरी को बहुत धूमधाम से शुरू की गई 'रैतु भरोसा' योजना में सभी किसानों को चरणबद्ध तरीके से प्रति एकड़ 6,000 रुपये देने का वादा किया गया है। मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने खुद आश्वासन दिया है कि निवेश सहायता का वितरण 31 मार्च से पहले पूरा हो जाएगा। फिर भी वितरण सुस्त बना हुआ है।

अब तक सरकार ने 84.28 लाख एकड़ के करीब 57 लाख किसानों के खातों में 5,057 करोड़ रुपये जमा करने का दावा किया है।

तेलंगाना में जाति जनगणना एक राष्ट्रीय मॉडल बन गई : शब्बीर अली

कामारेड्डी, 2 मई (स्वतंत्र वार्ता)। वरिष्ठ कांग्रेस नेता और सरकार के सलाहकार मोहम्मद अली शब्बीर ने शुक्रवार को दावा किया कि तेलंगाना में कांग्रेस सरकार द्वारा कराई गई जाति जनगणना एक राष्ट्रीय मॉडल बन गई है, जिसने भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार को भी ऐसा ही करने के लिए मजबूर कर दिया है। उन्होंने कहा कि इस महत्वपूर्ण नीतिगत बदलाव का श्रेय लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी को जाता है, जिन्होंने सामाजिक न्याय सुनिश्चित करने के लिए एक उपकरण के रूप में राष्ट्रव्यापी जाति जनगणना की मांग को लगातार आगे बढ़ाया है। शब्बीर अली कामारेड्डी में कांग्रेस पार्टी की जिला स्तरीय बैठक में बोल रहे थे, जो राष्ट्रव्यापी 'जय बापू, जय भीम, जय संविधान' अभियान के हिस्से के रूप में आयोजित की गई थी। इस पहल का उद्देश्य संवैधानिक मूल्यों को बनाए रखना, सामाजिक समानता के लिए लड़ना और देश भर में जमीनी स्तर के कार्यकर्ताओं को संगठित करना है। बैठक की अध्यक्षता जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष कैलास श्रीनिवास राव ने की और इसमें जुक्कल विधायक लक्ष्मी कांता राव, येलारेड्डी विधायक मदन मोहन राव, पूर्व विधायक ई रविंदर रेड्डी, एग्रो इंडस्ट्रीज के राज्य अध्यक्ष कसुला बलराज और जिला प्रभारी सत्यनारायण गौड़ और वेणुगोपाल यादव शामिल हुए। मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी के नेतृत्व की प्रशंसा करते हुए शब्बीर अली ने कहा कि तेलंगाना ने अपनी राज्य स्तरीय जाति जनगणना के साथ राष्ट्रीय एजेंडा निर्धारित किया है, जिसने महत्वपूर्ण डेटा प्रस्तुत किया है जो दर्शाता है कि 56 प्रतिशत से अधिक आबादी पिछड़े वर्गों से संबंधित है। यह पहल अब देश के लिए एक मॉडल बन गई है।

इसने दिखाया कि जब सरकार पारदर्शिता और सामाजिक समानता के लिए प्रतिबद्ध होती है तो क्या संभव है। केंद्र सरकार द्वारा हाल ही में राष्ट्रीय जनगणना में जाति संबंधी आंकड़ों को शामिल करने की घोषणा का जिक्र करते हुए- जो 1931 के बाद पहली बार की गई ऐसी गणना है। शब्बीर अली ने कहा, जबकि केंद्रीय मंत्री हाशिए पर पड़े समुदायों को सशक्त बनाने का श्रेय ले रहे हैं, सच्चाई यह है कि यह निर्णय कांग्रेस पार्टी के अथक प्रयासों और तेलंगाना द्वारा स्थापित साहसिक उदाहरण का प्रत्यक्ष परिणाम है। राहुल गांधी की लगातार वकालत और भारत जोड़ो यात्रा जैसे आंदोलनों के माध्यम से बनाए गए दबाव के बिना, यह बदलाव नहीं हो पाता। उन्होंने यह भी बताया कि राहुल गांधी ने न केवल जाति जनगणना की मांग की थी, बल्कि इसके क्रियान्वयन के लिए एक पारदर्शी और समावेशी रूपरेखा तैयार करने में कांग्रेस पार्टी के समर्थन की पेशकश भी की थी। पिछली बीआरएस सरकार पर कटाक्ष करते हुए शब्बीर अली ने आरोप लगाया कि उनके मंत्री रहने के दौरान शुरू किए गए पैकेज 21, 22 और 23 जैसी प्रमुख पेयजल और सिंचाई जल परियोजनाओं को जानबूझकर रोक दिया गया था।

सब्जी ग्राफ्टिंग तकनीक से पैदावार में उल्लेखनीय वृद्धि

आईसीआरआईएसएटी के शोध से मिली जानकारी

हैदराबाद, 2 मई (स्वतंत्र वार्ता)। आईसीआरआईएसएटी के वैज्ञानिकों द्वारा हाल ही में किए गए एक अध्ययन से यह साबित हुआ है कि सब्जी ग्राफ्टिंग- उच्च उपज देने वाली कलम को तनाव-सहिष्णु रूटस्टॉक से जोड़ना- प्राकृतिक रूप से हवादार पॉलीहाउस (एनवीपीएच) खेती के साथ मिलकर उत्पादकता और आय बढ़ाने का एक शक्तिशाली और जलवायु-स्मार्ट तरीका प्रदान करता है। फ्रंटियर्स इन एग्रोनॉमी में प्रकाशित शोध में पॉलीहाउस परिस्थितियों में उगाए गए ग्राफ्टेड टमाटर के पौधों (सोलनम टोरवम रूटस्टॉक पर स्कियन) पर ध्यान केंद्रित किया गया, तथा उनकी तुलना खुले खेतों में गैर-ग्राफ्टेड नियंत्रणों से की गई।

परिणामों से पता चला कि एनवीपीएच में ग्राफ्टेड टमाटरों ने 63.8 प्रतिशत अधिक फल दिया, 3-5 अतिरिक्त कटाई चक्रों का आनंद लिया, और बड़ा पत्ती क्षेत्र, उच्च क्लोरोफिल सामग्री और अधिक पर्यावरणीय लचीलापन प्रदर्शित किया। आर्थिक विश्लेषण से पता चला है कि ग्राफ्टेड एनवीपीएच प्रणालियों के तहत उच्चतम सकल और शुद्ध रिटर्न के साथ-साथ बेहतर लाभ-लागत अनुपात भी है, जो कृषि लाभप्रदता और जलवायु परिवर्तनशीलता के प्रति लचीलापन बढ़ाने में प्रौद्योगिकी की क्षमता को रेखांकित करता है।

आईसीआरआईएसएटी के शोधकर्ता इस तकनीक की अन्य सब्जियों और फलों जैसे बैंगन, मिर्च, खीरा और खरबूजे के लिए भी उपयोगिता पर प्रकाश डालते हैं। सब्जी ग्राफ्टिंग में अध्ययन ने स्थापित किया कि सोलेनम टोरवम रूटस्टॉक्स पर ग्राफ्ट किए गए और पॉलीहाउस में उगाए गए टमाटर के पौधों ने खुले खेतों में गैर-ग्राफ्ट किए गए पौधों की तुलना में 63.79 प्रतिशत अधिक उपज दी। बेहतर प्रदर्शन बेहतर पौधे की शक्ति, लंबी कटाई अवधि (3-5 बार अधिक चुनना) और पर्यावरणीय तनावों के प्रति मजबूत प्रतिरोध से जुड़ा था। इस परिणाम ने समान चुनौतियों का सामना कर रही कई सोलेनेसियस सब्जियों में उच्च उत्पादकता को अनलॉक करने के लिए ग्राफ्टिंग की क्षमता को मजबूत किया।

आईसीआरआईएसएटी के अनुसंधान एवं नवाचार उप महानिदेशक डॉ. स्टैनफोर्ड ब्लेड ने कहा कि सब्जियों की ग्राफ्टिंग, खास तौर पर जब संरक्षित खेती के साथ संयुक्त की जाती है, तो यह छोटे किसानों के लिए एक बड़ा बदलाव है। हमारे निष्कर्ष बताते हैं कि यह दृष्टिकोण न केवल पैदावार और मुनाफे को बढ़ाता है, बल्कि किसानों को सिस्टम लचीलापन बनाने के लिए एक व्यावहारिक, जलवायु-स्मार्ट समाधान भी प्रदान करता है।

डॉ. रमेश सिंह, अंतरिम निदेशक- रेसिलिएंट फार्म एंड फूड सिस्टम्स, आईसीआरआईएसएटी ने कहा कि यह अध्ययन स्पष्ट रूप से दिखाता है कि ग्राफ्टिंग जलवायु परिवर्तनशीलता का सामना करने वाले क्षेत्रों में सब्जी की खेती में क्रांति लाने में कैसे मदद कर सकती है। सही समर्थन के साथ, यह तकनीक बागवानी उत्पादन प्रणालियों को बदल सकती है और पोषण और आजीविका में सुधार कर सकती है। आईसीआरआईएसएटी में इस अभिनव शोध के पीछे प्रमुख वैज्ञानिक डॉ. रोहन खोपड़े ने बताया कि हालांकि शुरूआती फोकस टमाटर पर था, लेकिन विकसित की गई ग्राफ्टिंग तकनीक बेहद बहुमुखी है। इसे कई तरह की सब्जियों पर लागू किया जा सकता है- जिसमें बैंगन, मिर्च, खीरा, लौकी और खरबूजे शामिल हैं- जिससे विभिन्न कृषि प्रणालियों में उत्पादकता बढ़ाने की क्षमता का पता चलता है।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

श्रीसंत को भारी पड़ा संजू सैमसन का समर्थन करना

> केसीए ने 3 साल का लगाया प्रतिबंध

नई दिल्ली, 2 मई (एजेंसियां)। केरल क्रिकेट एसोसिएशन ने एस श्रीसंत को 3 साल के लिए सभी तरह की क्रिकेट गतिविधियों से निलंबित कर दिया है। केरल क्रिकेट एसोसिएशन (केसीए) ने चैंपियंस ट्रॉफी के लिये भारतीय टीम से संजू सैमसन के बाहर रहने को लेकर हुए विवाद के सिलसिले में उनके खिलाफ कथित तौर पर झूठे और अपमानजनक बयान देने पर भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व तेज गेंदबाज एस श्रीसंत को तीन साल के लिये निलंबित कर दिया है। केसीए की ओर से जारी बयान में कहा गया है कि यह फैसला 30 अप्रैल को कोच्चि में उसकी आमसभा की विशेष बैठक में लिया गया।

श्रीसंत इस समय केरल क्रिकेट टीम में कोल्लम एरीस टीम के सह मालिक हैं। इससे पहले उनके विवादित बयान के सिलसिले में श्रीसंत, कोल्लम टीम, अलपुझा टीम लीड और अलपुझा रिपल्स को कारण बताओ नोटिस जारी किये गये थे। बयान में कहा गया, 'फ्रेंचाइजी टीमों ने नोटिस का संतोषजनक जवाब दे दिया लिहाजा उनके खिलाफ आगे कोई कार्रवाई नहीं की गई है, लेकिन बैठक में तय किया गया कि टीम प्रबंधन के सदस्यों की नियुक्ति के समय काफी एहतियात बरतने की सलाह दी जाएगी।' इसमें यह भी कहा गया कि संजू सैमसन के पिता सैमसन विश्वनाथ और दो अन्य के खिलाफ संजू सैमसन का नाम लेकर बेबुनियाद आरोप लगाने के लिये मुआवजे का दावा किया जाएगा। केसीए ने दो बार के विश्व कप विजेता श्रीसंत को एक मलयालम टीवी चैनल पर परिचर्चा के दौरान सैमसन और केसीए से जुड़ी टिप्पणियों के कारण नोटिस जारी किया। केसीए ने बयान में स्पष्ट किया कि नोटिस सैमसन का समर्थन करने के लिये नहीं दिया गया है, बल्कि केसीए के खिलाफ भ्रामक और अपमानजनक टिप्पणियां करने पर दिया गया है।

श्रीसंत ने टीवी पर संजू सैमसन के प्रति कथित तौर पर समर्थन जताते हुए केसीए पर आरोप लगाये थे। उन्होंने संजू सैमसन और केरल के अन्य खिलाड़ियों का बचाव करने की भी बात कही थी। उन्होंने यह बयान विजय हजारे ट्रॉफी के लिये केरल टीम से संजू सैमसन को बाहर करने को लेकर केसीए की आलोचना के बीच दिया था। समझा जाता है कि केसीए के इस फैसले से चैंपियंस ट्रॉफी के लिये भारतीय टीम के संजू सैमसन के चयन की संभावनाओं पर असर पड़ा।

'मैं वैभव सूर्यवंशी को नहीं खरीदता'

नई दिल्ली, 2 मई (एजेंसियां)। राजस्थान की टीम आईपीएल 2025 के प्लेऑफ से बाहर होने वाली सीएसके के बाद दूसरी टीम बन गई। राजस्थान को घरेलू मैदान पर मुंबई के हाथों हार मिली और ये टीम इस सीजन में प्लेऑफ की दौड़ से बाहर होने वाली दूसरी टीम बन गई। मुंबई ने राजस्थान को 100 रन से हराया और अब ये टीम 11 मैचों में 3 जीत और 8 हार के साथ अंकतालिका में 9वें नंबर पर है। राजस्थान के प्लेऑफ की दौड़ से बाहर होने के बाद चेन्नई सुपर किंग्स के पूर्व खिलाड़ी अभिनव मुकुंद ने पिछले साल आईपीएल 2025 की नीलामी में बल्लेबाजों पर जरूरत से ज्यादा पैसे खर्च करने के लिए राजस्थान प्रबंधन पर निशाना साधा। अभिनव के मुताबिक राजस्थान ने अपनी गेंदबाजी संयोजन पर ध्यान नहीं दिया और यही उनकी इस सीजन में सबसे बड़ी कमजोरी साबित हुई। राजस्थान के लिए स्थिति तब और खराब हो गई जब मुंबई के खिलाफ उनके दो बेहतरीन गेंदबाज संदीप शर्मा और वानिंदु हसरंगा मैदान पर नहीं उतर पाए।

हार्दिक पांड्या की आंख के ऊपर लगे 7 टांके

दिखाया गजब जज्बा, चोट के बावजूद खेली तूफानी पारी

मुंबई, 2 मई (एजेंसियां)। मुंबई इंडियंस के कप्तान हार्दिक पांड्या को राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ मैच से पहले गंभीर चोट लग गई थी. उनकी आंख बाल-बाल बची. आंख के ऊपर लगी चोट के बाद उनके 7 टांके लगाए गए थे, बावजूद इसके कप्तान ने गजब का जज्बा दिखाया और मैदान पर उतरे। मुंबई इंडियंस ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 217 रनों का बड़ा स्कोर बनाया था. रयान रिकेल्टन और रोहित शर्मा ने ताबड़तोड़ शुरुआत दिलाई, दोनों ने पहले विकेट के लिए 116 रनों की साझेदारी की. रिकेल्टन 38 गेंदों में 61 रन बनाकर आउट हुए, इस पारी में उन्होंने 3 छक्के और 7 चौके जड़े. रोहित शर्मा ने 36 गेंदों में 9 चौकों की मदद से 53 रन बनाए. रोहित के आउट होने के बाद सूर्यकुमार यादव और हार्दिक पांड्या ने नाबाद 94 रनों की साझेदारी की. सूर्या और हार्दिक ने 48-48 रन बनाए, दोनों नाबाद रहे और दोनों ने ही 23-23 गेंदें खेली।

मैच से पहले हार्दिक पांड्या को आए 7 टांके

टॉस में जब हार्दिक पांड्या आए तब उनकी आंख के ऊपर पट्टी बंधी हुई थी और उन्होंने एक चश्मा भी पहना हुआ था. तब पता चला कि मैच से पहले उनकी आंख के ऊपर चोट लगी थी और उन्हें 7 टांके आए, बावजूद उन्होंने आराम नहीं किया बल्कि महत्वपूर्ण मैच में मैदान पर उतरे. हार्दिक पांड्या ने तूफानी पारी खेली, 23 गेंदों में उन्होंने 1 छक्का और 6 चौकों की मदद से 48 रन बनाए. लक्ष्य का पीछा करते हुए राजस्थान रॉयल्स की पूरी टीम 117 रनों पर सिमट गई और मुंबई इंडियंस ने 100 रनों से बड़ी जीत दर्ज की. शानदार बल्लेबाजी के बाद कप्तान ने 1 विकेट भी चटकाया. उन्होंने 1 ही ओवर डाला, जिसमें मात्र 2 रन देकर इम्पैक्ट प्लेयर बनकर आए शुभम दुबे को आउट किया।

गुजरात टाइटंस के खिलाड़ी के लिए बोले शास्त्री

इसे इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज टीम में जरूर करो शामिल

नई दिल्ली, 2 मई (एजेंसियां)। आईपीएल 2025 सीजन के समाप्त होने के ठीक बाद भारत इंग्लैंड दौरे पर जाएगा। वहां भारत को 5 मैचों की टेस्ट सीरीज में हिस्सा लेना है और इस टेस्ट सीरीज के जरिए भारत अगले वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप का आगाज भी करेगा। भारत को इंग्लैंड में पिछले 18 साल में किसी भी टेस्ट सीरीज में जीत नहीं मिली है और भारत इसके लिए प्रतिबद्ध नजर आ रहा है।

साई सुदर्शन को टेस्ट टीम में करना चाहिए शामिल इस टेस्ट सीरीज के लिए अभी भारतीय टीम की घोषणा होनी बाकी है, लेकिन टीम इंडिया के पूर्व कोच रवि शास्त्री ने इंग्लैंड दौरे के लिए भारतीय टीम में गुजरात टाइटंस के ओपनर साई सुदर्शन को टीम में शामिल करने की वकालत की है जिनका मौजूदा आईपीएल में शानदार प्रदर्शन रहा है। बाएं हाथ का ये बल्लेबाज ऑरेंज कैप की रेस में लगातार बना हुआ है और अब तक खेले 9 मैचों में उन्होंने 456 रन बनाए हैं। साई ने अब तक 9 मैचों में 5 अर्धशतक भी लगाए हैं। रवि शास्त्री ने आईसीसी रिव्यू में बात करते हुए कहा कि मैं उन्हें भारत के लिए क्रिकेट के हर प्रारूप में देखता हूं। वह एक क्लास खिलाड़ी है और मेरी नजर निश्चित रूप से उन पर होगी। उन्होंने आगे कहा कि इंग्लैंड में बाएं हाथ के बल्लेबाज होने के नाते साथ ही इंग्लिश कंडीशन को जानने के कारण और उनकी तकनीक, जिस तरह से वो खेलते हैं मुझे लगता है कि वो टेस्ट टीम में शामिल होने की चाह रखने वाले सभी खिलाड़ियों की सूची में शीर्ष पर होंगे। पूर्व भारतीय कोच ने कहा कि भारत को टेस्ट सेट-अप के लिए अपने बाएं हाथ के सीम विकल्पों पर भी विचार करना चाहिए।

रवि शास्त्री ने भारतीय टीम मैनेजमेंट से अर्शदीप सिंह और खलील अहमद पर नजर रखने का आग्रह किया। शास्त्री ने कहा कि आपको एक बाएं हाथ के तेज गेंदबाज की जरूरत है और उसकी खोज करो। चाहे वह कोई भी हो और जो भी हो सबसे अच्छा हो उसका चयन करें।

कोहली को पछाड़ ऑरेंज कैप की रेस में सबसे आगे आए सूर्यकुमार यादव

नई दिल्ली, 2 मई (एजेंसियां)। भारतीय क्रिकेटर सूर्यकुमार यादव आईपीएल 2025 में मुंबई इंडियंस टीम का हिस्सा हैं. गुरुवार को राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ उन्होंने 48 रन बनाए, वह अपने अर्धशतक से 2 रन दूर रह गए. 23 गेंदों में खेली इस नाबाद पारी में उन्होंने 3 छक्के और 4 चौके जड़े. इस पारी के साथ वह विराट कोहली और साईं सुदर्शन को पीछे छोड़कर सीजन में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज बन गए हैं, ऑरेंज कैप उनके सर सज चुकी है. यहां हम आपको सूर्यकुमार यादव की नेटवर्थ के बारे में बता रहे हैं।

48 रनों की पारी खेलकर सूर्यकुमार यादव ने आईपीएल में इतिहास रचा, वह अब लगातार सबसे ज्यादा 25 प्लस रन बनाने वाले बल्लेबाज बन गए हैं, उन्होंने रोबिन उथप्पा को पीछे छोड़ा जिन्होंने 10 बार लगातार 25 से अधिक रनों की पारी खेली थी।

आईपीएल 2025 में सूर्यकुमार यादव

सूर्यकुमार यादव ने आईपीएल के 18वें संस्करण में 11 मैच खेले हैं, जिसमें 67.85 की एवरेज से 475 रन बनाए हैं. वह विराट कोहली और साईं सुदर्शन को पीछे छोड़कर टूर्नामेंट में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज बन गए हैं. तीसरे नंबर पर मौजूद कोहली ने 10 पारियों में 443 रन बनाए हैं. दूसरे नंबर पर मौजूद सुदर्शन ने 9 पारियों में 456 रन बनाए हैं।

सूर्यकुमार यादव की नेट वर्थ

सूर्यकुमार यादव की कमाई बीसीसीआई के सालाना कॉन्ट्रैक्ट, आईपीएल की कमाई, मैच फीस और विज्ञापनों से होती है. आईपीएल 2025 के लिए मुंबई ने सूर्या को 16.35 करोड़ रुपये में रिटेन किया था. बीसीसीआई के ताजा वार्षिक अनुबंध में सूर्या केटेगरी 'बी' में शामिल किए गए हैं, उनके साथ इस ग्रुप में कुल 5 प्लेयर शामिल हैं. इसमें उनकी एक साल की कमाई 3 करोड़ रुपये हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक सूर्यकुमार यादव की कुल नेटवर्थ 50 करोड़ रुपये के आस पास है. आईपीएल और बीसीसीआई की सैलरी के आलावा मैच फीस और विज्ञापनों से उनकी मोटी कमाई होती है. सूर्यकुमार यादव के पास कई लज्जरी कारों का कलेक्शन है. उनके पास मर्सिडीज बेंज, ऑडी आरएस 5, पोर्शे 911 जैसी महंगी कार हैं. सूर्या के घर की कीमत करोड़ो में हैं।

टॉप पर पहुंची मुंबई इंडियंस

गुरुवार को राजस्थान रॉयल्स को 100 रनों से हराने के बाद मुंबई इंडियंस अंक तालिका में नंबर 1 स्थान पर पहुँच गई है. उसने 11 में से 7 मैच जीते हैं, 14 अंकों के साथ उसका नेट रन रेट (+1.274) भी शानदार है. टीम अगर अपना एक और मैच जीत लेगी तो उसकी प्लेऑफ में जगह लगभग पक्की हो जाएगी।

आईपीएल 2025 : मुंबई इंडियंस ने 'तीसरी सबसे बड़ी जीत' दर्ज कर 17वीं बार बनाया 'क्लीन स्वीप' का रिकॉर्ड

नई दिल्ली, 2 पांच बार की चैंपियन मुंबई इंडियंस की टीम ने इंडियन प्रीमियर लीग 2025 में अपनी लगातार छठी जीत हासिल करने के बाद अंक तालिका में टॉप स्थान पर कब्जा कर लिया है। एमआई ने आईपीएल 2025 के 50वें मैच में राजस्थान रॉयल्स को 100 रनों से हरा दिया। आईपीएल के इतिहास में तीन बार ऐसे मौके आए हैं जब एमआई ने एक सीजन में लगातार छह जीत हासिल की। उन्होंने सबसे पहले सीजन 2008 में ऐसा किया था। इसके बाद सीजन 2017 में भी उन्होंने ऐसा ही किया। इसके बाद मौजूदा सीजन में भी शुरुआती लड़खड़ाहट के बाद उनकी गाड़ी अब सरपट दौड़ रही है। खास बात यह है कि जब भी एमआई ने पांच या उससे ज्यादा जीत लगातार हासिल की है, तब-तब वे फाइनल (सीजन 2008 को छोड़कर) में पहुंचने में कामयाब रहे हैं। एमआई ने आईपीएल 2025 के 50वें मैच में जयपुर के सवाई मानसिंह स्टेडियम में पहले बैटिंग करते हुए निर्धारित 20 ओवरों में 2 विकेट के नुकसान पर 217 रन बनाए। यह 17वीं बार ऐसा हुआ है जब इस टीम ने 200 प्लस का टारगेट सफलतापूर्वक डिफेंड किया और इतना लक्ष्य सेट करने के बाद एक भी मैच नहीं हारा। यानी पहले बैटिंग करते हुए 200 प्लस रन बनाने के बाद जीत के मामले में एमआई का 100 प्रतिशत रिकॉर्ड है।

एमआई ने यह मैच 100 रनों के बड़े अंतर से जीता। यह रनों के मामले में उनकी तीसरी सबसे बड़ी जीत है। एमआई की सबसे बड़ी जीत 2017 में दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ आई थी, जब उन्होंने 146 रनों से मैच जीता था। इसके बाद वे 2018 में भी केकेआर को उनके ही मैदान पर 102 रनों से हरा चुके हैं। मुंबई इंडियंस की टीम अब 11 मैचों में 7 जीत के बाद 14 अंक हासिल करने के बाद टॉप पर है। दूसरे स्थान पर मौजूद रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के भी इतने ही अंक हैं लेकिन एमआई का रन रेट बेहतर है। 10 टीमों में केवल एमआई ही एक ऐसी टीम है जिसका नेट रन रेट प्लस एक अंक से ऊपर है।

11 बार लगातार सूर्यकुमार यादव के हाथों टूटा रॉबिन उथप्पा का वह रिकॉर्ड जिस पर 2014 से था कब्जा

नई दिल्ली, 2 मई (एजेंसियां)। सूर्यकुमार यादव ने राजस्थान के खिलाफ इस सीजन के 50वें मैच में अपने शानदार फॉर्म को जारी रखा और टीम के लिए नाबाद 48 रन की पारी खेली। इस मैच में राजस्थान ने टॉस जी पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया और फिर मुंबई को रयान रिकेल्टन (61 रन) और रोहित शर्मा (51 रन) ने तेज शुरुआत दी। दोनों के बीच पहले विकेट के लिए 116 रन की साझेदारी हुई। सूर्या इस मैच में तीसरे नंबर पर खेलने आए थे और उन्होंने 23 गेंदों पर नाबाद 48 रन की पारी खेली।

मुंबई ने राजस्थान के खिलाफ इस मैच में 20 ओवर में 2 विकेट पर 217 रन बना डाले। इसके जबाव में राजस्थान की टीम 117 रन पर ही निपट गई और उसे 100 रन से हार मिली। सूर्यकुमार यादव ने इस मैच में अपनी नाबाद 48 रन की पारी के दम पर रॉबिन उथप्पा का वह रिकॉर्ड तोड़ दिया जिस पर उनका साल 2014 से यानी पिछले 11 साल से कब्जा था।

मुंबई इंडियंस जीतेगी आईपीएल 2025 का खिताब?

राजस्थान रॉयल्स को रौंदकर बनाया गजब संयोग!

नई दिल्ली, 2 मई (एजेंसियां)। पांच बार की चैंपियन मुंबई इंडियंस की टीम ने इंडियन प्रीमियर लीग 2025 में अपनी लगातार छठी जीत हासिल करने के बाद अंक तालिका में टॉप स्थान पर कब्जा कर लिया है। एमआई ने आईपीएल 2025 के 50वें मैच में राजस्थान रॉयल्स को 100 रनों से हरा दिया। आईपीएल के इतिहास में तीन बार ऐसे मौके आए हैं जब एमआई ने एक सीजन में लगातार छह जीत हासिल की। उन्होंने सबसे पहले सीजन 2008 में ऐसा किया था। इसके बाद सीजन 2017 में भी उन्होंने ऐसा ही किया। इसके बाद मौजूदा सीजन में भी शुरुआती लड़खड़ाहट के बाद उनकी गाड़ी अब सरपट दौड़ रही है।

खास बात यह है कि जब भी एमआई ने पांच या उससे ज्यादा जीत लगातार हासिल की है, तब-तब वे फाइनल (सीजन 2008 को छोड़कर) में पहुंचने में कामयाब रहे हैं। 2008 को छोड़ दिया जाए तो मुंबई इंडियंस ने 2017 में खिताब जीता। अब इस सीजन में टीम ने कमाल किया और अगर की इस संयोग को मानें तो मुंबई इंडियन फाइनल में पहुंचते दिख रही है। खिताबी मुकाबले में उसका रिकॉर्ड अच्छा रहा है। खासकर रोहित शर्मा के टीम से जुड़ने के बाद उसने हर फाइनल जीते हैं। इस बार हार्दिक पंड्या कप्तान हैं, जो अपनी कप्तानी में गुजरात टाइटंस को चैंपियन बना चुके हैं। टीम में सूर्यकुमार यादव भी अच्छा कर रहे हैं।

मैच की बात करें तो एमआई ने आईपीएल 2025 के 50वें मैच में जयपुर के सवाई मानसिंह स्टेडियम में राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ पहले बैटिंग करते हुए निर्धारित 20 ओवरों में 2 विकेट के नुकसान पर 217 रन बनाए। यह 17वीं बार ऐसा हुआ है जब इस टीम ने 200 प्लस का टारगेट सफलतापूर्वक डिफेंड किया और इतना लक्ष्य सेट करने के बाद एक भी मैच नहीं हारा। यानी पहले बैटिंग करते हुए 200 प्लस रन बनाने के बाद जीत के मामले में एमआई का 100 प्रतिशत रिकॉर्ड है।

एमआई ने यह मैच 100 रनों के बड़े अंतर से जीता। यह रनों के मामले में उनकी तीसरी सबसे बड़ी जीत है। एमआई की सबसे बड़ी जीत 2017 में दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ आई थी, जब उन्होंने 146 रनों से मैच जीता था। इसके बाद वे 2018 में भी केकेआर को उनके ही मैदान पर 102 रनों से हरा चुके हैं। मुंबई इंडियंस की टीम अब 11 मैचों में 7 जीत के बाद 14 अंक हासिल करने के बाद टॉप पर है। दूसरे स्थान पर मौजूद रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के भी इतने ही अंक हैं लेकिन एमआई का रन रेट बेहतर है। 10 टीमों में केवल एमआई ही एक ऐसी टीम है जिसका नेट रन रेट प्लस एक अंक से ऊपर है।

ईसीबी ने लिया हैरान करने वाला फैसला-महिला क्रिकेट में ट्रांसजेंडर खिलाड़ियों के लिए नो एंट्री

लॉर्ड्स, 2 मई (एजेंसियां)। इंग्लैंड और वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) ने शुक्रवार को एक बड़ा फैसला लेते हुए ट्रांसजेंडर खिलाड़ियों को महिला और लड़कियों के क्रिकेट मैचों में भाग लेने से रोक दिया। यह निर्णय फुटबॉल एसोसिएशन (एफए) द्वारा इसी तरह का कदम उठाने के 24 घंटे से भी कम समय में आया है। ईसीबी ने अपने बयान में कहा कि यह बदलाव हाल ही में सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद "अपडेटेड कानूनी स्थिति" को देखते हुए किया गया है, जिसमें स्पष्ट किया गया कि कानूनी रूप से महिलाओं की परिभाषा में ट्रांसजेंडर शामिल नहीं हैं। ईसीबी के बयान के अनुसार "तत्काल प्रभाव से केवल वे खिलाड़ी जिनका जैविक लिंग (बायोलॉजिकल सेक्स) महिला है, वे महिला और लड़कियों के क्रिकेट मैचों में खेलने के लिए पात्र होंगी। ट्रांसजेंडर महिलाएं और लड़कियां ओपन और मिक्स्ड क्रिकेट में खेलना जारी रख सकती हैं।"

ईसीबी ने कहा कि वह खेल में समावेशिता (इन्क्लूसिविटी) के पक्ष में है, लेकिन सुप्रीम कोर्ट के फैसले ने उन्हें महिला और लड़कियों के क्रिकेट के लिए नए नियम बनाने के लिए प्रेरित किया है। बोर्ड ने अपने बयान में आगे कहा, "हमारे रिक्रिएशनल क्रिकेट के नियम हमेशा से यह सुनिश्चित करने के लिए बनाए गए हैं कि क्रिकेट एक समावेशी खेल बना रहे। इनमें लिंग की परवाह किए बिना असमानताओं को प्रबंधित करने और सभी खिलाड़ियों के खेल के आनंद को सुरक्षित रखने के उपाय शामिल थे।" हालांकि, ईसीबी ने यह भी जोड़ा, "सुप्रीम कोर्ट के फैसले के प्रभाव के बारे में मिली नई सलाह को देखते हुए, हम मानते हैं कि आज घोषित किए गए बदलाव आवश्यक हैं।"

यह फैसला ट्रांसजेंडर खिलाड़ियों के लिए एक भावनात्मक और चुनौतीपूर्ण क्षण हो सकता है, जो क्रिकेट के माध्यम से अपनी पहचान और जुनून को व्यक्त करना चाहते हैं। ईसीबी का यह कदम कानूनी दृष्टिकोण से भले ही उचित हो लेकिन यह उन खिलाड़ियों के सपनों और आकांक्षाओं पर असर डाल सकता है जो खेल को अपने जीवन का हिस्सा मानते हैं।

बस ने ऑटो को मारी टक्कर

एक यात्री की मौत, 19 घायल

आदिलाबाद, 2 मई (स्वतंत्र वार्ता)। गुरुवार को एचोडा मंडल के कोकासमनूर गांव में टीजीएसआरटीसी बस ने एक ऑटोरिक्शा को टक्कर मार दी, जिससे एक यात्री की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि 19 अन्य घायल हो गए। पुलिस ने बताया कि आरटीसी बस के एक यात्री की मौके पर ही मौत हो गई, जब ड्राइवर ने सड़क पर घूम रही गायों से टक्कर बचाने की कोशिश की, जिसके कारण बस पलट गई। बस और ऑटो-रिक्शा में सवार यात्री घायल हो गए। मृतक यात्री की पहचान अभी नहीं हो पाई है। घायल यात्रियों को आदिलाबाद के राजीव गांधी आयुर्विज्ञान संस्थान (आरआईएमएस) ले जाया गया। दुर्घटना में चार गायें भी मर गईं। घटना की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और बचाव कार्य शुरू किया। घायलों में से कुछ की हालत गंभीर बताई जा रही है। दुर्घटना के समय बस आदिलाबाद से निर्मल जा रही थी। मवेशियों की आवाजाही को दुर्घटना का कारण माना जा रहा है।

तेलंगाना राज्य नगरपालिका अध्यक्ष चैंबर में आग लगी

हैदराबाद, 2 मई (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद के हिमायतनगर स्थित तेलंगाना राज्य नगरपालिका अध्यक्ष चैंबर्स भवन में आज सुबह विद्युत शॉट सर्किट से आग लग गई। इस दुर्घटना में कक्ष में रखा फर्नीचर, संबंधित फाइलें और अन्य सामग्री पूरी तरह जल गई, जिससे भारी क्षति हुई। अग्निशामक यंत्रों से आग पर काबू पाया गया। जैसे ही मामला प्रकाश में आया, म्यूनिसिपल चैंबर के राज्य अध्यक्ष वेन रेड्डी राजू ने तुरंत इमारत का दौरा किया और घटना के हालात की जानकारी ली। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि संयुक्त आंध्र राज्य में अध्यक्षों द्वारा अपने स्वयं के धन से निर्मित भवन नगरपालिका में क्रांतिकारी परिवर्तन का मंच बन गया। प्रभावी प्रशासन जागरूकता ने न केवल बेहतर नगर प्रशासन से संबंधित कई पहलुओं के लिए दिशा-निर्देश का काम किया, बल्कि नगर निकायों को पूर्ण स्तर पर मजबूत बनाने में भी कई मुद्दों के समाधान में प्रभावी ढंग से काम किया। इस ऐतिहासिक कक्ष में आग लगना एक त्रासदी थी। वेन रेड्डी ने मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी और आरएंडबी मंत्री कोमाटिरेड्डी वेंकट रेड्डी से इस भवन के लिए आर्थिक सहायता की मांग की।

हाईकोर्ट ने अवैध निर्माण पर जनहित याचिका पर लिया संज्ञान

उस्मानसागर-हिमायतसागर बफर जोन में चल रहे अवैध निर्माण

हैदराबाद, 2 मई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना उच्च न्यायालय ने उस्मानसागर और हिमायतसागर के जुड़वां जलाशयों के आसपास के जैव-संरक्षण क्षेत्र में चल रहे अवैध निर्माण को उजागर करने वाली एक और जनहित याचिका (पीआईएल) का संज्ञान लिया है। मोइनाबाद मंडल के पेद्दामंगलरम गांव के किसान एम. माधव रेड्डी द्वारा दायर याचिका में आरोप लगाया गया है कि सरकारी आदेश (जीओ) 111 के तहत परिभाषित 10 किलोमीटर के प्रतिबंधित बफर जोन के भीतर वाणिज्यिक गतिविधि - विशेष रूप से नए कन्वेंशन सेंटरों का निर्माण - बेरोकटोक जारी है।

मामले में निजी प्रतिवादियों में आनंदा कन्वेंशन, नियो कन्वेंशन, आर्य कन्वेंशन, केएलएन उत्सव और के कन्वेंशन सेंटर सहित कई कन्वेंशन सुविधाओं के प्रशासक शामिल हैं। याचिकाकर्ता ने दावा किया कि ये संस्थाएं मौजूदा पर्यावरण प्रतिबंधों का घोर उल्लंघन करते हुए नई निर्माण परियोजनाएं शुरू कर रही हैं। स्थानीय निवासियों और हितधारकों की कई शिकायतों के बावजूद, याचिकाकर्ता ने आरोप लगाया कि सरकारी एजेंसियां - जिनमें सिंचाई विभाग, तेलंगाना प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, हैदराबाद मेट्रोपॉलिटन जल आपूर्ति और सीवरेज बोर्ड (HMWSSB), हैदराबाद मेट्रोपॉलिटन विकास प्राधिकरण (HMDA), ग्रेटर हैदराबाद नगर निगम (GHMC) और झील संरक्षण समिति शामिल हैं - इन अनधिकृत विकासों के खिलाफ कार्रवाई करने में विफल रही हैं।

कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश सुजॉय पॉल और न्यायमूर्ति रेणुका यारा की पीठ ने याचिकाकर्ता के वकील की दलीलें सुनीं, जिन्होंने इस बात पर जोर दिया कि सर्वोच्च न्यायालय, राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एनजीटी) और उच्च न्यायालय के कई फैसलों ने इस पारिस्थितिक रूप से संवेदनशील क्षेत्र में किसी भी प्रकार के निर्माण पर स्पष्ट रूप से प्रतिबंध लगा दिया है।

वकील ने आगे बताया कि पिछली राज्य सरकार ने जीओ 111 के प्रावधानों की समीक्षा के लिए एक समिति गठित की थी, लेकिन कभी कोई औपचारिक निर्णय नहीं लिया गया, जिससे यह आदेश कानूनी रूप से बाध्यकारी हो गया। इसके बावजूद, प्रवर्तन ढीला रहा है, और एजेंसियों ने कथित तौर पर औपचारिक शिकायतों को नजरअंदाज किया है, जिससे उल्लंघन बेरोकटोक जारी है।

न्यायालय से हस्तक्षेप करने का आग्रह करते हुए याचिकाकर्ता ने प्रभावित गांवों में अवैध निर्माण को रोकने के लिए निर्देश देने की मांग की और अतिक्रमण की सीमा का आकलन करने के लिए एक विशेषज्ञ समिति या अधिवक्ता आयुक्त की नियुक्ति का अनुरोध किया। कांचा गाचीबोवली भूमि मामले में सर्वोच्च न्यायालय के सक्रिय रुख का हवाला देते हुए वकील ने जुड़वां जलाशयों की रक्षा के लिए भी इसी तरह की तत्परता की मांग की - हैदराबाद के लिए पीने के पानी के महत्वपूर्ण स्रोत और इसकी हरित पट्टी का हिस्सा। प्रारंभिक सुनवाई के बाद, पीठ ने न्यायालय रजिस्ट्री को जनहित याचिका को एक नियमित केस नंबर आवंटित करने का निर्देश दिया और इसमें शामिल सभी सरकारी विभागों और निजी पक्षों को नोटिस जारी कर उनसे जवाब मांगा। मामले को आगे की सुनवाई के लिए स्थगित कर दिया गया है।

मवेशियों के साथ दुर्व्यवहार करने के आरोप में 2 पर केस

आदिलाबाद, 2 मई (स्वतंत्र वार्ता)। उटनूर मंडल मुख्यालय में एक गौशाला में काम करने वाले दो व्यक्तियों पर उन मवेशियों के साथ दुर्व्यवहार करने का मामला दर्ज किया गया, जिन्हें पुलिस ने अवैध रूप से बूचड़खाने ले जाते समय बचाया था। उत्नूर एएसपी काजल सिंह ने एक प्रेस बयान में कहा कि उत्नूर मंडल केंद्र से कामधेनु गौशाला के मालिक आर्यन और संचालक राजू के खिलाफ हाल ही में बचाए गए बैलों का दुरुपयोग करने का मामला दर्ज किया गया है। कथित तौर पर दोनों ने नियमों का उल्लंघन करते हुए खेत के जानवरों को दूसरों को सौंप दिया। काजल सिंह ने अदालती मामलों में शामिल मवेशियों के साथ दुर्व्यवहार करने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की चेतावनी दी।

दोस्त 2025 की अधिसूचना जारी, 3 मई से शुरू होंगे पंजीकरण

हैदराबाद, 2 मई (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य में डिग्री कार्यक्रमों में प्रवेश के लिए डिग्री ऑनलाइन सेवा तेलंगाना (दोस्त) 2025 की अधिसूचना शुक्रवार को जारी की गई, जिसके पहले चरण की काउंसलिंग के लिए पंजीकरण शनिवार से शुरू हो रहा है। तेलंगाना उच्च शिक्षा परिषद के अध्यक्ष और दोस्त के संयोजक प्रो.वी. बालकिशन रेड्डी और कॉलेजिएट शिक्षा आयुक्त ए. श्रीदेवसेना द्वारा जारी अधिसूचना के अनुसार, 200 रुपये के शुल्क के साथ पहले चरण के प्रवेश के लिए आवेदन करने की अंतिम तिथि 21 मई है। पंजीकरण वेबसाइट https://dost.cgg.gov.in पर किया जा सकता है और वेब विकल्प का प्रयोग 10 से 22 मई तक किया जा सकता है।

विशेष श्रेणी (पीएच/सीएपी/एनसीसी/खेल/पाठ्येतर गतिविधियां) के तहत प्रवेश का दावा करने वाले अभ्यर्थियों को 21 और 22 मई को विश्वविद्यालय हेल्पलाइन केंद्रों पर प्रमाण पत्र सत्यापन के लिए उपस्थित होना होगा। प्रथम चरण के प्रवेश में भाग लेने वाले अभ्यर्थियों के लिए सीट आवंटन 29 मई को किया जाएगा तथा सीट पाने वाले अभ्यर्थियों को 30 मई से 6 जून के बीच ऑनलाइन रिपोर्ट करनी होगी। इसी तरह, प्रवेश के दो और चरण आयोजित किए जाएंगे। प्रवेश के तीन चरणों के बाद, छात्रों के लिए 24 से 28 जून तक ओरिएंटेशन सत्र आयोजित किए जाएंगे और पहले सेमेस्टर की कक्षाएं 30 जून से शुरू होंगी। टीजीसीएचई के उपाध्यक्ष प्रो. एसके महमूद, सचिव प्रो. श्रीराम वेंकटेश और कॉलेजिएट शिक्षा अकादमिक मार्गदर्शन अधिकारी प्रो. बाला भास्कर सहित अन्य अधिकारियों ने डीओएसटी अधिसूचना जारी करने में भाग लिया।

धोखाधड़ी के आरोप में महाराष्ट्र का आरोपी गिरफ्तार

हैदराबाद, 2 मई (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद साइबर क्राइम पुलिस ने महाराष्ट्र के एक ड्राइवर गुरजोत सिंह (26) को तेलंगाना के दो मामलों सहित पूरे भारत में 16 निवेश धोखाधड़ी मामलों में कथित संलिप्तता के लिए गिरफ्तार किया है। उन्होंने अपना बैंक खाता साइबर धोखेबाजों को दे दिया था, जिन्होंने धोखाधड़ी से प्राप्त धन को उस खाते में स्थानांतरित कर दिया।

पुलिस के अनुसार, हाल ही में शहर का एक 56 वर्षीय व्यक्ति गिरोह का ताजा शिकार बना। शुरू में उसने संदिग्धों द्वारा उपलब्ध कराए गए विभिन्न बैंक खातों में छोटी-छोटी रकम निवेश की थी, जिसमें हर दिन कुछ न कुछ लाभ दिखाया जाता था। संदिग्धों ने पीड़ित को बताया कि उसे लाभ की राशि उसके एप्लीकेशन वॉलेट में प्राप्त होगी तथा प्रत्येक निकासी पर कर की कटौती के बाद उसे उसके व्यक्तिगत बैंक खाते में निकाला जा सकेगा। उन्होंने इन खातों को असली मानकर कई बार में 2.4 करोड़ रुपए जमा कर दिए। बाद में उन्होंने निकासी प्रक्रिया बंद कर दी। उनकी शिकायत के आधार पर साइबर क्राइम पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और संदिग्ध को गिरफ्तार कर लिया है। अन्य लोगों को पकड़ने के प्रयास जारी हैं।

आपत्तिजनक सामग्री पोस्ट करने पर यूजर पर केस

हैदराबाद, 2 मई (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद साइबर अपराध पुलिस ने मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी के खिलाफ कथित रूप से आपत्तिजनक और छेड़छाड़ की गई सामग्री पोस्ट करने के लिए एक सोशल मीडिया उपयोगकर्ता के खिलाफ आपराधिक मामला दर्ज किया है। इससे पहले, तेलंगाना प्रदेश कांग्रेस कमेटी के सोशल मीडिया विंग के राज्य सचिव कैलाश सज्जन ने शिकायत दर्ज कराई थी कि डिगटीवीतेलुगु नामक एक अकाउंट ने 'एक्स' अकाउंट पर मुख्यमंत्री को अपमानजनक तरीके से चित्रित करते हुए एक संपादित छवि पोस्ट की है। शिकायतकर्ता ने आगे आरोप लगाया कि यह सामग्री मुख्यमंत्री और कांग्रेस पार्टी को बदनाम करने के दुर्भावनापूर्ण इरादे से साझा की गई थी। शिकायत के आधार पर साइबर अपराध पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धाराओं के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

9 करोड़ रुपये की ठगी के आरोप में दंपत्ति गिरफ्तार

हैदराबाद, 2 मई (स्वतंत्र वार्ता)। साइबराबाद आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्ल्यू) के अधिकारियों ने तेलंगाना में, मुख्य रूप से साइबराबाद की सीमा में, लगभग 41 लोगों से 9 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी करने के आरोप में एक जोड़े को गिरफ्तार किया, उन्हें अपनी कंपनी - मोइनाबाद के अजीजनगर में स्थित कोंडापल्ली डेयरी फार्म प्राइवेट लिमिटेड में निवेश के लिए अच्छे रिटर्न का वादा किया गया था। कोकापेट के संदिग्ध वी सुब्बा राव और वी कुमारी ने अन्य लोगों के साथ मिलकर अखबारों में अपने निवेश की योजनाओं के बारे में व्यापक विज्ञापन दिया था। विज्ञापन देखकर इच्छुक लोगों ने उनसे संपर्क किया। पुलिस ने बताया कि संदिग्धों ने हर महीने 2 से 5 लाख रुपये के बीच भारी रिटर्न का वादा किया था। बाद में, निवेशक डेयरी फार्म पर गए, जहाँ संदिग्धों ने शेड और शेड में भैंस और गाय और दूध प्रसंस्करण इकाई मशीन दिखाकर अपने दूध के कारोबार का पता लगाया। अधिकारियों ने बताया कि वे निवेशकों से कहते थे कि उन्हें इस कारोबार से अधिक लाभ मिल रहा है और वे वास्तविक निवेशकों के साथ मिलकर इसका विस्तार करना चाहते हैं। शिकायत के आधार पर साइबर क्राइम पुलिस ने मामला दर्ज कर संदिग्धों को गिरफ्तार कर लिया।

धान खरीद में अधिकारियों की विफलता के खिलाफ किसानों ने किया प्रदर्शन

नारायणपेट, 2 मई (स्वतंत्र वार्ता)। अधिकारियों द्वारा तीन दिनों तक धान की खरीद न करने पर मगनूर और कृष्णा मंडल के किसानों ने राष्ट्रीय राजमार्ग 167 पर वडवत गेट के पास विरोध प्रदर्शन किया, जिसके परिणामस्वरूप भारी यातायात जाम हो गया। कांग्रेस सरकार के खिलाफ नारे लगाते हुए 50 से अधिक किसान अनाज से लदे ट्रैक्टरों के साथ सड़क पर बैठ गए। किसानों ने शिकायत की कि चावल मिल मालिक अधिकारियों के आदेश का हवाला देकर उनका स्टॉक खरीदने से मना कर रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि चावल मिल मालिकों को प्रति सीजन 2,000 क्विंटल से लेकर 5,000 क्विंटल तक की सीमित मात्रा में ही खरीद करने का निर्देश दिया गया है।

परिणामस्वरूप, जब मगनूर और कृष्णा मंडल के किसान स्टॉक के साथ चावल मिल में पहुंचे, तो प्रबंधन ने यह कहते हुए खरीद करने से इनकार कर दिया कि पहले से निर्धारित मात्रा की खरीद की जा चुकी है और अतिरिक्त मात्रा की खरीद नहीं की जा सकती, ऐसा रिपोर्ट में कहा गया है। चावल मिल प्रबंधन के इस फैसले से नाराज किसानों ने विरोध प्रदर्शन किया। हाईवे पर यातायात प्रभावित होने पर पुलिस ने हस्तक्षेप किया और किसानों को समझाने की कोशिश की, लेकिन वे नहीं माने। जैसे-जैसे विरोध प्रदर्शन तेज होता गया, स्थानीय कृषि अधिकारियों और प्राथमिक कृषि सहकारी ऋण सोसायटी के सदस्यों ने चावल मिल प्रबंधन से बात की और उन्हें किसानों से स्टॉक खरीदने का निर्देश दिया। रिपोर्ट के अनुसार चावल मिल प्रबंधन के आश्वासन के बाद किसानों ने अपना विरोध प्रदर्शन समाप्त कर दिया।

ओआरआर पर कारों की अनियंत्रित टक्कर से एक व्यक्ति की मौत

हैदराबाद, 2 मई (स्वतंत्र वार्ता)। शुक्रवार को शहर के बाहरी इलाके आदिबटला में बोंगुलुर के पास आउटर रिंग रोड पर एक कार के नियंत्रण से बाहर हो जाने और सड़क के मध्य भाग से टकरा जाने से एक व्यक्ति की मौत हो गई। दुर्घटना के समय पीड़ित डी. थिरुमलेश (30) अपनी मारुति ब्रीजा कार से शमशाबाद से हैदराबाद लौट रहे थे।

जानकारी के अनुसार, ओआरआर पहुंचने पर, तेज गति से गाड़ी चला रहे थिरुमलेश ने स्टीयरिंग व्हील पर नियंत्रण खो दिया और कार सड़क के मध्य में जा टकराई। उसी गति से कार सड़क के बीच से उछलकर दूसरी तरफ जा गिरी। रुकने से पहले यह कई बार पलटी। गाड़ी चला रहे थिरुमलेश को कई गंभीर चोटें आईं और उनकी मौके पर ही मौत हो गई। रास्ते से गुजर रहे वाहन चालकों द्वारा सूचना दिए जाने पर आदिबटला पुलिस मौके पर पहुंची और बचाव अभियान शुरू किया। दुर्घटना के कारण कार बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। आदिबटला पुलिस जांच कर रही है।

कर्मचारियों और पेंशनरों का मौन विरोध प्रदर्शन

वेतन और पेंशन जारी न किए जाने से नाराज हैं कर्मचारी

हैदराबाद, 2 मई (स्वतंत्र वार्ता)। राष्ट्रीय ग्रामीण विकास और पंचायती राज संस्थान (एनआईआरडीपीआर) हैदराबाद के 300 से अधिक कर्मचारियों और पेंशनरों ने अप्रैल महीने के वेतन और पेंशन जारी न किए जाने के विरोध में शुक्रवार दोपहर मौन विरोध प्रदर्शन किया। कर्मचारियों ने आरोप लगाया कि आमतौर पर, वेतन और पेंशन का भुगतान हर महीने के अंतिम कार्य दिवस पर जारी किया जाता है। यह ध्यान देने योग्य है कि एनआईआरडीपीआर को अप्रैल 2025 से भारत सरकार द्वारा अनुदान में कटौती का सामना करना पड़ रहा है। हालांकि, संस्थान के पास पिछले साल की पर्याप्त बचत है और वर्षों से बनाए गए कॉर्पस फंड से ब्याज आय भी है, जिसका उपयोग खर्चों को पूरा करने के लिए किया जा सकता है, महानिदेशक डॉ.जी नरेंद्र कुमार, जानबूझकर वेतन और पेंशन जारी करने में देरी कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि बिना किसी पूर्व सूचना के समय पर वेतन और पेंशन जारी करने में देरी से कर्मचारियों में गहरी दहशत और सदमा फैल गया है और कई कर्मचारी स्कूल की फीस, अस्पताल का खर्च, बैंक ऋण की ईएमआई समय पर चुकाने के लिए परेशान हैं। कर्मचारियों ने बताया कि एनआईआरडीपीआर में लगभग 220 स्थायी और 450 संविदा कर्मचारी हैं। महानिदेशक और वरिष्ठ प्रबंधन की योजना कई संविदा कर्मचारियों को हटाने की है जो लंबे समय से एनआईआरडीपीआर के साथ काम कर रहे हैं। प्रबंधन ने लागत में कटौती के उपायों के तहत दो-तिहाई सुरक्षा कर्मियों को पहले ही हटा दिया है। 170 एकड़ के विशाल परिसर की सुरक्षा के लिए वर्तमान में प्रति शिफ्ट केवल 5 से 6 सुरक्षा कर्मियों को ड्यूटी पर लगाया जा रहा है, जो पूरे परिसर की सुरक्षा को बड़े जोखिम में डालता है। पता चला है कि परिसर के रखरखाव में लगे 65 संविदा कर्मचारियों में से 80 प्रतिशत से अधिक को कम करने के निर्देश भी दिए गए हैं। यद्यपि ग्रामीण विकास मंत्रालय द्वारा युक्तिकरण के नाम पर किसी भी संविदा कर्मचारी को तुरंत नहीं हटाने की सलाह दी गई थी, लेकिन महानिदेशक एनआईआरडीपीआर ने संस्थान में दहशत पैदा करते हुए बड़े पैमाने पर परियोजना कर्मचारियों को हटाना शुरू कर दिया। 2021 में विघटन प्रक्रिया शुरू होने के बाद से, एनआईआरडीपीआर कर्मचारी और संकाय संस्थान की आत्मनिर्भरता और उनके भविष्य की सुरक्षा के लिए उठाए जा रहे कदमों के मुद्दों पर महानिदेशक से स्पष्टता की मांग कर रहे हैं। दुर्भाग्य से, महानिदेशक की ओर से कोई औपचारिक संचार, कोई समावेशी परामर्श और कोई स्पष्टता नहीं हुई है, जिससे कर्मचारियों, पेंशनभोगियों और उनके परिवारों में मानसिक पीड़ा और तनाव पैदा हुआ है। आज आयोजित विरोध प्रदर्शन के हिस्से के रूप में, कर्मचारियों और पेंशनभोगियों ने महानिदेशक डॉ.जी नरेंद्र कुमार को तत्काल हटाने और बदलने की मांग की, जिन्होंने कर्मचारियों का विश्वास और भरोसा खो दिया है और संस्थान को अराजक स्थिति और अनिश्चितता में ला दिया है।

सीएस ने विधानसभा अध्यक्ष से मुलाकात की

हैदराबाद, 2 मई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना राज्य सरकार के मुख्य सचिव के. रामकृष्ण राव ने तेलंगाना राज्य विधानसभा के अध्यक्ष गड्डाम प्रसाद कुमार से शिष्टाचार भेंट की। अध्यक्ष प्रसाद कुमार ने मुख्य सचिव रामकृष्ण राव को बंजारा हिल्स एमआरसी स्थित उनके सरकारी आवास पर पहुंचने पर शॉल और फूलों का गुलदस्ता देकर सम्मानित किया। इस शिष्टाचार भेंट में तेलंगाना विधानमंडल के सचिव डॉ.वी. नरसिम्हा चार्युलु ने भाग लिया।

साइबराबाद सीपी अविनाश मोहंती ने शी टीम के वाहनों को हरी झंडी दिखाई

हैदराबाद, 2 मई (स्वतंत्र वार्ता)। महिलाओं की सुरक्षा और सशक्तिकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए, और सार्वजनिक सुरक्षा को मजबूत करने और त्वरित प्रतिक्रिया सुनिश्चित करने के लिए, साइबराबाद के पुलिस आयुक्त अविनाश मोहंती, संयुक्त पुलिस आयुक्त (यातायात) डॉ. गजराव भूपाल, और भाग्यनगर गैस लिमिटेड (बीजीएल) के प्रतिनिधियों ने संयुक्त रूप से शी टीम के लिए 12 होंडा एक्टिवा स्कूटर को हरी झंडी दिखाई। इस पहल का उद्देश्य आयुक्तालय की सीमा के भीतर नागरिकों विशेष रूप से महिलाओं और बच्चों की सुरक्षा सुनिश्चित करना और निगरानी बढ़ाना है। कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) पहल के हिस्से के रूप में, भाग्यनगर गैस लिमिटेड ने सोसाइटी फॉर साइबराबाद सुरक्षा परिषद (एससीएससी) के माध्यम से साइबराबाद पुलिस को दोपहिया वाहन दान किए। लॉन्च का नेतृत्व साइबराबाद सीपी अविनाश मोहंती ने किया, जो एससीएससी के अध्यक्ष भी हैं। यह पहल एसएचई टीमों को बेहतर गतिशीलता के साथ सशक्त बनाने के लिए डिज़ाइन की गई है, ताकि वे संवेदनशील स्थानों पर तेजी से प्रतिक्रिया कर सकें, अपराधों को रोक सकें और कानून व्यवस्था को अधिक प्रभावी ढंग से बनाए रख सकें। यह दान साइबराबाद सुरक्षा परिषद (एससीएससी) के साथ साझेदारी में किया गया था, जो सामुदायिक सुरक्षा लक्ष्यों को आगे बढ़ाने में सार्वजनिक-निजी सहयोग के महत्व पर प्रकाश डालता है। पहल की प्रमुख विशेषताओं में बढ़ी हुई गश्त, त्वरित आपातकालीन प्रतिक्रिया, एसएचई टीमों की बढ़ी हुई दृश्यता और साइबराबाद पुलिस और एससीएससी के बीच मजबूत परिचालन तालमेल शामिल है। एससीएससी के सीईओ नावेद खान, सीएआर मुख्यालय एडीसीपी शमीर, डब्ल्यू एंड सीएसडब्ल्यू एसीपी प्रसन्ना कुमार, एसएचई टीम इंस्पेक्टर रमना रेड्डी और प्रताप लिंगम, बीजीएल के प्रबंध निदेशक राम मोहन राव कर्नाटी, बीजीएल के वाणिज्यिक निदेशक येलेश्वरपु दानुता, बीजीएल के महाप्रबंधक, वाणिज्यिक और विपणन रोहित गर्ग, महाप्रबंधक, सीजीडी ओमेश्वर कप्पला, ओआईसी हैदराबाद ए. रामकृष्ण, प्रबंधक, मानव संसाधन संग्राम पति, प्रबंधक, परियोजनाएं और ओ एंड एम सूरज येदला, उप प्रबंधक, प्रशासन और सुरक्षा साई प्रसाद, एमटीओ आरआई प्रशांत और वीरलिंगम, यातायात व्यवस्थापक बीएनएस रेड्डी, एससीएससी के सदस्य और अन्य वरिष्ठ पुलिस अधिकारी उपस्थित रहे।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.